THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-29 अंक : 244 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) मार्गशीर्ष कृ.11 2081 मंगलवार, 26 नवंबर-2024

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ✻ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

'बोस ने अपनी मूर्ति का इनॉगरेशन नहीं किया'

कोलकता, 25 नवंबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के गवर्नर सीवी आनंद बोस से जुड़े मूर्ति विवाद को लेकर सोमवार को राजभवन ने बयान जारी किया। राज्यपाल ऑफिस ने कहा- मीडिया रिपोर्ट में राज्यपाल बोस द्वारा अपनी प्रतिमा का अनावरण करने का जो दावा किया जा रहा है। वह गलत है। यह उन्हें बदनाम करने की साजिश है।

दो सदस्यीय पैनल इसकी जांच करेगा। दरअसल पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने 23 नवंबर को अपने कार्यकाल के दो साल पूरे किए थे। इस मौके पर उनकी एक तस्वीर सामने आई थी। जिसमें वह अपनी एक मूर्ति के साथ खड़े थे। आसपास काफी भीड़ थी। दावा किया गया कि बोस ने खुद अपने स्टैच्यू का इनॉगरेशन किया।

दबाव में झुकने वाला नहीं : रेवंत रेड्डी

> अदाणी समूह द्वारा प्रस्तावित 100 करोड़ रुपये सरकार नहीं लेगी

> किसी प्रकार के विवाद में नहीं पड़ना चाहती सरकार, विकास जरूरी

हैदराबाद, 25 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने आज यहां साफ तौर पर कहा कि वे किसी के दबाव में झुकने वाले नहीं हैं। अपने जुबली हिल्स आवास पर पत्रकारों से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि कुछ ताकतें राज्य सरकार पर अदाणी समूह से धन स्वीकार करने का आरोप लगा रही हैं। यह सरासर गलत है। उन्होंने कहा कि नियम के अनुसार, सभी को कानूनी रूप से निवेश करने का अवसर दिया गया है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने स्पष्ट किया कि नियमों के अनुसार बोली जीतने वाली कंपनी को निवेश करने का अवसर मिलेगा। कई कंपनियां कौशल विश्वविद्यालय के लिए कॉर्पस फंड के तहत धन उपलब्ध कराने के लिए आगे आई हैं, जिसे तेलंगाना सरकार ने महत्वाकांक्षी रूप से स्थापित किया है। इसके तहत, अदाणी समूह ने आगे आकर विश्वविद्यालय के लिए 100 करोड़ रुपये देने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि अभी तक, तेलंगाना सरकार ने अदाणी सहित किसी भी कंपनी से धन नहीं लिया है। चल रहे विवादों के मद्देनजर, सरकार ने एक पत्र लिखा जिसमें कहा गया कि राज्य सरकार अदाणी समूह द्वारा प्रस्तावित 100 करोड़ रुपये के फंड को स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं है। पत्र में उल्लेख किया गया है कि 100 करोड़ रुपये राज्य सरकार को हस्तांतरित नहीं किए जाने चाहिए। पड़ोसी राज्यों और दूसरे देशों में अदाणी कंपनी को लेकर जो विवाद चल रहे हैं, उनसे तेलंगाना का कोई लेना-देना नहीं है। उन्होंने कहा कि कौशल विश्वविद्यालय की शुरूआत अच्छे इरादे से की गई है और सरकार इसे विवादित नहीं बनाना चाहती है। यही वजह है कि सरकार ने अदाणी से 100 करोड़ रुपये का फंड स्वीकार नहीं करने का फैसला किया। सभी से अपील है कि इस मुद्दे को राजनीतिक नजरिए से न देखें और इसे विवादित न बनाएं। मीडिया हमेशा उनके दिल्ली दौरे के दौरान मंत्रिमंडल विस्तार को हाईलाइट करता है।

राज्यसभा में धनखड़-खड़गे के बीच बहस

नई दिल्ली, 25 नवंबर (एजेंसियां)। संसद के शीतकालीन सत्र का सोमवार को पहला दिन था। राज्यसभा में सभापति जगदीप धनखड़ और लीडर ऑफ अपोजिशन (एलओपी) मल्लिकार्जुन खड़गे के बीच बहस हुई। दरअसल धनखड़ ने खड़गे से कहा कि, हमारे संविधान को 75 साल पूरे हो रहे हैं। उम्मीद है आप इसकी मर्यादा रखेंगे।

इस पर खड़गे ने जवाब दिया कि, इन 75 सालों में मेरा योगदान भी 54 साल का है। तो आप मुझे मत सिखाइए। इस पर धनखड़ ने कहा कि, मैं आपको इतना सम्मान देता हूं और आप ऐसा बोल रहे हैं। मुझे दुख पहुंचा है। इसके बाद राज्यसभा की कार्यवाही 27 नवंबर तक के लिए स्थगित कर दी गई। उधर लोकसभा की कार्यवाही भी पूरी नहीं हो सकी। विपक्ष के नेता अदाणी मुद्दे पर हंगामा करते रहे। सदन को 27 नवंबर तक के लिए स्थगित कर दिया गया।

विपक्ष ने वक्फ विधेयक के लिए जेपीसी का कार्यकाल बढ़ाने की मांग की

समिति के अध्यक्ष की शिकायत भी की

नई दिल्ली, 25 नवंबर (एजेंसियां)। वक्फ संशोधन विधेयक पर बनी संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) में शामिल विपक्षी सदस्यों ने सोमवार को लोकसभा के स्पीकर ओम बिरला से मुलाकात की। इस दौरान विपक्षी सदस्यों ने जेपीसी का कार्यकाल बढ़ाने की मांग की। इतना ही नहीं इन सदस्यों ने समिति के अध्यक्ष जगदंबिका पाल को लेकर स्पीकर से शिकायत की और उन पर इस अहम मुद्दे पर कार्यवाही को जल्दबाजी में बढ़ाने का आरोप लगाया।

लोकसभा अध्यक्ष को सौंपे ज्ञापन में विपक्ष ने समिति का कार्यकाल बढ़ाने की अपील की, ताकि इस विधेयक पर विस्तृत विचार-विमर्श किया जा सके। डीएमके सांसद ए. राजा ने स्पीकर से मुलाकात के बाद कहा कि हमने उन्हें साफ बताया कि समिति के अध्यक्ष सही प्रक्रिया का पालन नहीं कर रहे और वह जल्दबाजी में कार्यवाही को कुचलने का प्रयास कर रहे हैं। समिति के जिन सदस्यों ने स्पीकर से मुलाकात की, उनमें डीएमके नेता ए. राजा और एम अब्दुल्ला के अलावा कांग्रेस के सैयद नासिर हुसैन, मोहम्मद जावेद और इमरान मसूद शामिल रहे। इसके अलावा तृणमूल सांसद कल्याण बनर्जी और एम नदीमुल हक, आम आदमी पार्टी से संजय सिंह, सपा से मोहिबुल्ला और एआईएमआईएम से असदुद्दीन ओवैसी शामिल रहे। ए. राजा ने कहा कि जगदंबिका पास जेपीसी की सही प्रक्रिया का पालन नहीं कर रहे हैं और उन्होंने इस रिपोर्ट को खुद से ही संसद के सामने 29 नवंबर को पेश करने का एलान कर दिया। उन्होंने कहा, जेपीसी में कई सारे नियम होते हैं, कायदे होते हैं।

संविधान से धर्मनिरपेक्ष-समाजवाद शब्द हटाने की मांग वाली याचिकाएं सुप्रीम कोर्ट द्वारा खारिज

नई दिल्ली, 25 नवंबर (एजेंसियां)। संविधान से धर्मनिरपेक्ष और समाजवाद शब्द हटाने की मांग वाली याचिकाओं को सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दिया है। ये याचिकाएं पूर्व राज्यसभा सांसद सुब्रमण्यम स्वामी, अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन और अन्य के द्वारा दायर की गईं थी। गौरतलब है कि साल 1976 में पारित हुए संविधान संशोधन के तहत धर्मनिरपेक्ष और समाजवाद जैसे शब्दों को जोड़ा गया था। बीते शुक्रवार को ही सुप्रीम कोर्ट ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। याचिका को खारिज करते हुए मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि इस याचिका पर विस्तार से सुनवाई करने की जरूरत नहीं है। सीजेआई ने कहा कि समाजवाद और धर्मनिरपेक्ष जैसे शब्द 1976 में संविधान संशोधन के जरिए जोड़े गए थे और इनसे 1949 में अपनाए गए संविधान पर कोई फर्क नहीं पड़ता। बता दें कि 1976 में इंदिरा गांधी सरकार ने 42वें संवैधानिक संशोधन करके संविधान की प्रस्तावना में 'समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष और अखंडता' शब्द शामिल किए थे। इस संशोधन के बाद प्रस्तावना में भारत का स्वरूप 'संप्रभु, लोकतांत्रिक गणराज्य' से बदलकर 'संप्रभु, समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष, लोकतांत्रिक गणराज्य' हो गया था।

सुनवाई के दौरान अपनी दलील देते हुए याचिकाकर्ता अधिवक्ता विष्णु कुमार जैन ने नौ-न्यायाधीशों की संविधान पीठ के एक हालिया फैसले का हवाला दिया। उन्होंने संविधान के अनुच्छेद 39(बी) पर 9 जजों की पीठ के फैसले का जिक्र करते हुए कहा कि उस फैसले में शीर्ष कोर्ट ने "समाजवादी" शब्द की उस व्याख्या पर असहमति जताई जिसे शीर्ष अदालत के पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति वी आर कृष्णा अय्यर और ओ चिन्नप्पा रेड्डी ने प्रतिपादित किया था।

एसआईटी को मामला सौंपने के आदेश

नई दिल्ली, 25 नवंबर (एजेंसियां)। आरजी कर मामले में विरोध प्रदर्शन को लेकर लगी एक याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। इस दौरान सर्वोच्च न्यायालय ने कलकत्ता हाईकोर्ट के आदेश में संशोधन किया। कोर्ट ने पुलिस हिरासत में महिलाओं को प्रताड़ित किए जाने के संबंध में सीबीआई जांच की जगह एसआईटी से जांच के आदेश दिए। सुप्रीम कोर्ट ने हिरासत में प्रताड़ित किए जाने के संबंध में एसआईटी को जांच की प्रगति रिपोर्ट साप्ताहिक आधार पर कलकत्ता हाईकोर्ट को सौंपने का निर्देश दिया।

जिन्हें जनता ने बार-बार नकारा, वे ही लोकतंत्र का अनादर कर रहे : पीएम

नई दिल्ली, 25 नवंबर (एजेंसियां)। संसद के शीतकालीन सत्र की शुरूआत में मीडिया से बात करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सभी सांसदों से संसद में स्वस्थ चर्चा करने की अपील की। उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए संसद में चर्चा न होने देने का आरोप लगाया। प्रधानमंत्री ने कहा कि साल 2024 का ये अंतिम कालखंड चल रहा है।

देश पूरी उमंग और उत्साह के साथ 2025 के स्वागत की तैयारी में लगा हुआ है। संसद का ये सत्र अनेक प्रकार से विशेष है। अब सबसे बड़ी बात है कि हमारे संविधान के 75 साल की यात्रा, 75वें साल में उसका प्रवेश, ये अपने आप में लोकतंत्र के लिए एक बहुत ही उज्जवल अवसर है। प्रधानमंत्री ने कहा, कल संविधान सदन में सब मिलकर के इस संविधान के 75वें वर्ष के उत्सव की मिलकर शुरूआत करेंगे। संविधान निर्माताओं ने संविधान निर्माण करते समय एक-एक बिंदू पर बहुत विस्तार से बहस की है, तब जाकर ऐसा उत्तम दस्तावेज हमें प्राप्त हुआ है। इसकी महत्वपूर्ण ईकाई है हमारी संसद। हमारे सांसद भी और हमारी संसद भी। संसद में स्वस्थ चर्चा हो, ज्यादा से ज्यादा लोग चर्चा में अपना योगदान दें। दुर्भाग्य से कुछ लोगों ने अपने राजनीतिक स्वार्थ के लिए, जिनको जनता ने अस्वीकार किया है, वे संसद को भी, मुट्ठी भर लोगों की हुड़दंग बाजी से कंट्रोल करने का लगातार प्रयास कर रहे हैं। उनका अपना मकसद तो संसद की गतिविधि रोकने से ज्यादा सफल नहीं होता और देश की जनता उनके सारे व्यवहारों को देखती है और जब समय आता है, तब सजा भी देती है।

वैष्णो देवी रोपवे प्रोजेक्ट के खिलाफ हिंसक प्रदर्शन

प्रोजेक्ट से रोजी रोटी छिन जाएगी

कटरा, 25 नवंबर (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के कटरा में वैष्णो देवी रोपवे प्रोजेक्ट के खिलाफ खच्चर और पालकीवालों ने विरोध शुरू कर दिया है। पुलिस ने सोमवार को प्रदर्शनकारियों को रोकने की कोशिश की तो भीड़ ने पत्थरबाजी शुरू कर दी। हिंसक प्रदर्शन में कुछ लोगों के घायल होने की खबर है।

वैष्णों देवी श्राइन बोर्ड कटरा में ताराकोट मार्ग और सांझी छत के बीच 12 किलोमीटर के मार्ग पर 250 करोड़ रुपये की लागत से रोपवे प्रोजेक्ट का निर्माण करवा रहा है।

वैष्णो देवी आने वाले श्रद्धालुओं को खच्चर और पालकीवाले मंदिर दर्शन कराने ले जाते हैं। ये उनके कमाई का जरिया है। इसलिए वे इसका विरोध कर रहे हैं। रियासी के एसएसपी परमवीर सिंह ने बताया, लोग पिछले तीन दिनों से यहां विरोध कर रहे हैं और हम स्थिति को संभाल रहे हैं। आज उनमें से कुछ ने पुलिस टीम पर पथराव किया। हम स्थिति को संभालने की कोशिश कर रहे हैं और उम्मीद है कि जल्द ही सामान्य स्थिति बहाल हो जाएगी।

जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल (एलजी) मनोज सिन्हा ने निर्माणाधीन जम्मू तवी रिवरफ्रंट परियोजना के स्थल का दौरा किया। उन्होंने कहा- 90 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है। उम्मीद है कि यह जनवरी तक पूरा हो जाएगा। कटरा में चल रहे विरोध प्रदर्शन पर उन्होंने कहा कि श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड द्वारा घोषित रोपवे परियोजना का उद्देश्य तीर्थयात्रियों के लिए तेज और सुरक्षित यात्रा प्रदान करना है।

'यह राजनीति से ऊपर और देश का उत्सव'

रिजिजू का विपक्ष पर पलटवार, कार्यक्रम का पूरा ब्योरा बताया

नई दिल्ली, 25 नवंबर (एजेंसियां)। संसद में मंगलवार को होने वाले संविधान दिवस कार्यक्रम को लेकर सरकार और विपक्ष आमने-सामने है। विपक्ष ने मांग की है कि संविधान दिवस समारोह के दौरान दोनों सदनों में विपक्ष के नेताओं को बोलने की अनुमति दी जाए। इसे लेकर संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने पलटवार किया है। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि संविधान दिवस का कार्यक्रम राजनीति से ऊपर है और देश का उत्सव है। उन्होंने पूरे कार्यक्रम की जानकारी दी।

संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि यह सिर्फ भारत की संसद का उत्सव नहीं है। एक तरह से हम भारत के संविधान का सम्मान कर रहे हैं और इसकी बातों को देश की जनता के सामने ला रहे हैं। हम संविधान निर्माताओं को श्रद्धांजलि दे रहे हैं। जब राष्ट्रपति दोनों सदनों के सदस्यों को संबोधित करेंगे, तो मेरा मानना है कि इसमें दलगत राजनीति नहीं होगी। हम भारतीय संविधान दिवस मनाएंगे।

प्रधानमंत्री भी नहीं कर रहे समारोह को संबोधित :

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि कुछ विपक्षी दलों के साथ समस्या यह है कि उन्होंने व्यवस्थाओं को जाने बिना ही प्रतिक्रिया देना शुरू कर दिया है। प्रधानमंत्री कल समारोह में बोल भी नहीं रहे हैं। केवल लोकसभा अध्यक्ष, उपराष्ट्रपति और भारत के राष्ट्रपति ही बोलेंगे।

हमने लोकसभा और राज्यसभा के विपक्षी नेताओं के लिए मंच पर बैठने की व्यवस्था की है। बिना कुछ जाने गंभीर अवसर पर इस तरह की प्रतिक्रिया निंदनीय है।

साल भर चलेंगे कार्यक्रम :

केंद्रीय संस्कृति सचिव अरुनीश चावला ने कहा कि मंगलवार को संविधान दिवस को 75 साल पूरे हो रहे हैं। पुराने संसद भवन के सेंट्रल हॉल और संविधान सदन में कार्यक्रम को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू संबोधित करेंगी। इसके बाद पूरे साल कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। विशेष वेबसाइट बनाई जाएगी। इसमें संविधान सभा की बैठकों और पैनल रिपोर्ट का ब्योरा होगा। देश के सभी स्कूलों, शहरों और गांवों में संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक पाठ किया जाएगा। लोग प्रस्तावना पढ़ने की वीडियो रिकॉर्ड करके इसे पोर्टल पर अपलोड करेंगे। इसके बाद उनको प्रमाण पत्र जारी किया जाएगा। इसके साथ ही सरकार डाक टिकट और सिक्का जारी करेगी।

आंबेडकर ने जम्मू कश्मीर के विशेष दर्जे का विरोध किया था : कानून मंत्री

नई दिल्ली, 25 नवंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने सोमवार को अपने एक बयान में कहा कि डॉ. भीमराव आंबेडकर ने जम्मू कश्मीर के विशेष दर्जे का विरोध किया था। मेघवाल ने कहा कि आंबेडकर का मानना था कि ये कदम देश की एकता और समावेश के खिलाफ जा सकता है।

डॉ. आंबेडकर ने संविधान ड्राफ्ट करने वाली समिति में अहम भूमिका निभाई थी। केंद्रीय मंत्री ने दावा किया कि जम्मू कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाला विधेयक जल्दबाजी में लागू किया गया और उस वक्त आंबेडकर सदन में मौजूद भी नहीं थे। केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने 'छात्रों के लिए भारत का संविधान' विषय पर आयोजित एक कार्यक्रम में शिरकत की। इस दौरान किताब का विमोचन भी किया गया। इसी दौरान केंद्रीय मंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि डॉ. आंबेडकर ने जम्मू कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले अनुच्छेद 370 को मान्यता नहीं दी थी। मेघवाल ने कहा कि, संविधान सभा के सामने आने वाले सभी अनुच्छेदों पर सबसे पहले डॉ. आंबेडकर ही बोलते थे। उस दौरान आधे या पूरे एक दिन से भी ज्यादा चर्चा होती थी। आंबेडकर बहस का जवाब देते थे। मेघवाल ने कहा कि दस्तावेज बताते हैं कि आंबेडकर ने अधिकतर बहस में अपनी बात रखी, लेकिन अनुच्छेद 370 पर उन्होंने बोलने से मना कर दिया था क्योंकि उन्होंने इसे देश की एकता और समावेशिता के खिलाफ माना। उन्होंने दावा किया कि पूर्व पीएम जवाहर लाल नेहरू ने अनुच्छेद 370 लागू करने पर जोर दिया था और उन्होंने संविधान ड्राफ्ट समिति के एक सदस्य को इसे पारित कराने की जिम्मेदारी सौंपी थी। आंबेडकर उस वक्त सदन में मौजूद नहीं थे क्योंकि वे अस्पताल गए हुए थे। यह (अनुच्छेद 370) जल्दबाजी में पारित हुआ था। मेघवाल ने कहा कि डॉ.आंबेडर सच्चे देशभक्त थे और प्रधानमंत्री भी उनकी तरह सच्चे देशभक्त है, जिन्होंने जम्मू कश्मीर के विशेष दर्जे को समाप्त किया।

संभल में हुई हिंसा को लेकर भड़के राहुल-प्रियंका

सुप्रीम कोर्ट से हस्तक्षेप की मांग की

नई दिल्ली, 25 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के संभल में रविवार को मस्जिद के सर्वे के दौरान हुई हिंसा को लेकर विपक्ष ने भाजपा सरकार को घेरा है। समाजवादी पार्टी से लेकर बसपा और कांग्रेस ने इस मुद्दे पर निष्पक्ष जांच की मांग की है। अब कांग्रेस नेता राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा ने भी इस मुद्दे को उठाया है। दोनों नेताओं ने इस मामले में सुप्रीम कोर्ट से न्याय की अपील की है।

लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने कहा, संभल, उत्तर प्रदेश में हालिया विवाद पर राज्य सरकार का पक्षपात और जल्दबाजी भरा रवैया बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। हिंसा और फायरिंग में जिन्होंने अपनों को खोया है उनके प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं। प्रशासन द्वारा बिना सभी पक्षों को सुने और असंवेदनशीलता से की गई कार्रवाई ने माहौल और बिगाड़ दिया और कई लोगों की मृत्यु का कारण बना- जिसकी सीधी जिम्मेदार भाजपा सरकार है। भाजपा का सत्ता का उपयोग हिंदू-मुसलमान समाजों के बीच दरार और भेदभाव पैदा करने के लिए करना न प्रदेश के हित में है, न देश के। मैं सुप्रीम कोर्ट से इस मामले में जल्द से जल्द हस्तक्षेप कर न्याय करने का अनुरोध करता हूं।

उन्होंने आगे कहा, मेरी अपील है कि शांति और आपसी सौहार्द बनाए रखें। हम सबको एक साथ जुड़ कर यह सुनिश्चित करना है कि भारत सांप्रदायिकता और नफरत नहीं, एकता और संविधान के रास्ते पर आगे बढ़े। वहीं, प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा, संभल में अचानक उठे विवाद को लेकर राज्य सरकार का रवैया बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। इतने संवेदनशील मामले में बिना दूसरा पक्ष सुने, बिना दोनों पक्षों को विश्वास में लिए प्रशासन ने जिस तरह हड़बड़ी के साथ कार्रवाई की, वह दिखाता है कि सरकार ने खुद माहौल खराब किया। प्रशासन ने जरूरी प्रक्रिया और कर्तव्य का पालन भी जरूरी नहीं समझा।

वायनाड से हाल ही में चुनाव जीतकर सांसद बनीं प्रियंका ने कहा, सत्ता में बैठकर भेदभाव, अत्याचार और फूट फैलाने का प्रयास करना न जनता के हित में है, न देश के हित में। माननीय सुप्रीम कोर्ट को इस मामले का संज्ञान लेकर न्याय करना चाहिए। प्रदेश की जनता से मेरी अपील है कि हर हाल में शांति बनाएं रखें।

केंद्र सरकार पर जमकर विपक्षी सांसदों से आरोप-प्रत्यारोप

खड़गे बोले-अदाणी समूह पर भ्रष्टाचार रिश्वतखोरी के गंभीर आरोप

नई दिल्ली, 25 नवंबर (एजेंसियां)। संसद के शीतकालीन सत्र की शुरूआत के साथ तमाम नेताओं की तरफ से आरोप-प्रत्यारोपों का दौर भी शुरू हो गया है। इस कड़ी में सोमवार को विपक्षी नेताओं ने कहा कि सरकार अदाणी मुद्दे पर सार्वजनिक बहस नहीं चाहती है। संसद के दोनों सदनों में कामकाज स्थगित कर इस मामले पर चर्चा की मांग के बीच सदन की कार्यवाही दिनभर के लिए स्थगित कर दी गई।

अदाणी मुद्दे पर दिया गया था स्थगन नोटिस :

सोमवार को कई विपक्षी दलों के नेताओं ने रिश्वतखोरी के आरोप में अदाणी समूह के संस्थापक अध्यक्ष गौतम अदाणी और अन्य पर अमेरिकी अदालत में अभियोग चलाने के मुद्दे पर चर्चा के लिए स्थगन नोटिस दिया। लेकिन संसद के दोनों सदनों में अध्यक्ष ने बहस की अनुमति देने से इनकार कर दिया और कार्यवाही दिनभर के लिए स्थगित कर दी। राज्यसभा में विपक्ष के उपनेता प्रमोद तिवारी ने कहा, कल सर्वदलीय बैठक में पूरे विपक्ष ने अदाणी समूह के खिलाफ रिश्वत के आरोपों पर चर्चा करने का प्रस्ताव रखा। आरोप अदाणी पर है, लेकिन भाजपा को दर्द हो रहा है। कांग्रेस सांसद ने कहा, अधिकांश दलों ने इस मुद्दे पर चर्चा के लिए नोटिस दिया था, लेकिन विपक्ष के नेता ने इस बात पर आपत्ति जताई कि इतने महत्वपूर्ण मुद्दे पर चर्चा नहीं की जा रही है। नतीजतन, सदन की कार्यवाही बुधवार तक के लिए स्थगित कर दी गई। उन्होंने कहा, मुझे समझ में नहीं आता कि सदन को स्थगित करने के बजाय वे इस पर चर्चा कर सकते थे। इससे पता चलता है कि सरकार अदाणी मुद्दे पर कोई सार्वजनिक बहस नहीं होने देना चाहती। हम यह मुद्दा नहीं उठा रहे हैं, यह मुद्दा न्याय विभाग (अमेरिका) की तरफ से उठाया गया है।

'संविधान को लेकर राजनीति करना कतई ठीक नहीं'

✻ शीतकालीन सत्र से पहले लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला बोले

नई दिल्ली, 25 नवंबर (एजेंसियां)। आज से संसद का शीतकालीन सत्र शुरू हो रहा है। इससे पहले लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने संविधान को राजनीति से दूर रखने की नसीहत दी। उन्होंने कहा कि संविधान को लेकर राजनीति करना ठीक नहीं है उसे राजनीति से दूर रखना चाहिए क्योंकि यह एक सामाजिक दस्तावेज और सामाजिक एवं आर्थिक बदलाव का स्रोत है।

संविधान हमारी ताकत :

उन्होंने कहा, संविधान हमारी ताकत है। यह हमारा सामाजिक दस्तावेज है। इसी संविधान के कारण हम सामाजिक और आर्थिक बदलाव लाए हैं और समाज के वंचित, गरीब तथा पिछड़े लोगों को सम्मान दिया है। आज दुनिया में लोग भारत के संविधान को पढ़ते हैं, उसकी विचारधारा को समझते हैं और कैसे उस समय हमने बिना किसी भेदभाव के सभी वर्गों, सभी जातियों को वोट देने के अधिकार का प्रयोग किया था। हमारे संविधान की मूल भावना हमें सबको जोड़ने और मिलकर काम करने की शक्ति देती है। इसलिए संविधान को राजनीति के दायरे में नहीं लाना चाहिए।

बिरला ने यह भी कहा कि किसी भी पार्टी या विचारधारा की कोई भी सरकार संविधान की मूल भावना (या संरचना) के साथ छेड़छाड़ नहीं कर सकती। उन्होंने कहा कि लोगों के अधिकारों और उनकी आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए समय-समय पर संविधान में बदलाव किए गए हैं। गौरतलब है, इस साल विपक्ष ने लोकसभा चुनाव के दौरान आरोप लगाए थे कि सरकार संविधान में बदलाव करेगी। इन्हीं सब आरोपों का वह जवाब दे रहे थे। ओम बिरला ने कहा कि संविधान में बदलाव सामाजिक परिवर्तन के लिए किए गए हैं।

'संविधान की मूल भावना के साथ कभी छेड़छाड़ नहीं कर सकती सरकार' :

उन्होंने कहा, लोगों की आकांक्षाओं और अधिकारों तथा पारदर्शिता बरकरार रखने के लिए संविधान में समय-समय पर बदलाव किए गए हैं। सामाजिक परिवर्तन के लिए भी बदलाव किए गए हैं। लेकिन किसी भी राजनीतिक दल या किसी सरकार ने संविधान की मूल भावना के साथ छेड़छाड़ नहीं की है। यही कारण है कि न्यायपालिका को समीक्षा करने का अधिकार है ताकि मूल ढांचा बना रहे। इसलिए यहां हमारे देश में किसी भी पार्टी विचारधारा की सरकार संविधान की मूल भावना के साथ कभी छेड़छाड़ नहीं कर सकती।

तृणमूल सांसद ने कांग्रेस से अहंकार किनारे करने को कहा

ममता को इंडिया का नेतृत्व सौंपने की मांग की

कोलकाता, 25 नवंबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल विधानसभा उपचुनाव में सभी छह सीटों पर जीत हासिल करने के बाद तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के हौसले बुलंद हैं। पार्टी के वरिष्ठ नेता और सांसद कल्याण बनर्जी ने सोमवार को कहा कि कांग्रेस को अपना अहंकार किनारे रखना चाहिए और ममता बनर्जी को इंडिया गठबंधन का नेतृत्व सौंपना चाहिए। उन्होंने महाराष्ट्र चुनाव में महा विकास अघाड़ी (एमवीए) की हार को लेकर भी कांग्रेस की आलोचना की।

कल्याण बनर्जी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा को चुनौती देने के लिए एकीकृत और निर्णायक नेतृत्व की जरूरत पर जोर दिया। टीएमसी सांसद ने जोर देते हुए कहा कि ममता बनर्जी के सिद्ध नेतृत्व और जमीन से जुड़ाव ने उन्हें विपक्षी गठबंधन में सबसे उपयुक्त चेहरा बना दिया है। सेरामपुर के हुगली जिले में एक ब्लड डोनेशन कैंप के दौरान कल्याण बनर्जी ने कहा, कांग्रेस और अन्य विपक्षी पार्टियों को हालिया चुनाव में अपनी असफलताओं को स्वीकार करना चाहिए और एकता को व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाओं से ऊपर रखना चाहिए। उन्हें अपने अहंकार को किनारे करना चाहिए और ममता बनर्जी को इंडिया गठबंधन का नेता मान लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि एकीकृत और व्यावहारिक दृष्टिकोण के बिना विपक्ष के प्रयास डगमगाते रहेंगे।

इंडिया गठबंधन के लिए ममता बनर्जी आदर्श चेहरा

ममता बनर्जी को भाजपा के खिलाफ लड़ाई का शानदार रिकॉर्ड रखने वाली नेता बताते हुए तृणमूल सांसद ने कहा, ''उन्हें पूरे भारत में एक योद्धा के रूप में जाना जाता है। उनका नेतृत्व और जनता से जुड़ने की क्षमता उन्हें 'इंडिया' गठबंधन का आदर्श चेहरा बनाती है।''

भाजपा ने कसा तंज

कांग्रेस की पश्चिम बंगाल इकाई ने तृणमूल सांसद के बयान पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया, जबकि भाजपा की पश्चिम बंगाल इकाई के नेता ने उनका मजाक उड़ाते हुए कहा कि इंडिया गठबंधन के नेतृत्व में बदलाव से इसका चुनावी भाग्य नहीं बदलेगा। भाजपा प्रवक्ता समिक भट्टाचार्य ने कहा, ''चाहे कांग्रेस हो या तृणमूल या फिर कोई और पार्टी, इसका इंडिया गठबंधन के चुनावी भाग्य पर कोई असर नहीं पड़ेगा, क्योंकि देश के लोगों ने इन पार्टियों को नकार दिया है।''

क्या रहे थे चुनाव के नतीजे?

भाजपा ने शनिवार को महाराष्ट्र में शानदार प्रदर्शन करते हुए 288 विधानसभा सीट में से 230 पर कब्जा कर लिया, जबकि कांग्रेस के नेतृत्व वाले विपक्षी दलों के गठबंधन महा विकास आघाड़ी को सिर्फ 46 सीट ही मिलीं। दूसरी तरफ हेमंत सोरेन के झामुमो नीत गठबंधन ने झारखंड में शानदार वापसी करते हुए 81 सदस्यीय विधानसभा में 56 सीट जीतकर लगातार दूसरी बार सत्ता हासिल कर ली, जबकि भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को महज 24 सीट ही मिल सकीं।

थाने में मिले बम के पीछे खालिस्तानी आतंकी एंगल आया सामने

बब्बर खालसा के हैप्पी और गोपी नवांशहरिया की साजिश

अमृतसर, 25 नवंबर (एजेंसियां)। अमृतसर के अजनाला थाने में मिले बम के पीछे बब्बर खालसा इंटरनेशनल का आतंकी हैप्पी पासियां और गोपी नवांशहरिया का हाथ होने की बात सामने आई है। पुलिस इस मामले में कुछ भी ऑफिशियल बयान नहीं दे रही है। लेकिन सूत्रों के अनुसार इस बम में आरडीएक्स का प्रयोग किया गया। बम का वजन तकरीबन 800 ग्राम था। पुलिस थाने की सीसीटीवी भी सामने आई है, जिसे पुलिस सार्वजनिक नहीं कर रही है।

पंजाब पुलिस के सूत्रों के अनुसार आरडीएक्स के साथ डेटोनेटर का प्रयोग किया गया था। जिसे थाने के दरवाजे के साथ लगाया गया। ताकि, दरवाजा खोलते ही इसमें ब्लास्ट हो सके। थाने में मौजूद स्टाफ की किस्मत थी कि किसी तकनीकी खराबी के कारण वे बम फटा नहीं। अन्यथा बड़ा नुकसान हो सकता था। इस घटना को लेकर पुलिस के हाथ कुछ सीसीटीवी फुटेज भी लगे हैं, जिसे पुलिस सार्वजनिक नहीं कर रही। इन सभी तथ्यों से साफ हो जाता है कि इस घटना के पीछे आतंकी साजिश ही काम कर रही है। यह घटना अमृतपाल सिंह से जुड़े अजनाला कांड के समानांतर पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों के लिए एक नई चुनौती बन गई है। अजनाला कांड में पहले ही खालिस्तान समर्थकों और अलगाववादी तत्वों के हमले की जांच चल रही थी। इस ताजा घटना ने क्षेत्र में सुरक्षा चिंताओं को और बढ़ा दिया है। पुलिस इस मामले की गहन जांच कर रही है और तकनीकी सबूतों के आधार पर आरोपियों की पहचान की कोशिश की जा रही है।

संकट में मनसे : एक भी सीट नहीं जीत सकी राज ठाकरे की पार्टी

अब अस्तित्व पर मंडराया खतरा; ईसी कर सकता है कार्रवाई

मुंबई, 25 नवंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में निराशाजनक प्रदर्शन करने वाली राज ठाकरे की महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) अब अपने अस्तित्व को लेकर खतरे में हैं। चुनाव में एक सीट भी अपने नाम नहीं कर सकी मनसे पर अब एक मान्यता प्राप्त राजनीतिक दल और रेलवे इंजन चुनाव चिह्न खोने का खतरा बना हुआ है।

125 उम्मीदवारों में से एक ने भी जीत दर्ज नहीं की

महायुति द्वारा जीते गए चुनावों में राज ठाकरे के नेतृत्व वाली पार्टी द्वारा मैदान में उतारे गए 125 उम्मीदवारों में से कोई भी, जिसमें उनके पुत्र अमित ठाकरे भी शामिल थे, जीत हासिल नहीं कर सका। इस पूरे मामले पर महाराष्ट्र के पूर्व विधायक दल के सचिव अनंत कलसे ने पत्रकारों से बात की। इस दौरान उन्होंने एक राजनीतिक दल के लिए अपनी मान्यता और चुनाव चिह्न बनाए रखने के लिए भारत के चुनाव आयोग के मानदंडों को समझाया।

चुनाव आयोग के तय नियम

उन्होंने कहा, 'मान्यता बनाए रखने के लिए किसी भी पार्टी को कम से कम एक सीट जीतनी चाहिए और कुल वोट शेयर का आठ प्रतिशत हासिल करना चाहिए। अगर ऐसा नहीं हुआ तो दो और विकल्प है कि छह फीसदी वोट के साथ दो सीटें जीतनी चाहिए, या तीन फीसदी वोट के साथ तीन सीटें जीतनी चाहिए। अगर इनमें से कोई भी शर्त पूरी नहीं होती है तो चुनाव आयोग पार्टी की मान्यता रद्द कर सकता है।'

मनसे रही काफी पीछे

उन्होंने कहा, 'मनसे केवल 1.8 प्रतिशत वोट हासिल करने में सफल रही। साथ ही कोई सीट जीतने में भी नाकामयाब रही। यह तय नियमों से काफी कम है। ऐसे में चुनाव आयोग एक स्वतंत्र निकाय है और इस मामले पर फैसला ले सकता है। वह मनसे को नोटिस भेजकर उसकी मान्यता रद्द कर सकता है।'

पार्टी के नाम का क्या होगा?

अनंत कलसे ने कहा कि अगर पार्टी की मान्यता रद्द कर दी जाती है तो वह रेलवे इंजन के अपने आरक्षित चुनाव चिह्न की हकदार नहीं होगी और इसके बजाय उसे अगले चुनाव के लिए उपलब्ध चुनाव चिह्न चुनना होगा। हालांकि, पार्टी के नाम पर इसका असर नहीं पड़ेगा। गौरतलब है, 2009 में चुनावी राजनीति में प्रवेश करने के बाद यह पहली बार है, जब राज ठाकरे की पार्टी एक भी सीट जीतने में नाकाम रही है।

केदारनाथ सीट पर कांग्रेस नहीं, बल्कि उत्तराखंड के सरोकारों की हार : हरीश रावत

केदारनाथ, 25 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तराखंड की केदारनाथ विधानसभा सीट पर भाजपा प्रत्याशी आशा नौटियाल ने जीत दर्ज की है। केदारनाथ विधानसभा सीट पर भाजपा की जीत के बाद कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने कहा कि ये हार कांग्रेस की हार नहीं है बल्कि उत्तराखंड के सरोकारों की हार है। यह उन सवालों की हार है जो केदार भूमि स्वयं उठा रही थी। वो सवाल आम जनता के सवाल थे।

हरीश रावत ने जनता को लेकर कहा कि चुनाव के बाद उत्तराखंडी सरोकारों की बात करेंगे। आप भू कानून, महिला सम्मान, पलायन, बेरोजगारी की बात करेंगे, लेकिन उनके लिए जो व्यक्ति खड़ा रहा, उसको आप चुनाव में हरा देंगे। मुझे इस बात की तकलीफ है कि उत्तराखंड किस दिशा में जा रहा है। हम लोगों से बात करेंगे और राजनीतिक दल के रूप में हमें भी अपना तरीका बदलना होगा और जनता का भरोसा जीतना होगा। केदारनाथ विधानसभा सीट पर भाजपा प्रत्याशी आशा नौटियाल को कुल 23,814 वोट मिले हैं। वहीं, कांग्रेस प्रत्याशी मनोज रावत को 18,192 वोट मिले। आशा नौटियाल ने 5,622 वोटों से जीत हासिल की है। इस सीट पर नोटा को 834 वोट मिले।

वहीं जीत हासिल करने के बाद आशा नौटियाल ने कहा था कि विकास के मुद्दों पर हम लोगों ने चुनाव लड़ा है। इस चुनाव में विपक्ष सिर्फ लोगों को भ्रमित करने का काम कर रहा था। विपक्ष कभी भी जनता के हित की बात करते हुए नजर नहीं आया। जबकि भाजपा ने सिर्फ विकास की बात की है। मैं सभी मतदाताओं और कार्यकर्ताओं को तहे दिल से धन्यवाद करती हूं कि उन्होंने विकास के मुद्दे पर भाजपा को जीत दिलाने में भूमिका निभाई है।

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में करारी हार के बाद कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष नाना पटोले का इस्तीफा

मुंबई, 25 नवंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में महा विकास अघाड़ी की हार के बाद ऐसी खबरें चल रहीं थी कि नाना पटोले ने महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया है। हालांकि, महाराष्ट्र कांग्रेस कमेटी ने इन खबरों का पूरी तरह से खंडन कर दिया है। एमपीसीसी ने कहा कि ये खबरें झूठी हैं और दुर्भावनापूर्ण तरीके से फैलाई जा रही हैं। मौजूदा महायुति ने महाराष्ट्र चुनावों में 235 सीटें और 49.6 फीसदी वोट शेयर हासिल करते हुए बंपर जीत दर्ज की थी। वहीं महाविकास अघाड़ी 49 सीटों और 35.3 फीसदी वोटों के साथ बहुत पीछे रह गई।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष नाना पटोले ने 2021 में बालासाहेब थोराट की जगह महाराष्ट्र कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष का पद संभाला था। उनके नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी ने 2024 के लोकसभा चुनावों में बेहतर जीत हासिल की थी। इसमें उन्होंने 17 सीटों पर चुनाव लड़ा और 13 सीटों पर जीत हासिल की। रविवार को कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष नाना पटोले ने कहा कि कांग्रेस यह सुनिश्चित करेगी कि नव-निर्वाचित महायुति सरकार अपने चुनावी घोषणापत्र और अभियान भाषणों में किए गए वादों को पूरा करे। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए पटोले ने जोर दिया कि महायुति अपनी चुनावी सफलता के लिए मुख्यमंत्री मांझी लड़की बहिन योजना पर निर्भर थी। अब उन्हें इस स्कीम से मिलने वाले पैसों को बढ़ाकर 2,100 कर देना चाहिए।

बेहद ही कम मार्जिन से जीते नाना पटोले

महाराष्ट्र में सत्तारूढ़ एनडीए ने कांग्रेस को करारी शिकस्त दी है। पार्टी ने 103 सीटों पर चुनाव लड़ा था, लेकिन उसे सिर्फ 16 सीटें मिलीं। साकोली सीट से पार्टी के उम्मीदवार नाना पटोले ने सबसे कम मार्जिन से 208 वोटों से जीत दर्ज की। सकोली में उनकी जीत इस साल सबसे कम अंतर से जीती गई सीटों में शीर्ष तीन में शुमार है। यह 2019 के विधानसभा चुनावों के बिल्कुल उलट है, जब नाना पटोले ने सकोली में लगभग 8,000 वोटों के भारी अंतर से जीत हासिल की थी। कांग्रेस को जहां सिर्फ 16 सीटें मिलीं, वहीं बीजेपी ने 132 सीटें जीतकर अपना दबदबा कायम रखा। राज्य में कांग्रेस के दिग्गज नेता पृथ्वीराज चव्हाण और बालासाहेब थोराट अपने-अपने गढ़ कराड दक्षिण और संगमनेर से हार गए।

पूर्व मुख्यमंत्री विलासराव देशमुख के बेटे धीरज देशमुख भी लातूर ग्रामीण से बीजेपी के रमेश काशीराम कराड से 6,595 वोटों के अंतर से हार गए। कांग्रेस के दिग्गज नेता यशोमति चंद्रकांत ठाकुर भी टेओसा निर्वाचन क्षेत्र में बीजेपी के राजेश श्रीरामजी वानखेड़े से हार गए।

दिल्ली की हवा लगातार दूसरे दिन बेहद खराब

प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों पर एक्शन, 53 दिन में 164 करोड़ रुपये के चालान कटे

नई दिल्ली, 25 नवंबर (एजेंसियां)। दिल्ली में प्रदूषण के स्तर में कमी देखने को मिली है। प्राइवेट वेदर एजेंसी एक्यूआई..ईन के आकड़ों के मुताबिक, दिल्ली में सोमवार सुबह 7 बजे एक्यूआई- 346 दर्ज किया गया। रविवार को भी औसत एक्यूआई 304 दर्ज किया गया था। 400 के कम एक्यूआई 'बेहद खराब' कैटेगरी में माना जाता है। 2 दिन पहले तक दिल्ली में हवा गंभीर श्रेणी में यानी 400 पार रिकॉर्ड की गई थी।

प्रदूषण पर लगाम लगाने के लिए दिल्ली ट्रैफिक पुलिस लगातार काम कर कर रही है। ट्रैफिक पुलिस ने प्रदूषण नियंत्रण प्रमाणपत्र (पीयूसी) के बिना चल रही गाड़ियों पर सख्ती बढ़ा दी है। ट्रैफिक पुलिस के आंकड़ों के अनुसार, 1 अक्टूबर से 22 नवंबर के बीच यानी 53 दिन में 1.64 लाख गाड़ियों पर 164 करोड़ रुपए के चालान काटे गए हैं। 18 नवंबर से ग्रैप-4 लागू होने के बाद अब तक 20,743 चालान पीयूसीसी न होने के कारण काटे गए। इसके अलावा, 736 पुरानी गाड़ियां जब्त की गईं। 15 अक्टूबर से दिल्ली की सीमाओं पर 13,762 गैर-लक्षित ट्रकों को वापस भेजा गया।

डिप्टी कमिश्नर ऑफ पुलिस (ट्रैफिक) शशांक जायसवाल ने दिल्ली में बढ़ते प्रदूषण को देखते हुए वाहन मालिकों से जिम्मेदार बनने और वैध पीयूसीसी प्राप्त करने की अपील की है। दुनिया के सबसे प्रदूषित 50 शहरों में 42 भारत के हैं। इनमें से अधिकांश उत्तर भारत के हैं। विशेषज्ञ इस प्रदूषण की सबसे बड़ी वजह पराली जलाना और निर्माण कार्य को मानते हैं। इस प्रदूषण के चलते देश की 87 करोड़ आबादी की सेहत खतरे में रहती है।

हिमाचल की आईएएस मानसी सहाय की दिल्ली में तैनाती

मिनिस्ट्री ऑफ हाउसिंग एंड अर्बन अफेयर में डायरेक्टर का जिम्मा मिला, सुक्खू सरकार ने किया रिलीव

शिमला, 25 नवंबर (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश की 2009 बैच की आईएएस और श्रम आयुक्त एवं निदेशक रोजगार मानसी सहाय को सोमवार को राज्य सरकार ने रिलीव कर दिया है। मानसी सहाय केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर दिल्ली जा रही हैं। मुख्य सचिव प्रबोध सक्सेना ने मानसी सहाय को रिलीव करने के आदेश जारी कर दिए हैं।

केंद्र सरकार ने उन्हें आवास एवं शहरी मामले मंत्रालय दिल्ली में निदेशक के पद पर तैनात किया है। मानसी सहाय के बाद अब रोहन चंद ठाकुर भी कुछ दिनों बाद दिल्ली जा सकते हैं। राज्य सरकार ने उन्हें केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर जाने के लिए एनओसी भी दे दी है। अब विभाग केंद्र से आदेश का इंतजार कर रहा है। आईएएस कृतिका कुल्हारी भी दो सप्ताह पहले दिल्ली गई थीं। आज मानसी सहाय दिल्ली जा रही हैं।

राजोआना की दया याचिका पर एससी में सुनवाई टली

कोर्ट ने कहा-मामला संवेदनशील, केंद्र सरकार ने फैसला लेने के लिए समय मांगा

अमृतसर, 25 नवंबर (एजेंसियां)। पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री बेअंत सिंह के हत्यारे बलवंत सिंह राजोआना की दया याचिका को लेकर सोमवार (25 नवंबर) को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। जस्टिस बीआर गवई, प्रशांत कुमार मिश्रा और केवी विश्वनाथन की पीठ के सामने केंद्र सरकार की तरफ से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता पेश हुए।

उन्होंने कहा कि इस मामले पर निर्णय लेने से पहले कई एजेंसियों से परामर्श की आवश्यकता है। इसके बाद सीबीआई के अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल के.एम. नटराज ने भी कोर्ट से कहा कि अभी कोई भी निर्णय लेने के लिए स्थिति अनुकूल नहीं है। कोर्ट ने केंद्र सरकार का पक्ष सुनने के बाद 4 हफ्ते के लिए सुनवाई स्थगित कर दी। कोर्ट ने कहा कि मामला संवेदनशील है। केंद्र सरकार ने फैसला लेने के लिए समय की मांग की है।

राजोआना के वकीलों ने उसकी फांसी की सजा को उम्रकैद में बदलने की अपील की है। उनका कहना है कि इतने लंबे समय तक मौत की सजा का इंतजार करना मानसिक यातना के समान है। 18 नवंबर को सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई करते हुए राजोआना की दया याचिका राष्ट्रपति के पास भेजी थी। कोर्ट ने राष्ट्रपति के सचिव को आदेश दिया था कि इसे राष्ट्रपति के सामने रखें। साथ ही 2 हफ्ते में याचिका पर फैसला लेने को कहा।

वकील ने देरी को चौंकाने वाला बताया

राजोआना के वकील मुकुल रोहतगी ने दया याचिका पर फैसला करने में देरी को चौंकाने वाला बताया था। उन्होंने कहा था कि यह व्यक्ति आज तक 29 वर्षों से लगातार हिरासत में है। राजोआना को 1996 में बम विस्फोट के अपराध के लिए दोषी ठहराया गया था।

भाई के भोग के लिए 3 घंटे की पैरोल मिली

20 नवंबर को बलवंत सिंह राजोआना लुधियाना के राजोआना कलां गांव में अपने भाई कुलवंत सिंह के भोग कार्यक्रम में शामिल हुआ था। पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने उसे सुबह 11 से दोपहर 2 बजे तक 3 घंटे की पैरोल दी थी। राजोआना को कड़ी सुरक्षा में पटियाला जेल से लाया गया। यहां राजोआना ने कहा था- 'मुझे आज भी वो सीन याद है। मैं और दिलावर, मां-पिता से आशीर्वाद लेकर घर से मिशन पर निकले थे। उस समय हमारे कदम ऐसे चल रहे थे, जैसे जल्दी मंजिल की तरफ पहुंच रहे हों। परमात्मा की ऐसी कृपा हुई, हमारे मिशन में किसी तरह की दिक्कत नहीं आई। दिलावर सिंह ने शहादत दी। उन्हें कौमी शहीद का दर्जा भी सिख कौम ने दिया।'

खबरें जरा हटके

एक तरफ ऑस्ट्रिच, दूसरी तरफ बकरा

ऐसी जुगाड़ गाड़ी लेकर निकला शख्स, लोगों ने लगाई लताड़!

सोशल मीडिया के ज़माने में हमें रोज़ाना कुछ न कुछ ऐसा देखने को मिल जाता है, जो सामान्य ज़िंदगी से हटकर होता है. कुछ हमारे काम की चीज़ हो तो हम इसे अपनी लाइफ का हिस्सा बना लेते हैं तो ऐसा भी होता है कि कुछ कंटेंट देखकर हम बिल्कुल चौंक जाते हैं. एक ऐसा ही वीडियो इस वक्त सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है. आपने ऐसी कई गाड़ियां देखी होंगी, जिसमें जानवर उन्हें खींचते हैं, लेकिन ऐसी गाड़ी कभी नहीं देखी होगी. इसमें घोड़ा या बैल नहीं बल्कि दो अलग-अलग जानवरों को लगाया गया है, जो कम से कम इस काम में तो नहीं आते हैं. वीडियो देखने के बाद लोगों की अलग-अलग प्रतिक्रियाएं आ रही हैं, जो कमाल हैं.

ये कैसी जुगाड़ गाड़ी है भाई?

वायरल हो रहे वीडियो में देखा जा सकता है कि एक शख्स जुगाड़ गाड़ी पर बैठकर कहीं जा रहा है. ये वो जुगाड़ वाली गाड़ी नहीं है, जिसमें ठेले पर इंजन फिट कर लेते हैं बल्कि इसमें तो दो जानवर लगे हैं, जो एक साइज़ के भी नहीं हैं. कोई भी बैल गाड़ी या तांगा बनता है तो उसमें एक ही साइज के दो पशु लगते हैं, पर यहां तो एक ऑस्ट्रिच लगा है, जो इतना ऊंचा है और दूसरा बकरा, जो बहुत ही छोटा है. गाड़ी में जानवर रस्सी से बंधे हैं और तांगे में टायर लगाकर इसे चलने लायक बनाया गया है. ये वीडियो इंस्टाग्राम हैंडल से शेयर किया गया है. इसे अब तक 3.4 मिलियन यानि 34 लाख से भी ज्यादा लोग देख चुके हैं, जबकि हज़ारों लोगों ने पसंद भी किया है. वीडियो पर कमेंट करते हुए लोगों ने आदमी को लताड़ लगाई है कि उसे ऐसा नहीं करना चाहिए. कुछ लोगों ने तो एनिमल प्रोटेक्शन का हवाला देते हुए कहा कि इसे गिरफ्तार कर लेना चाहिए।

बीमार ऊंट को खिलाया जाता है जिंदा सांप

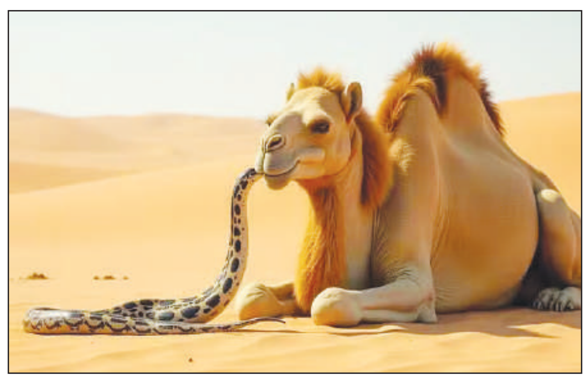

सांप का नाम सुनते ही अक्सर लोग डर जाते हैं, और डरें भी क्यों न विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक हर साल एक लाख से भी अधिक लोगों की मौत सांप काटने की वजह से होती है। सांप एक ऐसा जीव है जिसका जहर न सिर्फ इंसानों को बल्कि बाघ, शेर, गैंडा और हाथी जैसे शक्तिशाली जानवरों को भी कुछ मिनटों में ही मार सकता है। ऐसे में किसी इंसान या जानवर के सामने अगर सांप आ जाता है तो वह उससे दूरी बनाने की पूरी कोशिश करता है।

मगर आपको जानकर हैरानी होगी कि रेगिस्तान में रहने वाले ऊंट को जिंदा सांप खिलाना पड़ता है। यह सुनने में भले ही अजीब लगे लेकिन कई इलाकों में जैसे मिडिल ईस्ट में ऐसा करना बहुत आम बात है। अब आपके मन में ऐसे कई सवाल आ रहे होंगे कि आखिर क्यों ऊंट को जिंदा कोबरा खिलाया जाता है और ऐसा करने के बाद ऊंट पर क्या असर पड़ता है। आइए इस लेख में इसी के बारे में विस्तार से जानते हैं। कभी-कभी ऊंट एक खास बीमारी से ग्रस्त हो जाते हैं, जिसे हयाम कहा जाता है। इस बीमारी में ऊंट खाना-पीना छोड़ देते हैं और उनका शरीर अकड़ने लगता है। यह बीमारी इतनी गंभीर होती है कि कई बार ऊंट की जान भी जा सकती है। इसी बीमारी के इलाज के लिए मिडिल ईस्ट में ऊंट को जिंदा कोबरा खिलाया जाता है। इसे खिलाने के लिए पहले ऊंट के मुंह में जीवित सांप डाला जाता है उसके बाद पानी पिलाया जाता है, जिससे सांप आसानी से ऊंट के पेट में चला जाता है। देखा जाए तो ऊंट एक शाकाहारी जानवर है, लेकिन विशेष परिस्थिति में उसे जहरीले सांप को खिलाया जाता है।

दो बार मरे और फिर जिंदा लौटे! पूर्व ब्रिटिश सांसद की रहस्यमय कहानी

जॉन स्टोनहाउस, ब्रिटेन के पूर्व सांसद, इतिहास में अपनी राजनीति के साथ-साथ अपने जटिल निजी जीवन के लिए भी याद किए जाते हैं. ये वही इंसान हैं जिन्होंने अपनी मौत का नाटक किया और वो भी दो बार! पहली घटना पूरी तरह धोखा थी. यह घटना 20 नवंबर, 1974 को हुई जब स्टोनहाउस के कपड़े मियामी बीच पर एक ढेर में मिले. सबने सोचा कि यह ब्रिटिश नेता समुद्र में डूब गए. लेकिन यह गलत साबित हुआ जब उन्हें सिर्फ एक महीने बाद, क्रिसमस ईव पर ऑस्ट्रेलिया में पकड़ लिया गया.

मियामी से ऑस्ट्रेलिया तक का अजीब सफर

स्टोनहाउस उस समय कई परेशानियों से गुजर रहे थे, जब वे बिजनेस ट्रिप के बहाने मियामी गए. यहां तक कि उनके परिवार को भी उनकी गायब होने की योजना का कोई अंदाजा नहीं था. 1960 के दशक के अंत में स्टोनहाउस को एक उभरते नेता के रूप में देखा जाता था और 43 साल की उम्र में वे पोस्टमास्टर जनरल बने, लेकिन 1974 तक उनकी जिंदगी पूरी तरह बदल गई. उनकी राजनीतिक छवि पर सवाल उठने लगे और बिजनेस डील्स में नुकसान के कारण उनकी आर्थिक स्थिति बिगड़ गई. 1969 में स्टोनहाउस पर आरोप लगा कि वे कम्युनिस्ट चेकोस्लोवाकिया के लिए जासूसी कर रहे हैं. इसके अलावा, उनका अपनी सेक्रेटरी शीला बकले के साथ अफेयर भी था. उनकी पार्टी लेबर पार्टी ने 1970 के आम चुनाव में हार का सामना किया. मियामी जाने से पहले स्टोनहाउस ने दो मृत व्यक्तियों की पहचान चुराई. उन्होंने पहले जोसफ आर्थर मार्कहम के नाम पर पासपोर्ट बनवाया, जो हाल ही में वॉलसाल में मरा था. बाद में उन्होंने डोनाल्ड क्लाइव मिलडून नाम की नई पहचान बनाई, जो उसी क्षेत्र में मरा था. इसके साथ ही, उन्होंने अपनी नई जिंदगी के खर्चे पूरे करने के लिए कई बैंक अकाउंट्स में बड़ी रकम ट्रांसफर की. जब मियामी में स्टोनहाउस के कपड़े मिले, तो उनकी पत्नी बारबरा ने इसे एक दुखद दुर्घटना माना.

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH
स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

सुविचार
प्रसन्नता वह औषधि है "जो दुनिया के किसी भी बाजार में नहीं सिर्फ अपने अंदर ही मिलती है।

तेलंगाना भाजपा इकाई को जनवरी तक नया अध्यक्ष!

वरिष्ठ नेताओं के बीच काफी मतभेद

पार्टी को मजबूत करने वाले नेता की तलाश

हैदराबाद, 25 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा की तेलंगाना इकाई को पार्टी के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष की नियुक्ति से पहले दिसंबर के दूसरे सप्ताह या जनवरी में नया अध्यक्ष मिलने की संभावना है। महाराष्ट्र और झारखंड में चुनाव समाप्त होने के बाद भाजपा के राज्य नेताओं को उम्मीद है कि पार्टी नेतृत्व नये प्रदेश अध्यक्ष के चयन की प्रक्रिया शुरू कर देगा।

पार्टी ने नए भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव के लिए संगठनात्मक चुनावों की कवायद शुरू कर दी है। गौरतलब है कि भाजपा ने भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के साथ-साथ तेलंगाना समेत कई राज्य इकाइयों के कार्यकाल को भी बढ़ा दिया है। चुनाव प्रक्रिया शुरू में बूथ कमेटियों से शुरू होगी और बाद में राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर होगी। प्रत्येक बूथ समिति में अध्यक्ष सहित 11 सदस्य होंगे। नई कमेटियों के चुनाव में सक्रिय पार्टी सदस्यों की अहम भूमिका होगी।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष पद के लिए प्रतिस्पर्धा ने पार्टी के साथ-साथ राजनीतिक पर्यवेक्षकों को भी आकर्षित कर लिया है, जो उत्सुकता से यह देखने के लिए इंतजार कर रहे हैं कि राज्य इकाई का नेतृत्व करने के लिए किसे चुना जाएगा। पार्टी अध्यक्ष के रूप में जी किशन रेड्डी के उत्तराधिकारी के रूप में किसे चुना जाना चाहिए, इस बारे में वरिष्ठ नेताओं के बीच काफी मतभेद हैं।

सूत्रों का कहना है कि मलकाजगिरी के सांसद ईटेला राजेंद्र, निजामाबाद के सांसद अरविंद धर्मपुरी और मेदक के सांसद एम रघुनंदन राव इस पद के लिए इच्छुक हैं। पार्टी नेताओं का दावा है कि ईटेला राजेंद्र के पास उचित मौका है, क्योंकि वह एक मजबूत ओबीसी नेता हैं और उनके पास संगठन क्षमताएं हैं और उनकी नियुक्ति निश्चित रूप से राज्य में ओबीसी वोट बैंक को मजबूत करने में मदद करेगी लेकिन उनकी कमी यह है कि वे भाजपा में अपेक्षाकृत नए हैं, वे बीआरएस से अलग हुए हैं जिसमें वे प्रमुख पदों पर रहे थे। इसलिए, पार्टी के राज्य नेता और पदाधिकारी उन्हें अध्यक्ष के रूप में स्वीकार करेंगे या नहीं, यह एक बड़ा सवाल है।

दूसरी ओर, दो बार के सांसद अरविंद का चुनावी सफलता का ट्रैक रिकॉर्ड है, उन्होंने 2019 और 2024 के चुनावों में हाई-प्रोफाइल विरोधियों को हराया है। उनके समुदाय, मुन्नूरू कापू का राज्य में महत्वपूर्ण राजनीतिक प्रभाव है। इसके अलावा, माना जाता है कि अरविंद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और प्रमुख आरएसएस नेताओं की अच्छी किताबों में हैं।

पार्टी रघुनंदन राव को एक और मजबूत उम्मीदवार के रूप में देख रही है, जो पार्टी का सफल नेतृत्व कर सकते हैं। उनके समर्थकों का दावा है कि उनका नेतृत्व बीआरएस के प्रभाव को कमजोर कर सकता है, क्योंकि उन्हें कांग्रेस और बीआरएस के शीर्ष नेताओं की राजनीतिक रणनीतियों की व्यापक जानकारी है।

पूर्व एमएलसी एन रामचंदर राव भी अपनी साफ छवि और पार्टी में वरिष्ठता के आधार पर इस दौड़ में हैं।

गले में रोटी का रोल फंसने से छात्र की मौत

हैदराबाद, 25 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सिकंदराबाद के एक निजी स्कूल में पढ़ने वाले छठी कक्षा के छात्र विकास जैन की सोमवार को गले में रोटी का रोल फंस जाने के कारण दम घुटने से मौत हो गई। यह घटना उस समय हुई जब वह स्कूल में दोपहर का भोजन कर रहा था। बताया जाता है कि रोटी का रोल उसके गले में फंस गया था, जिससे उसका दम घुट गया। उसके सहपाठियों ने शिक्षकों को इसकी जानकारी दी, जिन्होंने तुरंत उसकी मदद करने का प्रयास किया। लड़के को तुरंत स्थानीय अस्पताल ले जाया गया, लेकिन दुर्भाग्य से, जब तक चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराई जा सकी, तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। शव को पोस्टमार्टम के लिए गांधी अस्पताल भेज दिया गया है। मामला दर्ज किया जा रहा है।

कांग्रेस सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ प्रदर्शन

बीआरएस ने महबूबाबाद में की जमकर नारेबाजी

महबूबाबाद, 25 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने कांग्रेस सरकार और मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी पर तीखा हमला करते हुए जबरन भूमि अधिग्रहण और उत्पीड़न का सामना कर रहे दलित और आदिवासी किसानों के साथ खड़े होने का संकल्प लिया। उन्होंने रेवंत रेड्डी पर किसानों को धोखा देने और जन कल्याण पर निजी लाभ को प्राथमिकता देने का आरोप लगाया।

सोमवार को महबूबाबाद में तहसीलदार कार्यालय के पास एक विशाल महाधरना को संबोधित करते हुए रामाराव ने कहा कि बीआरएस कांग्रेस सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ लड़ाई जारी रखेगी। उन्होंने मुख्यमंत्री के अपने निर्वाचन क्षेत्र लागाचेरला में आदिवासी किसानों के साथ हो रहे अन्याय के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि वहां के किसान भूमि अधिग्रहण के खिलाफ नौ महीने से विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं, फिर भी मुख्यमंत्री के पास उनसे मिलने का समय नहीं है। इसके बजाय, वे उनकी चिंताओं को दूर किए बिना 28 बार दिल्ली जा चुके हैं।

उन्होंने चेतावनी दी कि अगर अन्याय जारी रहा तो राज्य भर में विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि बीआरएस सभी 119 निर्वाचन क्षेत्रों में इसी तरह के धरने आयोजित करेगी।

वेंकट स्वामी को अध्यक्ष पद हटाएं

एनएसयूआई नेताओं ने गांधी भवन पर किया प्रदर्शन

हैदराबाद, 25 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय राष्ट्रीय छात्र संघ (एनएसयूआई) का एक वर्ग कांग्रेस नेतृत्व से मांग कर रहा है कि वह आंध्र प्रदेश के मूल निवासी यादवल्ली वेंकट स्वामी की एनएसयूआई के प्रदेश अध्यक्ष पद पर नियुक्ति को रद्द करे। एनएसयूआई के नेता गांधी भवन में नारे लगाते हुए प्रदर्शन कर रहे हैं। यह प्रदर्शन एनएसयूआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष वरुण चौधरी के राज्य दौरे के मद्देनजर किया जा रहा है। पुलिस गांधी भवन में घुस गई है और प्रदर्शनकारी एनएसयूआई सदस्यों से बातचीत कर रही है।

जब से अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी ने 13 अगस्त को वेंकट स्वामी को एनएसयूआई का अध्यक्ष नियुक्त करने का आदेश जारी किया है, तब से पार्टी के भीतर हंगामा मचा हुआ है। स्वामी की नियुक्ति पर गंभीर आपत्ति जताते हुए यहां के छात्र संघ के सदस्यों ने भी मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी से उनकी नियुक्ति रद्द करने की अपील की थी।

वेंकट स्वामी के मतदाता पहचान पत्र सहित जन्मतिथि का विवरण, जिसमें उल्लेख किया गया है कि वह पड़ोसी राज्य आंध्र प्रदेश के चिन्ना कोथापल्ली, बापटला के निवासी हैं, पिछले दिनों विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर पोस्ट किए गए थे। वेंकट स्वामी ने एनएसयूआई के प्रदेश अध्यक्ष के रूप में शपथ ली। अब एनएसयूआई सदस्यों ने अपनी मांग तेज कर दी है और गांधी भवन पर धरना दिया है।

कलेक्ट्रेट में आग लगने से फाइलें, कंप्यूटर जलकर खाक

संगारेड्डी, 25 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार को मुख्य योजना अधिकारी के कार्यालय में उस समय आग लग गई जब कलेक्ट्रेट में अपनी शिकायतें दर्ज कराने के लिए लोगों की भारी भीड़ उमड़ी हुई थी। इस घटना में कुछ कंप्यूटर और बड़ी संख्या में महत्वपूर्ण फाइलें जलकर खाक हो गईं। हालांकि, कर्मचारियों ने तुरंत कार्रवाई की और कलेक्ट्रेट के अन्य हिस्सों में आग फैलने से पहले ही उसे बुझा दिया। इस घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। इस घटना से कलेक्ट्रेट कर्मचारियों में तनाव पैदा हो गया।

अगर यह घटना रात के समय हुई होती तो यह एक बड़ी आग दुर्घटना हो सकती थी, घबराए हुए कलेक्ट्रेट कर्मचारियों को इस बारे में चर्चा करते देखा गया।

कलेक्टर वल्लुरू क्रांति ने विभाग का दौरा किया और घटना के कारणों के बारे में पूछताछ की। जब उन्होंने कहा कि आग दुर्घटना का कारण शॉर्ट-सर्किट था, तो क्रांति ने ट्रांसको और अग्निशमन विभाग के अधिकारियों को सटीक कारण का पता लगाने के लिए सामूहिक जांच करने का आदेश दिया।

बस की टक्कर से 2 की मौत

आदिलाबाद, 25 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार को जयनाथ मंडल केंद्र में टीजीआरटीसी बस और दोपहिया वाहन के बीच टक्कर हो जाने से दो व्यक्तियों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक अन्य व्यक्ति घायल हो गया। जैनाथ पुलिस ने बताया कि आदिलाबाद शहर के खानपुर कॉलोनी के शेख अली (60) और शेख रेहान (13) दोनों को उस समय गंभीर चोटें आईं जब मंडल मुख्यालय में एक मंदिर के पास बस ने मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। परिणामस्वरूप, दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। बाइक पर सवार एक अन्य व्यक्ति को मामूली चोटें आईं। दुर्घटना के समय उत्नूर डिपो की बस चंद्रपुर जा रही थी। अली के परिजनों से प्राप्त शिकायत के आधार पर बस चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें @SCRailwayindia पर फॉलो करें. द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

वायसी. ई-आक्शन/एचवायबी/2024-25 दि.18/11/2024

PUB/1176

हैदराबाद डिवीजन ने वाणिज्यिक आय संविदाओं एवम् एनएफआर संविदाओं के लिए, ई-नीलामी कार्यान्वित की है। तदनुसार, एचवायबी डिवीजन ने निम्न श्रेणियों के लिए ई-नीलामी संसाधित की है।

क्रम सं	श्रेणी	केटलाग सं.	कार्य विवरणः	नीलामी तिथि	नीलामी शुरु समयः	नीलामी बद समय
1	एमएसएस-एचवायबी-एसएफएक्स-बीएस-73-24-1(विविध स्टैटिक-सेवाएं-बैटरी स्वैप्पिंग स्टेशन्स)	एचवायबी-एमएसएस-24,	सफीलगुडा पर बैटरी स्वैपिन्ग पाइंट स्टेशन	30.11.24	11.00	11.30
2	एमएसएस-एचवायबी-आरकेओ-बीएस-77-24-1(विविध स्टैटिक-सेवाएं-बैटरी स्वैप्पिंग स्टेशन्स)	एचवायबी-एमएसएस-24	रामकिस्टापुरम पर बैटरी स्वैपिन्ग पाइंट स्टेशन	30.11.24	11.00	11.40
3	एमएसएस-एचवायबी-जेओओ-बीएस-78-24-1(विविध स्टैटिक-सेवाएं-बैटरी स्वैप्पिंग स्टेशन्स)	एचवायबी-एमएसएस-24	जामे उस्मानिया पर बैटरी स्वैपिन्ग पाइंट स्टेशन	30.11.24	11.00	11.50
4	एमएसएस-एचवायबी-एसटीपीडी-बीएस-74-24-1(विविध स्टैटिक-सेवाएं-बैटरी स्वैप्पिंग स्टेशन्स)	एचवायबी-एमएसएस-24	सीताफलमंडी पर बैटरी स्वैपिन्ग पाइंट स्टेशन	30.11.24	11.00	12.00
5	एमएसएस-एचवायबी-एलजीडीएच-बीएस-72-24-1(विविध स्टैटिक-सेवाएं-बैटरी स्वैप्पिंग स्टेशन्स)	एचवायबी-एमएसएस-24	लालागुडा हाल्ट पर बैटरी स्वैपिन्ग पाइंट स्टेशन	30.11.24	11.00	12.10
6	एमएसएस-एचवायबी-वीएआर-बीएस-75-24-1(विविध स्टैटिक-सेवाएं-बैटरी स्वैप्पिंग स्टेशन्स)	एचवायबी-एमएसएस-24	विद्यानगर पर बैटरी स्वैपिन्ग पाइंट स्टेशन	30.11.24	11.00	12.20
7	एमएसएस-एचवायबी-एएलडब्ल्यू-बीएस-76-24-1(विविध स्टैटिक-सेवाएं-बैटरी स्वैप्पिंग स्टेशन्स)	एचवायबी-एमएसएस-24	अलवाल पर बैटरी स्वैपिन्ग पाइंट स्टेशन	30.11.24	11.00	12.30
8	एमएसएस-एचवायबी-एसएफएक्स-जीजेड-71-24-1(विविध स्टैटिक-सेवाएं-गेमिन्ग झोन)	एचवायबी-एमएसएस-24	गेमिन्ग झोन की स्थापना करना(बाक्स क्रिकेट)	30.11.24	11.00	12.40
9	एमएसएस-एचवायबी-केसीजी-पीएस-52-24-1(विविध स्टैटिक-सेवाएं-पार्सल स्कैनर)	एचवायबी-एमएसएस-24	काचीगुडा रेलवे स्टेशन पर पार्सल स्कैनर की स्थापना, रखरखाव तथा संचालन	30.11.24	11.00	12.50
10	एडीवीटी-इएफएफ-एसआय-एमएमटीएस-24-1(विज्ञापन देना या व्यवस्था करना -रेल के बाहरी हिस्सों पर(पूर्ण उत्कीर्ण या फुल फेस)	एचवायबी-सीपी-एमए-36	हैदराबाद डिवीजन के एमएमटीएस रेलों के बाहरी हिस्सों में विज्ञापन अधिकार	29.11.24	12.00	12.30
11	एडीवीटी-इएफएफ-95527-24-1(विज्ञापन देना या व्यवस्था -रेल के बाहरी भाग में(पूरे उत्कीर्ण या फुल फेस)	एचवायबी-सीपी-एमए-36	हैदराबाद डिवीजन के वेंकटाद्रि एक्सप्रेस केसीजी-सीटीओ-के सीजी 12797/12798 के बाहरी भाग पर विज्ञापन अधिकार	29.11.24	12.00	12.40

A1506 वरिष्ठ विभागीय वाणिज्य प्रबंधक, हैदराबाद

बेटी को लेकर झील में कूदा पिता, दोनों की मौत

निजामाबाद, 25 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। एक व्यक्ति ने सोमवार को निजामाबाद शहर के उपनगरीय इलाके में एक झील में कूदकर अपनी और अपनी बेटी की जान ले ली। मृतकों की पहचान इंद्रपुर इलाके के रघुपति और उनकी बेटी नेहा के रूप में हुई है। रिपोर्ट के अनुसार, रघुपति को जब से अपनी बेटी के ब्रेन ट्यूमर के बारे में पता चला, तब से वह उदास था। सोमवार की सुबह, रघुपति नेहा को अपने साथ निजामाबाद शहर के उपनगरीय इलाके में स्थित न्यालक मसानी झील पर ले गया और उसमें छलांग लगा दी। राहगीरों ने जब रघुपति को झील में कूदते देखा तो उन्होंने पुलिस को सूचना दी। पुलिस गोताखोरों के साथ मौके पर पहुंची और शवों को बाहर निकालकर पोस्टमार्टम के लिए सरकारी अस्पताल पहुंचाया। मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच जारी है।

बसंतनगर हवाई अड्डे की मांग फिर उठी

लंबे समय से चल रहा है विकसित करने का प्रस्ताव

पेद्दापल्ली, 25 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। वारंगल, रामागुंडम, कोत्तागुडेम और आदिलाबाद में हवाई अड्डे स्थापित करने के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी के हालिया बयान के साथ बसंतनगर हवाई अड्डे का मुद्दा एक बार फिर सामने आ गया है। सीएम के बयान से हवाई अड्डे को लेकर लोगों की उम्मीदें भी बढ़ गई हैं, क्योंकि पालकुर्थी मंडल के बसंतनगर के पास मौजूदा हवाई पट्टी को हवाई अड्डे के रूप में विकसित करने का प्रस्ताव लंबे समय से चल रहा था।

1980 के दशक में केसोराम सीमेंट फैक्ट्री के अधिकारियों ने सरकारी जमीन किराए पर लेकर हवाई पट्टी विकसित की थी और इसका इस्तेमाल वायुदूत विमानों को उतारने के लिए किया था। हालांकि, वायुदूत सेवाएं बंद होने के कारण हवाई पट्टी का कोई मतलब नहीं रह गया। हालांकि, हवाई अड्डे के लिए एक प्रस्ताव था, लेकिन विभिन्न कारणों से यह साकार नहीं हो सका।

अगस्त 2017 में घोषित उड़ान कार्यक्रम के तहत देशभर में छोटे हवाई अड्डे विकसित करने के केंद्र सरकार के फैसले के बाद हवाई अड्डे की उम्मीदें बढ़ गई हैं। कार्यक्रम के तहत, भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण की एक टीम ने विभिन्न पहलुओं की जांच करने के लिए मार्च 2019 में बसंतनगर का दौरा भी किया था। तकनीकी व्यवहार्यता रिपोर्ट तैयार करने के लिए, एएआई के तकनीकी इंजीनियर, श्रीनिवास मूर्ति ने 10 अगस्त, 2020 को हवाई पट्टी का दौरा किया और 14 अगस्त को एक रिपोर्ट प्रस्तुत की। रिपोर्ट के आधार पर, एएआई ने राज्य सरकार से प्रस्तावित हवाई अड्डे पर उच्च बाढ़ स्तर (एचएफएल) का विवरण मांगा।

इस संबंध में 15 अगस्त 2020 को एएआई, नई दिल्ली के सहायक महाप्रबंधक, व्यवसाय विकास ने राज्य सरकार को पत्र लिखकर एचएफएल का ब्यौरा मांगा।

जाति जनगणना पर स्पष्टता की मांग

कविता ने की भाजपा और कांग्रेस की आलोचना

हैदराबाद, 25 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस एमएलसी के कविता ने मांग की कि कांग्रेस सरकार जाति जनगणना कराने की कानूनी वैधता को स्पष्ट करे और पिछड़े वर्गों (बीसी) की चिंताओं का समाधान करे। तेलंगाना जागृति के तत्वावधान में तैयार की गई 35 पन्नों की रिपोर्ट बीसी समर्पित आयोग के अध्यक्ष वेंकटेश्वर राव को सौंपने के बाद बोलते हुए, कविता ने राजनीतिक और आर्थिक दोनों रूप से पिछड़े वर्गों के लिए व्यापक न्याय की आवश्यकता पर जोर दिया।

पिछली के चंद्रशेखर राव सरकार के योगदान पर प्रकाश डालते हुए कविता ने कहा कि क्षेत्रीय दलों ने लगातार पिछड़े वर्गों के उत्थान की दिशा में काम किया है, जबकि राष्ट्रीय दलों ने उनके संवैधानिक अधिकारों की अनदेखी की है। उन्होंने जाति जनगणना का विरोध करने के लिए सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा देने के लिए भाजपा की आलोचना की और पार्टी पर पिछड़े वर्गों, अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के कल्याण के मूल रूप से खिलाफ होने का आरोप लगाया।

बीआरएस एमएलसी ने कांग्रेस पर कामारेड्डी घोषणापत्र में किए गए वादों को लागू करने में विफल रहने का आरोप लगाया, जिसमें स्थानीय निकायों में पिछड़े वर्गों के लिए 42 प्रतिशत आरक्षण प्रदान करने की प्रतिबद्धता भी शामिल है।

उन्होंने पूछा कि कांग्रेस सरकार को अपने वचन का सम्मान करना चाहिए और स्पष्ट करना चाहिए कि क्या उसकी गारंटी पूरी होगी।

5,431 वाहन चालकों को कानूनी नोटिस

यातायात नियमों का उल्लंघन करने के हैं आदी

वारंगल, 25 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। यातायात पुलिस ने शहर में यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों की पहचान कर उन्हें कानूनी नोटिस भेजना शुरू कर दिया है। पुलिस ने उन वाहन मालिकों का डेटा एकत्र किया है जिनके वाहन पर 10 से अधिक चालान लंबित हैं और उनमें से अब तक लगभग 5,431 को कानूनी नोटिस भेजे हैं। शहर की पुलिस ने लगातार जांच करके और उल्लंघन करने वालों पर जुर्माना लगाकर इस प्रथा को रोकने के लिए अपने प्रयास तेज कर दिए हैं। चालू वर्ष के दौरान, यातायात पुलिस ने 1,115 लोगों के खिलाफ आरोप पत्र दायर किए, उन्हें अदालत में पेश किया और जुर्माना वसूला। पुलिस ने पाया कि शहर में सड़कों पर 71,782 वाहन सबसे अधिक उल्लंघन के लिए चल रहे थे और उन्हें सजा दिलाने की कोशिश कर रही है।

ट्रैफिक पुलिस के अनुसार, शुरूआत में तीन चालान से ज़्यादा चालान भरने वाले वाहन चालकों के खिलाफ़ चार्जशीट दाखिल की गई और उन्हें कोर्ट में पेश किया गया। चालान का भुगतान न करने वाले वाहन चालकों को विशेष अभियान चलाकर पकड़ा गया और उनके वाहन जब्त किए गए। पहले भी दो बार चालान पर भारी छूट दी गई थी, लेकिन कई लोगों ने इसका फ़ायदा नहीं उठाया। ट्रैफिक अधिकारियों ने बताया कि वर्तमान में शहर की सड़कों पर 150 चालान लंबित वाहन चल रहे हैं।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि ई-चालान दंड के तीन दिन के भीतर स्वतः ही न्यायालय को भेज दिए जाते हैं, जिससे पुलिस को उल्लंघनकर्ताओं के विरूद्ध सीधे कार्रवाई करने का अधिकार नहीं रह जाता।

दमरे ने 60 साल पुराने पीपल के पेड़ को सफलतापूर्वक स्थानांतरित किया गया

प्रकृति प्रेमी और इस क्षेत्र के विशेषज्ञ ए. चंद्रमौली की ली गई मदद

हैदराबाद, 25 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे हमेशा पर्यावरण के अनुकूल पहल करने और हरे और स्वच्छ पर्यावरण को बढ़ावा देने में सबसे आगे रहा है। इस प्रतिबद्धता को दर्शाते हुए, एससीआर ने हाल ही में तेलंगाना के सिकंदराबाद में रेल निलयम, एससीआर मुख्यालय भवन के परिसर में 60 साल से अधिक पुराने (लगभग 40 फीट ऊंचाई और 3ट मीटर परिधि में फैले) पीपल के पेड़ (फ़िकस रिलिजियोसा) को स्थानांतरित किया। इस विशाल वृक्ष को मुख्यालय भवन परिसर में ही दूसरे जगह पर स्थानांतरित किया गया। निर्माण गतिविधि शुरू करने के लिए आवश्यक परिस्थितियों में, स्थानांतरण के लिए पीपल के पेड़ की पहचान की गई थी। पेड़ की जड़ों को ज़्यादा नुकसान पहुंचाए बिना पेड़ के सुरक्षित स्थानांतरण को सुनिश्चित करने के लिए एक सावधानीपूर्वक योजना तैयार की गई थी। कर्नूल से प्रकृति प्रेमी और इस क्षेत्र के विशेषज्ञ ए. चंद्रमौली को सावधानीपूर्वक और सटीकता के साथ स्थानांतरण प्रक्रिया को अंजाम देने के लिए बुलाया गया था। जड़ प्रणाली की सावधानीपूर्वक सुरक्षा के लिए आधुनिक उपकरणों और संरक्षण तकनीकों वाले विशेषज्ञों को अपनाया गया है। विशेषज्ञ की सलाह से नए वातावरण में पेड़ की वृद्धि की योजना बनाई गई है। रेल निलयम में पेड़ के स्थानांतरण की प्रक्रिया में स्टीम को काटना, तेल युक्त 50 किलोग्राम नीम केक के साथ पूर्व और बाद में उपचार प्रदान करना, स्थानांतरण क्षेत्र में 180 किलोग्राम प्राकृतिक खाद फैलाना और 200 लीटर पानी में 2 लीटर ह्यूमिक एसिड का छिड़काव करना शामिल था। विशेषज्ञ के अनुसार अगले 3 से 6 महीने की अवधि में नया पेड़ उगना शुरू हो जाएगा। इससे पहले भी चंद्रमौली ने अपनी कायाकल्प योजनाओं के तहत तेलंगाना के महबूबनगर में स्थित ऐतिहासिक बरगद पिल्लामारी का सफलतापूर्वक उपचार किया है। एससीआर ने वर्ष 2021 में इसी तरह की पहल की थी, जिसमें काचीगुडा में रेलवे कोचिंग डिपो में तीन पेड़ों को वृक्षारोपण विशेषज्ञों की मदद से सफलतापूर्वक स्थानांतरित किया गया था। महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने निर्माण कार्यों के बीच भी पर्यावरण को संरक्षित करने के इस नेक काम को करने के लिए एससीआर की इंजीनियरिंग टीम की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह पहल एससीआर के अपने संचालन में टिकाऊ प्रथाओं को एकीकृत करने, बुनियादी ढांचे के विकास को पारिस्थितिक संरक्षण के साथ संतुलित करने के व्यापक प्रयासों के अनुरूप है।

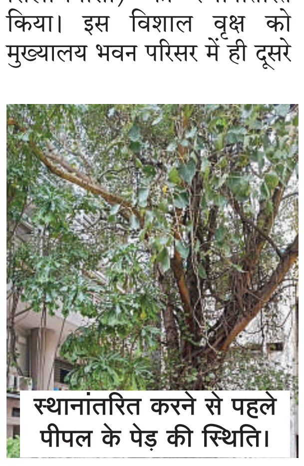

स्थानांतरित करने से पहले पीपल के पेड़ की स्थिति।

स्थानांतरित करने से पहले पीपल के पेड़ की स्थिति।

पूर्व तट रेलवे

निविदा सूचना सं.eT-HQ-WAT-27-2024, दिनांक :14.11.2024

कार्य का नाम: सहायक मण्डल अभियन्ता/इस्टेट/वाल्टियर के अधिकार क्षेत्र के अधीन सीनियर सेक्शन इंजीनियर/कार्य/MYD/वाल्टियर सेक्शन में ओर एक्सचेंज कॉम्प्लेक्स (OEC)-विशाखापट्टनम सेवा भवन की मरम्मत।

कार्य की अनुमानित लागत (रुपये में): 1,18,35,822/-, EMD(रुपये में): 2,09,200/-, कार्य पूरा होने की अवधि: 08 (आठ) महीने।

निविदा बंद होने की तिथि व समय: दिनांक 10.12.2024 को 1500 बजे।

ऐसी ई-निविदा के तहत डाक/कूरियर/फैक्स या व्यक्तिगत रूप से भेजा गया कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जायेगा, भले ही ये सभी फर्म (Firm) के लेटर हेड एवं नियत समय पर प्राप्त किया गया हो। ऐसे सभी मैनुअल प्रस्ताव के संबंध में किसी विचार के बिना तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा।

उपरोक्त ई-निविदा के ई-निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण जानकारी वेबसाइट http://www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होंगे।

द्रष्टव्य : प्रत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि इस ई-निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन/ शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा बंद होने के कम से कम 15(पंद्रह) दिन पहले वेबसाइट का पुन:अवलोकन करें।

मण्डल रेल प्रबंधक (इंजीनियरिंग)/ वाल्टियर

PR-755/P/24-25

'हमारे सांसद वहां थे नहीं तो एफआईआर संभल में कैसे'?

› अखिलेश का सवाल... पुलिस ने दिया ये जवाब

संभल, 25 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के संभल जिले में हुई हिंसा की घटना पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और सांसद अखिलेश यादव ने सपा सांसद जिया उर रहमान पर हुई एफआईआर पर सवाल उठाए हैं। मामले में संभल पुलिस ने भी जवाब दिया। पुलिस का कहना है कि उन्हें पहले भी भड़काऊ भाषण नहीं देने के लिए नोटिस दिया गया था। अखिलेश यादव ने कहा, हमारे सांसद जिया उर रहमान संभल में थे ही नहीं, इसके बावजूद उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज कर दी गई। यह सरकार द्वारा किया गया दंगा है। कोर्ट द्वारा आदेश पारित किए जाने के तुरंत बाद ही पुलिस और प्रशासन सर्वे के लिए जामा मस्जिद पहुंच गए।

23 नवंबर को पुलिस प्रशासन ने कहा कि अगली सुबह 24 तारीख को दूसरा सर्वे किया जाएगा। पुलिस प्रशासन को यह आदेश किसने दिया? जब लोगों ने सर्वे का कारण जानना चाहा तो सर्किल ऑफिसर ने उनके साथ दुर्व्यवहार किया। इसका विरोध करते हुए लोगों ने पथराव शुरू कर दिया। बदले में पुलिस कांस्टेबल से लेकर अधिकारी तक सभी ने अपने सरकारी और निजी हथियारों से गोलियां चलाईं। जिसकी वीडियो रिकॉर्डिंग मौजूद है। इससे कई लोग घायल हो गए। पांच निर्दोष लोगों की मौत हो गई। संभल का माहौल खराब करने के लिए पुलिस और प्रशासन के लोगों के साथ-साथ याचिका दायर करने वाले लोग भी जिम्मेदार हैं।

उन्हें निलंबित किया जाना चाहिए और उनके खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज किया जाना चाहिए ताकि लोगों को न्याय मिल सके और भविष्य में कोई भी संविधान के खिलाफ ऐसी गैरकानूनी घटना न कर सके और न्याय दिया जा सके। संभल हिंसा पर समाजवादी पार्टी के सांसद जिया उर रहमान बर्क ने कहा कि संभल में पुलिस प्रशासन ने जो घटना को अंजाम दिया है, उसने पूरी मानवता को झकझोर कर रख दिया है और प्रदेश और देश की छवि को धूमिल किया है...कल मैं प्रदेश में भी मौजूद नहीं था, संभल तो दूर की बात है, मैं इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड की बैठक में शामिल होने बेंगलुरु गया था, लेकिन मेरे खिलाफ मुकदमा दर्ज कर दिया गया। उन्होंने कहा कि यह पुलिस प्रशासन की साजिश है. जब जनता को पता ही नहीं है कि आप कब सर्वे के लिए आ रहे हैं, तो वे क्या साजिश करेंगे?... साजिश के तहत उन्होंने हथियारों का इस्तेमाल किया है, उन्होंने हमारे 5 निर्दोष लोगों की हत्या कर दी है, कई अन्य घायल हैं, झूठा मामला दर्ज किया गया है...मैं चाहता हूं कि इन अधिकारियों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया जाना चाहिए और उन्हें सलाखों के पीछे डाला जाना चाहिए। मुरादाबाद के पुलिस कमिश्नर अंजनेय कुमार सिंह ने सोमवार को पुष्टि की कि संभल की घटना में आरोपियों में समाजवादी पार्टी (सपा) के एक सांसद और एक स्थानीय विधायक का बेटा शामिल है, उन्होंने आगे कहा कि हिंसा स्थल पर स्थिति अब शांतिपूर्ण है, और जांच चल रही है।

बवाल में मारे गए युवकों की पोस्टमार्टम रिपोर्ट में बड़ा खुलासा-शरीर में मिली 315 बोर की गोली

संभल, 25 नवंबर (एजेंसियां)। संभल में बवाल के दौरान पुलिस ने गोली नहीं चलाई। उपद्रवियों द्वारा पुलिस पर की गई फायरिंग में ही जान गई हैं। दो लोगों के शरीर में गोली लगने के निशान मिले हैं। गोली उनके शरीर से पार निकल गई। वहीं तीसरे मृतक के शरीर में 315 बोर की गोली मिली है। यह कहना है संभल के एसपी कृष्ण कुमार बिश्नोई का। एसपी ने बताया कि पुलिस ने उपद्रवियों को काबू करने के लिए पहले आंसू गैस के गोले छोड़े और जब भीड़ नियंत्रित नहीं हुई तो रबर बुलेट चलाई गईं। वहीं उपद्रवियों ने पुलिस पर फायरिंग की। उपद्रवियों की फायरिंग में ही 4 लोगों की मौत हो गई। पोस्टमार्टम रिपोर्ट से इसका खुलासा हुआ है। एसपी ने बताया कि जहां-जहां उपद्रवियों ने बवाल किया है वहां की सीसीटीवी फुटेज चेक कराई जा रही है। 20 से अधिक को गिरफ्तार किया गया है। 21 उपद्रवी हिरासत में लिए गए हैं। अन्य को चिह्नित किया जा रहा है। सभी को गिरफ्तार कर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

संभल हिंसा में बड़ा खुलासा : बवाल के डर से तड़के में ही बुला ली थी दूसरे जिलों की फोर्स

संभल, 25 नवंबर (एजेंसियां)। संभल हिंसा मामले में बड़ा खुलासा हुआ है। जामा मस्जिद के सर्वे के दौरान माहौल बिगड़ने के डर से पहले ही स्थानीय प्रशासन ने दूसरे जिलों की फोर्स बुला ली थी। सुरक्षा के लिहाज से अमरोहा अपर पुलिस अधीक्षक राजीव कुमार सिंह, सीओ सिटी अरुण कुमार सिंह, सीओ दीप कुमार पंत के अलावा रामपुर, मुरादाबाद की भी फोर्स बुला ली गई थी। जामा मस्जिद के आस-पास के इलाका की कमान अमरोहा एएसपी के कब्जे में रही। ये वही इलाका है जहां हिंसा हुई है। आपको बता दें कि जुमे से एक दिन पहले सोशल मीडिया पर विवादित पोस्ट वायरल होने के बाद पुलिस प्रशासन सतर्कता बरत रहा था, पोस्ट करने वाले आरोपी युवक को गिरफ्तार करने के साथ ही कई लोगों को मुचलकों में पाबंद किया गया था, साथ ही शहर में भारी पुलिस, पीएसी और आरआरएफ तैनात की गई थी।

हरदोई में हादसा, दूल्हे की बुआ समेत 5 की मौत

हरदोई, 25 नवंबर (एजेंसियां)। हरदोई में सड़क हादसे में दूल्हे की बुआ समेत 5 लोगों की मौत हो गई, 4 गंभीर हैं। बोलेरो सवार कानपुर से शादी में शामिल होकर लौट रहे थे। सोमवार तड़के 3 बजे बोलेरो की बस से आमने-सामने भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि बोलेरो कई हिस्से में बंट गई। 50 फीट दूर तक बोलेरो के पाट्र्स गिरे हैं। मृतकों में 4 महिलाएं और 1 पुरुष हैं।

पुलिस ने बताया- हादसा मल्लावां कोतवाली के गौरी चौराहे के पास कटरा-बिल्हौर मार्ग पर हुआ। आशंका है कि कोहरे या ड्राइवर को झपकी आने के चलते हादसा हुआ है। पुलिस ने शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। 4 घायलों को लखनऊ ट्रॉमा सेंटर रेफर किया गया है। हरदोई के मल्लवां के दिग्विजय सिंह की बारात कानपुर के शिवराजपुर गई थी। शादी के बाद लोग वापस लौट रहे थे। बोलेरो में महिलाओं और बच्चों समेत 9 लोग सवार थे। वहीं बघौली से बारातियों को लेकर आ रही बस से बोलेरो की आमने सामने टक्कर हो गई। टक्कर के बाद बोलेरो बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। सभी गाड़ी में फंस गए। किसी तरह पुलिस ने बोलेरो को काटकर सभी को बाहर निकाला।

भदोही में दुधमुंही जुड़वा बच्चियों को जहर देकर पिता ने की खुदकुशी

भदोही, 25 नवंबर (एजेंसियां)। भदोही के औराई कोतवाली क्षेत्र के बेजवां पाही उगापुर में सोमवार की सुबह एक पिता ने अपनी दो जुड़वा अबोध बच्चियों को दूध में जहर देने के बाद खुद आम के पेड़ पर फंदा लगाकर जान दे दी। एक साथ तीन मौत से पूरे इलाके में सनसनी मच गई। बताया जा रहा है कि युवक की पत्नी बीते 19 को किसी के साथ भाग हो गई थी, जिससे वह अवसाद में था। औराई कोतवाली के बेजवां पाहीपुर उगापुर निवासी ओमप्रकाश यादव (27) की पत्नी बीते 19 नवंबर को गायब हो गई, जिसके संबंध में उसने औराई कोतवाली में गुमशुदगी की रिपोर्ट भी दर्ज कराई है। इस बीच, उसे पता चला कि उसकी पत्नी अपने प्रेमी के साथ भागी है, जिससे वह अवसाद में चला गया।

मंत्री से ठगी : 300 अकाउंट में भेजे गए रुपए

बीटेक पास छात्रों की गैंग ने बिछाया जाल, विदेश में बैठा है इनका सरगना

प्रयागराज, 25 नवंबर (एजेंसियां)। कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल गुप्ता के सीए से ऑनलाइन ठगी करने वाले 5 लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार किया। जब तक प्रयागराज पुलिस के साथ यूपी की कई एजेंसियां एक्टिव हुईं, तब तक मंत्री नंदी के 2.08 करोड़ रुपए में 1.96 करोड़ रुपए लुट चुके थे। 300 से अधिक अकाउंट में रुपए ट्रांसफर होकर निकल चुके थे। ठगों में दो बीटेक पास हैं। विदेश में बैठे ठगों से इनका संपर्क है।

इतनी जद्दोजहद के बाद क्राइम ब्रांच, साइबर सेल, स्पेशल टीमें महज 12.22 लाख रुपए अकाउंट में फ्रीज कर सकीं। यानी मंत्री के 1 करोड़ 96 लाख रुपए नहीं मिल पाए। 300 से अधिक अकाउंट के जरिए निकाले गए इन रुपए तक पहुंचना अब पुलिस के लिए टेढ़ी खीर है।

बीटेक के बाद साइबर ठगी, हाईटेक पुलिस फेल

ठगी करने वाले गैंग को दिव्यांशु और पुलकित ऑपरेट करते हैं। दिव्यांशु पटना का है, जबकि पुलकित मऊ का रहने वाला है। दोनों बीटेक पास हैं। दोनों शातिरों ने तीन साल तक नेटवर्किंग कंपनी में नौकरी की। बीटेक पास दिव्यांशु और पुलकित हैकिंग के मास्टर हो गए। दोनों एक साथ रूम पार्टनर रहे और मोबाइल गेमिंग करते-करते साइबर ठगी में उतर आए। दोनों ने पहले तो ऑनलाइन खरीदारी करने वालों को चूना लगाया।

किसी भी मोबाइल नंबर के आधार पर बुकिंग और रुपए ट्रांसफर में ठगी करने लगे। पकड़े न जाएं, इसलिए रुपए ट्रांसफर करने के लिए ऐसे खाताधारकों को तय किया जो कमीशन पर काम करने लगे।

टेलीग्राम के जरिए विदेशी गैंग से मिले

साइबर थाना प्रभारी निरीक्षक राजीव तिवारी ने बताया कि ठगों के सरगना विदेश में बैठे हैं। एक गैंग को कोलकाता से ऑपरेट करता है। इसी गैंग ने दिव्यांशु से संपर्क साध मंत्री के अकाउंटेंट से ठगी का जाल बिछाया था। पुलिस के मुताबिक, पुलकित और दिव्यांशु ने पूछताछ में बताया कि टेलीग्राम के माध्यम से साइबर ठगी करने वाले गिरोह के सरगना के संपर्क आए। इसके बाद गिरोह के लिए काम करने लगे। दोनों कई बार विदेश भी गए हैं। थाइलैंड और नेपाल में गिरोह के सरगना से मिले। एक बार गिरोह का मुख्य सरगना भारत भी आया था।

ट्रक ने बाइक सवारों को कुचला, दो मासूमों सहित तीन की मौत

सीतापुर, 25 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के सीतापुर में सोमवार को भीषण हादसा हो गया। गन्ना लदे ट्रक ने बाइक सवारों को रौंद दिया। दो मासूम बच्चों और युवक की मौके पर दर्दनाक मौत हो गई। जबकि महिला की हालत नाजुक बताई जा रही है। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने जानकारी ली। हादसा बिसवां कोतवाली क्षेत्र के सांडा बिसवां मुख्य मार्ग पर सकरन खुर्द के पास हुआ। यहां गन्ना लदा एक टक्र जा रहा था। चालक ने बाइक सवारों को कुचल दिया। घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ लग गई। सूचना पर पुलिस भी पहुंच गई। हादसे में दो मासूम बच्चों और युवक की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि महिला की हालत नाजुक बताई जा रही है। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

सदन में चारों नवनिर्वाचित विधायकों ने ली शपथ

विस परिसर में माले विधायकों ने किया प्रदर्शन

पटना, 25 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा की शीतकालीन सत्र की कार्यवाही शुरू हो चुकी है। चार नवनिर्वाचित विधायक को पद एवं गोपनियता की शपथ दिलाई। इसके बाद अनुपूरक बजट 2025-25 सदन के पटल पर रखा गया है। सदन में सीएम नीतीश कुमार, उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, विजय सिन्हा, मंत्री विजय चौधरी समेत एनडीए के सभी वरीय नेता उपस्थित हैं। इधर, कार्यवाही शुरू होने से पहले माले के विधायक हंगामा करने लगे। वह एनडीए सरकार के खिलाफ प्रदर्शन और नारेबाजी कर रहे थे। माले विधायकों ने वक्फ बोर्ड विधेयक को लेकर प्रदर्शन किया। इधर, उपचुनाव में जीत के बाद सियासी घमासान जारी है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने नेता प्रतिपक्ष को बड़ा ऑफर दिया है। उन्होंने कहा कि एनडीए में तेजस्वी यादव शामिल हो जाएं। इससे वह सेफ हो जाएंगे। बता दें कि शीतकालीन सत्र 29 नवंबर तक चलने वाला है। इस दौरान कुल पांच बैठकें होंगी। विधानसभा की कार्यवाही शुरू होने से पहले सदन के बाहर वक्फ बोर्ड विधेयक को लेकर माले विधायकों ने प्रदर्शन किया है।

भाजपा नेता अपर्णा यादव ने संभल बवाल पर दिया बयान

गुंडई बर्दाश्त नहीं करेगी योगी सरकार

अमेठी, 25 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के संभल में धार्मिक स्थल पर हुई हिंसा के मामले में भाजपा नेता व महिला आयोग उपाध्यक्ष अपर्णा यादव ने बयान दिया है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार किसी भी प्रकार से गुंडई बर्दाश्त नहीं करेगी, जरूरत पड़ने पर सशस्त्र बल की सहायता ली जाएगी। वहीं करहल विधानसभा चुनाव में सवाल पर उन्होंने बोलने से इनकार कर दिया।

भाजपा नेता ने कहा कि वह महिलाओं से संबंधित मुद्दों पर बात करेंगी। भाजपा नेता ने कहा कि वर्तमान समय में लड़के व लड़कियों के दायित्व समाज के प्रति शिक्षा में शामिल करने के लिए प्रदेश सरकार को ड्राफ्ट बनाकर देंगी। साथ ही कहा कि घर से स्वेच्छा से भाग रहे बच्चों में माता-पिता का भी रोल होता है। परिवार में प्रबोधन क्यों नहीं हो पा रहा है इस पर चिंता करने की जरूरत है। कुंदरकी में सपा की हार और भाजपा की जीत पर उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय चिंतन पर लोगों ने वोट दिया है। उत्तर प्रदेश का मुख्यमंत्री हमेशा बड़े कद का होता है। इससे पहले उन्होंने जिला अस्पताल और वन स्टॉप सेंटर का निरीक्षण कर आवश्यक निर्देश दिए।

सिलेंडर ब्लास्ट में पिता-पुत्र की मौत

भागलपुर, 25 नवंबर (एजेंसियां)। भागलपुर के जोकशर थाना इलाके के खरमनचक मोहल्ले में एक रेस्टोरेंट में गैस सिलेंडर ब्लास्ट से पूरा इलाका दहल गया। इसमें पिता-पुत्र की मौत हो गई। दोनों में रेस्टोरेंड में आग बुझाने गए थे। इसी दौरान रसोई गैस सिलेंडर ब्लास्ट कर दिया। धमाका इतना तेज था कि इसकी गूंज करीब एक किमी दूर तक सुनाई पड़ी। रेस्टोरेंट के बगल के मकानों में दरारें आ गई। आग बुझाने गए पिता-पुत्र दूर फेंका गए। पिता की मौत पर ही मौत हो गई जबकि पुत्र को लोगों ने अस्पताल में भर्ती करवाया लेकिन वहां उसने दम तोड़ दिया। मरने वालों की पहचान खरमनचक निवासी किशन कुमार झुनझुनवाला और उसके बेटे कन्हैया कुमार उर्फ प्रसून झुनझुनवाला के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि रेस्टोरेंट में शॉर्ट सर्किट से आग लगने लगी थी। अब ब्लास्ट का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। इसमें दिख रहा है कि वहां गेट खोलकर आग बुझाने जा रहे पित-पुत्र जब गेट के करीब पहुंचे तो गैस सिलेंडर में विस्फोट हो गया।

पीके पांडे बोले–बिहार एक फेल स्टेट है गृह युद्ध झेल रहे सूडान से की तुलना

जेडीयू ने बताया उपचुनाव में हार की बौखलाहट

पटना, 25 नवंबर (एजेंसियां)। जनसुराज पार्टी के संरक्षक प्रशांत किशोर ने बिहार को फेल स्टेट बताया है। प्रशांत किशोर रविवार को अमेरिका में प्रवासी बिहारी मंच को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा, 'बिहार विकास के हर मापदंड पर फेल है। इसलिए यह एक फेल स्टेट है। इतना ही नहीं उन्होंने बिहार की तुलना गृह युद्ध से जूझ रहे सूडान से भी की।

पीके ने कहा, 'कभी-कभी मै सोचता हूं कि सूडान में 20 साल से गृहयुद्ध क्यों छिड़ा है। क्यों वहां लोग लड़ रहे हैं। जब आप असफल राज्य में होते हैं तो लोगों को इस बात की चिंता नहीं होती है कि हमारे बच्चे सूडान में कैसे पढ़ेंगे। उन्हें इस बात की चिंता होती है कि किसे गोली मारनी है और किसे कहां पकड़ना है। बिहार में भी सूडान जैसी ही स्थिति है। यहां विकास की बातें तो होती हैं, लेकिन विकास नहीं हो पाता है।'

अपने संबोधन में प्रशांत किशोर ने प्रवासियों से कहा कि 'वे अपने दोस्तों और रिश्तेदारों को कॉल कर बिहार में जनसुराज को समर्थन करने के लिए कहें।' पीके के इस बयान ने बिहार की सियासत में एक नया विवाद खड़ा कर दिया है।

राजद ने पीके पर पलटवार करते हुए कहा कि 'प्रशांत किशोर को बिहार की राजनीति की समझ नहीं है।' वहीं, जेडीयू ने उपचुनाव में हार मिलने के बाद प्रशांत किशोर की बौखलाहट बताया है। जेडीयू ने कहा, 'उपचुनाव में बिहार की जनता ने उन्हें फेल कर दिया है।'

डराने के बदले सच्चाई बता रहा हूं

अमेरिका में बिहारी प्रवासी को संबोधित करते हुए प्रशांत किशोर ने कहा, 'मैं उन्हें डराने की कोशिश नहीं कर रहा, बल्कि उन्हें जमीनी हकीकत से रूबरू करा रहा हूं।' पीके ने अपने संबोधन में शराब पर प्रतिबंध को हटाने की भी बातें कहीं।

बिहार और बिहारी को अपमानित कर रहे हैं पीके

प्रशांत किशोर के बयान पर आरजेडी प्रवक्ता एजाज अहमद ने कहा, 'उपचुनाव में जो नतीजे आए हैं। वह साबित करते हैं कि प्रशांत किशोर को बिहार की राजनीति की समझ नहीं है। बिहार को फेल्ड स्टेट बताकर उन्होंने बिहार के लोगों के सम्मान को ठेस पहुंचाने की कोशिश की है।' 'वे हार और बिहार के लोगों को अपमानित कर रहे हैं। अगर बोलना है तो उस पार्टी के बारे में बोलिए जिसे केंद्र की सत्ता दिलाने में आपने मदद की थी।'

बौखलाहट में हैं प्रशांत किशोर

वहीं, जदयू प्रवक्ता अरविंद निषाद ने प्रशांत किशोर पर निशाना साधते हुए कहा, 'बिहार की जनता ने उपचुनाव में पीके को नकारा दिया है। उन्हें फेल साबित किया है। इसके बाद प्रशांत किशोर बौखलाहट में हैं। इस वजह से ऐसे बयान दे रहे हैं। जनता वोट की चोट से वे फेल हो गए हैं, इसलिए बिहार को फेल बता रहे हैं। अरविंद निषाद ने कहा, 'प्रशांत किशोर ने शराबबंदी को खत्म करना चाहते हैं। इसका जवाब बिहार के महिलाओं ने उपचुनाव में दे दिया है।

फॉर्मा की पढ़ाई करने वाले ध्यान दें, 2473 पदों पर होगी फार्मासिस्ट की बहाली-स्वास्थ्य मंत्री का एलान

पटना, 25 नवंबर (एजेंसियां)। फॉर्मा की पढ़ाई पूरी कर चुके अभ्यर्थियों के लिए काम की खबर है। जल्द ही बिहार सरकार फार्मासिस्ट की बहाली प्रक्रिया पूरी करेगी। स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने कहा है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के मार्गदर्शन में राज्य सरकार फार्मासिस्ट की बहाली की प्रक्रिया पूर्ण करने जा रही है। बिहार फार्मासिस्ट संवर्ग के 2 हजार 473 पद पर बहाली के लिए बिहार सरकार के स्वास्थ्य विभाग ने बिहार तकनीकी सेवा आयोग को अधियाचना भेज दी है। जल्द ही बहाली प्रक्रिया पूर्ण करने को कहा गया है। राज्य में स्वास्थ्य विभाग मानव बल की संख्या बढ़ाने और स्वास्थ्य सेवाएं उन्नत प्रदान करने की दिशा में लगातार प्रयत्नशील है।

दवाओं से जुड़े कई काम करते हैं

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि फार्मासिस्ट, दवाओं और उनके इस्तेमाल के विशेषज्ञ होते हैं। वे स्वास्थ्य देखभाल में पेशेवर होते हैं और दवाओं से जुड़े कई काम करते हैं। इन बहालियों से स्वास्थ्य विभाग को और अतिरिक्त ताकत मिलेगी। फार्मासिस्ट दवाओं का भंडारण, संभालना, तैयार करना और वितरण करने का मुख्य कार्य करते हैं। मरीजों को दवाओं के सुरक्षित और प्रभावी इस्तेमाल के बारे में सलाह देना, मरीजों को दवाओं की सही खुराक बताना, मरीजों को दवाओं से जुड़े संभावित दुष्प्रभावों और अंतःक्रियाओं के बारे में बताना का भी कार्य करते हैं। वहीं डॉक्टरों और अन्य स्वास्थ्य पेशेवरों के साथ मिलकर मरीज़ों के लिए सबसे अच्छी दवा की सिफ़ारिश करना उनके प्रमुख कार्य होते हैं। मंगल पांडेय ने का कि राज्य में फार्मासिस्ट की बहाली से युवाओं को रोजगार मिलेगा और राज्य की सरकारी अस्पतालों में मरीजों की उचित देखभाल में भी सहायता मिलेगी। राज्य में लगातार बहाली प्रक्रिया पूर्ण की जा रही है।

साहब बेटी जन्मी तो ससुरालीजन ने घर से निकाल दिया पति ले आया शौतन; बात सुन पुलिस भी रह गई सन्न

गोंडा, 25 नवंबर (एजेंसियां)। यूपी के गोंडा में रिजर्व पुलिस लाइन में रविवार को आयोजित परिवार परामर्श केंद्र में एक विवाहिता की बात सुनकर परामर्शदाताओं को यकीन नहीं हुआ तो वह पति के दूसरी शादी करने की बात पूछते रहे। इसके बाद फिर बगल में बैठे पति से बेटी के जन्म होने पर दूसरी शादी करने की बात सुनकर सभी दंग रह गए। परामर्शदाताओं ने कहा कि पहली पत्नी के होते हुए दूसरी शादी करना अवैध है। विवाहिता को कोर्ट जाने की सलाह दी है। विवाहिता ने न्याय दिलाने की गुहार लगाई है।

सुनवाई के दौरान चार वर्षीय बेटी व वृद्ध पिता के साथ कौड़िया थाना क्षेत्र की एक महिला ने परामर्शदाताओं से कहा कि स्थानीय थाने के तेलियाकोट निवासी पति ने दूसरी शादी कर ली, मगर परामर्शदाताओं को यकीन नहीं हुआ तो दोबारा पति के शादी के बारे में पूछा। इतना ही नहीं, पति के हामी भरने के बाद परामर्शदाता सन्न रह गए। परामर्शदाता गंगाधर शुक्ल, संतोष ओझा और उपनिरीक्षक प्रियंका सिंह ने कहा कि पहली पत्नी के रहते हुए दूसरी शादी बिना तलाक किए अवैध माना जाएगा। विवाहिता को कोर्ट जाने की सलाह दी। विवाहिता ने बताया कि दोनों की शादी 11 मई 2017 को हुई थी, लेकिन बेटी को जन्म देने के बाद पति व ससुर ने उसे घर से बाहर निकाल दिया। इसके बाद भैरमपुर गांव में एक महिला से शादी कर ली। वह पिता के घर रहकर बेटी का भरण-पोषण कर रही है। हालांकि इस दौरान कई जोड़े एक साथ रहने के लिए भी राजी हुए। उन्हें सुखी जीवन के लिए शुभकामनाएं दी।

नसीम की जीत पर बोले इरफान : शिव मंदिर का काम जरूर करवाना, सपा विधायक ने जेल में पति से की मुलाकात

कानपुर, 25 नवंबर (एजेंसियां)। कानपुर की सीसामऊ सीट से विधायक बनने के बाद नसीम सोलंकी पहली बार महाराजगंज जेल में बंद पति इरफान सोलंकी से मिलने पहुंचीं। नसीम के साथ उनकी दोनों बेटियां, सपा विधायक मोहम्मद हसन रूमी और अमिताभ बाजपेयी भी थे। जेल के अंदर करीब आधे घंटे मुलाकात हुई। इरफान और नसीम एक दूसरे को देखते ही रो पड़े। इरफान ने कहा- वनखंडेश्वर मंदिर में जाना और कोई काम हो तो जरूर करवाना। नसीम ने कहा कि इस बार मुलाकात के दौरान सभी की आंखों में खुशी के आंसू थे। नसीम ने कहा- चुनाव जीतने का मकसद पूरा हुआ। बीते 2 साल से जीवन में रात थी, अब दिन हो गया है। मुलाकात के दौरान इरफान ने कहा कि जनता ने उनकी बेगुनाही का सबूत दे दिया है। नसीम को नसीहत देते हुए इरफान ने कहा कि क्षेत्र में 2 साल से विकास कार्य नहीं हुए हैं। जल्द से जल्द विकास कार्य कराओ। नसीम सोलंकी ने कहा- इस बार मुलाकात के दौरान इरफान खूब रोए। इरफान ने

कानपुर और सीसामऊ क्षेत्र की जनता का शुक्रिया अदा किया। उन्होंने क्षेत्र में स्थित वनखंडेश्वर मंदिर को लेकर भी बात की। कहा, वहां कोई काम हो तो जरूर जाना। उन्होंने कहा कि हिंदू भाई जब भी वहां बुलाएं, जरूर जाना। पूरे क्षेत्र में एक समान रूप से विकास कार्य कराना। नसीम सोलंकी ने कहा कि दोनों बेटियां जारा और जाबिया ने भी मुलाकात की। बेटियों से मिलकर इरफान रो पड़े। नसीम ने कहा कि उनकी सेहत को लेकर चिंता रहती थी। इस बार उनकी सेहत ठीक है।

विधायकों ने भी इरफान से मुलाकात की सपा विधायक मोहम्मद हसन रूमी ने बताया कि मुलाकात के दौरान इरफान ने नसीम की जीत पर खुशी जताई। जेल से बाहर आने के लिए इरफान ने कई बार पूछा, जिस पर उन्हें आश्वासन दिया गया है कि कानूनी लड़ाई को और तेज करेंगे। दोनों विधायकों ने इरफान को आश्वसन दिया कि वह उन्हें दो माह में जेल से बाहर निकाल लेंगे। इसके लिए प्रयास जारी है। उन्हें कानून पर पूरा भरोसा है। उन्हें न्याय जरूर मिलेगा।

'मैं तुम्हारी सीट पर प्रचार करता, तो सोचो क्या होता'

अजित पवार ने भतीजे की जीत का उड़ाया मजाक

मुंबई, 25 नवंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में जीत के बाद एनसीपी प्रमुख अजित पवार का आत्मविश्वास चरम पर है। यही वजह है कि जब उनका सामना अपने भतीजे रोहित पवार से हुआ तो उन्होंने मजाक करते हुए कहा कि अगर मैंने तुम्हारी सीट पर प्रचार किया होता तो तुम्हारा जीतना मुश्किल होता! गौरतलब है कि हालिया चुनाव में रोहित पवार मामूली अंतर से जीत दर्ज कर सके। रोहित पवार भाजपा के राम शिंदे के सामने हारते-हारते बचे और सिर्फ 1,243 वोटों से ही चुनाव जीत सके।

अजित पवार ने रोहित पवार की ली चुटकी सोमवार को रोहित पवार और शरद पवार राज्य के पहले मुख्यमंत्री वाई बी चव्हाण की पुण्यतिथि के अवसर पर उनके स्मारक पर पहुंचे और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। बाद में राज्य के डिप्टी सीएम और एनसीपी प्रमुख अजित पवार भी वाई बी चव्हाण के स्मारक उन्हें श्रद्धांजलि देने पहुंचे। जहां उनका मुकाबला रोहित पवार से हुआ। इस दौरान अजित पवार ने रोहित पवार को जीत की बधाई दी और मजाक करते हुए कहा कि 'इधर आओ, मेरा आशीर्वाद लो। तुम मुश्किल से ही जीत पाए हो और अगर मैंने तुम्हारी सीट पर प्रचार किया होता तो सोच लो क्या हुआ होता।' इसके बाद रोहित पवार ने भी अजित पवार के पैर छूकर उनका आशीर्वाद लिया।

रोहित ने भी नहले पर मारा दहला

इसके बाद मीडिया से बात करते हुए रोहित पवार ने कहा कि 'अजित पवार उनके पिता समान हैं। 2019 के चुनाव में उन्होंने (अजित पवार) मेरी बहुत मदद की थी। वह मेरे चाचा हैं और ये मेरी जिम्मेदारी है कि मैं उनके चरण स्पर्श करूं। यह चव्हाण साहब की धरती है और यहां परंपरा और मूल्यों का पालन किया जाना चाहिए।' अजित पवार के मजाक पर रोहित पवार ने कहा कि 'ये सच है कि अगर उन्होंने मेरी सीट पर प्रचार किया होता तो हालात कुछ और ही होते, लेकिन वे बारामती में व्यस्त थे और मेरी विधानसभा में आने का उन्हें समय ही नहीं मिला।'

विधानसभा चुनाव में एनसीपी ने जीतीं 41 सीटें

रोहित पवार ने अहिल्यानगर जिले की करजत जामखेड़ सीट से चुनाव लड़ा था और भाजपा उम्मीदवार राम शिंदे के सामने उन्हें कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा और मामूली अंतर से ही अपनी सीट बचाने में कामयाब रहे। रोहित पवार ने अजित पवार को जीत की बधाई भी दी। हालिया विधानसभा चुनाव में महाराष्ट्र की 288 विधानसभा सीटों में से 234 सीटें जीतकर महायुति ने प्रचंड बहुमत हासिल किया है। वहीं अजित पवार की पार्टी एनसीपी ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए 41 सीटों पर जीत दर्ज की। अजित पवार के चाचा और एनसीपी एसपी प्रमुख शरद पवार की पार्टी की प्रदर्शन निराशाजनक रहा और वे सिर्फ 10 सीटों पर ही जीत दर्ज कर सके। अजित पवार ने बारामती सीट पर अपने भतीजे युगेंद्र पवार को एक लाख से ज्यादा वोटों से हराया।

भतीजे युगेंद्र के अपने खिलाफ चुनाव लड़ने पर क्या बोले अजित

वहीं अजित पवार ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि नए सरकार के गठन को लेकर महायुति के सहयोगियों में चर्चा जारी है। अजित पवार ने विधानसभा चुनाव में जीत के लिए उनकी सरकार की लाडकी बहिन योजना की अहम भूमिका बताई। अजित पवार ने कहा कि उनका गठबंधन राज्य के विकास के लिए मिलकर काम करेगा। अपने खिलाफ भतीजे युगेंद्र के चुनाव लड़ने पर भी अजित पवार ने नाराजगी जाहिर की और कहा कि 'मैंने पहले ही सुप्रिया के सामने सुनेत्रा को चुनाव लड़ाने को लेकर माफी मांग ली थी, फिर मेरे खिलाफ युगेंद्र को क्यों उतारा गया?

अंडमान के पास 6 हजार किलो ड्रग्स जब्त

म्यांमार की बोट में 2-2 किलो के 3 हजार पैकेट मिले, कोस्टगार्ड की सबसे बड़ी जब्ती

पोर्टब्लेयर, 25 नवंबर (एजेंसियां)। इंडियन कोस्ट गार्ड ने अंडमान-निकोबार आइलैंड के पास से 6 हजार किलो की ड्रग्स जब्त की है। कोस्ट गार्ड के अधिकारी ने सोमवार को बताया कि पोर्ट ब्लेयर से 150 किलो मीटर दूर बैरेन आइलैंड के पास एक नाव से ड्रग्स के 2-2 किलो के 3 हजार पैकेट मिले। नाव में म्यांमार के 6 नागरिक सवार थे। सभी को हिरासत में लिया गया है। कोस्टगार्ड के अधिकारी ने बताया कि 24 नवंबर को कोस्टगार्ड के डोर्नियर एयरक्राफ्ट के रूटीन पैट्रोलिंग के दौरान पायलट को यह बोट दिखाई दी थी।

ड्रग्स स्मगलिंग का शक होने पर पायलट ने बोट के पास पहुंचने की कोशिश की, लेकिन उन्होंने बोट की रफ्तार बढ़ा दी और भागने की कोशिश करने लगे। पायलट ने पोर्ट ब्लेयर पुलिस को सूचित किया। कुछ देर बाद पुलिस और कोस्टगार्ड ने मिलकर बोट को पकड़ लिया। जब बोट से तलाशी ली गई तो उसमें करोड़ों रुपए की ड्रग्स मिली। इसकी भारत में तस्करी होनी थी। यह अब तक की सबसे बड़ी खेप थी, जो कोस्टगार्ड ने पकड़ी हो।

10 दिन पहले 700 करोड़ रुपए की ड्रग्स पकड़ी थी

इंडियन कोस्ट गॉर्ड और गुजरात एटीएस ने 15 नवंबर को गुजरात के पोरबंदर तट से 500 किलो ड्रग्स जब्त की थी। इसकी कीमत 700 करोड़ रुपए से ज्यादा बताई गई थी।

दिल्ली एनसीबी को इस ड्रग्स की जानकारी मिली थी। इसके बाद दिल्ली एनसीबी ने गुजरात एनसीबी, कोस्टगार्ड और नेवी की मदद से एक बोट पकड़ी थी, जिसमें ड्रग्स छिपाई गई थी।

मणिपुर में अगवा किए 3 मैतेइयों की पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट सामने आई

3 साल के बच्चे के सिर में गोली, सीने में चाकू मारे; एक हाथ भी तोड़ा गया

इंफाल, 25 नवंबर (एजेंसियां)। मणिपुर के 5 जिलों में जारी कर्फ्यू के बीच एक सनसनीखेज खुलासा हुआ। 11 नवंबर को कुकी उग्रवादियों ने जिरीबाम से 6 मैतेई लोगों (तीन महिलाएं, तीन बच्चे) को अगवा कर उनकी हत्या कर दी थी। इनमें से 3 के शवों की पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट सामने आई है। इसके मुताबिक सभी शव बहुत ही खराब हालत में थे, दो महिलाओं को तो कई बार गोली मारी गई।

इन शवों में 3 साल के बच्चे चिंगखेंगनबा का शव भी था। डॉक्टरों को बच्चे के सिर में गोली का घाव मिला। दिमाग का एक हिस्सा और दाहिनी आंख गायब थी। इससे अंदाजा लगाया जा रहा है कि बच्चे को पास से सिर में गोली मारी, जिससे उसके दिमाग का हिस्सा उड़ गया। उसके सीने और शरीर में कई जगह चाकू के घाव और हाथ में फ्रैक्चर मिला है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट सामने आने के बाद मणिपुर में तनाव बढ़ने की आशंका है। इसलिए राज्य सरकार ने रविवार देर शाम कर इंफाल वैली के कर्फ्यू वाले पांचों जिलों और जिरीबाम में स्कूल-कॉलेज खोलने का आदेश वापस ले लिया। यहां आज से स्कूल-कॉलेज खोले जाने थे।

दरअसल, जिरीबाम में सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में 10 कुकी-जो उग्रवादियों को मार गिराया था। इसके बाद कुकी उग्रवादियों ने एक मैतेई परिवार के 6 लोगों को अगवा कर लिया था। इनमें तीन महिलाएं और तीन बच्चे थे। ये जिरीबाम के राहत शिविर में शरण लिए थे। 16 नवंबर को इनके शव नदी में तैरते मिले थे।

एक महिला के सीने में 3 तो दूसरी के शरीर में 5 गोलियों के घाव मिले

अभी छह में दो महिलाओं 60 साल की वाई रानी देवी, 25 साल की एल. हेतोनबी देवी और 3 साल के चिंगखेंगनबा सिंह की ही पीएम रिपोर्ट आई है। अपहरण के बाद इनकी फोटो वायरल हुई थी। इसमें 3 साल के चिंगखेंगनबा के सामने उसकी मां हेतोनबी और आठ महीने का भाई बैठा है।

अमृतसर हवाई अड्डे पर 1.50 करोड़ का सोना जब्त

अमृतसर, 25 नवंबर (एजेंसियां)। पंजाब के अमृतसर में श्री गुरु रामदास जी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर करीब 1.50 करोड़ रुपये का सोना जब्त किया गया है। यह सोना दुबई से तस्करी कर भारत लाया जा रहा था।

कस्टम विभाग के अधिकारियों ने सोना जब्त कर लिया है और सोना लाने वाले व्यक्ति से पूछताछ शुरू कर दी है। मिली जानकारी के अनुसार, आरोपी कल दुबई से स्पाइस जेट की फ्लाइट से अमृतसर में उतरा था। कस्टम विभाग की जांच के दौरान उन्हें एक व्यक्ति पर शक हुआ। जब उस व्यक्ति की गहनता से जांच की गई तो उसके अंडरगारमेंट्स से सोने का पेस्ट बरामद हुआ। जिसका वजन 2.64 किलोग्राम था। कस्टम विभाग के अधिकारियों ने व्यक्ति को गिरफ्तार कर जांच शुरू कर दी है। उसके अंडरवियर पर लगे पेस्ट को शुद्ध किया गया।

फिर निकला ईवीएम का जिन्न

कांग्रेस-एनसीपी नेताओं ने फोड़ा ठीकरा भाजपा बोली-आप भी राहुल जैसे

मुंबई, 25 नवंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र चुनाव में भाजपा के नेतृत्व वाले महायुति गठबंधन को प्रचंड बहुमत मिला। गठबंधन 234 सीटों पर आगे रही। इसमें भाजपा सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी। वहीं महा विकास अघाड़ी गठबंधन को बुरी हार का सामना करना पड़ा। झल्लाए कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने एमवीए की हार का ठीकरा ईवीएम पर फोड़ दिया। उन्होंने ईवीएम के हैक होने का आरोप लगाया। अब उनके आरोप पर सियासी विवाद गहरा गया है। एक तरफ एनसीपीएसपी ने इस मामले में सबूत जुटाने की बात कही। वहीं, केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने परमेश्वर की तुलना राहुल गांधी से कर दी।

ईवीएम हैक होने के कारण हम महाराष्ट्र हार गए : परमेश्वर

कर्नाटक के गृह मंत्री और कांग्रेस नेता जी परमेश्वर ने कहा, 'ऐसा लगता है कि ईवीएम हैक होने के कारण हम महाराष्ट्र हार गए हैं, यह हमारे नेताओं की राय है। हम चुनाव के लिए उचित रणनीति बनाने में भी असफल रहे हैं। हमने सोचा था कि महाराष्ट्र में एमवीए सत्ता में आएगी, लेकिन सब कुछ उल्टा हो गया।' ईवीएम हैक के आरोप पर एनसीपी (एससीपी) सांसद सुप्रिया सुले ने कहा, 'मैं कांग्रेस के साथ बात करूंगी। मैं फिलहाल इंडिया अलायंस की बैठक में जा रही हूं। हमें इस सब के लिए कुछ सबूत चाहिए। हम इस पर काम कर रहे हैं। हम इसे करेंगे। पहले मुझे बैठक से आने दीजिए।'

मैं परमेश्वर को एक परिपक्व व्यक्ति समझता था : जोशी

केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा, 'मैं अब तक समझता था कि वह एक परिपक्व व्यक्ति हैं, लेकिन वह भी राहुल गांधी की तरह बात कर रहे हैं। भाजपा केंद्र में थी जब उन्होंने कर्नाटक में 135 सीटें जीतीं और झारखंड चुनाव भी जीता, लेकिन फिर भी वे ऐसी बातें कहते हैं।'

'महाराष्ट्र में जो कुछ भी हुआ है, उसके लिए चंद्रचूड़ जिम्मेदार'

यूबीटी शिवसेना नेता संजय राउत ने कहा, 'इस चुनाव में ईवीएम एक बड़ा मुद्दा रहा है, इसलिए इस बार हम कहते हैं कि यह परिणाम होने दीजिए, लेकिन महाराष्ट्र में एक बार फिर मतपत्रों के माध्यम से इस चुनाव को आयोजित करें और फिर हमें दिखाएं कि परिणाम वही है। महाराष्ट्र में जो कुछ भी हुआ है, उसके लिए डीवाई चंद्रचूड़ जिम्मेदार हैं।'

कंगना ने हाईकोर्ट के नोटिस का दिया जवाब

मंडी से चुनाव लड़ने वाली याचिका पर हुई सुनवाई; याचिकाकर्ता बोला-इलेक्शन रद्द करें

शिमला, 25 नवंबर (एजेंसियां)। हिमाचल हाईकोर्ट में सोमवार को मंडी से बीजेपी सांसद बनी कंगना रनोट के चुनाव को चुनौती वाली याचिका पर सुनवाई हुई। कंगना ने एडवोकेट के माध्यम से आज अदालत के नोटिस का जवाब दिया। दरअसल, पिछली सुनवाई में कंगना को कोर्ट ने नोटिस जारी किया था।अब यह मामला चार सप्ताह बाद सुना जाएगा। अगली सुनवाई में याचिकाकर्ता लायक राम के एडवोकेट को जवाब देना होगा। बता दें कि किन्नौर जिले के रहने वाले लायक राम नेगी ने हाईकोर्ट में मंडी संसदीय सीट के चुनाव को रद्द करने के लिए याचिका दायर कर रखी है। नेगी की याचिका पर ही हाईकोर्ट ने कंगना को नोटिस जारी किया था। लायक राम ने भी मंडी लोकसभा सीट से नामांकन पत्र भरा था। लायक राम नेगी के अनुसार, उनके नामांकन पत्र को गलत ढंग से अस्वीकार किया गया। इसलिए उन्होंने मंडी लोकसभा चुनाव को रद्द करने की मांग की है। लायक राम ने इस मामले में रिटर्निंग ऑफिसर (आरओ) एवं डीसी मंडी को भी प्रतिवादी बनाया है। उन्होंने मंडी सीट पर दोबारा चुनाव की मांग की है। याचिकाकर्ता ने कहा-नामांकन के दौरान मुझ पर ऑब्जेक्शन लगाए गए। लायक राम के अनुसार, उसने 14 मई को मंडी लोकसभा सीट से अपना नामांकन पत्र भरा। वन विभाग से असामयिक सेवानिवृत्त होने पर उसने निर्वाचन अधिकारी के समक्ष वन विभाग से जारी जरूरी नो-ड्यूज सर्टिफिकेट नामांकन पत्र के साथ सौंपे।

आरोपी मिहिर को हाईकोर्ट से बड़ा झटका

अवैध गिरफ्तारी के आधार पर रिहाई से किया इनकार

मुंबई, 25 नवंबर (एजेंसियां)। मुंबई का बीएमडब्ल्यू हिट एंड रन मामला पिछले कुछ महीने काफी सुर्खियों में रहा। इस मामले के मुख्य आरोपी मिहिर शाह को बॉम्बे हाईकोर्ट से बड़ा झटका लगा है। अदालत ने शाह को अवैध गिरफ्तारी के आधार पर रिहा करने से इनकार कर दिया। दरअसल, पूर्व शिवसेना नेता के 24 वर्षीय बेटे शाह और उसके कार चालक राजर्षि बिदावत ने हाईकोर्ट में याचिका दायर कर दावा किया था कि उन्हें अवैध रूप से हिरासत में लिया गया है और उन्होंने तत्काल रिहाई का अनुरोध किया था।

क्या है मामला?

तेज रफ्तार बीएमडब्ल्यू कार ने मुंबई के वर्ली इलाके में नौ जुलाई को कावेरी नखवा नामक महिला को कुचल दिया था। कार ने महिला को करीब दो किलोमीटर तक घसीटा था। इस हादसे में उनके पति प्रदीप नखवा भी घायल हो गए थे। दुर्घटना के बाद, मिहिर दो दिनों से अधिक समय तक लापता था। वह उसी बीएमडब्ल्यू कार से बांद्रा के कला नगर इलाके में गया था। दुर्घटना के समय कार में मौजूद शाह के वाहन चालक बिदावत को घटना के दिन गिरफ्तार किया गया था।

मामले में खुलासा हुआ था कि घटना के बाद मिहिर ने अपने पिता राजेश शाह को फोन किया था और घटना के बारे में बताया था। इसके बाद, राजेश ने अपने बेटे को शहर छोड़ने की सलाह दी थी और उससे कहा था कि राजरिशी दुर्घटना की जिम्मेदारी ले लेगा। अपने पिता से बातचीत के बाद मिहिर इधर-उधर छिपने लगा था। हालांकि, पुलिस ने घटना के दो दिन बाद उसे गिरफ्तार कर लिया था।

अगस्त में दायर की थी बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका

हाईकोर्ट में अगस्त में दायर बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिकाओं में शाह और बिदावत ने दावा किया था कि उनकी गिरफ्तारी गैरकानूनी है और उन्हें तुरंत रिहा किया जाना चाहिए। शाह ने अपनी याचिका में पहले उसे पुलिस हिरासत और फिर न्यायिक हिरासत में भेजने के एक स्थानीय अदालत के आदेश को रद्द करने का अनुरोध किया। उसने अपनी गिरफ्तारी को अवैध घोषित किए जाने का अनुरोध किया था।

अब क्या दे रहे दलील?

आरोपियों ने दलील दी कि पुलिस ने उनकी गिरफ्तारी के समय उन्हें गिरफ्तार किए जाने के आधार के बारे में नहीं बताया था और उनका दावा है कि यह कानून का उल्लंघन है। हालांकि, न्यायमूर्ति भारती डांगरे और न्यायमूर्ति मंजूषा देशपांडे की खंडपीठ ने सोमवार को याचिकाओं को खारिज कर दिया। दोनों आरोपियों ने अपनी रिहाई का अनुरोध करते हुए दावा किया था कि उन्हें और हिरासत में रखना संवैधानिक आदेश और दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 50 का उल्लंघन होगा।

बता दें, इस धारा के तहत, पुलिस को किसी व्यक्ति को गिरफ्तार करते समय उसे उस अपराध के बारे में पूरी जानकारी देनी होती है जिसके लिए उसे गिरफ्तार किया जा रहा है या यह बताना होता है कि उसकी गिरफ्तारी के लिए अन्य आधार क्या हैं। शाह और बिदावत दोनों फिलहाल न्यायिक हिरासत में हैं।

दिल्ली में 80 हजार और बुजुर्गों को पेंशन

नई दिल्ली, 25 नवंबर (एजेंसियां)। दिल्ली में विधानसभा चुनाव से पहले आप सरकार ने बुजुर्गों की पेंशन स्कीम को दोबारा शुरू करने का ऐलान किया। स्कीम में 80 हजार नए बुजुर्गों को और जोड़ा गया है। पहले 4.50 लोगों को इस स्कीम का फायदा मिलता था। अब पांच लाख से ज्यादा बुजुर्ग इस स्कीम के दायरे में आएंगे। 60 से 69 साल तक के बुजुर्गों को हर महीने 2000 रुपए दिए जाएंगे। वहीं 70 साल से ऊपर के बुजुर्गों को 2500 रुपए महीना मिलेगा। स्कीम का ऐलान करते हुए दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा, बुजुर्गों के आशीर्वाद से वह जेल से बाहर आए थे। यह स्कीम उनको शुक्रिया अदा करने के लिए है। दिल्ली विधानसभा का मौजूदा कार्यकाल 23 फरवरी 2025 को खत्म हो रहा है। अगले दो महीने में चुनाव हो सकते हैं।

आदित्य बने शिवसेना यूबीटी के विधायक दल के नेता

मुंबई, 25 नवंबर (एजेंसियां)। उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना यूबीटी ने आदित्य ठाकरे को विधायक दल का नेता चुना है। पार्टी के नेता अंबादास दानवे ने बताया कि मुंबई में विधायक दल की बैठक हुई, जिसमें आदित्य ठाकरे को नेता चुना गया। विधायक दल का नेता चुने जाने के बाद आदित्य ठाकरे के सामने पूरे पांच साल तक अपने विधायकों को एकजुट रखने की सबसे बड़ी चुनौती होगी। विधायक दल की बैठक उद्धव ठाकरे के निवास मातोश्री में हुई, जिसमें सर्वसम्मति से आदित्य ठाकरे को दोनों सदनों का नेता चुना गया। साथ ही पार्टी विधायक सुनील प्रभु को मुख्य सचेतक नियुक्त किया गया। गौरतलब है कि हालिया विधानसभा चुनाव में शिवसेना उद्धव ठाकरे को बड़ा झटका लगा और पार्टी को सिर्फ 20 सीटों पर जीत हासिल हुई। आदित्य ठाकरे मुंबई की वर्ली सीट से चुनकर विधानसभा पहुंचे। हालांकि एकनाथ शिंदे गुट के विधायक भरत गोगावाले के एक बयान ने उद्धव गुट को तनाव दे दिया है।

उत्तराखंड के 13वें डीजीपी बने दीपम सेठ, गृह विभाग ने जारी किए आदेश, 1995 बैच के हैं आईपीएस अधिकारी

देहरादून, 25 नवंबर (एजेंसियां)। दीपम सेठ उत्तराखंड के 13वें डीजीपी बन गए हैं। गृह विभाग की ओर से आदेश जारी होने के साथ ही उन्होंने कार्यभार ग्रहण कर लिया है। एडीजी दीपम सेठ ने केंद्रीय प्रतिनियुक्ति से लौटकर सोमवार को मूल कैडर ज्वाइन किया। ज्वाइन करते ही उन्हें पुलिस के 13वें मुखिया की जिम्मेदारी भी दी गई। दीपम सेठ 1995 बैच के आईपीएस अधिकारी हैं। और वर्ष 2019 से केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर थे। अभी उनकी प्रतिनियुक्ति अवधि पूरी नहीं हुई थी कि शासन ने उन्हें वापस बुलाने के लिए केंद्र सरकार को पत्र लिखा था। पत्र के एक दिन बाद ही केंद्र ने उन्हें रिलीव भी कर दिया। बता दें कि एडीजी दीपम सेठ उत्तराखंड कैडर के वर्तमान में सबसे वरिष्ठ अधिकारी हैं। पिछले साल पूर्व डीजीपी अशोक कुमार के सेवानिवृत्त होने के बाद सेठ के वापस आने की चर्चाएं हुई थीं।

सरकार ने उनका नाम भी डीजीपी के पैनल में शामिल करते हुए यूपीएससी को भेजा था। लेकिन, वह प्रतिनियुक्ति से वापस नहीं आए थे। ऐसे में सभी जरूरी अर्हताएं पूरी करने वाले अधिकारियों में एडीजी अभिनव कुमार का नंबर आ गया था। उन्होंने पिछले साल 30 नवंबर की शाम को प्रदेश के 12वें डीजीपी (कार्यवाहक) के रूप में पुलिस की कमान संभाली थी। लेकिन, पिछले दिनों फिर से डीजीपी के चयन के लिए एक पैनल यूपीएससी भेजा गया। मगर, इस पैनल में अभिनव कुमार का नाम शामिल नहीं था। पिछले दिनों कार्यवाहक डीजीपी अभिनव कुमार ने गृह सचिव को पत्र लिखकर यहां डीजीपी का चयन यूपी की तर्ज पर करने की सिफारिश की थी। उन्होंने मौजूदा उत्तराखंड पुलिस एक्ट के नियमों का हवाला भी दिया था। इसमें दो साल के लिए शासन की समिति ही डीजीपी का चयन कर सकती है। लेकिन, अब एकाएक गृह विभाग की ओर से केंद्र सरकार को शुक्रवार को पत्र लिखकर आईपीएस दीपम सेठ को वापस भेजने की मांग की थी।

शोपियां में मिला प्राचीन शिव मंदिर, शिवलिंग और नक्काशी से जुड़ा रहस्य-600 साल पुरानी कश्मीर की गाथा

जम्मू, 25 नवंबर (एजेंसियां)। दक्षिण कश्मीर के शोपियां जिले के हीरपोरा गांव के जंगल में भगवान शिव से जुड़ा एक प्राचीन पूजा स्थल मिला है। यहां एक बड़ी चट्टान पर प्राचीन लेखन के निशान और शिवलिंग के आकार की तीन आकृतियां झरोखे नुमा छोटे मंदिरों में हैं। इन्हें अतीत से जोड़कर देखा जा रहा है। यह पूजास्थल ग्रामीणों और जंगल के रास्तों की खोज करने वाले ट्रैकर्स को मिला है।

यह स्थल हीरपोरा के जंगल क्षेत्र में मुगल रोड से करीब तीन किलोमीटर दूर स्थित है। यहां पैदल ही पहुंचा जा सकता है। स्थानीय लोगों ने इतिहासकारों और पुरातत्वविदों से इसकी जांच और इसके इतिहास के बारे में जानने की मांग की है। स्थानीय निवासी वसीम वानी ने बताया कि यहां एक बड़ी चट्टान पर मंदिर के आकार के छोटे तीन झरोखों में शिवलिंग रखे गए हैं। कुछ जानकारों का कहना है कि करीब 600 साल पहले यहां राजा अवंतिवर्मन और उसके भाई सूर्यवर्मन के जानिब ने यहां हीरपोरा (शोपियां का एक गांव) की बस्ती बसाई थी। ऐसा प्रतीत होता है कि यहां मंदिर बनाया गया था, जिसके निशान मिल रहे हैं। वसीम ने बताया कि कुछ समय पहले विभाग यहां रिसर्च के लिए आया था। इसे हम 'पतुलपल' बोलते हैं और हम चाहते हैं कि इस पूजा स्थल को संरक्षित किया जाए। गौरतलब है कि इस खोज ने इतिहासकारों और सांस्कृतिक विशेषज्ञों के बीच रुचि जगाई है, जो इस स्थल को संरक्षित करने के लिए तत्काल प्रयास करने का आग्रह कर रहे हैं। यह खोज कश्मीर में छिपे समृद्ध इतिहास की याद दिलाती है, जिसे खोजा और समझा जाना बाकी है। आगे के अध्ययनों से इस प्राचीन नक्काशी के बारे में और अधिक जानकारी मिलने की उम्मीद है। इसको लेकर जिला प्रशासन के एक अधिकारी ने कहा कि हम पुरातत्व विभाग के साथ इसकी जानकारी साझा करेंगे।

स्वतंत्र वार्ता

मंगलवार, 26 नवंबर- 2024

संभल में खुफिया तंत्र की चूक ?

रविवार सुबह यूपी का संभल जिले का बहुचर्चित जामा मस्जिद इलाका उस समय सुलग उठा जब कोर्ट के आदेश पर वहां मस्जिद का सर्वे करने अधिकारियों की टीम पहुंची थी। इस दौरान हुई हिंसा हिंसा में चार युवकों की मौत हो गई और कई पुलिसकर्मी घायल हो गए। आरोप है कि समुदाय विशेष के लोगों ने सर्वे टीम पर पथराव किया, जिसके बाद पुलिस ने बल प्रयोग किया। पुलिस के अनुसार उपद्रवियों ने कथित तौर पर तमंचे का भी इस्तेमामल किया, जिससे स्थिति बेकाबू हो गई। हालात से निपटने के लिए भारी मात्रा में पुलिस बल को तैनात तो किया गया था लेकिन जब बवाल भड़का तो उस पर काबू पाने में फोर्स की कमी महसूस की गई। उपद्रवियों ने पुलिस की टीम पर जमकर पत्थर चलाए। बताया जाता है कि लोगों के घरों की छतों पर हमला करने के लिए पत्थर जुटाकर रखे गए थे। बता दें कि कोर्ट के आदेश के बाद 19 नवंबर को संभल की जामा मस्जिद का सर्वे हुआ था। स्थानीय लोगों में सर्वे को लेकर तभी से नाराजगी पनप रही थी। रविवार की सुबह अचानक जब टीम दोबारा सर्वे करने के लिए मस्जिद में पहुंची तो लोगों का गुस्सा आसमान पर पहुंच गया। सरकारी टीम मस्जिद का सर्वे कर रही थी, तभी बाहर हजारों की संख्या में लोग जुटने लगे थे। सुरक्षा के लिए बाहर तैनात पुलिस ने भीड़ देखी तो लोगों को समझाने की कोशिश की। लेकिन भीड ने समझने की बजाय पुलिस बल पर ही बवाल काटना शुरू कर दिया। लोगों ने सड़क से, गलियों से और अपने घरों की छतों पर से पुलिस टीम पर पत्थर बरसाने शुरू कर दिए। अचानक हुए इस हमले के लिए पुलिस बिलकुल भी तैयार नहीं थी। इसलिए पत्थरों की बौछार देखते हुए पुलिस ने अपने कदम पीछे खींचने की कोशिश की तो उपद्रवी और भी आक्रामक हो गए। लेकिन बाद में जब पुलिस बल ने अपने हाथ दिखाए और बल प्रयोग था आंसू गैस के गोले छोड़े तो बवाली काबू में आ सके। इस हिंसा के दौरान चार युवकों की मौत हो गई जबकि कई पुलिसकर्मी घायल भी हो गए। हालांकि, इस संघर्ष के बीच सर्वे करने आई टीम ने मस्जिद के भीतर अपना काम पूरा कर लिया। मस्जिद के सर्वे के दौरान टीम को यह आभास तो था कि यहां सर्वे आसान नहीं रहने वाला है। स्थानीय लोगों के आक्रोश से स्थिति तनावपूर्ण हो सकती है। यही कारण था कि सर्वे की टीम के साथ भारी संख्या में पुलिस की तैनाती की गई थी। ऐसे में इंटेलिजेंस की भूमिका को लेकर सवाल उठने लगे हैं। आखिर क्या वजह है कि इंटेलीजेंस को बवाल करने वाले लोगों की तैयारी की जानकारी नहीं मिली। यदि स्थिति की सही जानकारी होती तो पुलिस उसके हिसाब से अलर्ट होकर जाती। जिस तरह से टीम पर हमला हुआ, वह बताता है कि उपद्रव करने वाले लोग पहले से ही हमले की पूरी तैयारी में थे। उपद्रवियों के पास तमंचे भी थे। हिंसा के बाद नाले में मिले खाली कारतूसों से इसकी पुष्टि भी की गई है। ऐसे में यह साफ हो जाता है कि हिंसा को लेकर पूरा प्लान तैयार किया गया था। पुलिस ने तो फिर भी हालात संभाल लिया लेकिन इस पूरे दृश्य में खुफिया विभाग की अनुपस्थिति ने मामला जटिल बना दिया, जिसकी वजह से हुई हिंसा में 4 लोगों को अपनी जान से हाथ धोना पडा।

संयुक्त राष्ट्र संघ में फिर पाकिस्तान का भारत विरोधी राग

संजीव ठाकुर

विनाश काले विपरीत बुद्धि कहावत पाकिस्तान के लिए एकदम सटीक बैठती है। पाकिस्तान दाने दाने के लिए मोहताज हो गया है और बांग्लादेश में हिन्दू विरोधी लगातार दंगों में पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी की भूमिका सक्रिय बताई जाती हैं। एक कहावत है भूखे ने भूखे से कुश्ती लड़ी दोनों बेहोश हो गए। यही हाल पाकिस्तान और बांग्लादेश का हो रहा है बांग्लादेश पाकिस्तान से स्वतंत्रता के बाद बा मुश्किल भारत की सहायता से अपनी अर्थव्यवस्था पटरी पर ला पाया था पर वहां शेख हसीना का तख्ता पलट कर पाकिस्तान की खुफिया एजेंसियो की सलाह पर हिंदुओं के विरोध में दंगे भड़का कर अपना सत्यानाश करने पर अमादा है। उधर दूसरी तरफ कंगाली के इस भयानक दौर से गुजर रहे पाकिस्तान ने संयुक्त राष्ट्र संघ में भारत का और जम्मू कश्मीर में 370 धारा लागू करने की विरोध में अपना फिर नया बयान जारी किया है उसने कहा है कि भारत के मंसूबे पाकिस्तान तथा पीओके के प्रति ठीक नहीं है और सीमा पर जंग की तैयारी कर रहा है और जम्मू कश्मीर में 370 धारा लागू करने को असवैधानिक करार किया जिसका भारत में मुंह तोड़ जवाब दे दिया है। कंगाल पाकिस्तान अब चीन के साथ भारत की सीमा पर लगे मियांवाले जिले में चश्मा परमाणु का पांचवा प्लांट स्थापित करना चाहता है और इसके लिए बाकायदा चीन ने उसे आश्वासन भी दिया है। ये सब तैयारी ईरान को अपने परमाणु बम बेचनें की तैयारी का ही उपक्रम है इसके बदले ईरान से बड़ी धनराशी वसूलने की पाक की नापाक योजना ही है।पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शरीफ ने चीन के इस प्रस्ताव के लिए के लिए एहसान माना है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष द्वारा पाकिस्तान को कर्ज देने में देरी से पाकिस्तान को चीन द्वारा कुछ वित्तीय मदद की जाने का आश्वासन दिया है और इसी तारतम्य में नया रिएक्टर परमाणु प्लांट लगाने का समझौता किया है। इस मौके पर प्रधानमंत्री शरीफ़ भी मौजूद थे उन्होंने चीन के साथ अपनी दोस्ती को हिमालय से भी ऊंची करार दिया है। दूसरी तरफ पाकिस्तान को दिवालिया होने से बचाने के लिए पाकिस्तान के वित्त मंत्री ने कराची बंदरगाह का सौदा संयुक्त अरब अमीरात से किया है । पाकिस्तान ने एक उच्च स्तरीय कमेटी बनाकर कराची बंदरगाह के टर्मिनल को संयुक्त अरब अमीरात को बेचने का वाणिज्यिक समझौता भी कर लिया है। पाकिस्तान में जब खाने के नहीं है दाने ऐसे में भारत की सीमा से लगे चश्मा नामक स्थान पर 480 अरब डॉलर का चीन के साथ पांचवा परमाणु प्लांट डालने की क्या सूझी है यह समझ से परे है। पाकिस्तान अब ऐतिहासिक, अभूतपूर्व वित्तीय कंगाली के दौर से गुजर रहा है। प्रधानमंत्री नवाज शरीफ हर तरफ से सत्ता में आने के बाद निराशा के गर्त में डूब चुके हैं। पूरी दुनिया के देशों से घूम घूम कर कर्ज मांगने के बाद भी उन्हें फूटी कौड़ी नहीं मिल पाई है पाकिस्तानी जनता रोजी रोटी बिजली पानी के संकट से गुजर रही है और देश में हाहाकार मचा हुआ है। आम जनता विद्रोह पर उतर आई है। पाकिस्तान अपनी गलत नीतियों के कारण दुनिया में अकेला पड़ गया है। आवाम के सामने रोजी-रोटी का संकट पैदा हो गया और इंटरनेशनल मॉनिटरी फंड, सऊदी अरेबिया, तुर्की, ईरान ,इराक तथा उसके सबसे बड़ा हिमायती देश चीन ने भी पाकिस्तान को किसी भी तरह के कर्ज देने से इनकार कर दिया है। पाकिस्तान के अंदरूनी हालात बड़े विचित्र किंतु सत्य की स्थिति में आ चुके हैं वहां स्थिति अराजक हो गई है । पाकिस्तान के अंदरूनी हालात प्रधानमंत्री नवाज शरीफ के नियंत्रण से बाहर होकर अब सेना के जनरल असीम मुनीर के हाथों में आ गई है।

एशियाई समाजवाद में है भारत की विदेश नीति की स्थिरता

रघु ठाकुर

यह कहना विचित्र सा लगेगा कि दुनिया एकता की तलाश विभेद में करती है। विशेषतः एशियाई देश जिसमें भारत भी शामिल है, इस अनिश्चितता की समस्या से मुक्त नहीं है। बीसवीं सदी के मध्य में दुनिया में एक अंतरराष्ट्रीय संगठन था, संयुक्त राष्ट्र संघ रू दुनिया दो सामरिक धड़ों में विभाजित थी एक नाटो (नार्थ एटलान्टिक ट्रीटी) दूसरा नाटो मुख्यत अमरीकी शक्ति के साथ चलने वाले देशों का संगठन था। दूसरा रूस, चीन व कम्युनिस्ट देशों की ताकत के साथ एक समझौते का संगठन है। नाटो, रूस, चीन के खतरों के विरुद्ध अपने संगठन के देशों को सुरक्षा मुहैया कराता था। दूसरा अमेरिकी याने नाटो के हमलों से सुरक्षा देने के लिए बनाया गया संगठन था. उस समय दुनिया इन दो ही शक्ति के धड़ों में विभाजित थी। परन्तु कालान्तर में कई शक्ति के केंद्र उभरे हैं और नाटो और दूसरे की भूमिका या तो सिकुड़ी है या बिखरी है। 1950 में आजादी के बाद भारत दोनों धड़ों से अलग था। और उसने भारत, अरब, युगोस्लाविया आदि देशों के साथ गुटनिरपेक्ष देशों का एक संगठन तैयार करने में सहभागिता की। 1950 और उसके बाद नेहरु, नासिर, टीटो की चर्चा दुनिया में युद्ध व हथियार की शक्ति से हटकर एक निर्गुट संगठन बनाने के रूप में हुई थी। इस गुटनिरपेक्ष विदेश नीति ने भारत और दुनिया को दो शक्तिशाली धड़ों के प्रभाव से बचाकर एक मंच विकसित करने की आशा जगाई थी। हालांकि इस गुट निरपेक्ष संगठन के ये तीन देश सामरिक, आर्थिक रूप से बहुत शक्तिशाली नहीं थे और अर्थ व शस्त्र से समर्थ दुनिया का कोई मजबूत विकल्प या उस ताकतवर दुनिया से पीड़ित देशों के लिए कोई सुरक्षा देने की स्थिति में व्यावहारिक रूप से नहीं थे। ये केवल एक नैतिक समर्थन कर सकते थे। भारत की गुटनिरपेक्ष नीति यद्यपि केवल नेहरु सरकार की देन नहीं थी बल्कि यह आजादी के आन्दोलन और महात्मा गाँधी की कांग्रेस की देन थी। डॉ. लोहिया के जर्मनी से पढ़कर लौटने तथा कांग्रेस में सक्रिय होने के बाद उन्हें कांग्रेस पार्टी के विदेश विभाग का सचिव बनाया गया था। गुटनिरपेक्ष नीति के दस्तावेज को डॉ. लोहिया ने ही तैयार किया था। जिस पर कांग्रेस व तत्कालीन अध्यक्ष जवाहरलाल ने मोहर लगाईं थी। इक्कीसवीं सदी के आते-आते सामरिक तबके में शक्तियों के केंद्र बदल गए हैं अब दुनिया दो ध्रुवीय नहीं रही बल्कि एक अर्थ में बहु ध्रुवीय बन गई है। चीन भले ही रूस का वैचारिक भाई रहा परन्तु उसने कभी भी अपने मन से रूसी श्रेष्ठता या वर्चस्व को स्वीकार नहीं किया। 1960 के बाद तो, याने चीन में कम्युनिस्ट शासन की स्थापना के ग्यारह वर्ष बाद चीन ने अपनी वैश्विक व विदेश नीति की भूमिका को रूस से स्वतंत्र रूप से अदा करना शुरू कर दिया था। 1960-70 के बाद चीन-रूस के भी समानंतर खड़े होने लगा। अपने प्रभाव का फैलाव आसपास के देशों में करने लगा था। 1959 में उसने सैन्य शक्ति से तिब्बत पर कैंजा किया। पंचशील समझौते के दो साल बाद ही भारत की उत्तरी सीमा पर हमला कर भारत के बड़े भूभाग पर कैंजा किया। इन सब में रूस की भूमिका लगभग एक मूकदर्शक व समर्थक जैसी बनी रही। इन घटनाओं से नाटो और सेंटो का प्रभाव कम हुआ। वियतनाम में सारे हथियारों के प्रयोग के बाद भी अमेरिकी पराजय के बाद अमेरिका और नाटो की भूमिका अविश्वसनीय और सीमित हुई। इक्कीसवी सदी के आते आते दुनिया ने नाटो और सेंटो से हटकर तथा यू.एन.ओ. से भी इतर अपनी अपनी सुविधा और जरूरत के अनुसार देशों के समूह बनाने शुरू किये। 1991 में स्व. नरसिंह राव की सरकार ने श्लुक टू द ईस्ट्य के नाम से एक नई विदेश नीति की शुरुआत की। उन्होंने पाकिस्तान से भिन्नता व सार्क संगठन की भारतीय विदेश नीति के बदलने की शुरुआत की। दरअसल 1980 के बाद सार्क की चर्चा (दक्षिण एशियाई देशों) शुरू हुई थी। इसके मूल में बांग्लादेश के विद्वान्‍ थे जिन्होंने दक्षिण एशियाई देशों के एक आर्थिक संगठन की कल्पना प्रस्तुत की। यह भी एक संभावना है कि उनकी इस कल्पना के पीछे अमेरिका का कुछ संकेत रहा हो। क्योंकि सार्क में चीन नहीं था, बल्कि पाकिस्तान, अफगानिस्तान, बांग्लादेश, श्रीलंका, म्यांमार शामिल थे। यह नीति एक प्रकार से चीन से भिन्न और पड़ोस के दक्षिण एशिया के देशों को एक मंच पर इकठ्ठा कर चीन के मुकाबले खड़ा करने की नीति थी। इस नीति का भारत की सरकार ने, साम्यवादियों व लगभग सभी सदस्यीय दलों ने समर्थन किया। यद्यपि हम समाजवादियों ने यह माना कि यह डॉ. लोहिया के भारत-पाक महासंघ के द्वारा गरीब व भारत के विभाजन की काली रेखा को कमजोर करने और आक्रामक चीन के मुकाबले एक ताकतवर मंच बनाने की भूमिका से हटने की शुरुआत है। जबकि सार्क के इस विचार ने दक्षिण एशियाई भूभाग में एक एकता का मनोवैज्ञानिक वातावरण तैयार किया था। हम लोगों ने दक्षेश देशों का सम्मेलन दिल्ली में आयोजित कर सार्क सिटीजन फोरम का गठन किया व उसके लिए काम शुरू किया था। परन्तु 1991 में स्व. नरसिंह राव के प्रधानमंत्री बनने के बाद उन्होंने सार्क से हटकर एक नई नीति की रचना की। श्लुक टू द ईस्ट्य की इस नीति के तहत पूर्वी एशिया याने चीन की तरफ फिर दोस्ती के चश्मे से देखना शुरु किया है। इसके कई कारण हो सकते हैं। 1.उस समय अमेरिका व चीन के बीच मित्रवत सम्बन्ध शुरू हो गए थे व व्यापारिक संबंध और चीन अमेरिका के आर्थिक व राजनैतिक सम्बन्ध भी पिघलने लगे थे। अमेरिका ने अपना बाजार चीन के लिए खोला था। तथा चीन ने अमेरिकी कंपनियों को प्रवेश देना शुरू किया था। यह जुमला चल पड़ा था कि अब विदेश नीति व रिश्ते सरकारें या राजनीति नहीं वरन व्यापार तय करेगा। 2.वलर्ड ट्रेड सेंटर पर लादेन के हमले के बाद अमेरिका का मुख्य लक्ष्य लादेन को मारना व अफगानिस्तान के तालिबानों को मिटाना था। एक प्रकार से यह मुस्लिम कट्टरपन्थ व मुस्लिम आक्रामकता के खिलाफ भी वैश्विक हमला था। स्व. नरसिंह राव भी अयोध्या में बाबरी मस्जिद के तोड़े जाने के बाद देश व विदेश में मुस्लिम समाज के निशाने पर थे। सम्भव है कि इसीलिए उन्होंने वेस्ट से हटकर ईस्ट की ओर देखना शुरू किया है। लगभग एक दशक तक भारत की सरकारें इस नीति पर चलती रहीं। परंतु जब चीनी आर्थिक सत्ता व आर्थिक साम्राज्यवाद से अमेरिका के लिए खतरा शुरू हुआ तो अमेरिका ने अपनी नीति को बदला। चीन ने अमेरिका के के उपभोक्ता बाजार पर कैंजा जमा लिया था। अपनी साहूकारी नीति से पैसा देकर नेपाल, म्यांमार, श्रीलंका, मालद्वीव, बांग्लादेश आदि देशों को अपने प्रभाव क्षेत्र में ले लिया। और वन बेल्ट वन रोड की महत्वाकांक्षी योजना से अपने व्यापार को सड़क मार्ग से ईरान और यूरोप तक जोड़ने की योजना पर काम शुरू किया था। इस खतरे को समझ कर अमेरिका ने अपने बाजार व सहयोगी देशों के बाजार में चीन को प्रतिबंधित करना शुरु किया। चीनी विस्तार को फिर से रोकने की नीति शुरू की। भारत कभी भी अमेरिकी प्रभाव से मुक्त नहीं हो सका है। जिस प्रकार अमेरिका की चीन के प्रति नीति बदलने से भारत भी पूर्व की ओर देखने लगा था उसी प्रकार बाद में अमेरिका की नजर से भारत ने पशचिम की ओर देखना शुरू किया। इसके लिए कई कई देशों के कई संगठन बनाये जाने शुरू हुए। विदेश नीति में एक बदलाव आया कि विभिन्न विषयों के आधार पर देशों के समूह या संगठन बनाये जायें या जो बने उनमें शामिल हुआ जाए। यह एक प्रकार से दो ध्रुवीय दुनिया के विखंडन की शुरआत थी। संघाई सहयोग के नाम से श्एससीओ्य नामक एक समूह बना जिसमें चीन नहीं था पर पाकिस्तान है। इस संगठन के सम्मेलन में हिस्सेदारी करने के लिए 9 वर्षों के बाद भारत के विदेशमंत्री श्री जयशंकर 15 अक्टूबर को पाकिस्तान पहुंचे। यद्यपि यह शिरकत अभी बहुत प्रारंभिक है। इसके चार दिन पूर्व याने 11 अक्टूबर 2024 को वियतनाम में एशिया शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने कहा था कि विश्व के विभिन्न भागों में जारी संघर्षों का सर्वाधिक नाकारात्मक प्रभाव ग्लोबल साउथ के देशों पर पड़ा है। भारत सरकार ने 1950 की निर्गुट नीति, फिर सार्क संगठन फिर, लुक टू द ईस्ट, फिर ब्रिक्स और अब दक्षिण एशिया के आगे जाकर दक्षिणी विश्व की चर्चा शुरू की है।

दूध की पोषकता का पर्याय है मेलाटोनिन

डॉ. शंकर सुवन सिंह

दूध एक संपूर्ण आहार है जो स्वस्थ दुधारू पशुओं के लैक्टियल स्राव से प्राप्त होता है। दुधारू पशुओं के ब्याने से 15 दिन पहले और ब्याने के 5 दिन बाद ही दूध का उपयोग होता है। दूध को अन्य नामों से भी जाना जाता है जैसे दुग्ध, गोरस, क्षीर, दोहज, पय, पीयूष, स्तन्य आदि। पोषण आहार-तत्व सम्बन्धी विज्ञान है। इसके अंतर्गत आहार तत्वों द्वारा मनुष्य के शरीर पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन एवं विश्लेषण किया जाता है। दूसरे शब्दों में शरीर आहार सम्बन्धी सभी प्रक्रियाओं का नाम ही पोषण है। पोषण का सम्बन्ध भोजन व उस भोजन के सामाजिक, आर्थिक व मनोवैज्ञानिक प्रभावों से भी है। आहार और स्वास्थ्य का घनिष्ठ सम्बन्ध है। भोजन के वे सभी तत्व जो शरीर में आवश्यक कार्य करते हैं, उन्हें पोषण तत्व कहते हैं। यदि ये पोषण तत्व हमारे भोजन में उचित मात्रा में विद्यमान न हों, तो शरीर अस्वस्थ हो जाएगा। कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन, वसा, विटामिन, खनिज-लवण व पानी प्रमुख पोषण तत्व हैं। हमारे भोजन में कुछ ऐसे तत्व भी होते हैं, जो पोषण तत्व नहीं होते जैसे रंग व खुशबू देने वाले रासायनिक पदार्थ। ये आवश्यक तत्व जब (सही अनुपात में) हमारे शरीर की आवश्यकता अनुसार उपस्थित होते हैं, तब उस अवस्था को सर्वोत्तम पोषण या समुचित पोषण की संज्ञा दी जाती है। यह सर्वोत्तम पोषण स्वस्थ शरीर के लिए नितान्त आवश्यक है। कुपोषण उस स्थिति का नाम है जिसमें पोषक तत्व शरीर में सही अनुपात में विद्यमान नहीं होते हैं अथवा उनके बीच में असंतुलन होता है। अतः हम कह सकते हैं कि कुपोषण अधिक पोषण व कम पोषण दोनों को कहते हैं। कम पोषण का अर्थ है किसी एक या एक से अधिक पोषण तत्वों का आहार में कमी होना। उदाहरण- विटामिन ए की कमी या प्रोटीन की कमी आदि। अधिक पोषण से अर्थ है एक या अधिक पोषक तत्वों की भोजन में अधिकता होना। उदाहरण, जब व्यक्ति एक दिन में ऊर्जा खपत से अधिक ऊर्जा ग्रहण करता है, तो वह वसा के रूप में शरीर में एकत्रित हो जाती है और उससे व्यक्ति मोटापे का शिकार हो जाता है। दूध एक ऐसा आहार है जिसमे सभी पोषक तत्व संतुलित मात्रा में पाए जाते हैं। पोषण की दृष्टि से दूध हमारे लिए उपलब्ध सबसे बढ़िया भोजन है। शरीर को अपने भोजन की आपूर्ति में तीस से अधिक अलग-अलग पदार्थों की आवश्यकता होती है। कोई भी एक खाद्य पदार्थ उन सभी की आपूर्ति नहीं करता है, लेकिन दूध लगभग सभी की आपूर्ति करता है। दूध ऊर्जा युक्त आहार है। दूध शरीर को तुरंत ऊर्जा प्रदान करता है। दूध में एमिनो एसिड एवं फैटी एसिड मौजूद होते हैं। दूध संपूर्ण आहार है। दूध के बिना जीवन अधूरा है। दूध एक अपारदर्शी सफेद द्रव है जो मादाओं के दुग्ध ग्रन्थियों द्वारा बनाया जाता है। नवजात शिशु तब तक दूध पर निर्भर रहता है जब तक वह अन्य पदार्थों का सेवन करने में अक्षम होता है। दूध में मौजूद संघटक हैं- पानी, ठोस पदार्थ, वसा, लैक्टोज, प्रोटीन, खनिज वसा विहिन ठोस। अगर हम दूध में मौजूद पानी की बात करें तो सबसे ज्यादा पानी गधी के दूध में 91.5% होता है, घोड़ी में 90.1%, मनुष्य में 87.4%, गाय में 87.2%, ऊंटनी में 86.5%, बकरी में 86.9% होता है। भैंस के दूध में पानी की मात्रा 82-83% होती है। भैंस के दूध में गाय के दूध की तुलना में ज़्यादा फैट और प्रोटीन होता है। दूध में कैल्शियम, मैग्नीशियम, ज़िंक, फास्फोरस, आयोडीन, आयरन, पोटैशियम, फोलेट्स, विटामिन- ए, विटामिन- डी, राइबोफ्लेविन, विटामिन बी-12, प्रोटीन आदि मौजूद होते हैं। गाय के दूध में प्रति ग्राम 3.14 मिली ग्राम कोलेस्ट्रॉल होता है। गाय का दूध पतला होता है। जो शरीर मे आसानी से पच जाता है। एक भी खाद्य पदार्थ सभी की आपूर्ति नहीं करता है, लेकिन दूध लगभग सभी की आपूर्ति करता है। आयुर्वेद के अनुसार गाय के ताजा दूध को ही उत्तम माना जाता है। पुराणों में दूध की तुलना अमृत से की गई हैं, जो शरीर को स्वस्थ मजबूत बनाने के साथ-साथ कई सारी बीमारियों से बचाता है। गाय का दूध आंतरिक पित्त-संबंधी समस्याओं जैसे की सीने में जलन, अल्सर और त्वचा पर चकत्ते को कम करने में मदद करता है। भैंस के दूध के बजाय गाय के दूध का सेवन करने को ज्यादातर कहा जाता है क्योंकि आयुर्वेद में भैंस के दूध को गर्म तासीर का माना गया है। आयुर्वेद के अनुसार , वयस्कों को रात को सोने से पहले दूध पीना सबसे अच्छा बताया गया है। जबकि बच्चों को सुबह ही दूध पी लेना चाहिए। रात को सोने से पहले दूध पीने वाले व्यक्ति का ओजस बढ़ता है। पूर्ण या उचित पाचन की अवस्था ओजस कहलाती है। भैंस के दूध में गाय के दूध की तुलना में ज्यादा वसा (फैट) पाया जाता है। इसके अलावा, भैंस का दूध कैल्शियम, फास्फोरस, मैग्नीशियम और पोटेशियम जैसे पोषक तत्वों का भी एक अच्छा स्रोत है। वहीं, गाय का दूध विटामिन का एकअच्छा स्रोत है। गाय का दूध मेलाटोनिन का समृद्ध स्रोत है। मस्तिष्क में स्थित पीनियल ग्रंथि एक छोटी अंतःस्रावी ग्रंथि है जो मेलाटोनिन हार्मोन को स्रावित करती है। यही मेलाटोनिन हार्मोन नीद को बढ़ावा देने में सहायक होता है। वैज्ञानिक तथ्यों के आधार पर सर्दियों के दौरान, कुल दैनिक दूध में मेलाटोनिन की सांद्रता, औसतन, गर्मियों की तुलना में 74.7% अधिक होती है। अतएव सर्दियों में दूध का पीना और ज्यादा फायदेमंद है। दूध में ट्रिप्टोफैन नामक एमिनो एसिड पाया जाता है। सेरोटोनिन और मेलाटोनिन के उत्पादन में ट्रिप्टोफैन महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। सेरोटोनिन एक न्यूरोट्रांसमीटर है जो मनोदशा (मूड), संज्ञानात्मक तर्क और स्मृति को प्रभावित करता है। खाद्य पदार्थों में पाए जाने वाला ट्रिप्टोफैन बुजुर्गों में नींद और मनोदशा को बेहतर बनाने में सहायक सिद्ध हुआ है। दिन में दुही गई गायों की अपेक्षा रात्रि में दुही गई गायों से एकत्रित किया गया दूध ट्रिप्टोफैन के अलावा इसमें मेलाटोनिन की भी भरपूर मात्रा होती है। वैज्ञानिक तथ्यों के आधार पर गाय के रात के दूध में मेलाटोनिन की औसत सांद्रता 14.87 पिकोग्राम/मिलीलीटर होती है, जबकि कुल दैनिक दूध में यह 6.98 पिकोग्राम/मिलीलीटर मापी गई। दूध पीने से अवसाद और तनाव दूर रहता है। अतएव हम कह सकते हैं कि मेलाटोनिन, दूध की पोषकता का पर्याय है।

भारतीय संविधान से जुड़े महत्वपूर्ण तथ्य

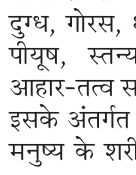

श्वेता गोयल

भारत का संविधान दुनिया का सबसे लंबा लिखित संविधान है, जो 26 जनवरी 1950 को लागू किया गया था। हालांकि इसे स्वीकृत 26 नवम्बर 1949 को ही कर लिया गया था। इसीलिए इसी दिन संविधान दिवस मनाया जाता है। इस वर्ष यह अवसर इसलिए विशेष है क्योंकि इस साल भारतीय संविधान की 75 वर्षों की गौरवशाली यात्रा पूरी हो रही है। 26 नवंबर को भारतीय संविधान को अपनाए जाने के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में संविधान भवन में संसद के दोनों सदनों के सदस्यों के साथ संविधान दिवस मनाया जाएगा। ऐसे में इस विशेष अवसर पर भारत के गौरव के प्रतीक भारतीय संविधान के निर्माण से जुड़े कुछ महत्वपूर्ण तथ्यों को जानना बेहद जरूरी है। सर्वप्रथम सन्‌ 1895 में लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक ने मांग की थी कि अंग्रेजों के अधीनस्थ भारतवर्ष का संविधान स्वयं भारतीयों द्वारा ही बनाया जाना चाहिए लेकिन तिलक के सहयोगियों द्वारा भारत के लिए स्वराज्य विधेयक के प्रारूप को, जिसमें पहली बार भारत के लिए स्वतंत्र संविधान सभा के गठन की मांग की गई थी, ब्रिटिश सरकार द्वारा ठुकरा दिया गया था। 1922 में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने मांग की कि भारत का राजनैतिक भाग्य भारतीय स्वयं बनाएंगे। 1924 में पं. मोतीलाल नेहरू ने संविधान सभा के गठन की फिर मांग की लेकिन अंग्रेजों द्वारा उनकी मांग को भी ठुकरा दिया गया। तब से संविधान सभा के गठन की मांग लगातार उठती रही लेकिन अंग्रेजों द्वारा उसे हर बार ठुकराया जाता रहा। 1939 में कांग्रेस अधिवेशन में एक प्रस्ताव पारित किया गया, जिसमें कहा गया कि स्वतंत्र देश के संविधान के निर्माण के लिए संविधान सभा ही एकमात्र उपाय है और अंततः 1940 में ब्रिटिश सरकार ने इस मांग को मान लिया कि भारत का संविधान भारत के लोगों द्वारा ही बनाया जाए।

1942 में क्रिप्स कमीशन ने अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की, जिसमें कहा गया कि भारत में निर्वाचित संविधान सभा का गठन किया जाएगा, जो भारत का संविधान तैयार करेगी। 9 दिसम्बर सन्‌ 1946 को संविधान सभा सच्चिदानंद सिन्हा की अध्यक्षता में पहली बार समवेत हुई थी लेकिन मुस्लिम लीग ने अलग पाकिस्तान बनाने की मांग को लेकर इस बैठक का बहिष्कार किया। 11 दिसम्बर 1946 को हुई संविधान सभा की बैठक में डा. राजेन्द्र प्रसाद को संविधान सभा का अध्यक्ष चुना गया और वे संविधान के निर्माण का कार्य पूरा होने तक इस पद पर रहे। 14 अगस्त 1947 को भारत डोमिनियन की प्रभुत्ता सम्पन्न संविधान सभा पुनः समवेत हुई और 29 अगस्त 1947 को स्वतंत्र भारत में संविधान सभा द्वारा संविधान निर्मात्री समिति का गठन किया गया, जिसका अध्यक्ष सर्वसम्मति से डा. भीमराव अम्बेडकर को बनाया गया।

कनाडा का फिर बदल रहा है मिजाज

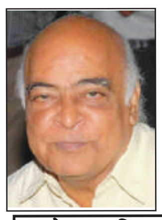

अशोक भाटिया

भारत और कनाडा के बीच संबंधों में काफी समय से जो तल्खी चली आ रही थी, अब उसमें कमी होने के आसार हैं। जहां कनाडा की जस्टिन ट्रूडो सरकार की ओर से लगातार भारत सरकार के मंत्रियों और अहम पद पर आसीन लोगों पर तमाम तरह के भ्रामक आरोप लगाए जा रहे थे, अब कनाडा के ही अधिकारी ने इन आरोपों को लेकर कहा है कि यह 'अटकलबाजी और गलत' हैं। कनाडा की ओर से जब से इस प्रकार के आरोप कनाडा की अल्पमत की सरकार की ओर से लगाए जा रहे थे तब से लगातार भारत ने इसका कड़ाई से विरोध किया था। विदेशमंत्री एस जयशंकर कई मंचों से लगातार कनाडा के आरोपों पर मुखर होकर जवाब दे रहे थे। भारत की ओर से स्पष्ट तौर आरोप नकारे जाने के बाद और फिर कनाडा से लगातार सबूतों की मांग की गई। कनाडा की ओर से कभी भी एक भी सबूत नहीं देने पर भारत ने आरोपों पर किसी भी प्रकार की कार्रवाई से इनकार कर दिया था।

हाल फ़िलहाल खालिस्तान प्रेम में डूबे जस्टिन ट्रूडो आखिरकार पटरी पर आ गए हैं। आतंकी निज्जर की हत्या के मामले में भारत के खिलाफ बयानबाजी करने के मामले में समझ आ गया है कि भारत से पंगा लेना भारी पड़ सकता है। भारत की सख्ती देख अब कनाडाई प्रधानमंत्री के सुर बदल गए हैं और कनाडा की सरकार बैकफुट पर आ गई है। यहां तक कि अब तो उन्होंने अपने ही सुरक्षा अधिकारियों को 'अपराधी' बताते हुए इस मामले से पल्ला झाड़ने की कोशिश भी की है। दरअसल, खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की मौत से जुड़ी एक फर्जी रिपोर्ट के बाद मीडिया में जानकारी लीक करने के मामले में जस्टिन ट्रूडो ने यह बयान दिया है। इस फर्जी रिपोर्ट में निज्जर हत्याकांड में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और जयशंकर के नाम को घसीटा गया था। इस मामले में अब ट्रूडो ने गलती मानते हुए कहा है, 'दुर्भाग्य से हमने देखा है कि मीडिया को टॉप-सीक्रेट जानकारी लीक करने वाले अपराधी लगातार गलत खबरें फैलाते रहे हैं। यही वजह है कि हमने विदेशी दखल पर एक राष्ट्रीय जांच की थी। इस जांच में यह बात सामने आई थी कि मीडिया संस्थानों को जानकारी लीक करने वाले अपराधी न केवल अपराधी होते हैं बल्कि वे अविश्वसनीय भी होते हैं।' इसके साथ ही ट्रूडो ने अपने ही खुफिया अधिकारियों को 'अपराधी' भी बताया। साथ ही कहा कनाडा के प्रधानमंत्री के तौर पर मेरा पहला काम कनाडा के लोगों को सुरक्षित रखना है। हमारा जोर इस बात पर रहा है कि कनाडा के लोग यहां और पूरे देश में सुरक्षित रहें और हम कानून का पालन सुनिश्चित करें।

ट्रूडो सरकार ने पीएम मोदी पर 'अटकलों' वाली रिपोर्ट को खारिज किया और सफाई दी कि नरेंद्र मोदी, एस जयशंकर और अजीत डोभाल का निज्जर हत्याकांड से न तो कोई कनेक्शन है और न कोई सबूत है। साथ ही यह रिपोर्ट अटकलों पर आधारित और गलत है। जस्टिन ट्रूडो की सरकार ने कहा, 'कनाडा सरकार ने यह नहीं कहा है और न ही उसे इस बात के सबूतों की जानकारी है कि प्रधानमंत्री मोदी, मंत्री जयशंकर या एनएसए डोभाल का कनाडा के भीतर गंभीर आपराधिक गतिविधि से कोई संबंध है। इसके विपरीत कोई भी सुझाव अटकलों पर आधारित और गलत है।'

कनाडा के अखबार द ग्लोब एंड मेल ने अपनी एक रिपोर्ट में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और विदेश मंत्री एस जयशंकर को आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या से जुड़े विवाद से जोड़ा था। यही मामला भारत और कनाडा के बीच एक बड़े कूटनीतिक विवाद का केंद्र बना और दोनों देशों के रिश्ते बिगड़े। इस रिपोर्ट में एक अज्ञात सुरक्षा अधिकारी के हवाले से दावा किया गया था कि कनाडा की सुरक्षा एजेंसियों का मानना है कि पीएम मोदी निज्जर की हत्या के बारे में जानते थे। यह पहली बार है जब कनाडा के मीडिया ने पीएम मोदी को इस मामले में घसीटा है, जो पहले से ही तनावपूर्ण संबंधों में एक महत्वपूर्ण घटना है। रिपोर्ट में इस सूत्र ने स्वीकार किया कि कनाडा के पास कोई प्रत्यक्ष प्रमाण नहीं है कि नरेंद्र मोदी जानते थे। वहीं भारत पहले ही इस मीडिया रिपोर्ट को खारिज कर चुका था। कनाडा की सरकार ने बयान जारी कर स्पष्ट किया है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, विदेश मंत्री जयशंकर या एनएसए अजित डोवाल को कनाडा के भीतर गंभीर आपराधिक गतिविधि से जोड़ने वाले कोई भी सबूत नहीं मिले हैं। ट्रूडो सरकार का ये स्पष्टीकरण कनाडा के एक अखबार में छपी रिपोर्ट के उस दावे के बाद आया है जिसमें आरोप लगाया गया था कि निज्जर की हत्या की कथित साजिश भारत के शीर्ष नेताओं ने रची थी। कुल मिलाकर कहा जा सकता है कि आरोप लगाने के बाद अपनी गलती मानी है।

इस रत्न को धारण करते ही पैसों की तंगी हो सकती है दूर खुलेंगे धन आगमन के रास्ते

जेड स्टोन को रत्न शास्त्र में बहुत खास माना जाता है। जेड स्टोन को ड्रीम स्टोन के नाम से भी जाना जाता है। ऐसा माना जाता है कि अगर कोई व्यक्ति इस रत्न को धारण करता है तो उसकी आर्थिक स्थिति जल्दी मजबूत हो जाती है। इसके साथ ही जीवन में खुशियां आने लगती हैं। इसके साथ ही इसे पहनने से जातक के एकाग्रता में भी वृद्धि होती है। जेड स्टोन को लोग खासतौर पर गुड लक यानी सौभाग्य के लिए पहनते हैं। यह रत्न आपकी जिंदगी की उलझनों को सुलझाने में मदद करता है। इसके अलावा, अगर कुंडली में कोई दोष हो तो यह उसे भी ठीक करने में मदद करता है। इस रत्न को फिल्मी सितारे भी इसे पहनते हैं। ऐसे आइए जानते हैं जेड स्टोन धारण करने के लाभ।

निर्णय लेने में करता है मदद

जेड स्टोन पहनने का एक बड़ा फायदा यह है कि इससे निर्णय लेने की क्षमता बढ़ जाती है। इसका मतलब है कि आप सही और गलत में जल्दी फर्क कर सकते हैं और सही फैसला ले सकते हैं। यह रत्न आपके आय के साधनों को भी बढ़ाता है। जिससे आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत होती है और पैसों की कमी दूर होती है।

घर में लाता है खुशहाली

कई बार ऐसा होता है कि हम खूब मेहनत करते हैं लेकिन फिर भी सफलता नहीं मिलती। इसके पीछे कुंडली में ग्रहों की स्थिति का असर हो सकता है। जेड स्टोन पहनने से ग्रहों के अशुभ प्रभाव कम होते हैं और घर में खुशहाली आती है। इस रत्न से जीवन में सकारात्मक ऊर्जा बढ़ती है और परिवार में सुख-शांति बनी रहती है।

इन 2 राशियों के लिए लकी

ज्योतिष की मानें तो मिथुन और कन्या राशि वाले जातकों के लिए यह रत्न बहुत फायदेमंद होता है, क्योंकि इन राशियों के स्वामी ग्रह बुध हैं। यह रत्न एकाग्रता बढ़ाता है और दिमाग को शांत रखता है। इसे पहनने से व्यक्ति की सोचने-समझने की शक्ति भी बेहतर होती है।

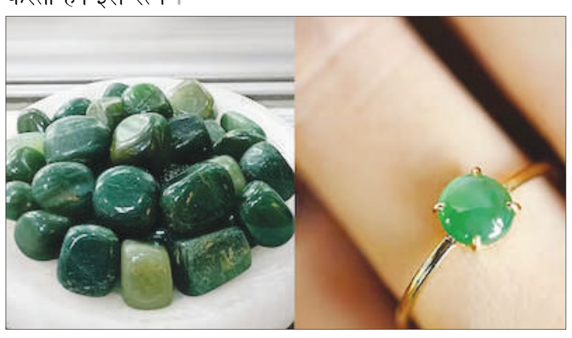

उत्पन्ना एकादशी

मंगलवार और एकादशी के योग

भगवान विष्णु-लक्ष्मी के साथ करें हनुमान और मंगल ग्रह की विशेष पूजा

पं. पंढ़रीनाथ नर्सिकर

मंगलवार, 26 नवंबर को मार्गशीर्ष मास के कृष्ण पक्ष की एकादशी है, इसे उत्पन्ना एकादशी कहा जाता है। एक साल में कुल 24 एकादशियां रहती हैं और जिस साल में एक अधिकमास रहता है, तब एकादशियों की संख्या 26 हो जाती है। इस तिथि के स्वामी भगवान विष्णु माने गए हैं। मार्गशीर्ष मास के कृष्ण पक्ष की ग्याहरवीं तिथि पर देवी एकादशी प्रकट हुई थीं, इसी वजह से इस तिथि को उत्पन्ना एकादशी कहते हैं।

उत्पन्ना एकादशी और मंगलवार के योग में इस दिन भगवान विष्णु-लक्ष्मी के साथ ही हनुमान जी और मंगल ग्रह की भी विशेष पूजा करनी चाहिए। इस दिन विष्णु के अवतार श्रीकृष्ण के बाल स्वरूप बालगोपाल का दक्षिणावर्ती शंख से अभिषेक करें।

स्कंद पुराण के वैष्णव खंड में एकादशी महात्म्य नाम का अध्याय है, इसमें सालभर की सभी एकादशियों के बारे में बताया गया है। भगवान श्रीकृष्ण ने पांडव युधिष्ठिर को सभी एकादशियों के बारे में बताया था। जो भक्त एकादशी व्रत करते हैं, उन्हें विष्णु जी की कृपा से सुख-समृद्धि और सफलता मिलती है।

इस दिन भगवान विष्णु मंत्र ॐ नमो भगवते वासुदेवाय का जप करना चाहिए।

भगवान विष्णु के साथ देवी लक्ष्मी का अभिषेक करें। अभिषेक जल और दूध से करना चाहिए। दोनों देवी-देवताओं को पीले चमकीले वस्त्र अर्पित करें। फूलों से श्रृंगार करें। तुलसी के पत्तों के साथ मिठाई और मौसमी फलों का भोग लगाएं। पूजा में भगवान के सामने एकादशी व्रत करने का संकल्प लें। जो लोग व्रत करते हैं, उन्हें पूरे दिन निराहार रहना चाहिए, सुबह और शाम को विष्णु जी की विशेष पूजा करनी चाहिए। अगले दिन यानी द्वादशी तिथि पर भी सुबह पूजा करें, पूजा के बाद जरूरतमंद लोगों को भोजन कराएं और फिर खुद भोजन ग्रहण करें।

एकादशी पर कर सकते हैं ये शुभ काम भी

एकादशी पर शिव पूजा भी करें। शिवलिंग पर जल और दूध चढ़ाएं। बिल्व पत्र, हार-फूल, चंदन से श्रृंगार करें। किसी मंदिर में शिवलिंग के पास दीपक जलाएं और ॐ नमः शिवाय मंत्र का जप करें।

बाल गोपाल का अभिषेक करें। तुलसी के साथ माखन-मिश्री का भोग लगाएं। धूप-दीप जलाएं और आरती करें।

हनुमान जी के सामने दीपक जलाकर हनुमान चालीसा का पाठ करें।

गणपति का यह आसान उपाय दूर करेगा वास्तु दोष

कभी खाली नहीं होगी पैसों की तिजोरी

घर में संपन्नता के बावजूद सुख की कमी वास्तु दोष की ओर इशारा करती है। कई बार छोटे से वास्तु दोष के कारण जीवन में बड़ी-बड़ी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। ज्योतिष के जानकार कहते हैं कि अगर वास्तु से जुड़ी कोई समस्या है तो उसे श्रीगणेश की कृपा से दूर किया जा सकता है। आइए आपको वास्तु दोष से छुटकारा दिलाने के कुछ विशेष उपाय बताते हैं।

गणेश और वास्तु का संबंध

भगवान गणेश प्रथम पूज्य, विघ्नहर्ता और बुद्धि प्रदाता हैं। गणपति की कृपा से घर के समस्त वास्तु दोष दूर हो सकते हैं। घर के मुख्य द्वार, पूजा स्थान और रसोई घर से जुड़ा वास्तुदोष गणपति की कृपा से दूर हो सकता है। कार्यस्थल के वास्तु दोष गणेश जी की मूर्ति से नष्ट हो सकते हैं। ज्योतिष और वास्तु में भगवान गणेश की विभिन्न रंग की मूर्तियों का प्रयोग होता है। अलग-अलग रंग की प्रतिमाएं घर के विशेष स्थानों पर लगाने से वास्तु दोष दूर होता है।

गणपति की कृपा से दूर होगा वास्तु दोष

1. बच्चों के पढ़ने की मेज पर या बच्चों के स्टडी रूम में पीले या हल्के हरे रंग की गणेश जी की मूर्ति रखें। ध्यान रहे कि ढेर सारी गणेश जी की मूर्तियों का संग्रहण न करें। एक स्थान पर केवल एक ही मूर्ति रखें।

2। शयन कक्ष यानी अपने बेडरूम में भगवान की प्रतिमा बिल्कुल न रखें और गणेश जी की तो बिल्कुल नहीं। ये एक गलती आपके दांपत्य जीवन को ग्रहण लगा सकती है।

3. घर के मुख्य द्वार पर भगवान गणेश की प्रतिमा रखना बहुत शुभ माना जाता है। यहां अंदर की तरफ ही गणपति की प्रतिमा लगाएं। बाहर की तरफ भगवान की प्रतिमा कभी नहीं लगानी चाहिए।

4. पूजन स्थल या घर के मंदिर में गणेश जी की पीले रंग की प्रतिमा रखना शुभ होता है। यहां रोज प्रातः काल में गणेश जी को दूब अर्पित करें और उनके मंत्रों का जाप करें। घर की सुख-संपन्नता को कभी किसी की बुरी नजर नहीं लगेगी।

5. घर में गणेश जी की कई अलग-अलग प्रतिमाएं रखना ठीक नहीं है। गणपति की कई मूर्तियां लगाने से बेहतर है कि आप जगह-जगह ॐ लिखकर लगा लें।

6. धन संकट या आर्थिक बाधाओं से मुक्ति पाने के लिए तिजोरी या धन के स्थान पर भगवान गणेश की प्रतिमा रखना भी उत्तम माना जाता है। यह भी ध्यान रखें कि तिजोरी में बाईं तरफ सूंड वाले गणेश जी की मूर्ति रखना शुभ माना जाता है।

जल्द चांदी के पाये पर चलेंगे शनि

2025 में इन 3 राशियों की खुल सकती है किस्मत

ज्योतिष शास्त्र में शनि को सबसे क्रूर ग्रह माना जाता है। ज्योतिष की मानें तो जब शनि किसी से प्रसन्न होते हैं, तो वह उसे राजा बना देते हैं और उसकी किस्मत चमक जाती है। लेकिन अगर किसी जातक से शनिदेव नाराज हो जाए तो उसे जीवन में कई परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। हालांकि हर इंसान पर कभी न कभी शनि की साढ़े साती या ढैय्या का असर जीवन पड़ता है। वहीं जल्द ही नया साल शुरू होने वाला है और नए साल में शनि का गोचर भी होगा। फिलहाल शनि कुंभ राशि में विराजमान हैं और साल 2025 में मीन राशि में प्रवेश कर जाएंगे। ज्योतिष शास्त्र की मानें तो साल 2025 में जब भी शनि मीन राशि में जाएंगे तब-तब वो चांदी के पाये धारण करेंगे। ज्योतिष के अनुसार, जब शनि किसी जातक की कुंडली में 2, 5 और 9वें भाव में होता है तो इसे चांदी का पाया कहा जाता है। ऐसे में 2025 में शनि के गोचर करने से कुछ राशि वाले जातकों को बंपर लाभ मिल सकता है। आइए जानते हैं इन राशियों के बारे में।

कर्क राशि

शनि के चांदी के पाये पर चलने से कर्क राशि वाले जातकों को करियर में सफलता प्राप्त होगा। आप अपनी भावनाओं को बेहतर तरीके से संभाल पाएंगे। नौकरी में अच्छे मौके मिल सकते हैं और प्रमोशन के योग बनेंगे। आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। व्यापार में भी अच्छा मुनाफा होगा। कुछ अचानक धन मिलने के भी योग बन रहे हैं। इस दौराम कोई बड़ी खुशखबरी मिल सकती है। स्वास्थ्य में भी सुधार होगा।

तुला राशि

तुला राशि वाले जातकों के लिए शनि का गोचर बहुत ही शुभ साबित होगा। इस समय आप बहुत दृढ़ और संकल्पी बनेंगे, जिससे आप अपने लक्ष्य को जल्दी हासिल कर पाएंगे। नौकरी में स्थिरता आएगी और धन की प्राप्ति होगी। कार्यस्थल पर आपके रिश्ते कलीग्स के साथ बेहतर होंगे। व्यापार में नए मौके मिल सकते हैं। आपकी आय बढ़ेगी। आपको कानूनी मामलों में भी फायदा हो सकता है। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा।

मीन राशि

मीन राशि वाले जातकों के लिए यह समय बहुत अच्छा होगा। शनि का गोचर आपकी किस्मत चमका सकता है। इस दौरान धार्मिक कार्यों में मन लगेगा। नौकरीपेशा हैं तो नौकरी में प्रमोशन और सैलरी में बढ़ोतरी हो सकती है। कामकाजी जीवन में आपको सम्मान मिलेगा। आपकी मेहनत का अच्छा फल मिलेगा। पुराने अटके हुए पैसे वापस मिल सकते हैं। विद्यार्थियों को अच्छे मौके मिलेंगे। परिवार में शांति रहेगी और सेहत भी बेहतर होगी।

2 दिसंबर से मेष सहित इन 3 राशियों के शुरू होंगे अच्छे दिन, नए साल से पहले सरकारी नौकरी, नई गाड़ी, मकान का बन रहा है योग, चेक करें कहीं इसमें आपकी राशि तो नहीं

डिसक्लेमर- इस लेख में दी गई किसी भी जानकारी की सटीकता या विश्वसनीयता की गारंटी नहीं है। विभिन्न माध्यमों जैसे ज्योतिषियों, पंचांग, मान्यताओं या फिर धर्मग्रंथों से संग्रहित कर ये जानकारियां आप तक पहुंचाई गई हैं। हमारा उद्देश्य महज सूचना पहुंचाना है। इसके सही और सिद्ध होने की प्रामाणिकता नहीं दे सकते हैं। इसके किसी भी तरह के उपयोग करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से सलाह जरूर लें।

3 तरीकों से दूर करें घर का वास्तु दोष

हर इंसान जीवन में खुशहाली और सुख-समृद्धि चाहता है। लेकिन न चाहते हुए भी दुख इंसान को घेर ही लेता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर में दुख-दरिद्रता का वास कुछ खास कारणों की वजह से होता है। कहते हैं कि अगर घर में हमेशा झगड़ा रहता है या लोगों में आपसी मतभेद रहते हैं और रोग-बीमारियों पर पानी की तरह पैसा खर्च होता है तो वास्तु दोष इसका कारण हो सकता है। इस तरह के वास्तु दोष को घर में कुछ खास संकेतों के माध्यम से समझा जा सकता है।

इलेक्ट्रोनिक्स का सामान बार-बार खराब होना

अगर घर में इलेक्ट्रिकल-इलेक्ट्रोनिक्स के सामान लगातार खराब हो जाते हैं या बल्ब और ट्यूबलाइट बार-बार फ्यूज हो जाते हैं तो यह राहु का दुष्प्रभाव हो सकता है। इससे व्यक्ति के साथ दुर्घटना होने की संभावनाएं बढ़ जाती हैं। ऐसी दशा में घर में मुख्य स्थानों पर लाल स्वस्तिक लगा दें। आप चाहें तो घर के मुख्य द्वार पर भी यह स्वस्तिक लगा सकते हैं। लेकिन यहां भी आपको साफ-सफाई का विशेष ख्याल रखना होगा

घर में बेवजह होते हैं झगड़े?

वास्तु शास्त्र के अनुसार, अगर घर में बार-बार बिना किसी कारण झगड़ा होता है या वाद-विवाद इतना बढ़ जाता है कि रिश्ते टूटने की नौबत आ जाती है तो यह मंगल की खराब स्थिति को दर्शाता है। इसके लिए घर में पर्याप्त सूर्य के प्रकाश की व्यवस्था करें। शनिवार की शाम को घर के सभी लोग मिलकर सुन्दरकाण्ड का पाठ करें।

घर में हमेशा कोई न कोई बीमार रहता है?

अगर घर में कोई न कोई बीमार रहता है और घर की आय दवाइयों में ही जा रही है। बिना किसी कारण के लोग बीमार ही रहते हैं तो इसे सूर्य के दुष्प्रभाव से जोड़कर देखना चाहिए। ऐसी दशा में नित्य प्रातः घर में गायत्री मंत्र का बोल बोलकर 108 बार जाप करें। दोनों समय भोजन बनने के बाद पहले भगवान को समर्पित करें। फिर ग्रहण करें।

बेडरूम में अपनाएं ये टिप्स

वास्तु शास्त्र के अनुसार, पति-पत्नी के रिश्ते में सुख-शांति और सामंजस्य बनाए रखने के लिए घर के वातावरण का सही होना आवश्यक है। दक्षिण-पश्चिम दिशा में बेडरूम होना अच्छा माना जाता है क्योंकि यह स्थिरता और समर्थन का प्रतीक है। कमरे में फर्नीचर का सही दिशा में होना, कमरे में अधिक किचन या इलेक्ट्रॉनिक उपकरण न रखना और सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बनाए रखना रिश्ते में सामंजस्य और प्रेम को बढ़ावा देता है। इसके अलावा, घर में सूर्य की रोशनी का प्रवेश भी अहम होता है, जिससे जीवन में सकारात्मकता और खुशहाली बनी रहती है।

सुखी दांपत्य जीवन के लिए शयनकक्ष में दो गमले रखें।

धन की कमी को दूर करने के लिए चावल के कुछ दानें किसी बर्तन अथवा सजावटी शो पीस में डालकर बेडरूम में रखें।

दंपत्ति में लड़ाई-झगड़ा रहता हो तो सिरेमिक पॉट में लाल रंग की दो मोमबत्तियां जलाएं।

बेडरूम को खूब सजा संवार कर रखें, वहां गंदगी न फैलाएं रखें। इससे माहौल खुशनुमा बना रहता है।

प्यार की डोर को मजबूत करने के लिए सिरेमिक की बनी विंड चाइम्स लगाएं।

बेडरूम में ड्रेसिंग टेबल खिड़की अथवा बैड के सामने न रखें।

अच्छी नींद व अच्छे स्वास्थ्य के लिए बेडरूम को शांत रंगों से सजाएं। तकिया ज्यादा सुंदर न सजाएं। ज्यादा सुन्दर तकिए के आस-पास काफी ऊर्जा एकत्रित हो जाती है जो आपकी नींद खराब करती है।

'वो बेटी को देखती हैं, मैं काम करता हूं'

अनबन की चर्चा के बीच ऐश्वर्या राय को लेकर अभिषेक बच्चन ने कही बड़ी बात

बॉलीवुड एक्टर अभिषेक बच्चन इन दिनों अपनी फिल्म 'आई वांट टू टॉक' को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म में उनकी एक्टिंग को काफी पसंद किया जा रहा है। अमिताभ बच्चन ने भी उनकी एक्टिंग को काफी पसंद किया है और सोशल मीडिया पर लंबी-चौड़ी पोस्ट लिखकर तारीफ की। इसी बीच अभिषेक बच्चन वाइफ ऐश्वर्या राय के साथ तलाक की खबरों लेकर सुर्खियों में हैं। तमाम मीडिया रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि इनके बीच पिछले कुछ समय से अनबन चल रही है। ऐसे में अब जूनियर बच्चन ने ऐश्वर्या को लेकर बात की और उन्होंने उनका शुक्रिया अदा किया है। एक्टर ने कहा कि वो घर में बेटी आराध्या को देखती हैं और वो काम करते हैं। चलिए बताते हैं एक्टर ने क्या कुछ कहा।

दरअसल, अभिषेक बच्चन ने फिल्म 'आई वांट टू टॉक' के प्रमोशन को लेकर 'द हिंदू' से बात की। उन्होंने बताया कि कैसे उनकी मां जया बच्चन ने बच्चों और परिवार के लिए करियर का बलिदान दिया है जबकि उनके पिता अमिताभ बच्चन परिवार संभालते हैं। जूनियर बच्चन ने कहा कि उनके घर में वो भाग्यशाली हैं कि उन्हें बाहर जाने और फिल्में बनाने का मौका मिलता है लेकिन, उनको पता है कि ऐश्वर्या उनकी बेटी आराध्या के साथ घर पर हैं। इसके लिए अभिषेक बच्चन ने उनका धन्यवाद भी किया।

जया बच्चन के बलिदान को लेकर क्या बोले अभिषेक?

इतना ही नहीं, अभिषेक बच्चन ने अपने बचपन के दिनों को याद किया और बताया कि कैसे मां जया बच्चन ने अपने करियर को परिवार के लिए छोड़ दिया और बिग बी ने कमाना जारी रखा था। जूनियर बच्चन ने कहा था कि जब वो पैदा हुए थे तो उनकी मां ने एक्टिंग छोड़ दी थी। क्योंकि वो अपने बच्चों के साथ समय बिताना चाहती थीं। अभिषेक कहते हैं कि मां के होने से पिता की कमी नहीं महसूस हुई। उनको लगता है कि काम के बाद दिन के अंत में वो रात को घर आते हैं।

अभिषेक बच्चन ने इस बातचीत में आगे कहा था कि उन्हें बचपन में कभी नहीं लगा कि उनके साथ माता-पिता नहीं थे। वो कहते हैं कि उन दिनों 1970 में उनके पिता अमिताभ बच्चन का करियर पीक पर था। ऐसे में उनकी मां जया ने भी परिवार और बच्चों के लिए फिल्मों से दूरी बना ली। वो कहते हैं कि उन्हें माता-पिता के प्रति गहरा सम्मान है।

'पुष्पा 2' का नया धमाका, आइटम सांग 'किसिक' से श्रीलीला ने बढ़ाई धड़कनें

साल 2024 की मोस्टअवेटेड फिल्मों में से एक 'पुष्पा 2' भी रही है। दर्शकों और फैंस को इसकी रिलीज का बेसब्री से इंतजार है। फिल्म को पहले 15 अगस्त के मौके पर रिलीज किया जाना था लेकिन, पोस्ट प्रोडक्शन के काम में देरी की वजह से इसकी रिलीज डेट को पोस्टपोन कर दिया गया था। ऐसे में हाल ही में फिल्म का ट्रेलर पटना में ग्रैंड लॉन्च किया गया। इसमें अल्लू अर्जुन, फहाद फासिल और रश्मिका मंदाना का एक्साइटेड कर देने वाला अवतार देखने के लिए मिला। इसके साथ ही फिल्म के आइटम नंबर की भी चर्चा खूब रही है। 'पुष्पा' में सामंथा ने 'ऊ अंटावा' से काफी लाइमलाइट बटोरी थी। ऐसे में इसके सीक्वल के लिए उन्होंने ना कर दिया था तो ये आइटम नंबर एक्ट्रेस श्रीलीला को मिला। इसी बीच अब इसी स्पेशल सॉन्ग को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है, जिसने एक्साइटमेंट को और भी बढ़ा दिया है।

दरअसल, अल्लू अर्जुन और रश्मिका मंदाना की फिल्म 'पुष्पा 2' से श्रीलीला का आइटम नंबर जारी कर दिया गया है। जी हां, आपने एकदम सही पढ़ा। फिल्म का ये स्पेशल सॉन्ग रिलीज कर दिया गया है, जिसका टाइटल 'किसिक' है। इसमें अल्लू अर्जुन और श्रीलीला साथ में स्टेज शेयर करते हुए दिखाई दे रहे हैं। इनके बीच कमाल की केमिस्ट्री देखने के लिए मिल रही है। हालांकि, अभी ये वीडियो फॉम में जारी नहीं किया गया बल्कि मोशन पिक्चर्स के साथ रिलीज किया गया है, जिसे देखकर अल्लू अर्जुन और श्रीलीला का केमिस्ट्री का अंदाजा लगाया जा सकता है। गाने ने रिलीज होने के बाद से ही तहलका ही मचा दिया है। आइटम गर्ल बनकर श्रीलीला ने सभी की धड़कनों को बढ़ा दिया है। आपको बता दें कि सॉन्ग 'किसिक' को टी-सीरीज के यूट्यूब चैनल से जारी किया गया है। खबर लिखे जाने तक इस गाने को 4 करोड़ से ज्यादा व्यूज मिल चुके हैं और गाना यूट्यूब पर ट्रेंडिंग म्यूजिक की लिस्ट में छठे नंबर पर ट्रेंड कर रहा है। जबकि इसकी रिलीज को 12 घंटे का वक्त हो चुका है।

आपको बता दें कि 'पुष्पा 2' के आइटम सॉन्ग को म्यूजिक देवी श्रीप्रसाद ने दिया है। उन्होंने अपने करियर में कई हिट फिल्मों में म्यूजिक कंपोज कर चुके हैं। 'पुष्पा 2' के अलावा उनकी पाइपलाइन में धनुष की 'कुबेर', पवन कल्याण की 'उस्ताद भगत सिंह', अजित की 'गुड बैड अग्ली' और राम चरण के साथ एक अनटाइटल्ड फिल्म है, जिसमें वो काम करने वाले हैं।

सामंथा के 'ऊ अंटावा' से हो रही तुलना

'पुष्पा 2' के आइटम सॉन्ग 'किसिक' की तुलना सामंथा के 'ऊ अंटावा' से हो रही है। कुछ लोगों का मानना है कि 'किसिक' फायर है और 'ऊ अंटावा' वाइल्ड फायर है। दूसरे ने लिखा, 'ऊ अंटावा एपिक था, उसका कोई जोड़ नहीं।' तीसरे ने लिखा, 'किसिक नेशनल और ऊ अंटावा इंटरनेशनल।' इसके साथ ही एक अन्य यूजर ने लिखा कि ये जबरदस्ती का बनाया हुआ सॉन्ग है। इस गाने पर लोगों की प्रतिक्रिया को देखकर कहा जा सकता है कि गाना 'ऊ अंटावा' के मुकाबले का नहीं है। फैंस को इसका जिस बेसब्री से इंतजार था उस उम्मीद पर ये खरा नहीं उतर रहा है। हालांकि, फिल्म में देखना होगा कि गाना क्या छाप छोड़ता है।

पारंपरिक अंदाज में होगा नागा चैतन्य-शोभिता का विवाह

अभिनेता नागा चैतन्य और शोभिता धुलिपाला ने इस साल अगस्त में सगाई की। अब फैंस को इनकी शादी का इंतजार है। दोनों की शादी का कार्ड सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुआ है। इसके मुताबिक यह जोड़ा 4 दिसंबर को शादी रचाएगा। फिलहाल दोनों घरों में जोर-शोर से शादी की तैयारियां चल रही हैं। सामने आ रही जानकारी के मुताबिक इनका विवाह पारंपरिक तरीके से होगा और सभी रस्मों का ख्याल रखा जाएगा।

पारंपरिक अंदाज में होगी शादी

मीडिया रिपोट्र्स के मुताबिक शोभिता धुलिपाला और नागा चैतन्य की शादी की रस्में 8 घंटे चलेंगी। 4 दिसंबर को एक लंबा पारंपरिक तेलुगु ब्राह्मण विवाह समारोह का आयोज होगा। दोनों सितारे इस आयोजन के सांस्कृतिक महत्व का सम्मान करते हुए शादी की सभी रस्में विधि-विधान से पूरी करेंगे। दिनभर पारंपरिक अनुष्ठान होंगे।

कांजीवरम साड़ी पहनेंगी शोभिता

शोभिता और नागा से जुड़े एक करीबी सूत्र के मुताबिक 'दोनों पिरवारों में जोर-शोर से शादी की तैयारियां चल रही हैं। शोभिता धुलिपाला और नागा चैतन्य अपने डी-डे पर आठ घंटे लंबी रस्में निभाएंगे। इनकी शादी पारंपरिक तरीके से होगी और पुरानी परंपराराओं का खास तौर से ध्यान रखा जाएगा। शादी के दिन शोभिता कांजीवरम सिल्क की साड़ी पहनेंगी, जिस पर सोने से जरी का काम है।

शोभिता खुद निजी तौर पर कर रही हैं तैयारियां

शोभिता अपनी शादी की तैयारी खुद निजी तौर पर कर रही हैं। सूत्रों के मुताबिक शोभिता अपनी शादी की तैयारियों में तेलुगु परंपराओं की विरासत का खासतौर पर ख्याल रख रही हैं। नागा और शोभिता की शादी में उनका परिवार और करीबी दोस्त शामिल होंगे। बीते दिनों इनकी शादी का कार्ड सोशल मीडिया पर वायरल हुआ।

खास ड्रेस का किया है चयन

मीडिया रिपोट्र्स के मुताबिक शादी पर शोभिता जो ड्रेस पहनने वाली हैं, वह कोई डिजाइनर ड्रेस नहीं हैं। अभिनेत्री ने ऐसी ड्रेस का चुनाव किया है, जिसमें उनकी परंपराओं की झलक होगी। वे शादी के दिन कांजीवरम साड़ी पहनने वाली हैं। शादी की ड्रेस के अलावा शोभिता ने खादी की एक सफेद साड़ी भी चुनी है। इसे खासतौर से आंध्र प्रदेश के पोंडुरू शहर में तैयार किया गया है। शोभिता अपनी शादी के किसी खास फंक्शन में यह साड़ी पहनने वाली हैं। इसके साथ उन्होंने होने वाले दूल्हे नागा चैतन्य के लिए भी एक मैचिंग सेट खरीदा है।

सामंथा से वरुण धवन ने पूछा मजेदार सवाल जवाब में अभिनेत्री ने पूर्व पति का किया जिक्र

सामंथा रुथ प्रभु इन दिनों अपनी हालिया रिलीज वेब सीरीज सिटाडेलः हनी बनी की सफलता का आनंद ले रहीं हैं। शो में उनके और वरुण धवन की जोड़ी को फैंस ने काफी ज्यादा पसंद किया है। इस शो के अलावा अभिनेत्री अपने एक हालिया बयान की वजह से भी काफी चर्चा बटोर रही हैं। दरअसल हाल में ही अमेजन प्राइम वीडियो ने फैंस के साथ वरुण और सामंथा के बीच हुई मजेदार बातचीत का वीडियो साझा किया है, जिसमें अभिनेता ने उनसे पूछा कि उन्होंने सबसे ज्यादा पैसे किस बेकार चीज पर खर्चे हैं। इसका अभिनेत्री ने जवाब देते हुए कहा, पूर्व प्रेमी को दिए उपहारों पर।

पूर्व प्रेमी पर किए खर्चे को बेकार मानती हैं सामंथा

प्राइम वीडियो द्वारा साझा की गई बातचीत के दौरान, वरुण ने सामंथा से मजाकिया अंदाज में

पूछा, ₹आपने क्या किसी बेकार चीज पर सबसे ज्यादा पैसे खर्च किए हैं?₹ सामंथा ने बिना कोई पल गंवाए चुटकी लेते हुए कहा, ₹मेरे पूर्व प्रेमी के महंगे उपहार।₹ इस पर वरूण थोड़े हैरान नजर आए। उन्होंने आगे पूछा, ₹ वो अमाउंट कितना है?₹ इस पर सामंथा ने शांत भाव से जवाब दिया, काफी। अभिनेत्री का यह जवाब काफी ज्यादा वायरल हो रहा है।

सामंथा ने तलाक पर बनाए रखी है चुप्पी

जाहिर है कि सामंथा और नागा चैतन्या के तलाक की खबरों ने काफी ज्यादा सुर्खियां बटोरी हैं। ऐसे में अभिनेत्री के इस स्पष्ट जवाब के बाद से सोशल मीडिया पर लोगों ने भी कई तरह की प्रतिक्रियाएं दी हैं। हालांकि, नागा चैतन्य के साथ अपने पिछले रिश्ते के बारे में अभिनेत्री ने हमेशा से एक गरिमापूर्ण चुप्पी बनाए रखी है, लेकिन उनके इस बयान के बाद कई फैंस नागा चैतन्या की प्रतिक्रिया का इंतजार कर रहे हैं।

साल 2021 में हुआ था सामंथा-नागा चैतन्या का तलाक

बताते चलें कि रिपोट्र्स के मुताबिक, साल 2016 में नागा चैतन्या और सामंथा एक साथ वेकेशन पर गए थे। इस दौरान अभिनेता ने समंथा को बेहद रोमांटिक अंदाज में प्रपोज किया था। इसके बाद साल 2017 में दोनों शादी के बंधन में बंध गए थे। दोनों की शादी ने काफी चर्चा भी बटोरी थी। हालांकि, दोनों की शादी बहुत लंबी नहीं चल सकी और सिर्फ चार साल में ही दोनों के रास्ते अलग हो गए। दोनों ने साल 2021 में तलाक ले लिया।

प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम हो रही है सिटाडेलः हनी बनी

बात करें सामंथा रुथ प्रभु की हालिया रिलीज सीरीज सिटाडेल हनी बनी की, तो राज और डीके की जोड़ी द्वारा बनाई गई एक्शन से भरपूर यह सीरीज दर्शकों को पसंद आई है। ये सीरीज अमेजन प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम हो रही है। ये सीरीज रूसो ब्रदर्स की सिटाडेल के यूनिवर्स का हिस्सा है, जिसमें रिचर्ड मैडेन और प्रियंका चोपड़ा जोनास ने अभिनय किया है। इसमें वरुण, सामंथा और साकिब के अलावा केके मेनन, सिमरन, साकिब सलीम, सिकंदर खेर, सोहम मजूमदार, शिवांकित परिहार भी नजर आए हैं।

मलाइका अरोड़ा ने बताया अपना रिलेशनशिप स्टेटस, सोशल मीडिया किया पोस्ट

अभिनेत्री मलाइका ने अपने रिलेशनशिप स्टेटस को लेकर कुछ बात की हैं। उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर इस बात का खुलासा किया है। उन्होंने बताया कि वे इन दिनों किस तरह के रिलेशनशिप स्टेटस से गुजर रही हैं। इस बात का खुलासा उन्होंने एक क्रिप्टिक पोस्ट के जरिए किया है।

मलाइका ने सोशल मीडिया पर एक फनी पोस्ट साझा की है। इसमें उन्होंने लिखा कि अभी मेरा स्टेटस क्या है। इसमें तीन विकल्प लिखे थे- इन अ रिलेशनशिप, सिंगल, हेहेहे...मलाइका ने इस पोस्ट पर हेहेहे पर टिक किया। मलाइका का ये इशारा है कि अर्जुन कपूर के साथ अलग हो गई हैं या नहीं।

किया ऐसा क्रिप्टिक पोस्ट

मलाइका अरोड़ा ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया है। ये पोस्ट इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो रहा है। मलाइका ने लिखा हैप्पी नेस का सीक्रेट यही है कि आप चाहें कितना भी अजीब बन जाओ, गलत लोग पार्टी छोड़ देंगे और सही लोग डांस में शामिल होंगे।

मलाइका अरोड़ा और अर्जुन कपूर की जोड़ी को लेकर काफी चर्चा हो चुकी है। शादी तक दोनों की बात पहुंचने के बाद भी दोनों के रिश्ते के खत्म होने की बात चर्चा में रही है। ब्रेकअप के बाद दोनों के रिश्ते को लेकर फिर बात हो रही है। मलाइका अरोड़ा और अर्जुन कपूर लंबे समय से एक दूसरे को डेट कर रहे थे। दोनों लिव इन रिलेशनशिप में भी रहे थे। अरबाज खान से तलाक देने के बाद से ही मलाइका अरोड़ा खुद से 11 साल छोटे अभिनेता अर्जुन कपूर के प्यार में थीं।

मलाइका अरोड़ा अपनी फोटोशूट की तस्वीरों को अक्सर साझा करती रहती हैं। मलाइका की खूबसूरत तस्वीरों पर उनके प्रशंसक प्यार लुटाते हैं। खबरों की मानें तो मलाइका अर्जुन को पति बनाकर सेटल होना चाहती थीं, हालांकि अर्जुन ऐसा कुछ अभी नहीं चाहते थे।

गुलाबी साड़ी में खूबसूरत लगीं नयनतारा सोशल मीडिया पर साझा की तस्वीर

अभिनेत्री नयनतारा अक्सर अपनी तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा करती रहती हैं। नयनतारा ने अब अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट से गुलाबी साड़ी में खूबसूरत तस्वीर

साझा की हैं। तस्वीर देख प्रशंसक भी तारीफ करते नहीं थक रहे हैं। साड़ी में उनका पारंपरिक और ट्रेडिशनल लुक दिखाई दे रहा है।

गुलाबी साड़ी में खिली नयनतारा

अभिनेत्री नयनतारा ने अपनी तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा की हैं। नयनतारा ने गुलाबी साड़ी पहनी है। साड़ी लुक कंप्लीट करने के लिए उन्होंने गोल्ड के कंगन पहने हैं, साथ ही गजरा भी लगाया है। इसमें वे बला की खूबसूरत लग रही हैं। नयनतारा पिछले काफी समय से साड़ी में ही तस्वीरें साझा कर रही हैं। इससे पहले वे लाल, हरी साड़ी में भी अपनी फोटो साझा कर चुकी हैं।

इतनी है साड़ी की कीमत

नयनतारा ने अनु वर्धन की गुलाबी साड़ी पहनी है। सिल्क कॉटन प्रीमियर साड़ी में वे बहुत खूबसूरत लग रही हैं। खबरों की मानें तो साड़ी की कीमत 20,900 रुपये बताई जा रही है। साड़ी में चेक्स का काम है। वहीं, पल्ला बहुत सादा सा है। साड़ी को नयनतारा ने गुलाबी ब्लाउज के साथ पहना है। साड़ी में उनकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है।

नयनताराः बियॉन्ड द फेयरीटेल हुई रिलीज

अभिनेत्री नयनतारा की बायोग्राफी हाल ही में रिलीज हुई है। नयनतारा की डॉक्यूमेंट्री जिसका शीर्षक "नयनताराः बियॉन्ड द फेयरी टेल" है, जो हाल ही में नेटफ्लिक्स पर प्रीमियर हुई है, जिसमें साउथ की लेडी सुपरस्टार के जीवन की एक झलक पेश की गई है। इस सीरीज को लेकर प्रशंसक काफी चर्चा कर रहे हैं। सीरीज के कुछ अंश नयनतारा ने सोशल मीडिया पर भी साझा किए हैं। इस सीरीज को लेकर सोशल मीडिया पर भी चर्चा हो रही है।

फिल्म के लिए करोड़ों में फीस लेते हैं राजकुमार राव बोले- मैं मूर्ख नहीं हूं जो प्रोड्यूसर पर दवाब डालें

बॉलीवुड अभिनेता राजकुमार राव ने की फिल्म की फीस को लेकर इन दिनों चर्चा हो रही है। खबरों की मानें तो अभिनेता राजकुमार राव 5 करोड़ रुपये अपनी एक फिल्म के लिए चार्ज करते हैं। एक इंटरव्यू के दौरान राजकुमार राव ने कहा कि वे मूर्ख नहीं हैं, जो प्रोड्यूसर पर दवाब डालें।

राजकुमार ने कहा कि वे अपने निर्माताओं पर बोझ डालने वाले मूर्ख नहीं हैं। काम करने के बदले में पैसे लेना सिर्फ जुनून है। अगस्त में रिलीज हुई फिल्म 'स्त्री 2' एक बड़ी सफलता रही है। यह मेरे करियर के लिए अच्छी चीज है। सबसे बड़ी ब्लॉकबस्टर का हिस्सा बनने से एक अभिनेता के तौर पर मुझमें कोई बदलाव नहीं आने वाला है, पैसा मेरे काम का एक बाइप्रोडक्ट है।

राजकुमार राव ने फिल्म को लेकर कही ये बात

राजकुमार ने इंडियन एक्सप्रेस से बातचीत में कहा, मैं हर दिन अलग-अलग आंकड़े पढ़ता हूं। मैं अपने निर्माताओं पर बोझ डालने वाला मूर्ख नहीं हूं। मैं अपनी पूरी जिंदगी में काम करना चाहता हूं इसलिए मैं ऐसी भूमिकाएं तलाशता रहता हूं, जो मुझे कुछ नया करने के लिए प्रेरित करें, उत्साहित करें, चुनौती दें और मुझे आगे बढ़ने में मदद करें।

स्त्री 2 ने तोड़े कई रिकॉर्ड

राजकुमार राव की फिल्म स्त्री 2 बॉक्स ऑफिस पर कमाल रही। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन किया और कई सारे रिकॉर्ड भी तोड़ दिए। फिल्म में श्रद्धा कपूर और राजकुमार राव को पसंद किया गया। फिल्म 500 करोड़ के क्लब में शामिल हो गई। बॉक्स ऑफिस पर पहले दिन फिल्म ने 51.8 करोड़ रुपये कमाए थे। फिल्म को बॉक्स ऑफिस पर हिट माना गया। इसके बाद राजकुमार राव की फिल्म विक्की विद्या का वो वाला वीडियो भी बॉक्स ऑफिस पर रिलीज हुई। हालांकि, फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास नहीं कर पाई थी।

रिद्धिमा ने भाई रणबीर की फिल्म एनिमल पर की चौंकाने वाली बात, दिया अपने दादा जी का उदाहरण

रणबीर कपूर और उनकी बहन रिद्धिमा कपूर के बीच काफी मजबूत रिश्ता है। दोनों भाई-बहन अकसर एक-दूसरे को काफी सपोर्ट करते हैं। एक्टर के तौर पर भी रिद्धिमा रणबीर का काम पसंद करती हैं। हाल ही में उन्होंने रणबीर की फिल्म 'एनिमल' को लेकर ऐसा कुछ कहा कि दर्शक भी हैरान रह जाएंगे।

बेहतर सिनेमा बन सकता है

हाल ही में एक इंटरव्यू में रिद्धिमा से सवाल किया गया कि 'एनिमल' और 'पुष्पा' फिल्मों के बारे में वह क्या सोचती हैं। इस पर रिद्धिमा ने कहा कि अगर उनके दादा राजकपूर जीवित होते तो बेहतर सिनेमा का निर्माण करते। रिद्धिमा यह भी कहती हैं कि दर्शकों का एक वर्ग है जो 'एनिमल' और 'पुष्पा' जैसी फिल्में देखना पसंद करता है।

रिद्धिमा को भी करना था अभिनय

रिद्धिमा फिल्मों के बारे में इतना कुछ जानती समझती हैं। इसका कारण है कि उनकी फिल्मों में गहरी रुचि है। दरअसल, बचपन में वह भी अभिनय करने की ख्वाहिश रखती थी। अपने पिता ऋषि कपूर के कारण वह ऐसा नहीं कर पाई क्योंकि उनके पिता को रिद्धिमा का फिल्मों में जाना पसंद नहीं था। ऐसे में रिद्धिमा ने अपना सपना पूरा नहीं किया और वह फैशन डिजाइनर बन गईं।

फैबुलस लाइव्स बनाम बॉलीवुड वाइव्स में नजर आईं

रिद्धिमा फिल्मों में काम नहीं कर पाई, लेकिन हाल ही में वह एक रियालिटी शो 'फैबुलस लाइव्स बनाम बॉलीवुड वाइव्स' में नजर आईं। इसमें उनकी जिंदगी के कई पहलुओं को दिखाया गया। अगर इस शो का अगला सीजन आता है तो रिद्धिमा चाहती हैं कि इसमें उनके और परिवार की बॉन्डिंग को दिखाया जाए। वह किस तरह से अपना ख्याल रखती हैं और जीवन को लेकर क्या नजरिया है, यह सब चीजें भी अगले सीजन में दिखाई जाएं। इस रियालिटी शो में उनके साथ बॉलीवुड स्टार्स की कुछ वाइव्स और दिल्ली की सोशलाइट शालिनी पासी भी नजर आईं।

चाहते हैं बुढ़ापे में भी जवां बनी रहें आंखें-कम न हो रोशनी, तो ये एक फल खायें

जिस तरह से तेजी से आंखों की बीमारियां बढ़ती जा रही हैं, ऐसे में जरूरी है कि हम सभी कम उम्र से ही इसकी सेहत को लेकर अलर्ट रहें। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, आंखें ईश्वर का सबसे खूबसूरत वरदान हैं, हालांकि लाइफस्टाइल और आहार में गड़बड़ी के कारण आंखों से संबंधित कई तरह की बीमारियों का जोखिम बढ़ता जा रहा है। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक आंखों की समस्याएं सभी लोगों में देखी जा रही है, अगर इनपर समय रहते ध्यान न दिया जाए तो इसके गंभीर दुष्प्रभावों का भी खतरा हो सकता है। दुनिया में बढ़ती दृष्टि हानि की समस्या की रोकथाम, दृष्टि देखभाल और आंखों से संबंधित बीमारियों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए हर साल अक्तूबर के दूसरे गुरुवार को विश्व दृष्टि दिवस मनाया जाता है।

अध्ययनकर्ताओं ने बताया आंखों को स्वस्थ रखने के लिए आपके आहार का पौष्टिक होना आवश्यक है, इसमें अंगूर खाने को बहुत लाभकारी पाया गया है। अंगूर खाने से बुढ़ापे तक आंखों की रोशनी को तेज बनाए रखने में लाभ मिल सकती है।

आंखों के लिए लाभकारी है अंगूर

स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं, अंगूर

कई मामलों में लाभकारी फल है ये एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होता है। शोध से पता चलता है कि इसके नियमित रूप से सेवन से आपको दृष्टि से संबंधित लाभ मिल सकती है। अपनी तरह के पहले अध्ययन में शोधकर्ताओं ने पाया कि जिन लोगों ने चार महीने तक रोजाना डेढ़ कप अंगूर खाया, उनकी आंखों के स्वास्थ्य में बेहतर सुधार हुआ। ये आंखों की कई बीमारियों के जोखिमों को कम करने में भी फायदेमंद है।

आंखों की बीमारियों से बचाएगी अंगूर

साइंटिफिक जर्नल फूड एंड फंक्शन में प्रकाशित अध्ययन के निष्कर्ष में शोधकर्ताओं ने बताया मैक्यूलर पिगमेंट में अंगूर के नियमित सेवन से लाभ मिल सकता है। लेखक डॉ. जंग यून किम कहते हैं, यह पहला अध्ययन है जिसमें अंगूर से आंखों के लिए फायदों के बारे में पता चलता है। उम्र बढ़ने के साथ आंखों से संबंधित समस्याओं का जोखिम बढ़ जाता है।

नेत्र रोगों को कैसे दूर करें?

शोधकर्ताओं का कहना है कि नेत्र रोगों के प्रमुख कारकों में से एक है- AGES। ये एक प्रकार के हानिकारक यौगिक हैं जो तब बनते हैं जब प्रोटीन या वसा रक्तप्रवाह में शर्करा के साथ मिलते हैं। डायट्री एंटीऑक्सीडेंट्स एजीई के विकास को रोकने में मददगार हैं, जिससे रेटिना को सुरक्षित रखा जा सकता है।

एंटीऑक्सीडेंट वाली चीजें आंखों के लिए फायदेमंद

इस अध्ययन के लिए शोधकर्ताओं की टीम ने 34 प्रतिभागियों को शामिल किया, जिसमें 16 सप्ताह तक कुछ लोगों को अंगूर और कुछ लोगों को प्लेसबो दिया गया। अध्ययन के बाद शोधकर्ताओं ने पाया कि अंगूर खाने वालों में लोगों में आंखों की समस्याओं में उल्लेखनीय लाभ देखी गई। शोधकर्ता कहते हैं, अंगूर जैसे फलों को नियमित रूप से आहार का हिस्सा बनाया जाना चाहिए। एंटीऑक्सीडेंट वाली चीजों का सेवन करना शरीर को कई प्रकार से स्वास्थ्य लाभ दे सकता है।

मन को रखना है स्वस्थ और शांत तो छोड़ दें ये आदतें

मानसिक स्वास्थ्य विकारों के मामले वैश्विक स्तर पर तेजी से बढ़ते जा रहे हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, इन विकारों को सिर्फ मन की बीमारी तक ही सीमित करके नहीं देखा जाना चाहिए, अगर इनपर ध्यान न दिया जाए तो इसके कारण कई प्रकार की शारीरिक स्वास्थ्य समस्याओं के भी विकसित होने का जोखिम रहता है। जब बात मानसिक स्वास्थ्य की होती है तो इसमें भावनात्मक, मनोवैज्ञानिक और सामाजिक स्थितियां भी शामिल होती हैं। हम कैसे सोचते हैं, महसूस करते हैं, कार्य करते हैं, किन चीजों का चुनाव करते हैं और दूसरों से कैसे संबंध रखते हैं, ये सभी मानसिक स्वास्थ्य पर निर्भर करता है।

वैश्विक स्तर पर बढ़ती मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं के बारे में लोगों को जागरूक करने और मन को स्वस्थ रखने वाले उपायों के बारे में शिक्षित करने के

उद्देश्य से हर साल 10 अक्तूबर को विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस मनाया जाता है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, मन को स्वस्थ रखने के लिए क्या करना चाहिए इससे ज्यादा जरूरी है उन चीजों के बारे में जानना जो मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करने वाली हो सकती हैं। आइए जानते हैं कि मानसिक स्वास्थ्य को ठीक रखने के लिए किन चीजों से दूरी बनाना जरूरी है?

सेंडेंटरी लाइफस्टाइल आपके लिए हानिकारक

मेंटल हेल्थ को ठीक रखने के लिए जरूरी है कि आप शारीरिक रूप से सक्रिय रहें। सेंडेंटरी लाइफस्टाइल यानी शारीरिक गतिविधि की कमी के कारण गुड हार्मोन सेरोटोनिन का रिलीज कम हो जाता है, जो सीधे तौर पर मूड को ठीक रखने के लिए आवश्यक है। इस स्थिति में आपमें सकारात्मक भावनाओं की कमी हो सकती है। वहीं नियमित योग-व्यायाम को दिनचर्या का हिस्सा बनाकर इस तरह के जोखिमों को कम किया जा सकता है।

जंक-फास्ट फूड्स भी नुकसानदायक

जंक-फास्ट फूड्स के सेवन को वजन बढ़ाने वाला और शुगर के स्तर को प्रभावित करने वाला माना जाता रहा है, पर क्या आप जानते हैं कि इससे मानसिक स्वास्थ्य पर भी नकारात्मक असर हो सकता है? चीनी और प्रोसेस्ड खाद्य पदार्थ पूरे शरीर और मस्तिष्क में सूजन पैदा कर सकते हैं, जो चिंता और अवसाद सहित मूड विकारों को बढ़ाने का कारण है। आहार में इस तरह की चीजों की मात्रा को कम किया जाना चाहिए।

नींद की कमी के दुष्प्रभाव

अध्ययनों से यह भी पता चलता है कि नींद की कमी भी मानसिक स्वास्थ्य की समस्याओं को बढ़ाने वाली हो सकती है। नींद की कमी मस्तिष्क के कुछ हिस्सों की गतिविधि बदल सकती है। यदि आप कम नींद लेते हैं, तो ये आपके निर्णय लेने, समस्याओं को सुलझाने, अपनी भावनाओं और व्यवहार को नियंत्रित करने की स्थिति में बदलाव का भी कारण बन सकती है। सभी लोगों के लिए रोजाना रात में कम से कम 6-8 घंटे की नींद लेने की सलाह दी जाती है।

चाय बनाते समय हर दिन डालें इन नेचुरल चीजों में से कोई 1, नहीं बनेगा पेट में गैस

चाय पीने के शौकीनों की दुनिया भर में कोई कमी नहीं है. सुबह एक कप गर्मागर्म चाय पीने को मिल जाए, तो दिन भर मूड जैसे फ्रेश रहता है. कुछ लोगों को तो बिना चाय पिए बिस्तर से उठा ही नहीं जाता है. आप भी हर दिन 2-3 कप चाय तो पी ही जाते होंगे. सबसे ज्यादा लोग दूध वाली चाय पीना पसंद करते हैं. चाय पीते ही शरीर की थकान, सिरदर्द सब दूर हो जाती है. आमतौर पर लोग चायपत्ती, दूध, चीनी, पानी से फटाफट चाय बनाकर पी लेते हैं. आप चाय के स्वाद को बेहतर .

1. टीओआई में छपी एक खबर के अनुसार, आप सुबह-सुबह दूध वाली चाय पीते हैं तो उसमें एक से दो टुकड़ा अदरक का कूटकर डाल दें. अदरक में मौजूद जिंजेरोल कम्पाउंड एक एंटीऑक्सीडेंट और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुणों से भरपूर होता है. तो जब आप अदरक वाली चाय पीते हैं तो आपका पाचन सही रहता है. इम्यूनिटी बूस्ट होती है. गले में खराश की समस्या नहीं होती है.

2. काफी लोगों को इलायची वाली चाय पसंद होती है. दूध वाली चाय में इलायची डालने से आपको न सिर्फ स्वाद और खुशबू मिलती है, बल्कि एंटीऑक्सीडेंट, विटामिंस, राइबोफ्लेविन, नियासिन, एसेंशियल ऑयल भी प्राप्त होगा. ये सभी पाचन, गैस की समस्या को दूर करते हैं.

3. दालचीनी पाउडर या एक छोटा टुकड़ा डालकर भी चाय के टेस्ट, अरोमा को बढ़ा सकते हैं. साथ ही दालचीनी चाय में डालने से आपको एंटीऑक्सीडेंट्स, पॉलीफेनॉल्स मिलेगा. इससे ब्लड शुगर रेगुलेट होता है. हार्ट हेल्थ सही बना रहेगा.

4. यदि आप दूध वाली चाय में तुलसी के 3-4 पत्ते डाल देंगे तो कई लाभ होंगे और स्वाद भी बढ़ जाएगा. इसमें एंटीऑक्सीडेंट, विटामिन सी होते हैं, जो इम्यूनिटी को बूस्ट करते हैं. रेस्पिरेटरी संबंधित समस्याएं और स्ट्रेस को कम कर सकते हैं.

5. आप हो सकता है चाय में कभी भी हल्दी नहीं डाले होंगे, लेकिन एक बार थोड़ी सी हल्दी डाल दें. इसमें मौजूद कम्पाउंड करक्युमिन एक पावरफुल एंटी-इंफ्लेमेटरी, एंटीऑक्सीडेंट है. चाय में चुटकी भर भी हल्दी पाउडर डालने से जोड़ों की सेहत और इम्यून पावर में सुधार होता है.

शरीर को कंकाल बना देगी विटामिन बी 12 की कमी

शरीर के विकास और उसे स्वस्थ रखने के लिए जिस तरह प्रोटीन, कैल्शियम और अन्य पोषक तत्वों की जरूरत होती है, ठीक उसी तरह विटामिन बी12 भी जरूरी होता है। विटामिन बी12 एक जल घुलनशील विटामिन है जो शरीर के कई कामकाज के लिए जरूरी है। शरीर स्वयं इसे उत्पन्न नहीं कर सकता है, इसलिए इसे बाहरी स्रोतों से प्राप्त करना पड़ता है। विटामिन B12 की जरूरत क्यों है? विटामिन B12 रेड ब्लड सेल्स को बनाता है और इसकी कमी से एनीमिया हो सकता है। यह पूरे नर्वस सिस्टम के बेहतर कामकाज के लिए जरूरी है और इसकी कमी से मेंटल हेल्थ से जुड़ी प्रॉब्लम हो सकती हैं। इसकी कमी से थकान, अवसाद और चिड़चिड़ापन हो सकता है। यह शरीर में होमोसिस्टीन लेवल को कंट्रोल करता है जिससे दिल की सेहत बेहतर रहती है।

विटामिन B12 की कमी के लक्षण क्या हैं? इस पोषक तत्व की कमी से आपको थकान और कमजोरी, त्वचा और जीभ का रंग बदलना, अवसाद, चिड़चिड़ापन और मनोभ्रंश, चक्कर आना, असंतुलन और बेहोशी, हृदय संबंधित समस्याएं, आंखों में धुंधलापन, दृष्टि में परिवर्तन, और आंखों की समस्याएं हो सकती हैं।

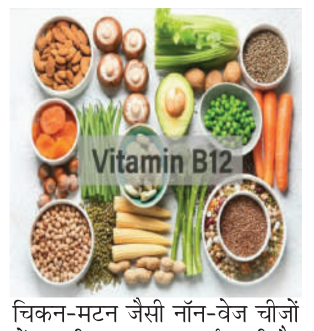

चिकन-मटन जैसी नॉन-वेज चीजों में इसकी भरपूर मात्रा पाई जाती है। अगर आप यह नहीं खाते हैं, तो हरिद्वार के आयुर्वेदिक डॉक्टर दीपक कुमार आपको विटामिन बी12 का एक जबरदस्त वेजिटेरियन स्रोत बता रहे हैं।

फर्मेंटेड दही-चावल है विटामिन बी12 का भंडार

एक कटोरी पके हुए चावल को ठंडा होने दें और ठंडा होने के बाद इसमें एक कटोरी दही मिक्स करें। इन चावल को कम से कम 3-4 घंटे फ्रिज में रख दें। यह चावल और दही को किण्वित करने का तरीका है और इसे खाने से भरपूर मात्रा में विटामिन बी12 मिलता है।

दही और चावल से विटामिन बी 12 कैसे मिलता है

फर्मेनेशन की वजह से इस मिश्रण में विटामिन बी12 के अलावा अन्य बी-कॉम्प्लेक्स विटामिन भी पैदा हो जाते हैं। दही में Lactobacillus नामक बैक्टीरिया मौजूद होता है। यह अच्छा बैक्टीरिया होता है। जब बैक्टीरिया चावल के ऊपर एक्शन करता है, तो बी-कॉम्प्लेक्स विटामिन भी पैदा होते हैं और इस विधि को फर्मेनेशन कहा जाता है। फर्मेंटेड दही-चावल को और ज्यादा टेस्टी बनाने के लिए इसमें इमली की चटनी मिलाकर खा सकते हैं। चटनी मिलाने से यह इतने टेस्टी हो जाते हैं कि बच्चे भी आसानी से खा सकते हैं। इस विधि से बने फर्मेंटेड फूड को प्री डाइजेस्ट फूड भी कहते हैं क्योंकि बैक्टीरिया के एक्शन से आधे हजम तो पहले ही हो जाते हैं। यह इतने सुपाच्य होते हैं कि जिसको कुछ भी हजम न हो तो उसे भी हजम हो जाते हैं।

फर्मेंटेड दही-चावल पेट की लगभग हर बीमारी का इलाज हैं जिन्हें कुछ भी हजम नहीं होता है या जिन्हें विटामिन बी12 की कमी है, वह इन्हें रोजाना खा सकते हैं। एक महीने में अच्छे परिणाम नजर आएंगे।

अगर आपको चावल अच्छे नहीं लगते हैं, तो आप इस मिश्रण के लिए चावल की जगह रोटी का भी इस्तेमाल कर सकते हैं। बस चावल की जगह दही में रोटी डालकर फ्रिज में कम से कम चार घंटे रख दें। बाके विधि पहले जैसी ही है।

खांसी से हो गया बुरा हाल? छाती में जमा कफ निकाल फेंकेंगे ये उपाय

ठंड शुरू होते ही अगर आप भी खांसी की गिरफ्त में आ गए हैं, तो टेंशन न लें। नीचे बताए आसान तरीके आजमायें और गले व छाती में चिपके कफ को तुरंत बाहर करें।

मौसम बदलते ही बहुत से लोगों को खांसी का सामना करना पड़ रहा है। अगर आप भी खांसी और छाती और गले में जमे कफ से परेशान हैं, तो आप इसे साफ करने के लिए नीचे बताये घरेलू उपाय आजमा सकते हैं। पानी, हर्बल चाय और सूप जैसे बहुत सारे तरल पदार्थ पीने से बलगम को पतला करने में मदद मिल सकती है और इसे बाहर निकालना आसान हो सकता है।

भाप लेने से कफ को ढीला करने और वायुमार्ग को खोलने में मदद मिल सकती है। आप गर्म स्नान करके या अपने सामने गर्म पानी का कटोरा रखकर और भाप लेकर ऐसा कर सकते हैं। गर्म पानी में नमक डालकर गरारे करने से गले की खराश को शांत करने और बलगम के उत्पादन को कम करने में मदद मिल सकती है। सेलाइन नेज़ल स्प्रे बलगम को पतला करने और नाक के मार्ग में जमाव को कम करने में मदद कर सकता है।

यह एक ऐसी टेक्निक है जिसमें फेफड़ों से बलगम निकालने में मदद मिल सकती है। इसे फेफड़ों से गंदगी निकालने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। डॉक्टर की देखरेख में करें। कुछ खाद्य पदार्थ, जैसे डेयरी उत्पाद बलगम उत्पादन बढ़ा सकते हैं। इन

खाद्य पदार्थों का सेवन कम करने से मदद मिल सकती है। स्मोकिंग करने से श्वसन प्रणाली में जलन हो सकती है और बलगम का उत्पादन बढ़ सकता है। स्मोकिंग छोड़ने से खांसी से बचने में मदद मिल सकती है।

टेंशन से पाचन पर असर और पाचन विकारों के कारण स्ट्रेस का खतरा

तनाव एक मानसिक स्वास्थ्य विकार है जिसका जोखिम तेजी से बढ़ता हुआ देखा जा रहा है। युवा हों या बुजुर्ग, सभी उम्र के लोगों में इस विकार के मामले रिपोर्ट किए जा रहे हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, सभी लोगों के लिए अपने शारीरिक स्वास्थ्य की ही तरह से मानसिक सेहत का ख्याल रखना भी जरूरी है। दोनों स्वास्थ्य एक दूसरे पर निर्भर होते हैं, यानी अगर आप स्ट्रेस-एग्जाइटी जैसी मानसिक समस्याओं के शिकार हैं, तो इसका असर शारीरिक स्वास्थ्य को भी प्रभावित करने वाले हो सकते हैं।

दुनियाभर में तेजी से बढ़ती मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं के बारे में लोगों को जागरूक करने और मन को स्वस्थ रखने के उपायों के बारे में बताने के उद्देश्य से हर साल 10 अक्तूबर को विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस मनाया जाता है। इस साल का थीम है- मानसिक स्वास्थ्य सभी लोगों का अधिकार है।

आइए जानते हैं कि ज्यादा स्ट्रेस लेने वाले लोगों में पाचन संबंधी दिक्कतों की समस्या क्यों अधिक देखी जाती रही है? इन दोनों रोगों का आपस में क्या संबंध हो सकता है?

तनाव के कारण पाचन तंत्र की समस्या

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, स्ट्रेस को हम सभी सिर्फ मानसिक स्वास्थ्य की ही समस्या मानते आ रहे हैं, पर अगर यह लंबे समय तक बनी

रहती है और इसका उपचार नहीं किया जाता है तो इसके कई शारीरिक स्वास्थ्य दुष्प्रभाव भी हो सकते हैं।

स्ट्रेस और पाचन स्वास्थ्य विकार भी ऐसे ही हैं। अध्ययनों में पाया गया है कि हमारे मस्तिष्क का आंतों से गहरा संबंध होता है। तनाव, पाचन तंत्र के हर हिस्से को प्रभावित कर सकता है। हमारी, आंतें मस्तिष्क और रीढ़ की हड्डी में सेंट्रल नर्वस सिस्टम के द्वारा नियंत्रित होती हैं, ऐसे में यदि आपको मानसिक स्वास्थ्य की समस्या होती है तो आपमें पाचन की दिक्कतें भी बढ़ने लगती हैं।

स्ट्रेस के कारण बढ़ता है पाचन का खतरा

जब हम तनावग्रस्त होते हैं, तो हमारा मस्तिष्क, सिंपैथिक नर्वस सिस्टम को सक्रिय कर देता है। यह शरीर को उन कार्यों को किसी खतरे से बचाने के लिए तैयार करता है, इसका पाचन स्वास्थ्य पर भी असर होता है। यही कारण है कि स्ट्रेस की समस्या में आपका पेट साफ नहीं होता है जिससे पेट दर्द, अपच, हार्ट बर्न और मतली जैसी दिक्कतें हो सकती हैं। इतना ही नहीं, लंबे समय तक बनी रहने वाली स्ट्रेस की समस्या का पाचन स्वास्थ्य पर दीर्घकालिक दुष्प्रभाव भी हो सकता है।

पाचन-स्ट्रेस एक दूसरे से संबंधित

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, अगर आप ज्यादा स्ट्रेस लेते हैं तो इसके कारण पाचन की समस्या हो सकती है, साथ ही पाचन की समस्याओं के कारण स्ट्रेस बढ़ने का भी खतरा रहता है। मनोरोग विशेषज्ञ डॉ. टोरोसियन कहते हैं, यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि तनाव की स्थिति में इंफ्लामेटरी बाउल डिजीज जैसी समस्याओं का खतरा नहीं होता है, हालांकि ये पाचन के लक्षणों को जरूर गंभीर बना सकती है। स्ट्रेस और ट्रॉमा के शिकार लोगों को गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल समस्याओं के बारे में सावधानी बरतनी चाहिए।

स्ट्रेस को करें कंट्रोल

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, सभी लोगों को स्ट्रेस को कंट्रोल करने के लिए प्रयास करते रहना चाहिए। इससे सिर्फ पाचन ही नहीं, हृदय गति बढ़ने, रक्तचाप और कोलेस्ट्रॉल की भी दिक्कत हो सकती है।

लंबे समय तक बने रहने वाली तनाव की समस्या के कारण हृदय रोगों का भी खतरा हो सकता है। तनाव की स्थिति में कोर्टिसोल हार्मोन रिलीज होता है, जिसकी अधिकता कई प्रकार की शारीरिक समस्याओं का जोखिम कारक है।

पीठ दर्द आयुर्वेदिक उपचार बताएं

प्रश्न. मेरी उम्र 40 वर्ष है। पिछले दो माह से पीठ के दर्द से पीड़ित हूं। कृपा कर आयुर्वेदिक उपचार बताएं।

—दिनकर रेड्डी, महबूबाबाद

उत्तर. पीठ का दर्द कई कारणों से हो सकता है। जन्मजात विकृतियां, उठने बैठने के ढंग में खराबी, कमजोर मांस पेशिया , कंडराओ में अकड़न या सूजन, व्यायाम का अभाव, भोजन में पोषक तत्वों की कमी, बचपन में पीठ पर चोट लगना, वात वृद्धि आदि कारणों से पीठ में दर्द हो सकता है।

आप जिस स्कूटर या मोटरसाइकिल का प्रयोग करते हैं यदि उसके शाक अब्जॉर्बर खराब हो गए हो तभी भी कंधे व पीठ में दर्द संभव है। ज्यादा झुक कर कार्य करना,एक हाथ से वजन उठाना घंटों एक ही आसन में बैठे रहना भी पीठ के दर्द को बढ़ा सकता है।

पीठ पर रूमाटाइज तेल या उंझा महानारायण तेल की मालिश करें। रूमाटाइज टीकिया, उंझा महायोगराज गुग्गुलु व उंझा वातगजांकुश रस की टिकिया दिन में तीन बार भोजन के बाद लेवे। उंझा अश्वगंधारिष्ट,उंझा दशमूलारिष्ट 10– 10 मिलीलीटर दवा को दुगने पानी में मिलाकर भोजन के बाद लेवे। नित्य हल्का व्यायाम करें, टहले व सदा प्रसन्नचित्त रहें। गरिष्ठ भोजन, वातकारक आहार,कंदमूल (आलू, रतालू,अरबी,मूली आदि) का सेवन एवम रात्रिजागरण ना करें। बासी खाद्याअन्न व ठंडा पेय,आइसक्रीम आदि के सेवन से बचें।

प्रश्नः मेरी उम्र 18 वर्ष है। मेरे बाल झड़ने लगे हैं यही चिंता का कारण बना है। आपसे इसका आयुर्वेदिक इलाज बताने की प्रार्थना है।

- पी मनोहर कोडंगल

उत्तर : बालों के झड़ने के कई कारण हो सकते हैं। रूसी रहने से, फफूंद के संक्रमण से, बालों की जड़ों को पोषण नहीं होने से, बोरिंग के पानी से , बहुत अधिक मानसिक चिंता से , रक्ताल्पता से, कुछ अंग्रेजी दवाएं जैसे क्लोरोमायसिटिन, रिफैंमाइसिन आदि के प्रयोग से बाल झड़ने लगते हैं। बालों के गिरने को आयुर्वेद में 'खालित्य 'और समय पकने को 'पालित्य 'कहते हैं।

नीम टी ट्री शैंपू के प्रयोग से रूसी से छुटकारा मिलता है । फफूंद व अन्य जीवाणुओं के संक्रमण से भी राहत मिलती है। 'एलो रोज कंडीशनर शैंपू' से बाल काले और मुलायम रहते हैं । इसके प्रयोग से अन्य कारणों से झड़ते बालों को गिरने से रोका जा सकता है। महा भृंगराज केश तैल(सुगंध रहित) या 'हेयर लस्ट हर्बल हेयर ऑयल' को थोड़ा गुनगुना करके बालों की जड़ों में नित्य मालिश करने से झड़ते बालों को रोका जा सकता है। कमजोरी से बाल टूटने की स्थिति में आमलकी रसायन व ऊंझा ताप्यादि लौह टेबलेट का सेवन तुरंत लाभ देता है । 'केश योग कैप्सूल ' का सेवन भी बालों को झड़ने से रोकता है बालों को लंबा और मुलायम बनाने के लिए नारियल का तेल, ऊंझा आमल की तेल का प्रयोग भी किया जा सकता है। खानपान में ऋतु फल का सेवन वह हरी सब्जियों का सेवन आवश्यक रूप से करना चाहिए।

प्रश्न : मेरी उम्र 70 वर्ष है। कमर दर्द से परेशान हूं। क्या करूं ?

- मनोहर प्रसाद वर्मा, हैदराबाद

उत्तर : वृद्धावस्था में वात का प्रकोप अवसर बढ़ जाता है। बुढ़ापा आयुर्वेद में बृहद वात अवस्था का ही भाग है। वात प्रकोप के कारण कमर दर्द, पीठ दर्द, घुटनों में दर्द व शरीर के अन्य भागों में दर्द की शिकायत होने लगती है।

रूमेटाइज टिकिया व ऊंझा योगराज गुग्गुलु को ऊंझा महारास्नादि क्वाथ के साथ लेने से तुरंत लाभ होता है। औरा रूमाटाइज आईल से हल्की मालिश वह साथ में ऊंझा रूमूव या रूमाटाईज टिकिया के संग ऊंझा वागजाकुंश रस का सेवन दर्द में जल्दी राहत दिलाता है। ऊंझा महानारायण तेल या फ्लेक्सी लिनिमेंट से हल्की मालिश वात का शमन कर दर्द में तुरंत राहत देता है।

वृद्धावस्था में बासी भोजन , वात वर्धक आहार- विहार से बचना भी एक इलाज है। भोजन हमेशा समय से, ताजा , गर्म , स्वच्छ व संतुलित ही लिया करें।

डॉ.च.पुरुषोत्तम बिदादा

email :
purushottambidada
@gmail.com

आप अपनी स्वास्थ्य समस्याओं का यदि आयुर्वेदिक इलाज चाहते हैं तो अपनी समस्या संक्षेप में हमें लिखकर भेजें। अपने पत्र पर नीचे दिया गया कूपन अवश्य कचपकाएं।

आयुर्वेदिक स्वास्थ्य प्रश्नोत्तरी
स्वतंत्र वार्ता
396, लोअर टैंक बंड,
हैदराबाद-80

ट्रंप की नीतियों से खुल सकते हैं भारत के रक्षा क्षेत्र में नए अवसर', अमेरिका से सहयोग मजबूत होगा

'नई दिल्ली, 25 नवंबर (एजेंसियां)। भारत-अमेरिका के बीच बड़ी व्यापारिक साझेदारी है। अहम सवाल यह कि डोनाल्ड ट्रंप के फिर से राष्ट्रपति बनने के बाद दोनों देशों के बीच आर्थिक साझेदारी कितनी मधुर रहेगी। यह इसलिए क्योंकि अमेरिका की व्यापार नीति दोनों देशों के संबंधों की असल परीक्षा है। ट्रंप, अमेरिका फर्स्ट की नीति पर अमल करते हैं और इसके लिए वह दोस्ती में भी समझौता नहीं करते हैं। हालांकि, एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि अमेरिका फर्स्ट व्यापार नीति के वैश्विक व्यापार और भूराजनीति पर दूरगामी प्रभाव होंगे।

दुनिया भर के निर्यातकों के लिए मिले-जुले नतीजे लेकर आई ट्रंप की नीति

मोतीलाल ओसवाल की एक रिपोर्ट के अनुसार, यह नीति दुनिया भर के निर्यातकों के लिए मिले-जुले नतीजे लेकर आई है क्योंकि इसे विशेष रूप से चीन से आयात को कम करके अमेरिकी विनिर्माण को प्राथमिकता देने के लिए तैयार किया गया है। भारत के लिए, ट्रंप की नीतियां अवसर और चुनौतियां दोनों पेश करती हैं। इंडो-पैसिफिक रक्षा रणनीति अमेरिका-भारत सहयोग को मजबूत कर सकती है, जिससे फार्मास्यूटिकल्स और रक्षा जैसे क्षेत्रों में भारतीय व्यवसायों के लिए द्वार खुल सकते हैं।

अमेरिका-भारत सहयोग मजबूत होगा

आगे कहा गया है कि फार्मास्यूटिकल्स और रक्षा जैसे क्षेत्रों में भारतीय व्यवसायों को भी नए अवसर मिल सकते हैं। खासकर अगर अमेरिका-भारत सहयोग मजबूत होता है। उभरते बाजारों को चुनौतियों और अवसरों का मिला-जुला सामना करना पड़ता है। इसके अलावा, अमेरिका में कॉर्पोरेट कर में कटौती से आईटी खर्च में बढ़ोतरी हो सकती है। इससे भारत के आईटी क्षेत्र को लाभ होगा। हालांकि, मजबूत डॉलर और भारतीय निर्यात पर संभावित टैरिफ से भारत के व्यापार संतुलन पर असर पड़ सकता है।

एक और महत्वपूर्ण चिंता अमेरिकी निर्यात पर बढ़े हुए टैरिफ का प्रभाव है। कृषि और प्रौद्योगिकी जैसे प्रमुख उद्योगों को वैश्विक बाजारों में प्रतिस्पर्धात्मकता खोने का जोखिम है यदि व्यापारिक साझेदार जवाबी टैरिफ लगाते हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि शुल्क वृद्धि से व्यापार साझेदारों की ओर से जवाबी कार्रवाई की संभावना बढ़ सकती है, जिससे कृषि और प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में अमेरिकी निर्यातक प्रभावित हो सकते हैं।

इससे हो सकता है नुकसान

इसमें यह भी कहा गया है कि भारत को वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला पुनर्गठन में आशा की किरण दिखाई दे सकती है। खासकर, एआई और सेमीकंडक्टर जैसे प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में, जो चीन+1 रणनीति से प्रेरित है। उदाहरण के लिए, यूरोपीय संघ (ईयू) अमेरिकी वस्तुओं पर शुल्क लगा सकता है, जिससे ऑटोमोटिव और स्टील उद्योग को नुकसान हो सकता है। ये उपाय न केवल यूरोप में विकास को धीमा कर सकते हैं, बल्कि वैश्विक व्यापार पैटर्न को भी बाधित कर सकते हैं। रिपोर्ट के अनुसार, उभरते बाजारों को दोहरी चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। जहां उच्च टैरिफ और मजबूत डॉलर से आईटी और फार्मास्यूटिकल्स जैसे क्षेत्रों के लिए निर्यात लागत बढ़ सकती है, वहीं मैक्सिको जैसे कुछ देशों को विनिर्माण को आकर्षित करने से लाभ होगा जो अन्यथा चीन में ही रह सकता है। रिपोर्ट में इस बात पर प्रकाश डाला गया है कि भू-राजनीतिक रूप से, ट्रंप के दृष्टिकोण से चीन के साथ तनाव बढ़ने और गठबंधनों को नया स्वरूप मिलने की संभावना है।

मुंबई और समेत कई शहरों में सीएनजी की कीमत में दो रुपये की बढ़ोतरी, दिल्ली को फिलहाल राहत

नई दिल्ली, 25 नवंबर (एजेंसियां)। मुंबई समेत देश के कई शहरों में सीएनजी की कीमत में दो रुपये प्रति किलोग्राम की बढ़ोतरी की गई, लेकिन चुनावी राज्य दिल्ली में उपभोक्ताओं को फिलहाल इससे छूट दी गई। राष्ट्रीय राजधानी और आसपास के शहरों में सीएनजी और खाना पकाने के लिए घरों में पाइप के जरिये प्राकृतिक गैस पहुंचाने वाली कंपनी इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड ने सप्ताहांत में सीएनजी की कीमत में दो रुपये प्रति किलोग्राम की बढ़ोतरी की है। नोएडा, ग्रेटर नोएडा, गाजियाबाद, गुरुग्राम और अन्य शहरों में सीएनजी की कीमतों में बढ़ोतरी की गई, लेकिन दिल्ली को इससे छूट दी गई है, जहां कुछ ही महीने में चुनाव होने वाले हैं। एमजीएल की वेबसाइट के अनुसार, चुनाव समाप्त होने के साथ ही मुंबई में गैस की खुदरा बिक्री करने वाली महानगर गैस लिमिटेड (एमजीएल) ने मुंबई और आसपास के क्षेत्रों में सीएनजी की कीमतों में दो रुपये प्रति किलोग्राम की बढ़ोतरी कर दी है। एमजीएल और अदाणी टोटल गैस लिमिटेड जैसे अन्य सिटी गैस रिटेलर्स ने कच्चे माल की लागत में 20 प्रतिशत की वृद्धि के बावजूद पिछले दो महीनों से खुदरा कीमतों को यथावत रखा था। मुंबई में विधानसभा चुनाव समाप्त होते ही एमजीएल ने 23 नवंबर से सीएनजी की कीमतें दो रुपये प्रति किलोग्राम बढ़ाकर 77 रुपये कर दी। शहन में सीएनजी की खुदरा बिक्री करने वाले अन्य ने भी इसकी कीमतें बढ़ा दी हैं।

आईजीएल की वेबसाइट के अनुसार, दिल्ली में सीएनजी की दरें 75.09 रुपये प्रति किलोग्राम पर अपरिवर्तित बनी हुई हैं, जबकि नोएडा, ग्रेटर नोएडा तथा गाजियाबाद में कीमतें दो रुपये प्रति किलोग्राम बढ़कर 81.70 रुपये और गुरुग्राम में 82.12 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई हैं। इसे 23 नवंबर से लागू किया गया। सीएनजी की दरें स्थानीय करों जैसे वैट की वजह से हर राज्य में अलग-अलग होती हैं।

'टाइम ट्रैवलिंग वैंपायर एलियन', एलन मस्क के ऐसा कहने की क्या है पूरी कहानी?

वाशिंगटन, 25 नवंबर (एजेंसियां)। दुनिया के सबसे अमीर शख्स और टेस्ला के सीईओ एलन मस्क अमीर ने एक अजीबोगरीब दावा किया है जिसके बाद से यह सोशल मीडिया में चर्चा का विषय बन गया है।दरअसल टेस्ला एंड स्पेस एक्स के सीईओ ने खुद को टाइम ट्रैवलिंग वैंपायर एलियन बताया है।इसके बाद कई लोगों ने मस्क के एक्स प्रोफाइल को खंगालना शुरू कर दिया।इस दौरान एक यूजर ने पाया कि माइक्रोब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म पर अरबपति मस्क की प्रोफाइल 3000 ईसा पहले से ही वेरीफाई है।

यह सब कैसे शुरू हुआ?

चर्चा तब शुरू हुई जब टेस्ला सीईओ ने एट पर लगभग 2:30 बजे एक मीम शेयर किया, जिसे 7.6 मिलियन से ज्यादा लोगों ने देखा।मीम में लिखा है: ₹क्या आप इस पर यकीन करेंगे।मेरा पड़ोसी आज सुबह ढाई बजे मेरा दरवाजा खटखटा रहा था।वो तो अच्छा था कि मैं उस वक्त जाग रहा था और अपना बैगपाइप बजा रहा था.इसका मतलब है कि बैगपाइप की आवाज से परेशान होकर पड़ोसी रात के ढाई बजे शिकायत करने चला आया।हैरान करने बात यह है कि इस बात को खुद एलन मस्क ने स्वीकार किया कि वो आधी रात तेज आवाज में बैगपाइप बजा रहे थे.एक एक्स यूजर ने इसपर रिएक्ट किया और मजाकिया अंदाज में पूछा, आप इसलिए नहीं सोते क्योंकि आप एक वैंपायर हो? यूजर के इस बात जवाब देते हुए मस्क ने कहा, मैं एक टाइम ट्रैवलिंग वैंपायर हूं!जब एक अन्य एक्स यूजर ने कहा कि उन्हें लगता है कि मस्क एक एलियन हैं।इसपर टेस्ला सीईओ ने फौरन जवाब देते हुए कहा, टाइम ट्रैवलिंग वैंपायर एलियन.

एक एक्स यूजर ने मस्क की प्रोफाइल देखी और कैप्शन के साथ एक स्क्रीनशॉट शेयर किया,एलन मस्क की एक्स प्रोफाइल के हिसाब से उन्हें 3000 ईसा पूर्व से वेरीफाइड किया गया है।कल, उन्होंने पोस्ट किया कि वे एक टाइम ट्रैवलर वैंपायर एलियन हैं.इसके बाद यह पोस्ट वायरल हो गई।इसके बाद एलन मस्क ने मजाकिया अंदाज में उस यूजर के पोस्ट के जवाब में लिखा, भले ही मैं 5000 साल का हूं, लेकिन मुझे लगता है कि मैं बहुत छोटा दिखता हूं.बता दें कि एलन मस्क की एक्स प्रोफाइल सच में 3000 ईसा पहले से ही वेरीफाइड दिखा रही है, जो काफी हैरान करने वाली बात है।

बैंक अकाउंट होल्डर्स को खातों के लिए देने होंगे 4 नॉमिनी के नाम

सरकार जल्द लाएगी कानून

नई दिल्ली, 25 नवंबर (एजेंसियां)। बैंकों में खाता रखने वाले अकाउंट होल्डर्स के लिए बड़ी खबर है। संसद का शीतकालीन सत्र आज से शुरू हो चुका है और पहले ही दिन अडानी रिश्वत विवाद को लेकर संसद में हंगामा होना शुरू हो गया है। इसी सत्र में सरकार की देश में बैंकिंग सेक्टर में कई बदलावों को लाने के लिए बैंकिंग अमेंडमेंट बिल को पास कराने की कोशिश होगी।

खाताधारकों के लिए नॉमिनी के नए नियम जल्द

अब जल्द ही बैंक में खाताधारकों के लिए अपने खाते के नॉमिनी को लेकर नए नियम आने वाले हैं।ऐसा संसद में बैंकिंग अमेंडमेंट बिल के पास होने के बाद होगा।सरकार की संसद में बैंकिंग अमेंडमेंट बिल को पास कराने की कोशिश होगी जो इस समय फिलहाल लोकसभा में लंबित है।इससे पहले अगस्त 2024 में केंद्रीय कैबिनेट ने बैंकिंग विधेयक पास किया था.वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण बैंकिंग अमेंडमेंट बिल को संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान पास कराने की कोशिश करेंगी।इसमें प्रमुख रूप से जो बदलाव होने हैं वो बैंक खातों के लिए भी अहम हैं।बैंकिंग कानून संशोधन विधेयक 2024 के तहत बैंक अकाउंट के लिए नॉमिनी की संख्या बढ़ाकर चार करने का प्रस्ताव आएगा।

संसद में लोकसभा के पटल पर जब बैंकिंग अमेंडमेंट बिल पास किया जाएगा तो इसके बाद सभी के लिए अपने बैंक अकाउंट में 4 नॉमिनेशन करना अनिवार्य हो जाएगा।इस बिल के तहत हर बैंक अकाउंट पर नॉमिनी की लिमिट को बढ़ाकर चार करने का प्रस्ताव है जो कि अभी एक है।

इस बिल की खास बातें

या तो बैंक अकाउंट होल्डर को नॉमिनी के प्रायोरिटी के आधार पर उन्हें क्रमवार तय करना होगा या फिर वो प्रत्येक नॉमिनी के हिस्से को बैंकिंग नियमों के मुताबिक तय कर सकते हैं।अगर खाताधारक नॉमिनी का विकल्प चुनते हैं तो उन्हें पहले, दूसरे, तीसरे और चौथे नॉमिनी का नाम निर्धारित करना होगा।खाताधारक की मौत के बाद उसके चारों नॉमिनी में से क्रमवार तरीके से खाते का अधिकार उनको मिलेगा।पहले, दूसरे या तीसरे नॉमिनी के बाद जो अगला जीवित नॉमिनी होगा, उसको खाते का हक मिलेगा। चारों नॉमिनी के हिस्सों को बांटकर हर एक नॉमिनी को खाते की रकम का कुछ निश्चित हिस्सा दिया जा सकता है।इसमें प्रायोरिटी की जरूरत नहीं होगी और हर नॉमिनी को खाते की रकम, ब्याज आदि का तयशुदा हिस्सा मिल जाएगा।

अगस्त 2024 में केंद्रीय कैबिनेट ने पास किए गए बैंकिंग विधेयक में कई कानूनों में संशोधन किया गया है, इनमें शामिल हैं-

भारतीय रिजर्व बैंक एक्ट, 1934
बैंकिंग रेगुलेशन एक्ट, 1949
भारतीय स्टेट बैंक एक्ट, 1955
बैंकिंग कंपनियां (उपक्रमों का अधिग्रहण और हस्तांतरण) एक्ट, 1970 और 1980।

एयर क्वालिटी के बेस पर तय हो दिल्ली-बेंगलुरु में प्रॉपर्टी के दाम, जहरीली हवा से तंग बिजनेसमैन ने कही बड़ी बात

नई दिल्ली, 25 नवंबर (एजेंसियां)। जीरोधा के को-फाउंडर नितिन कामथ ने देश के कई प्रमुख मेट्रो शहरों में एयर पॉल्यूशन के मुद्दे पर बड़ी बात कही है।निखिल कामथ ने प्रॉपर्टी के दामों को ऐसे शहरों की हवा की क्वालिटी के आधार पर तय करने का सुझाव दिया है।उनका मानना है कि शहरों के प्रदूषण को लेकर हमें जिस गंभीरता से सोचना चाहिए, वैसी गंभीरता नहीं देखी जा रही है।नितिन कामथ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया है और इसके साथ एक पेपर क्लिपिंग भी शेयर की है।इस पेपर क्लिपिंग में प्रदूषण से हुई मौतों का आंकड़ा है और हवा की क्वालिटी से जुड़े अन्य खतरनाक असर के बारे में डेटा हैं।उनके मुताबिक हवा और पानी की गुणवत्ता के आधार पर अगर प्रॉपर्टी के दाम तय होंगे तो देश में गंभीर प्रदूषण झेल रहे शहरों में सुधार देखा जाएगा।नितिन कामथ को लगता है कि ये विचार क्रांतिकारी लग सकता है लेकिन ये कारगर भी साबित हो सकता है।नितिन कामथ ने लिखा है कि.।हमें इस बात को हैरानी से लेना चाहिए कि वायु के प्रदूषण को और ज्यादा गंभीरता से लेने के लिए और किस बात का इंतजार है।ये जो मौतों का आंकड़ा है वो केवल साल 2019 तक के डेटा को कवर कर रहा है और उसके 5 साल बाद यानी 2024 तक तो स्थिति और खराब ही हुई है।एयर क्वालिटी के दम पर प्रॉपर्टी प्राइस डिस्काउंट अगर दिया जाएगा तो जहां की हवा और पानी की क्वालिटी अच्छी होगी वहां कीमतें ज्यादा होंगी और जहां की हवा जहरीली होगी और पानी गंदा होगा, देश के उन शहरों में प्रॉपर्टी के दाम कम रहेंगे।

नितिन कामथ के मुताबिक अगर इसके पीछे अर्थशास्त्र है तो शायद हम इसका समाधान ढूंढ सकेंगे।जरूरी तौर पर हवा और पानी की गुणवत्ता से प्रॉपर्टी के रेट तय होंगे तो कोई प्रॉपर्टी मालिक केवल अपनी प्रॉपर्टी नहीं बल्कि उस पूरी जगह और माहौल के लिए दाम दे रहे हैं जो आसपास कहीं हैं।इसके बाद संभव है कि लोग सजग हों।इसको समझाते हुए उन्होंने कहा कि अगर मैं जेपी नगर में प्रॉपर्टी लेना चाहता हूं और इसकी देखभाल करने के लिए पूरे जेपी नगर के माहौल का आकलन करता हूं तो ये बेहतर परिणाम दे सकता है।

ट्रंप के 'खजाना मंत्री' गे हैं और अपने पति व दो बच्चों के साथ रहते हैं, एक बिलियन डॉलर है नेटवर्थ

न्यूयार्क, 25 नवंबर (एजेंसियां)। अमेरिका का राष्ट्रपति चुनाव जीतने के बाद डोनाल्ड ट्रंप अपने संभावित मंत्रियों की लिस्ट तैयार कर रहे हैं। वह अभी तक कई लोगों को लिस्ट में शामिल कर चुके हैं। उन्होंने हाल ही में खजाना मंत्री (ट्रेजरी सचिव) के तौर पर स्कॉट बेसेंट के नाम की पुष्टि की है। स्कॉट बेसेंट अमेरिका के बड़े कारोबारी हैं। वह गे हैं। उन्होंने खुले तौर पर इस बारे में स्वीकार किया है। वह अपने पति और दो बच्चों के साथ रहते हैं। ट्रंप ने हाल ही में कहा था, 'मुझे स्कॉट बेसेंट को अमेरिका के 79वें ट्रेजरी सचिव के रूप में नामित करते हुए बहुत खुशी हो रही है।' बता दें कि ट्रेजरी सचिव ट्रंप के मंत्रिमंडल में सबसे महत्वपूर्ण पदों में से एक है। ट्रंप ने कहा था कि स्कॉट लंबे समय से अमेरिका फर्स्ट एजेंडे के एक मजबूत समर्थक रहे हैं।स्कॉट बेसेंट अमेरिका के बड़े कारोबारी, निवेशक और हेज फंड मैनेजर हैं। वह येल यूनिवर्सिटी से ग्रेजुएट हैं। वे इस यूनिवर्सिटी में इकनॉमी पर क्लास भी ले चुके हैं। स्कॉट ट्रंप के बड़े समर्थक माने जाते हैं। वह साल 2000 की शुरुआत में अमेरिका की राजनीतिक पार्टियों को काफी दान दे चुके हैं। वह अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा और हिलेरी क्लिंटन के भी समर्थक रहे हैं। स्कॉट ने इन्हें आर्थिक मदद भी दी है।मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक स्कॉट की नेटवर्थ एक बिलियन डॉलर (करीब 8427 करोड़ रुपये) है। स्कॉट अमेरिका में कई तरह के कारोबार से जुड़े हैं। वह 35 साल के अधिक समय से इन्वेस्टमेंट मैनेजमेंट कारोबार से जुड़े हैंस्कॉट को घाटे में कमी और विनियमन का पक्षधर माना जाता है। ट्रंप ने इन्हें एक आर्थिक एजेंडे का नेतृत्व करने के लिए चुना है, जो टैरिफ बढ़ाने और टैक्स में कटौती के इर्द-गिर्द बनने की उम्मीद है।

सोना 1,089 सस्ता हुआ, 76,698 प्रति 10 ग्राम पहुंचा

चांदी की कीमत में 1,762 की गिरावट, 89,088 प्रति किलोग्राम पहुंची

नई दिल्ली, 25 नवंबर (एजेंसियां)। सोने और चांदी की कीमतों में बीते दिनों लगातार बढ़ोतरी के बाद आज (25 नवंबर) गिरावट देखने को मिल रही है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार, सोमवार को 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 1,089 रुपए घटकर 76,698 रुपए पर आ गया है। शुक्रवार को इसके दाम 77,787 रुपए प्रति दस ग्राम थे।वहीं, एक किलो चांदी की कीमत 1,762 रुपए घटकर 89,088 रुपए प्रति किलो हो गई है। इससे पहले शुक्रवार को चांदी की कीमत 90,850 रुपए प्रति किलो थी। इस साल सोना 30 अक्टूबर को 79,681 प्रति 10 ग्राम के ऑल टाइम हाई पर पहुंच चुका है। वहीं, चांदी 23 अक्टूबर को अपने ऑल टाइम हाई 99,151 रुपए प्रति किलो पर पहुंच गई थी।

इस साल सोने में अब तक 13,346 रुपए से ज्यादा की तेजी

आईबीजेए के अनुसार, इस साल अब तक सोने के दाम 13,346 रुपए बढ़ चुके हैं। वहीं, चांदी की कीमत 15,693 रुपए बढ़ चुकी है। 1 जनवरी को सोना 63,352 रुपए प्रति 10 ग्राम पर था, जो अब 76,698 रुपए प्रति 10 ग्राम पहुंच गया है। वहीं एक किलो चांदी की कीमत 73,395 रुपए प्रति किलोग्राम से बढ़कर 89,088 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई है।

महानगरों सोने की कीमत

दिल्ली: 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 72,150 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 78,700 रुपए है।

मुंबई: 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 72,000 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 78,550 रुपए है।

कोलकाता: 10 ग्राम 22 कैरेट गोल्ड की कीमत 72,000 रुपए और 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 78,550 रुपए है।

चेन्नई: 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 72,000 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 78,550 रुपए है।

भोपाल: 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 72,050 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 78,600 रुपए है।

हैदराबाद : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 7,200 प्रति ग्राम और 24 कैरेट सोने की कीमत 7,855 प्रति ग्राम है।

शेयर मार्केट ने की पैसों की बारिश, 5 बड़े कारणों की वजह से बाजार में लौटी रौनक

नई दिल्ली, 25 नवंबर (एजेंसियां)। बीते कुछ दिनों से भारतीय शेयर मार्केट में गिरावट थी. लेकिन, आज यानी सोमवार का दिन निवेशकों के लिए शानदार रहा. बीएसई सेंसेक्स जहां, आज तूफानी तेजी के साथ 80,193.47 अंक पर खुला. वहीं कारोबार के दौरान यह 1300 से ज्यादा अंक चढ़कर 80,473.08 के लेवल तक पहुंच गया. हालांकि, मार्केट क्लोज़ होते-होते सेंसेक्स 992.74 अंक के उछाल के साथ 80,109.85 के लेवल पर बंद हुआ. इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 भी 314.65 अंक के उछाल के साथ 24,221.90 के लेवल पर बंद हुआ.

टॉप गेनर्स और लूजर्स की बात करें तो, निफ्टी की 50 कंपनियों में से 43 शेयरों में तेजी दिखी. वहीं सेंसेक्स के टॉप गेनर्स की बात करें तो इसमें एलटी, एसबीआईएन, अडानीपोर्ट, एचडीएफसी बैंक और आईसीआईसीआई बैंक रहे. टॉप लूजर्स की बात करें तो इस लिस्ट में एचसीएलटेक, मारुती, इंफोसिस, एशियन पेंट और टेक महिंद्रा रहे. इसके साथ ही बीएसई के मार्केट कैप की बात करें तो ये 439.58 लाख करोड़ रहा।

मार्केट में तेजी के 5 कारण

सोमवार को शेयर मार्केट में दिखी तेजी के पीछे कुछ बड़े कारण रहे. इसमें महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाले गठबंधन की जीत, वैश्विक बाजारों से मिले पॉजिटिव संकेत, रिलायंस, एचडीएफसी बैंक जैसे शेयरों में खरीदारी और तिमाही नतीजों के खत्म होने की वजह से मार्केट में आई स्थिरता ने भी, मार्केट की रौनक लौटाई है. दरअसल, महाराष्ट्र के मुंबई को देश की आर्थिक राजधानी कहा जाता है, इसलिए वहां हुई कोई भी घटना शेयर बाजार को सीधे प्रभावित करती है. महाराष्ट्र में बीजेपी की जीत ने निवेशकों का भरोसा बढ़ाया है. इस भरोसे का असर बाजार पर भी दिखा. इसके अलावा करेक्शन की वजह से रिलायंस और एचडीएफसी बैंकों के शेयर में आई गिरा ने निवेशकों को इनमें खरीददारी का मौका दिया।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

श्री कालयुक्त संवत्सर-विक्रम संवत-2081
शक संवत- 1946 सूर्य -दक्षिणायन- ऋतु -हेमन्त
महावीर निर्वाण संवत् -2051,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000
भोग्य कलि वर्ष-426875
सूर्योदय - 06-31
सूर्यास्त. -17-35
कलियुग संवत् -5125 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949125
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885125

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	वृश्चिक मे	वृश्चिक-	05-46 बजे
चंद्र-	कन्या मे	धनु----	08-00 बजे
मंगल	कर्क मे	मकर...	10-05 बजे
बुध-	वृश्चिक मे	कुंभ--	11-57 बजे
गुरु-	वृष मे	मीन--	13-35 बजे
शुक्र-	धनु मे	मेष---	15-10 बजे
शनि-	कुंभ मे	वृष---	16-56 बजे
राहु-	मीन मे	मिथुन-	18-56 बजे
केतु-	कन्या मे	कर्क---	21-09 बजे
		सिंह---	23-20 बजे
		कन्या--	01-27 बजे
		तुला---	03-33 बजे

दिशाशूल -- उत्तर - गुड खाकर घर से निकले
तिथि- एकादशी 03-47 तक उपरान्त द्वादशी
मास - मार्गशीर्ष कृष्ण , मंगलवार 26 November
नक्षत्र - हस्त 04-34 तक उपरान्त चित्रा
योग - प्रीति 14-13 तक उप आयुष्मान
करण- बव 14-25 तक उप बालव
विशेष:- उत्पत्ति एकादशी व्रत सर्वे
व्रत -त्योहार - वक्री बुध

विशेष:- राशिफल गृहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 14:51 से 16:15 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो.9247132654,8309517693

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	06:31 - 07:52	अशुभ	काल.	17:35 - 19:15	अशुभ
उत्पात	07:52 - 09:16	अशुभ	लाभ	19:15 - 20:51	शुभ
चंचल	09:16 - 10:40	शुभ	उत्पात	20:51 - 22:27	अशुभ
लाभ.	10:40 - 12:03	शुभ	शुभ.	22:27 - 00:04	शुभ
अमृत	12:03 - 13:27	शुभ	अमृत	00:04 - 01:40	शुभ
काल	13:27 - 14:51	अशुभ	चंचल.	01:40 - 03:16	शुभ
शुभ	14:51 - 16:15	शुभ	रोग	03:16 - 04:53	अशुभ
रोग.	16:15 - 17:35	अशुभ	काल.	04:53 - 06:31	अशुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,
आप आज ऐसे लोगों से मिलेंगे जो आपकी कमियों के बारे में जानते तो हैं लेकिन उन्हें स्वीकार करना नही चाहते जैसे कि उनमें खुद में कोई कमियां नही हैं । ऐसे लोगों से दूरी बनाये रखें । उन अच्छे लोगों पर अपना ध्यान केन्द्रित करें जो आपको पिछले कुछ वर्षों में मिले हैं और उनसे दुबारा संपर्क साधने की कोशिश करें ।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
आज आप किसी के अहसान का बदला उतारने की दिशा में पहला कदम उठाएंगे । यह कदम मानसिक ,वित्तीय या आध्यात्मिक हो सकता है लेकिन इसका अर्थ यह नही है कि आप आज अपने सारे अहसान उतार पायेंगे लेकिन आपको कम से कम यह संतुष्टि जरूर होगी कि आप ऐसा करने की दिशा में कदम तो उठा रहे हैं । इससे आपको बहुत अच्छा लगेगा ।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,
आज का दिन आपके लिए बहुत शुभ है,आपको वित्तीय क्षेत्र में अपने प्रयासों के चलते लाभ होगा ।आप अपने परिजनों के लिए सर्वोत्तम उपलब्ध चीज खरीदना चाहेंगे । बस इतना ध्यान रखें कि सारा पैसा खर्च न करके कुछ बचत भी कर लें । आप अपने पार्टनर के साथ कुछ बहुत ख़ास पल गुजारेंगे जिन्हें आप हमेशा याद रखेंगे ।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
आप बहुत दिनों से आज के दिन के लिए बचत करते आ रहे हैं |आज कोई ऐसी ख़ुशी की खबर मिलेगी जो आपके होठो पर मुस्कान और आँखों में आंसू ले आएगी । आज आप पुरे दिन दोस्तों और सम्बन्धियों से घिरे रहेंगे। समय मजे में बीतेगा लेकिन अपने स्व। स्थ्य का ध्यान जरूर रखें ।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
आप आज सृजनात्मक महसूस करेंगे और बहुत सारे कामों के लिए खुद को तैयार पायेंगे । हालंकि आपको यह वास्तविक भय रहेगा कि दूसरे क्या सोचेंगे और कहेंगे ? आपको यह समझना है कि सही नजरिये से आधा काम तो बिना किये ही हो जाता है । यद्यपि सृजनात्मक और ऊर्जापूर्ण रहने के बावजूद आपका आत्मविश्वास आज साथ नही देगा।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
आपको अपना अधूरा काम समय पर पूरा करने के बहुत से मौके मिलेंगे । आपकी दूसरी परेशानियां भी तुरंत दूर हो जायेंगी ,उनके बारे में चिंता ना करें ।आज अधिक से अधिक काम करने की कोशिश करें क्योंकि आपको आज के अपने सब कामों में सफलता मिलेगी । आप अपने किसी करीबी से सलाह ले सकते हैं ।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
आप आज उल्लास और कुछ कर गुजरने के मूड में हैं । आपके सामने आज भुत से अवसर आयेंगे और आप उनका पूरा लाभ उठाने के लिए बहुत उत्साह में हैं । आज अगर आप अपने दिल की सुनेंगे तो वित्तीय,निजी जीवन तथा संबंधों में भी बहुत सफलता मिलेगी । आज दिन घटनाओं भरा रहेगा और आप इसका हरपल आनंद उठाएंगे ।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,
कोई करीबी दोस्त आपको अपना राज बताने वाला है ,आपको उसकी बातें बहुत ध्यान से सुनकर ही सलाह और सहानुभूति देनी है । अपने सभी कार्य रचनात्मक तरीके से करें । आप फिलहाल ताकतवर तरीके से कार्य कर रहे हैं और इसका प्रभाव आपके आसपास के सब लोगों पर पड़ेगा । इसलिए आपको सोच-समझकर ही कुछ बोलना और कहना पड़ेगा ।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
आप पिछले कई दिन से बेचैन और नाखुश सा अनुभव कर रहें हैं लेकिन आज आपका रुख इस समस्या को और अधिक गंभीरता से लेने का है । आपको यह जानना है कि इस समस्या की जड़ क्या है ,आज का दिन इस काम के लिए सबसे बेहतर है । लम्बे समय से उपेक्षित कुछ कामो की योजना बनाने के लिए भी अच्छा दिन है ।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
आज आपके लिए बहुत सारा काम है ,व्यस्त रहेंगे । जल्दी के चक्कर में अपने किसी शुभचिन्तक को नाराज ना करें । नम्र बने रहें । आपकी सकारात्मकता के कारण नए अवसर मिलेंगे ।धीरज रखें ,परिवर्तन ही शाश्वत नियम हैविसिलिये बदलाव तो आपके जीवन में भी होना ही है ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
इस समय लोग आपके बेहतरीन विचारों को सुनने –जानने के लिए बहुत उत्सुक हैं । आपको अब उनसे जो भी बात मनवानी है,आप आसानी से मनवा सकते हैं,इसके लिए कोई कसर न छोड़ें । अपनी अधिकार जताने की प्रवृति को नियंत्रण में रखें,यह आपके खिलाफ जा सकती है । अपना दिमाग खुला रखें,आपको किसी करीबी से कोई अप्रत्याशित खबर मिल सकती है ।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
आपका अत्यधिक भावनात्मक होना और लोगों के लिए तो मददगार है लेकिन इससे आप कई बार मुश्किल में फँस जाते हैं । ऐसी स्थिति से बाहर आने में अपने पार्टनर की मदद लें । यह कुछ निजी और गुप्त बातचीत करने का समय है । वित्तीय लाभ होने की उम्मीद है लेकिन अधिक जोखिम से बचें । बोलने से पहले सोच लें ,कहीं किसी करीबी को नाराज ना कर दें ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

जामा मस्जिद या हरिहर मंदिर, अचानक क्यों जल उठा संभल

संभल, 25 नवंबर (एक्सक्लूसिव डेस्क)। हिंदू पक्ष काफी वक्त से जामा मस्जिद की जगह पर पहले मंदिर होने का दावा कर रहा है। 19 नवंबर को 8 लोग मामले को लेकर कोर्ट पहुंचे और एक याचिका दायर की। इनमें सुप्रीम कोर्ट के वकील हरिशंकर जैन और उनके बेटे विष्णुशंकर जैन प्रमुख हैं। ये दोनों ताजमहल, क़ुतुब मीनार, मथुरा, काशी और भोजशाला के मामला भी देख रहे हैं। हिंदू पक्ष का दावा है कि ये जगह पहले श्रीहरिहर मंदिर हुआ करती थी, जिसे बाबर ने 1529 में तुड़वाकर मस्जिद बनवा दिया।

संभल कोर्ट में हिंदू पक्ष ने याचिका लगाई। 95 पेज की याचिका में हिंदू पक्ष ने दो किताब और एक रिपोर्ट को आधार बनाया है। इनमें बाबरनामा, आइन-ए-अकबरी किताब और भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण की 150 साल पुरानी एक रिपोर्ट शामिल है।

जामा मस्जिद की जगह पर मंदिर होने का दावा करने और याचिका लगाने वालों में केला देवी मंदिर के महंत ऋषिराज गिरी भी हैं। महंत कहते हैं, 'हरिहर मंदिर के लिए हमारी लड़ाई काफी सालों से चल रही है। बस दुनिया के सामने आज आई है। हम इसे लेकर अब कानूनी लड़ाई लड़ रहे हैं। हमारे पास जो भी सबूत हैं, हमने वो कोर्ट में जमा करा दिए हैं। जो भी फोटो और वीडियोग्राफी हुई है, वो भी 29 नवंबर को कोर्ट के सामने पेश की जाएगी। मुस्लिम पक्ष को शांति से हमें हमारा मंदिर सौंप देना चाहिए और हिंदू-मुस्लिम एकता की मिसाल पेश करनी चाहिए। महंत आगे कहते हैं, 'पूरे इलाके के लोग जानते हैं कि ये हमारा मंदिर है। ये लोगों की आस्था का केंद्र है। अयोध्या में जब तक राम मंदिर नहीं बना, तब तक लोगों ने पगड़ी नहीं पहनी थी। यहां सब शांतिपूर्ण तरीके से कानूनी प्रक्रिया से किया जाएगा।'

'हमारा तो ये भी मानना है कि मस्जिद के अंदर से गुफा दिल्ली के लिए जाती है। आम जनता इस बारे में हमसे ज्यादा जानती है। बस डर की वजह से बोलती नहीं है। मां केला देवी ने मुझे इस काम के लिए चुना है। मंदिर हमारा था, हमारा है और हमारा रहेगा। चंदौसी में हिंदू पक्ष के वकील श्रीगोपाल शर्मा बताते हैं, 'जामा मस्जिद जो कि हरिहर मंदिर है, वो लाखों लोगों की आस्था का केंद्र है। कोर्ट ने यहां सिर्फ फोटो और वीडियोग्राफी करने का आदेश दिया। ये सर्वे की एक प्रक्रिया है।

मंदिर तोड़कर मस्जिद बनाए जाने का दावा करते हुए श्रीगोपाल कहते हैं, '1529 में बाबर और उसके सेनापति ने इस मंदिर को तोड़कर मस्जिद बनवाई थी।' हालांकि यहां पूजा-पाठ न होने की बात पर वो कहते हैं, 'शहर के लोग अभी मस्जिद में पूजा नहीं करते, लेकिन उनकी मान्यता इससे जुड़ी है।

श्रीगोपाल कहते हैं, 'मस्जिद के अंदर कोई ऐसी नक्काशी नहीं है, जिससे इसके मंदिर होने के प्रमाण मिल सकें। न ही कोई मूर्तियां ही मिली हैं। हां, लेकिन कुछ और अवशेष हैं, जिनका जिक्र यहां नहीं किया जा सकता।'

मुस्लिम पक्ष के वकील जफर अली जो शाही जामा मस्जिद कमेटी के सदर (अध्यक्ष) भी हैं। वो सर्वे के दौरान टीम में शामिल थे। जफर कहते हैं, 'हिंदू पक्ष के पास कोई सबूत नहीं हैं, जिससे ये पता चलता हो कि जामा मस्जिद से पहले यहां कोई मंदिर हुआ करता था। उन्हें ये भी नहीं पता कि मंदिर को किस साल या सदी में बनवाया गया था। अगर मंदिर था तो उसका कहीं न कहीं रिकॉर्ड होता। हिंदू पक्ष के पास ऐसा कोई रिकॉर्ड नहीं है कि मंदिर किस साल में और किसने बनवाया था। ये इस बात का सबूत है कि वहां कभी मंदिर था ही नहीं। बाबरनामा और बाकी जिन किताबों में भी हिंदू पक्ष जिक्र होने की बात कर रहा है, उसे समझना कोर्ट का काम है। ये बात सच है कि संभल पृथ्वीराज चौहान की राजधानी रहा है, लेकिन ये सबूत नहीं है। इस मामले में मुकदमा दायर हो चुका है। हमारे पास पुख्ता सबूत मौजूद हैं। वे आगे कहते हैं, 'आजादी के बाद से इस तरह का कोई दावा कभी अदालत में पेश नहीं किया गया। आजादी से पहले 1877 और 1879 में जरूर कुछ वाद दायर किए गए थे। वो खारिज हुए और फैसला जामा मस्जिद के हक में था। हमारे पास जजमेंट की कॉपी भी है।' संभल की जामा मस्जिद के संरक्षण का जिम्मा एएसआई के पास है। फिर इंतजामिया कमेटी का क्या रोल है? इसके जवाब में जफर अली कहते हैं, 'जामा मस्जिद की ये प्रॉपर्टी एएसआई के तहत आती है। ये 250 सीरियल नंबर पर दर्ज है। ये बहुत बाद की बात है। जामा मस्जिद इंतजामिया कमेटी तो 550 साल से यहां काम कर रही है। जब से मस्जिद अस्तित्व में आई है, तब से पब्लिक ये कमेटी बनाती आई है। इसका कोई रजिस्ट्रेशन नहीं कराया गया है। बस इतना तय हो जाता है कि कौन व्यक्ति मेंटेनेंस देखेगा। यही परंपरा चली आ रही है। हमसे एएसआई ने ये कभी नहीं पूछा कि हम इसका मैनेजमेंट क्यों देख रहे हैं, बल्कि वो दीवारें, दरवाजे और खिड़की की मरम्मत कराने को कह जाते हैं।' एएसआई किसी भी साल नियमित सर्वे करती है। इसके लिए हमें कभी कोई नोटिस नहीं दिया जाता। न हीं उनकी कभी कोई रिपोर्ट ही सामने आई। उन्होंने कभी भी कमेटी या उसके काम पर आपत्ति नहीं जताई है। जफर बताते हैं, 'दो महीने पहले एएसआई की टीम मस्जिद आई थी। टीम के लोग अपना परिचय ठीक से नहीं दे सके। सेवकों ने कहा कि जफर अली इस मस्जिद के सदर (प्रधान) हैं। वही अधिवक्ता भी हैं। उनसे बात कर लें। टीम को मेरा नंबर भी दिया, लेकिन उन्होंने मुझसे कोई कॉन्टैक्ट नहीं किया, बल्कि वे डीएम और एसपी के पास पहुंच गए। टीम ने पुलिस की मदद ली। उन्होंने ही हमें इन्फॉर्म किया। हम उनके साथ सर्वे कराने अंदर गए, लेकिन हमें किसी तरह की कभी कोई रिपोर्ट नहीं दी।

जफर अपनी बात खत्म करते हुए कहते हैं, 'जामा मस्जिद पर हरिहर मंदिर होने का दावा बहुत पुराना है, लेकिन इसे कभी किसी ने साबित नहीं किया। किसी ने ये अफवाह उड़ाई और लोगों ने इसे सच्चाई मान लिया।'

इस मामले में एएसआई की ओर से पेश हो रहे वकील विष्णु शर्मा बताते हैं, '19 नवंबर को मंदिर के दावे को लेकर एक याचिका दायर हुई। इसमें यूनियन ऑफ इंडिया, संस्कृति मंत्रालय, एएसआई के महानिदेशक, एएसआई (मेरठ सर्किल) के अधीक्षक, राज्य सरकार और जामा मस्जिद इंतजामिया कमेटी को पार्टी बनाया गया।

'मैं भारत सरकार, संस्कृति मंत्रालय और एएसआई को रिप्रेजेंट कर रहा हूं। ये सभी केंद्र के अंदर आते हैं। मुझे नोटिस मिला तो मैं भी अदालत में पहुंचा। जब मुकदमा शुरू हुआ, तब राज्य और केंद्र सरकार, जो इस मामले में पार्टी हैं, उन्हें धारा 80 का नोटिस जारी किया गया। मैंने एएसआई के अधिकारियों को सूचना दे दी है। हमें 29 नवंबर को अपना जवाब पेश करना है। वहीं अधिवक्ता कमिश्नर रमेश चंद राघव सर्वे रिपोर्ट जमा करवाएंगे।'

जल्दबाजी में सर्वे कराने को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं। इस पर विष्णु कहते हैं, 'ये मुकदमा सिविल प्रक्रिया संहिता के तहत आता है। इसमें सभी पार्टियों को नोटिस जारी होता है। अधिवक्ता कमिश्नर या अमीन कमिश्नर की एप्लिकेशन पर उसी दिन कार्रवाई होती है। उसी दिन ऑर्डर निकलता है। इसीलिए उसी दिन सर्वे हो सकता है। यही कानूनी प्रक्रिया है।'

मंदिर के दावों को लेकर ऑफिशियल डॉक्यूमेंट भी खंगाले। 1908 और 1911 का गैजेट में ही एक जैसी बातें लिखी हैं। इससे पता चलता है कि मस्जिद और मंदिर को लेकर ये विवाद बहुत पुराना है। इस डॉक्यूमेंट में लिखा है कि संभल में भगवान विष्णु का मंदिर है, लेकिन ये कौन सी जगह रहा होगा, इसका जिक्र कहीं नहीं किया गया है। हालांकि इस मंदिर के पास एक मस्जिद होने की बात लिखी गई है।

इतिहासकार थॉमस कार्ले ने 1874 में इस मस्जिद का दौरा किया था। उनके मुताबिक, मस्जिद का गुंबद स्टोन से बना है। ऐसा लगता है कि इसे हिंदू नक्काशकारों ने बनाया है। जबकि इसमें मुसलमानों की बनाईं ईंटों का भी इस्तेमाल हुआ है। उस दौर में भी हिंदू और मुस्लिम पक्ष के बीच इसे लेकर कानूनी लड़ाई चल रही थी। सिविल कोर्ट में फैसला मुस्लिम पक्ष के हक में सुनाया गया। कोर्ट का मानना था कि मस्जिद में लिखा है कि बाबर ने 1526 में मस्जिद बनाने का आदेश दिया था। इसी का हवाला देते हुए हिंदू पक्ष ने याचिका दायर की थी। हालांकि संभल में बनी मस्जिद बाबर के समय से पहले की बनी लगती है। इसका आर्किटेक्चर बदायूं की मस्जिद और जौनपुर जैसी पठान इमारतों से मिलता-जुलता है। इसे बनाने में हिंदू नक्काशकार रहे होंगे।

हरिहर मंदिर को लेकर हिन्दू पक्ष का दावा

बाबरनामा' किताब के इस अंश का हवाला दिया

हिन्दू बेग कुचिन 932 हिजरी (एएच) में हुमायूं का सेवक था। 933 हिजरी में संभल में उसने एक हिंदू मंदिर को मस्जिद में बदल दिया था। यह बाबर के आदेश पर किया गया। मस्जिद पर आज भी मौजूद एक शिलालेख में इसकी याद दिलाई जाती है।

आइन-ए-अकबरी' किताब के इस अंश का हवाला दिया

संभल में हरि मंडल (विष्णु का मंदिर) नाम का एक मंदिर है, जो एक ब्राह्मण का है। जिसके वंशजों में से दसवां अवतार इसी जगह प्रकट होगा। ये एक प्राचीन जगह है, जो शेख फरीद-ए-शकर गंज के उत्तराधिकारी जमाल का विश्राम स्थल है।

हिंदू पक्ष ने याचिका में ये भी बताया

बाबर ने 1526 ईसवी में भारत पर आक्रमण किया। इस्लाम की ताकत दिखाने के लिए उसने कई हिंदू मंदिर नष्ट करा दिए थे। 1527-28 में बाबर के सेनापति हिरदु बेग ने श्री हरिहर मंदिर को आंशिक रूप से ध्वस्त कर दिया था। मुसलमानों ने मंदिर की इमारत पर कब्जा कर लिया और उसे मस्जिद के रूप में इस्तेमाल किया।

मुख्य हिंदू मंदिर की दीवारें पत्थर की बड़ी ईंटों से बनी लगती हैं, लेकिन मुस्लिमों ने दीवारों पर जो प्लास्टर लगाया है, उससे ये तथ्य छिप जाता है कि वो किस सामग्री से बनी हैं। हमें कई जगह प्लास्टर टूटा मिला, वहां कुछ जगहों पर पत्थर दिख रहे। वो पत्थर हटा दिए गए, जो हिंदू धर्म के निशान थे।

नाबालिग लड़की से महाराष्ट्र में रेप

किराए के मकान में ले जाकर दुष्कर्म किया, फिर नागपुर रेलवे स्टेशन पर छोड़कर भागा

दुर्ग, 25 नवंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ की नाबालिग लड़की से एक युवक ने महाराष्ट्र के नागपुर में रेप की वारदात को अंजाम दिया है। बताया जा रहा है कि दुष्कर्म के बाद नाबालिग को नागपुर रेलवे स्टेशन में छोड़कर भाग गया। मामला उतई थाना क्षेत्र का है।

मिली जानकारी के मुताबिक नागपुर रेलवे स्टेशन में नाबालिग लड़की जीआरपी (गवर्नमेंट रेलवे पुलिस) को लावारिस हालत में मिली। नाबालिग ने जीआरपी को अपनी आपबीती बताई। इसके बाद जीआरपी ने लड़की के परिजनों को मामले की जानकारी दी। दरअसल, नाबालिग लड़की 20 नवंबर को घरवालों को बिना कुछ बताए गायब हो गई थी। इसके बाद परिजनों ने उसकी सहेली, पड़ोसियों और रिश्तेदारों से पतासाजी की, लेकिन उसका कुछ पता नहीं चला। इसके बाद परिजनों ने 20 नवंबर को उतई थाने में गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई। नाबालिग लड़की लापता होने की शिकायत मिलते ही पुलिस एक्टिव हो गई। साइबर सेल की मदद से लगातार पतासाजी कर रही थी। इसी बीच पुलिस को 21 नवंबर को नागपुर जीआरपी से लड़की के बारे में जानकारी मिली। जीआरपी ने बताया कि लड़की लावरिस हालत में मिली है। नाबालिग लड़की को नागपुर चाइल्ड केयर में रखा गया है। पुलिस 21 नवंबर को ही नागपुर पहुंची, जहां से लड़की को सकुशल बरामद किया।

हेमंत कैबिनेट में कौन-कौन

5 मंत्री होंगे रिपीट, दो यादवों की लड़ाई में पासवान ने मारी बाजी

रांची, 25 नवंबर (एजेंसियां)। झारखंड की सत्ता में इंडिया ब्लॉक की शानदार जीत के साथ वापसी हुई है। 28 नवंबर को रांची के मोरहाबादी मैदान में जेएमएम नेता हेमंत सोरेन चौथी बार सीएम पद की शपथ लेंगे। उनके साथ 11 मंत्री भी शपथ लेंगे। इंडिया ने नए मंत्रिमंडल के लिए 5:1 का फार्मूला तय किया है। यानी 5 विधायक पर एक मंत्री। इस तरह जेएमएम से 6, कांग्रेस से 4 और आरजेडी से एक मंत्री शपथ लेंगे। इसमें से भास्कर को 7 नाम की जानकारी मिली हैं, जिनका मंत्री बनना लगभग तय है। इसमें जेएमएम कोटे से रामदास सोरेन, दीपक बिरुआ, मथुरा महतो, हफीजुल हसन, कांग्रेस कोटे से रामेश्वर उरांव, इरफान अंसारी और आरजेडी कोटे से देवघर विधायक सुरेश पासवान के नाम शामिल हैं। वहीं, बाकी बचे 4 नामों में जेएमएम से लुईस मरांडी और भवनाथपुर से जीते अनंत प्रताप देव का नाम सबसे आगे है। लुईस को मंत्री बनाकर हेमंत एक साथ महिला, आदिवासी, क्रिश्चियन और संथाल को साधेंगे। वहीं, मिथिलेश ठाकुर की हार के बाद फारवर्ड कोटे से अनंत प्रताप देव की किस्मत खुल सकती है। जबकि, कांग्रेस अपने कोटे से दीपिका पांडे सिंह या प्रदीप यादव में से किसी एक को मंत्री बनाया जा सकता है। इसके अलावा फारवर्ड कोटे से अनूप सिंह का नाम आगे चल रहा है। लोहरदगा से चुनाव जीते कांग्रेस के रामेश्वर उरांव का मंत्री बनना लगभग तय है। 2004 में उरांव पुलिस सर्विस से वीआरएस लेकर पॉलिटिक्स में आए थे। कांग्रेस के टिकट पर लोहरदगा लोकसभा सीट से जीते। केंद्र में मंत्री भी रहे। 2009 और 2014 के लोकसभा चुनाव में उन्हें बीजेपी के सुदर्शन भगत ने हरा दिया। 2019 में उरांव विधानसभा चुनाव जीत गए।

ट्रेन के टॉयलेट में बॉयफ्रेंड ने लगाई फांसी

भिलाई के युवक पर प्रेमिका बना रही थी शादी का दबाव, दोस्त को वॉइस नोट भी भेजा

भिलाई, 25 नवंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में एक युवक ने इंटरसिटी एक्सप्रेस के टॉयलेट में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। युवक का शव गोंदिया रेलवे स्टेशन से बरामद किया गया है।

मृतक के परिवार वालों ने आरोप लगाया है कि युवक की प्रेमिका उस पर शादी का दबाव बना रही थी। शादी नहीं करने पर युवक के खिलाफ झूठी एफआईआर कराने की धमकी भी दे रही थी।

इससे परेशान होकर युवक ने आत्मघाती कदम उठाया। मरने से पहले युवक ने अपने एक दोस्त के मोबाइल नोट पर वाइस नोट भी भेजा है। इसमें उसने अपनी प्रेमिका और उसके तीन दोस्तों पर सुसाइड के लिए उकसाने का आरोप लगाया है।

मामला भिलाई के आम्रपाली थाना इलाके का है। मृतक के मामा जगन्नाथ दलाई ने बताया कि उनका भांजा जगबंधू साहू उर्फ जग्गू (28 साल) एक लड़की से प्यार करता था। वो उसके साथ शादी करना चाहता था। दोनों चार साल से लिव इन में थे। इस दौरान लड़की के परिजनों ने उसकी शादी दूसरी जगह फिक्स कर दी।

इसके बाद लड़की जग्गू और अपने होने वाले पति दोनों से संपर्क में थी। जब ये बात जग्गू को पता चली तो उसने लड़की से संबंध तोड़ दिया। इसके बाद लड़की उससे शादी करने की जिद में अड़ गई।

लड़की जग्गू को ब्लैकमेल कर रही थी कि अगर उसने उससे शादी नहीं की तो वो उसकी जिंदगी खराब कर देगी। लड़की ने जग्गू के घर पर भी जाकर हंगामा किया था।

राजमहल में जेएमएम की जीत पर घुसपैठिया जिंदाबाद के नारे

सांसद निशिकांत दुबे ने शेयर किया वीडियो, कहा-कब जागोगे

रांची, 25 नवंबर (एजेंसियां)। झारखंड में इंडिया ब्लॉक के सत्ता में शानदार वापसी और राजमहल में जेएमएम की जीत पर घुसपैठिया जिंदाबाद के नारे लगे। सोमवार को इसका वीडियो गोड्डा सांसद निशिकांत दुबे ने शेयर किया। वहीं, देवघर के मधुपुर में जेएमएम कार्यकर्ताओं ने कथित तौर पर भाजपा नेता के घर पर हमला कर दिया। इसके बाद मामला गर्म हो गया है। निशिकांत दुबे ने अपने X हैंडल पर वीडियो शेयर करते हुए लिखा-कब जाओगे हिंदुओं। सांसद ने मधुपुर की घटना पर कहा-मदनकट्टा में भाजपा कार्यकर्ताओं संजय गुप्ता पर झामुमो समर्थकों का हमला दुर्भावनापूर्ण है। हम मुक़ाबला करेंगे, देवघर ज़िला प्रशासन दोषियों पर कार्रवाई करे। चुनाव के हार जीत को हिंदू मुस्लिम नहीं बनाया जाए। साहिबगंज जिले के राजमहल विधानसभा में भाजपा की करारी हार हुई है। वहां से जेएमएम के एमटी राजा विधायक चुने गए हैं। निशिकांत दुबे ने जो वीडियो जारी किया है, उसमें युवक एमटी राजा जिंदाबाद, घुसपैठिया जिंदाबाद के नारे लगाते दिख रहे हैं। भाजपा ने चुनाव प्रचार के दौरान इस इलाके को कथित तौर पर घुसपैठिया करार दिया था। मधुपुर के मदनकट्टा में भाजपा कार्यकर्ता के घर पर कथित तौर पर हमले को लेकर निशिकांत दुबे ने जेएमएम पर बड़ा आरोप लगाया है। उन्होंने अपने X हैंडल पर लिखा है कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन मधुपुर के मदनकट्टा में भाजपा कार्यकर्ताओं संजय गुप्ता पर झामुमो समर्थकों का हमला दुर्भावनापूर्ण है। हम मुक़ाबला करेंगे, देवघर ज़िला प्रशासन दोषियों पर कार्रवाई करे। चुनाव के हार जीत को हिंदू मुस्लिम नहीं बनाया जाए। वहीं, घटना को लेकर मधुपुर के भाजपा प्रत्याशी और स्थानीय नेता गंगा नारायण सिंह ने कहा कि 24 नवंबर को जश्न मनाने के दौरान झामुमो कार्यकर्ताओं ने भाजपा कार्यकर्ता संजय गुप्ता के घर पर हंगामा किया, यह निंदनीय है। उन्होंने नवनिर्वाचित विधायक हफीजुल हसन और उनके कार्यकर्ताओं पर आरोप लगाया है। गंगा नारायण सिंह ने कहा-झामुमो के कार्यकर्ताओं ने भाजपा कार्यकर्ता संजय गुप्ता के घर पर हमला किया और उनके घर पर लगे भाजपा के झंडे को तोड़ने का प्रयास किया गया।

माओवादियों ने दो को धारदार हथियार से काटा

चाईबासा, 25 नवंबर (एजेंसियां)। पश्चिमी सिंहभूम जिले के अति उग्रवाद प्रभावित गुदड़ी प्रखंड के गीरू गांव में बीती रात माओवादियों द्वारा दो व्यक्तियों की हत्या का मामला सामने आया है। वहीं, दो लोगों के अपहरण किए जाने की भी खबर है। माओवादियों ने धारदार हथियार व कुल्हाड़ी का इस्तेमाल कर उनकी निर्मम हत्या की है। मृतकों में एक का नाम रवि पान है। एसपी आशुतोष शेखर ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि पुलिस की एक टीम को घटनास्थल की ओर भेजा गया है। नेटवर्किंग नहीं होने के कारण अभी तक टीम संपर्क नहीं कर पा रही है। टीम के लौटने के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो पाएगी। एसपी के अनुसार, घटना के पीछे प्रतिबंधित नक्सली संगठन के होने का संदेह है। इलाके में पुलिस ने सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया है। वहीं, घटना के बाद स्थानीय ग्रामीणों में डर का माहौल है। लोगों ने सरकार और प्रशासन से सुरक्षा की मांग की है। पुलिस ने लोगों को भरोसा दिलाया है कि दोषियों को जल्द ही गिरफ्तार कर कड़ी सजा दी जाएगी। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, मृतक दोनों पीएलएफआई के समर्थक बताया जाता है। इसमें बालू का अवैध कारोबार कर रहा था।

युवक को दौड़ा-दौड़ाकर लाठी-डंडे से पीटे

रायपुर में जान बचाने इलेक्ट्रॉनिक शोरूम में घुसा वहां भी मारपीट, महिलाएं-बुजुर्ग डरकर अंदर भागे

रायपुर, 25 नवंबर (एजेंसियां)। रायपुर में चार-पांच लड़कों के गुट ने एक युवक को दौड़ा-दौड़ाकर पीटा है। युवक पर ईंट फेंककर भी हमला किए हैं। इस दौरान जब युवक जान बचाने नेशनल हाइवे किनारे नरेश इलेक्ट्रॉनिक शोरूम में घुसा तो आरोपी वहां भी घुस गए। युवक से बांस के डंडे से जमकर मारपीट की। मामला राजेंद्र नगर थाना क्षेत्र का है। मिली जानकारी के मुताबिक वारदात रविवार रात पौने 9 बजे की है। इस दौरान वहां पर हंगामा की स्थिति बनी रही। बदमाशों की गुंडागर्दी और मारपीट का वीडियो भी सामने आया है, जो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में दिख रहा है कि चार-पांच लड़कों ने एक युवक का पीछा कर उसे घेर लिया। सभी के हाथ में बांस के डंडे और ईंट थे। वे लगातार युवक पर वार करने की कोशिश कर रहे थे। इस दौरान उनके बीच गाली-गलौज होने पर शोरूम के अंदर मौजूद स्टाफ भी बाहर आ गया। इसी बीच आरोपियों ने युवक के सिर पर ईंट फेंककर हमला कर दिया। इसके बाद उन्होंने युवक को डंडे से पीटना शुरू कर दिया। युवक ने खुद को बचाने के लिए डंडों को अपने हाथ में पकड़ रहा था, लेकिन वह वार करते रहे। इस दौरान कुछ देर तक मारपीट करने के बाद युवक जान बचाने के लिए शोरूम में घुस गया। आरोपी भी शोरूम में घुस गए। उन्होंने शोरूम के अंदर भी युवक की लाठी-डंडों से पिटाई की। शोरूम के अंदर महिलाएं और बुजुर्ग भी मौजूद थे, जो इलेक्ट्रॉनिक सामान खरीदने आए थे। जब उन्होंने यह नजारा देखा तो वे डर गए और अंदर की ओर भागे। कुछ देर बाद स्टाफ ने बीच-बचाव कर मारपीट को शांत कराया। घटना के बाद आरोपी लड़के मौके से फरार हो गए। हालांकि कि इस मामले में राजेन्द्र नगर पुलिस की कार्रवाई की सूचना नहीं है।

सड़क हादसे में घायल रामविचार बोले- गिरकर उठना ही जिंदगी

रायपुर, 25 नवंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के कृषि मंत्री रामविचार नेताम सड़क हादसे में घायल हो गए थे। इस वक्त उनका रायपुर के पचपेड़ी नगर स्थित एक निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। नेताम से मिलने वालों का आना अस्पताल में लगा हुआ है। फिलहाल राम विचार नेताम खतरे से बाहर हैं। उनके सिर और हाथ में चोट आई है। कार में सवार उनके साथ ड्राइवर और सुरक्षाकर्मी भी चोटिल हुए थे। उनकी स्थिति सामान्य है। सोमवार शाम तक रामविचार नेताम अस्पताल की छुट्टी अस्पताल से छुट्टी हो सकती है।

लिव-इन में रह रही महिला को मार डाला

प्रेमी बोला-उसके दूसरे युवकों से भी थे अवैध संबंध, पिता भी 6 महीने से लापता

सूरजपुर, 25 नवंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के सूरजपुर में लिव-इन-रिलेशनशिप में रह रही महिला की उसके प्रेमी ने हत्या कर दी। शव को सोनगरा जंगल में दफना दिया। अब 11 महीने बाद लापता पंडो जनजाति महिला का कंकाल बरामद हुआ है। घटना प्रतापपुर थाना क्षेत्र के खड़गवां चौकी की है। बताया जा रहा है कि, अवैध संबंध के शक में प्रेमी ने उसकी हत्या की थी। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं, महिला का पिता भी पिछले 6 महीने से लापता है। जिसका कोई सुराग नहीं मिला है। पंडो समाज ने 3 दिन पहले एसपी से मामले में शिकायत की है। जिसके बाद पुलिस सक्रिय हुई। जानकारी के मुताबिक, झिंगादोहर गांव निवासी सीमा पंडो (35) 21 जनवरी 2024 से लापता थी। सीमा पंडो के पिता सोहरलाल पंडो ने गुमशुदगी की रिपार्ट दर्ज कराई थी। सीमा पंडो साल 2017 से चंद्रिका राजवाड़े के साथ लिव-इन में रह रही थी।

पुलिस की जांच में पता चला कि, सीमा पंडो की पहली शादी के बच्चे भी हैं। वो पति को छोड़कर मायके में रहने लगी थी। चंद्रिका राजवाड़े से प्रेम होने के बाद वो लिव-इन-रिलेशनशिप में उसके साथ रहने लगी।

कुल्हाड़ी से एटीएम तोड़ा

कैश चुराने पहुंचा था बदमाश, असफल होने पर भाग निकला, सीसीटीवी के जरिए पहचान में जुटी पुलिस

बिलासपुर, 25 नवंबर (एजेंसियां)। बिलासपुर में एक नकाबपोश बदमाश कुल्हाड़ी लेकर पैसे निकालने एटीएम पहुंच गया। वो कुल्हाड़ी से एटीएम के कैश बॉक्स को तोड़कर पैसे निकालने की कोशिश करता रहा। जब एटीएम तोड़ने के बाद भी पैसे नहीं निकले तो वो भाग गया। घटना का सीसीटीवी वीडियो भी सामने आया है। घटना सरकंडा थाना क्षेत्र की है। दरअसल, लालखदान निवासी सांतेश मिश्रा हिताची पेमेंट सर्विस में फील्ड ऑफिसर हैं। उसकी कंपनी बैंक ऑफ इंडिया के एटीएम की देखरेख करती है। शनिवार की सुबह सफाई कर्मचारी सरकंडा के मोपका स्थित एटीएम बूथ की सफाई करने पहुंचा। इस दौरान वहां मशीन टूटा मिला। कर्मचारी ने तत्काल इस घटना की जानकारी फील्ड ऑफिसर को दी। जिस पर फील्ड ऑफिसर भी वहां पहुंच गए। जिसके बाद उन्होंने सरकंडा थाने में शिकायत की। उनकी रिपोर्ट पर पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। बैंक प्रबंधन और एटीएम की देखरेख करने वाली संस्थाएं सुरक्षा को लेकर लापरवाही बरत रहे हैं। आमतौर पर एटीएम के साथ ही बैंकों में सायरन लगे रहते हैं। जिससे, वहां किसी तरह की चोरी या फिर तोड़फोड़ और आगजनी जैसी घटना हो तो तत्काल सायरन ऑटोमैटिक बजने लगता है। लेकिन, एटीएम तोड़ने की इस घटना की जानकारी बैंक को नहीं हुई। ऐसे में सुरक्षा को लेकर खामियां सामने आई है। फील्ड ऑफिसर सांतेश मिश्रा ने जब बूथ में लगे सीसीटीवी फुटेज देखा। तब पता चला कि गुरुवार की रात करीब एक बजे नकाबपोश युवक कुल्हाड़ी लेकर एटीएम में तोड़फोड़ करते दिख रहा है। इस दौरान बदमाश ने एटीएम का शटर भी बंद कर दिया था। फिर एटीएम के कैश बाक्स को तोड़ने का असफल प्रयास किया। पैसे नहीं निकलने पर वो भाग गया।

इस घटना के बाद पुलिस सीसीटीवी वीडियो के जरिए नकाबपोश युवक की पहचान करने का प्रयास कर रही है।

सीजीपीएससी घोटाला टामन-श्रवण की बढ़ी मुश्किलें

रायपुर, 25 नवंबर (एजेंसियां)। सीजीपीएससी घोटाला मामले में पूर्व अध्यक्ष टामन सिंह सोनवानी और श्रवण कुमार गोयल को सीबीआई ने सोमवार को रायपुर के स्पेशल कोर्ट में पेश किया। सुनवाई के बाद सीबीआई की स्पेशल कोर्ट ने दोनों आरोपियों को 14 दिन की न्यायिक रिमांड जेल भेज दिया है। दोनों आरोपियों को रायपुर की सेन्ट्रल जेल में रखा जाएगा। सीबीआई ने दोनों आरोपियों को 18 नवंबर को गिरफ्तार किया था। 19 नवंबर को स्पेशल कोर्ट में पेश किया, जिसके बाद दोनों 7 दिन की न्यायिक रिमांड पर थे।

स्वास्थ्य सहिया की गला रेतकर हत्या

घटना के वक्त अकेली थी घर में, कमरे में सामान बिखरा मिला

पलामू, 25 नवंबर (एजेंसियां)। पलामू में एक स्वास्थ्य सहिया की हत्या कर दी गई है। घटना को रविवार की देर रात तरहसी थाना क्षेत्र अंतर्गत कसमार पंचायत के पारपाइन गांव की है। अपराधियों ने अनूप कुमार की पत्नी अंजू देवी (32) की हत्या सब्जी काटने वाले पहसुल से गला काटकर की है। कमरे में सामान बिखरा मिला है। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है। घटना के समय घर पर कोई नहीं था। स्थानीय ग्रामीणों के मुताबिक, स्वास्थ्य सहिया अंजू देवी पूरे परिवार के साथ रांची में रहती थी। कभी-कभी ड्यूटी करने के लिए तरहसी आ जाती थी। दो दिन पहले वह अपने गांव पारपाइन आई थी। घर में अकेले ही थी। उसके पति और दो बच्चे रांची में ही थे। बच्चों की उम्र 8 और 10 साल है। पति मजदूरी करते हैं। रात में अंजू के घर का दरवाजा खुला देख उसकी गोतनी घर के अंदर गई तो उसका शव पड़ा देखा। इसके बाद पूरे गांव को घटना की जानकारी हुई। इसके बाद हत्या की सूचना ग्रामीणों ने पुलिस को दी।

पुलिस अंजू की गोतनी को पूछताछ के लिए थाना ले गई है। शव पड़े कमरे को सील कर रात में पुलिस वापस लौट गई थी। सुबह जांच के लिए पुलिस फिर से गांव पहुंचीं।

महिला का जहां शव पड़ा हुआ था, वहां पास में ही पहसुल भी था। कमरे में खून पसरा हुआ था। ग्रामीणों के अनुसार, महिला के कमरे में सामान बिखरे पड़े थे। इससे अंदाजा लगाया जा रहा था कि महिला ने अपराधियों से बचने के लिए प्रतिरोध किया होगा। पुलिस महिला के फोन कॉल का डिटेल खंगाल रही है।

रूस-यूक्रेन और इजरायल-गाजा संघर्ष पर विदेश मंत्री चिंतित

बोले– विवादों का समाधान युद्ध नहीं

रोम, 25 नवंबर (एजेंसियां)। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने एक बार फिर रूस-यूक्रेन और इजरायल-गाजा संघर्ष को लेकर चिंता जाहिर की। इटली के रोम में मेड मेडिटेरेनियन डायलॉग कॉन्फ्रेंस में कहा कि इस वक्त दुनिया में दो बड़े संघर्ष चल रहे हैं। लगातार बढ़ रहे संघर्ष से चिंताएं बढ़ रही हैं। मगर इस युग में विवादों का समाधान युद्ध से संभव नहीं हो सकता। इसलिए हमको संवाद और कूटनीति की ओर लौटना होगा। विदेश मंत्री ने कहा कि मैं आज दुनिया भर में चल रहे संघर्षों पर बात करूंगा। उन्होंने कहा कि हम सभी मानते हैं कि दुनिया गंभीर तनाव का सामना कर रही है। दो बड़े संघर्ष चल रहे हैं। आपूर्ति श्रृंखला असुरक्षित है, कनेक्टिविटी विशेष रूप से समुद्री मार्ग बाधित हैं। जलवायु परिवर्तन हो रहा है। इसे पहले कोविड महामारी ने गहरे घाव छोड़े हैं। उन्होंने कहा कि यहां अब तक जो कुछ हुआ है और जो भी होने वाला उसे देखते

हुए मध्य पूर्व की स्थिति बेहद चिंताजनक है। एस जयशंकर ने कहा कि भारत आतंकवाद और बंधक बनाने की निंदा करता है। सैन्य अभियानों में बड़े पैमाने पर नागरिकों की मौत अस्वीकार्य है। अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। इसलिए, हम सभी को युद्ध विराम का समर्थन करना चाहिए। जरूरी है कि फलस्तीन लोगों के भविष्य को लेकर पहल की जाए। भारत हमेशा से दोनों देशों के बीच समाधान कराने का पक्षधर रहा है। मगर बढ़ते संघर्ष से हमारी चिंताएं भी बढ़ रही हैं। उन्होंने कहा कि हम लगातार उच्चतम स्तर पर संयम बरतने और संचार को बढ़ाने के लिए इजरायल और ईरान दोनों के संपर्क में हैं। वहीं लेबनान में अदन की खाड़ी और उत्तरी अरब सागर में यूनिफिल के हिस्से के रूप में इटली की तरह ही भारतीय दल शामिल है। हमने वाणिज्यिक शिपिंग की सुरक्षा के लिए, पिछले साल से भारतीय नौसैनिक जहाज तैनात किए हैं। विभिन्न पक्षों को शामिल करने की हमारी क्षमता को देखते हुए हम हमेशा किसी भी अंतरराष्ट्रीय कूटनीतिक प्रयास में सार्थक योगदान देने के लिए तैयार हैं। विदेश मंत्री ने कहा कि रूस-यूक्रेन संघर्ष को रोकना भी हमारे लिए जरूरी है। लगातार तीन साल से जारी इस संघर्ष से भूमध्य सागर सहित कई क्षेत्रों में गंभीर अस्थिरता पैदा हो सकती है। इसलिए स्पष्ट है कि युद्ध के मैदान से कोई समाधान नहीं निकलने वाला है। भारत का मानना है कि इस युग में विवादों का समाधान युद्ध से नहीं हो सकता। हमें संवाद और कूटनीति की ओर लौटना होगा, यह जितनी जल्दी हो सके उतना अच्छा है।

इस्कॉन के चिन्मय प्रभु पर कार्रवाई

मीडिया रिपोर्ट में दावा- ढाका एयरपोर्ट पर हिरासत में लिए गए

ढाका, 25 नवंबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार के विरोध में प्रदर्शन करने पर इस्कॉन के चिन्मय कृष्ण दास प्रभु पर कार्रवाई की गई है। बांग्लादेश मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक चिन्मय कृष्ण दास प्रभु को ढाका एयरपोर्ट पर पुलिस ने हिरासत में लिया है। वह सोमवार को ढाका से चटगांव जाने के लिए हजरत शाहजलाल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचे थे। उनसे पूछताछ की जा रही है। चिन्मय प्रभु ने बांग्लादेश में हिंदुओं पर हुए अत्याचारों के विरोध में कई रैलियां की हैं। इन रैलियों में उन्होंने लगातार अंतरिम सरकार के खिलाफ हमला बोला है। चिन्मय प्रभु बांग्लादेश में सनातन जागरण मंच के प्रवक्ता के रूप में भी काम कर रहे हैं।

30 अक्तूबर को बांग्लादेश में राष्ट्रीय ध्वज का अपमान करने के आरोप में देशद्रोह अधिनियम के तहत चिन्मय कृष्ण दास प्रभु समेत 19 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था।

हेमंत की शपथ का राहुल, ममता और तेजस्वी को न्योता

28 नवंबर को चौथी बार झारखंड सीएम की लेंगे शपथ, जेएमएम बोला– ऐतिहासिक होगा कार्यकाल

रांची, 25 नवंबर (एजेंसियां)। 28 नवंबर की सुबह 11.30 बजे झारखंड की नई सरकार शपथ लेगी। इसकी तैयारी तेज कर दी गई है। हेमंत सोरेन के चौथे शपथ ग्रहण समारोह में इंडिया ब्लॉक के सभी बड़े नेता शामिल होंगे।

जेएमएम प्रवक्ता मनोज पांडेय ने कहा- राहुल गांधी, ममता बनर्जी, तेजस्वी यादव, दीपंकर भट्टाचार्य सहित बड़े नेताओं के शामिल होने की उम्मीद है। सबको न्योता दिया गया है।

समारोह रांची के मोरहाबादी मैदान में होगा। खबर है कि हेमंत सोरेन के साथ 10 से 11 मंत्री शपथ ले सकते हैं। इंडिया ने नए मंत्रिमंडल के लिए 5:1 का फार्मूला तय किया है। यानी 5 विधायक पर एक मंत्री। इस तरह जेएमएम से 6, कांग्रेस से 4 और आरजेडी से एक मंत्री शपथ लेंगे।

हमारा एजेंडा क्लियर है: जेएमएम

जेएमएम नेता मनोज पांडे ने कहा, झारखंड की जनता ने ऐतिहासिक जनादेश दिया है, कार्यकाल भी ऐतिहासिक होगा। हमारे अपने एजेंडे और मुद्दे हैं। झारखंडी अस्मिता से जुड़े विषयों को लेकर सरकार आगे बढ़ेगी। हमें उम्मीद है कि केंद्र हमारा सहयोग करेगी, लेकिन अगर यह तानाशाही सरकार हमारे पैसे देने में आनाकानी करेगी तो पार्टी अपने स्तर पर विचार करके आंदोलनात्मक कार्रवाई करेगी।

पहली बार रिपीट हुई है सरकार

राज्य बनने के बाद पहली बार सरकार रिपीट हुई है। अब तक यह होता था कि जो सरकार सत्ता में होती थी उसकी वापसी नहीं होती थी।

23 नवंबर को आए चुनावी नतीजे में 81 सीटों में झामुमो गठबंधन ने 56 सीटों पर जीत दर्ज की है। यह आंकड़ा 41 के बहुमत से 15 सीट ज्यादा है।

रांची डीसी ने मोरहाबादी मैदान का लिया जायजा

सोमवार को रांची डीसी वरुण रंजन ने शपथ ग्रहण स्थल का जायजा लिया। शपथ ग्रहण समारोह में झारखंड के दूर-दराज क्षेत्रों से काफी संख्या में लोगों के शामिल होने की संभावना है। कार्यक्रम में अतिथि/विशिष्ट व्यक्तियों के अलावा सीनियर प्रशासनिक पदाधिकारियों के आने की संभावना है।

इमरान समर्थक हजारों प्रोटेस्टर गिरफ्तार

इस्लामाबाद में रैली के लिए जा रहे, 60 फॉरेन लोकेशन से मिल रहा समर्थन

इस्लामाबाद, 25 नवंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान में इमरान खान की रिहाई के लिए प्रोटेस्ट कर रहे प्रदर्शनकारियों का काफिला राजधानी इस्लामाबाद की ओर बढ़ रहा है। रविवार 24 नवंबर को इमरान खान की अपील पर प्रदर्शन शुरू हुआ था। इमरान ने इस प्रोटेस्ट को 'फाइनल कॉल' नाम दिया है। प्रदर्शन रोकने के लिए पुलिस ने 4 हजार से ज्यादा इमरान समर्थकों को गिरफ्तार कर लिया है। इनमें 5 सांसद भी शामिल हैं।

इस बीच पाकिस्तान में चल रहे प्रोटेस्ट को दुनियाभर से समर्थन मिल रहा है। दुनिया के 60 से ज्यादा शहरों में पीटीआई समर्थक इमरान खान की रिहाई के लिए मांग कर रहे हैं। पीटीआई ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर कनाडा, अमेरिका, ब्रिटेन के कई शहरों से प्रदर्शन की तस्वीरें साझा की हैं। आज पाकिस्तान में बेलारूस के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर लुकाशेंको के दौरे को देखते हुए

शहबाज शरीफ सरकार ने पहले से ही सुरक्षा इंतजाम पुख्ता कर रखे हैं। राजधानी इस्लामाबाद आने वाली मुख्य सड़कों को कंटेनर के जरिए 23 नवंबर को ही बंद कर दिया गया था। हजारों पुलिस कर्मियों को भी तैनात किया गया है। कई इलाकों में मोबाइल और इंटरनेट सेवाएं सस्पेंड कर दी गई हैं। इमरान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) और समर्थक 3 मांगों को लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं। पहली मांग है कि इमरान खान और पीटीआई कार्यकर्ताओं की जल्द रिहाई की जाए। इसके अलावा 2024 में हुए चुनाव के नतीजों को मानना और पाकिस्तानी संसद में पास अदालतों की ताकत कम करने वाले 26वें संविधान संशोधन एक्ट को वापस लेना। इमरान खान ने खुद इस विरोध प्रदर्शन के लिए अपील की थी। उन्होंने पीटीआई कार्यकर्ताओं से 24 नवंबर को विरोध प्रदर्शन में शामिल होने या पार्टी छोड़ने के लिए कहा था। इमरान ने इस प्रदर्शन को फाइनल कॉल नाम दिया है। इमरान खान पर 100 से ज्यादा मामले चल रहे हैं। इस्लामाबाद की स्थानीय कोर्ट ने उन्हें 5 अगस्त, 2023 को तोशाखाना के केस में दोषी करार दिया था।

इसके बाद उन्हें इस्लामाबाद के जमान पार्क स्थित उनके घर से गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया था। बाद में उन्हें 2 और मामलों में दोषी करार दिया गया था। अंग्रेजी अखबार डॉन के मुताबिक, अगर इमरान जेल से बाहर आते हैं तो, वे पाकिस्तान में दोबारा चुनाव की मांग को उठाएंगे। इस साल हुए आम चुनाव में इमरान की तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी आधिकारिक तौर पर हिस्सा नहीं ले पाई थी।

ऑक्सीजन नहीं मिलने से प्रसूता और जुड़वा बच्चों की मौत

कोरबा, 25 नवंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के कोरबा में एंबुलेंस में ऑक्सीजन नहीं मिलने से प्रसूता और जुड़वा बच्चों की मौत हो गई। महिला आंगनबाड़ी कार्यकर्ता थी। मामला करतला थाना चेत्र के जोगीपाली गांव का है। बताया जा रहा है कि सोमवार सुबह महिला को प्रसव पीड़ा हुई। परिजनों ने महिला को करतला सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाने की तैयारी की, लेकिन इससे पहले ही महिला ने जुड़वा बच्चों को जन्म दिया। इसके बाद कांति राठिया (36) और बच्चों को निजी वाहन से करतला के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। करतला सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से जच्चा-बच्चा को जिला अस्पताल कोरबा रेफर कर दिया गया। पति बिहारी लाल राठिया के अनुसार स्वास्थ्य केंद्र से एंबुलेंस की सुविधा दी गई। सब कुछ सही था, तभी एकाएक महिला और उसके दोनों बच्चों की सेहत बिगड़ने लगी।

पाकिस्तान में शिया-सुन्नी समुदाय सीजफायर पर सहमत

7 दिन तक रहेगा संघर्ष विराम, हिंसा में 64 लोगों की जान गई

इस्लामाबाद, 25 नवंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में जारी संघर्ष के बीच 7 दिन के संघर्ष विराम पर सहमति बन गई है। सरकारी कोशिशों के बाद आपस में लड़ रही दोनों जनजातियां इसके लिए तैयार हो गईं। खैबर पख्तूनख्वा सरकार ने दोनों समुदायों के बीच विवाद को सुलझाने के लिए उच्च स्तरीय आयोग बनाने का फैसला किया है। खैबर पख्तूनख्वा सरकार के प्रवक्ता मुहम्मद अली सैफ ने बताया कि सरकार ने दोनों समुदायों के नेताओं से बात की है। जिसके बाद सात दिन के संघर्ष विराम और एक-दूसरे को शव और बंदी लौटाने पर सहमत बनी। पिछले हफ्ते इस संघर्ष की शुरुआत तब हुई जब खैबर पख्तूनख्वा के कुर्रम जिले में अलीजई (शिया) और बागान (सुन्नी) जनजाति के संघर्ष में पैसेंजर वैन काफिले पर फायरिंग की गई। ये सभी गाड़ियां एक काफिले में पाराचिनार से खैबर पख्तूनख्वा की राजधानी पेशावर जा रही थीं। दोनों समुदायों के बीच तीन दिन चली इस हिंसा में अब तक 64 से ज्यादा लोगों की जान चली गई है और सैकड़ों लोग घायल हुए हैं। हालांकि, कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में मरने वाली संख्या 100 से भी ज्यादा बताई जा रही है। पाकिस्तान में ज्यादातर आबादी सुन्नी मुस्लिम की है। अफगानिस्तान बॉर्डर के पास कुर्रम की 7.85 लाख की आबादी में से आधी आबादी शिया मुस्लिम की है। इस वजह से दोनों समुदायों के बीच सांप्रदायिक तनाव बना रहता है। शुक्रवार को भी हिंसा जिले के उन इलाकों में ज्यादा हुई, जहां शिया और सुन्नी समुदाय के लोग आस-पास रहते हैं।

हिजबुल्लाह का इजराइल पर सबसे बड़ा हमला, 250 मिसाइलें दागीं

तेल अवीव के खुफिया ठिकानों पर निशाना, एक हफ्ते से जारी इजराइली हमले का जवाब

तेल अवीव, 25 नवंबर (एजेंसियां)। इजराइल और लेबनान के हिजबुल्लाह के बीच संघर्ष विराम की खबरों के बीच एक बार फिर तनाव बढ़ गया है। रविवार को हिजबुल्लाह ने इजराइल पर 250 से ज्यादा मिसाइलों और ड्रोन से हमला किया। ये 7 अक्टूबर 2023 के बाद से 13 माह में अब तक का सबसे बड़ा हमला है।

इतना ही नहीं हिजबुल्लाह ने पहली बार इजराइली राजधानी तेल अवीव में इजराइली खुफिया ठिकानों को भी निशाना बनाया। इजराइली पुलिस के मुताबिक तेल अवीव के पूर्वी हिस्से पेटा टिकवा में हमले हुए हैं। इसमें कई लोगों को मामूली चोटें आई हैं। हिजबुल्लाह की तरफ से कहा गया है कि उसने तेल अवीव और आसपास के दो सैन्य ठिकानों पर मिसाइलें लॉन्च की थी।

दरअसल, हिजबुल्लाह का यह हमला लेबनान की राजधानी

बेरूत में पिछले एक सप्ताह से जारी इजराइली हमलों का जवाब है। इन हमलों में हिजबुल्लाह के प्रवक्ता मोहम्मद अफीफ सहित 63 से ज्यादा लोग मारे गए हैं। शनिवार को बेरूत में हुए इजराइली हमले में 29 लेबनानी मारे गए और 65 से ज्यादा लोग घायल हुए थे। हिजबुल्लाह का हमला इतना भयानक था कि इजराइली टैंकों और सैनिकों दक्षिणी लेबनान के एक-बयादा क्षेत्र में एक रणनीतिक पहाड़ी से पीछे हटने को मजबूर होना पड़ा। हिजबुल्लाह ने कई टैंक रोधी मिसाइलों से भी हमला किया था।

हिजबुल्लाह ने हाइफा शहर के पास इजराइली मिलिट्री बेस को भी निशाना बनाया। हिजबुल्लाह ने कहा कि उसने हाइफा के उत्तर में स्थित ज्वलुन मिलिट्री इंडस्ट्रीज बेस को भी मिसाइल से निशाना बनाया गया। हिजबुल्लाह ने दावा किया है कि उसने पहली बार दक्षिणी इजराइल में अशदोद नौसैनिक बेस पर ड्रोन के जरिए हमला किया। ईरान ने भी इजराइल पर हमले की धमकी दी है। जॉर्डन की राजधानी अम्मान में इजराइली दूतावास के पास रविवार को तड़के गोलीबारी में एक व्यक्ति की गोली मारकर हत्या कर दी गई और 3 पुलिसकर्मी घायल हो गए। घटना अम्मान के रबीह इलाके की है जहां एक गश्ती दल पर गोलीबारी की गई। इसके बाद सुरक्षा बलों ने हमलावर को घेर लिया। तभी व्यक्ति ने सुरक्षा बलों पर गोलियां चलानी शुरू कर दीं, जिसके बाद सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में अपराधी मारा गया। तीनों घायल पुलिसकर्मियों का इलाज चल रहा है। इजराइली सेना ने गाजा सिटी के शुजायेया इलाके को खाली करने का आदेश दिया है इस आदेश के चलते सैकड़ों फिलिस्तीनी भाग रहे हैं।

भारतीय-अमेरिकियों ने हिंदुओं को निशाना बनाए जाने के विरोध में निकाली रैली

कहा- हमने देखा कैसे मंदिर

वॉशिंगटन, 25 नवंबर (एजेंसियां)। कनाडा और बांग्लादेश में लगातार हिंदुओं को निशाना बनाया जा रहा है। कभी मंदिरों तो कभी उनके घरों को नुकसान पहुंचाया जा रहा। इस बीच, सिलिकॉन वैली में भारतीय अमेरिकियों ने हिंदुओं के प्रति अपनी एकजुटता दिखाने के लिए रैली निकाली। मिलपिटास सिटी हॉल में बड़ी संख्या में भारतीय अमेरिकियों को संबोधित करते हुए प्रमुख सामुदायिक नेताओं ने हिंदू अल्पसंख्यकों पर हो रहे हमलों के बारे में बात की। साथ ही अमेरिकी नेताओं से मानवाधिकार उल्लंघनों की निंदा करने और कनाडा तथा बांग्लादेश की सरकारों को उनकी हिंदू अल्पसंख्यक आबादी की सुरक्षा के लिए जवाबदेह ठहराने का आग्रह किया। खाड़ी क्षेत्र दो लाख से अधिक भारतीय अमेरिकियों का घर है।

रायकोट के युवक की मनीला में मौत

वीडियो कॉल पर देखी मौसी के बेटे की शादी, 7 साल पहले गया था विदेश

जालंधर, 25 नवंबर (एजेंसियां)। रायकोट के गांव बुर्ज नलकिया के रहने वाले एक युवक की मनीला मौत हो गई। मृतक की पहचान 26 साल के गुरप्रीत सिंह के रूप में हुई है। युवक 2017 में विदेश गया था।

मृतक युवक गुरप्रीत सिंह के पिता जगरूप सिंह ने बताया कि उनका इकलौता ही बेटा था। जो अपनी जिंदगी को सेटल करने के लिए 2017 में मनीला चला गया था।

वहां जाने के कुछ समय बाद ही उसने अपना फाइनेंस का काम शुरू किया था। उन्होंने बताया कि कुछ दिन पहले ही उसकी मौसी के बेटे की अमृतसर में शादी थी। जिसको उसके बेटे ने वीडियो कॉल से करीब 5 लाइव रह कर देखा था, लेकिन उसके बाद जब शाम को उसे फोन किया गया तो उसने फोन नहीं उठाया।

इसके बाद दो दिनों तक वह उसे फोन करते रहे, लेकिन जब उसने फोन नहीं उठाया तो उन्होंने आसपास रहने वाले लोगों को फोन कर उसका हाल चाल जानने की कोशिश की गई। पड़ोसियों ने जब उसके कमरे को खोल कर देखा तो उन्होंने बताया कि गुरप्रीत सिंह मृतक हालात में पड़ा था। गुरप्रीत सिंह की मौत कैसे हुई, इस संबंध में कुछ पता नहीं चल सका। घटना की जानकारी मिलते ही मनीला पुलिस मौके पर पहुंची और पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

उन्होंने बताया कि गुरप्रीत सिंह की खेल में काफी रुचि थी। उसने जूडो- कराटे में कई मैडल भी जीते थे। उन्होंने बताया कि उनके बेटे ने राष्ट्रीय स्तरीय प्रतियोगिताओं में भाग लिया है। जिसके चलते उसे एयरफोर्स में भी नौकरी मिल रही थी। लेकिन वह शुरू से ही विदेश में जाकर सेटल होना चाहता था। इसी के चलते वह मनीला जाकर काम करने लगा।

उन्होंने बताया कि जब पिछले दिनों उनकी बेटे से बात हुई थी, तो उस ने कहा था कि वह नए साल में जरूर गांव आएगा। उसने 2017 के बाद पहली बार भारत अपने घर लौटना था।

भारत ने 300 अरब डॉलर का क्लाइमेट पैकेज खारिज किया

कोप29 में कहा- इतने से विकासशील देशों की जरूरतें पूरी नहीं होंगी, ये नजरों का धोखा

बाकू, 25 नवंबर (एजेंसियां)। भारत ने अजरबैजान की राजधानी बाकू में 29वीं कॉन्फ्रेंस ऑफ पार्टीज (कोप29) के दौरान विकासशील देशों की मदद के लिए बनाए गए 300 अरब डॉलर के क्लाइमेट फाइनेंस पैकेज को खारिज कर दिया। भारत ने इस रकम को विकासशील देशों की जरूरतों के मुकाबले काफी कम बताया। भारतीय डेलिगेशन की तरफ से चांदनी रैना ने कहा, हम इससे काफी निराश हैं, ये साफ तौर दिखाता है कि विकसित देश अपनी जिम्मेदारियों को पूरा करने के इच्छुक नहीं है। हमें यह कहते हुए खेद है कि यह दस्तावेज महज नजरों का धोखा है। रविवार को कोप29 में विकासशील देशों को 2035 तक हर साल 300 बिलियन डॉलर देने पर सहमति बनी है। इसका मकसद विकासशील देशों को फॉसिल फ्यूल में कमी करने करने के लिए बढ़ावा देना, क्लाइमेट चेंज से निपटने के लिए तैयार करना और इससे होने वाले नुकसान को दूर करने में मदद करना है।

चांदनी रैना ने बैठक के समापन सत्र में कहा कि हमारी राय में, यह पैकेज हम सभी के सामने आने वाली बड़ी चुनौती से नहीं निपट पाएगा। हम इसे अपनाने का विरोध करते हैं। 300 अरब डॉलर का पैकेज विकासशील देशों की जरूरतों को पूरा नहीं कर सकता।

उन्होंने कहा- विकासशील देश जलवायु परिवर्तन से सबसे अधिक प्रभावित हो रहे हैं, लेकिन उन पर ही दबाव बनाया जा रहा है कि वो अपना डेवलपमेंट धीमा करके कम कार्बन उत्सर्जन करें। विकासशील देशों को विकसित देशों द्वारा बनाए गए एकतरफा कार्बन बॉर्डर एडजस्टमेंट मैकेनिज्म से भी जूझना पड़ रहा है। इस मुद्दे पर नाइजीरिया, मलावी और बोलीविया ने भी भारत का समर्थन किया। नाइजीरिया ने तो इसे एक मजाक बताया।

विकासशील देश पिछले तीन बैठक से हर साल 1.3 ट्रिलियन डॉलर की मांग कर रहे हैं। साल 2009 में पिछड़े देशों की मदद के लिए 100 अरब डॉलर का टारगेट तय किया गया था, जिसे अब बढ़ाकर 300 अरब डॉलर कर दिया गया।

सरकार बनाने के चार महीने के अंदर ही घिर गई लेबर पार्टी

लंदन, 25 नवंबर (एजेंसियां)। अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति चुनाव जीतने के बाद दुनियाभर में उथल-पुथल का दौर जारी है। जर्मनी में सरकार गिरने के बाद अब ब्रिटेन में भी सरकार पर खतरा पैदा होता दिख रहा है। दरअसल, यहां एक ऑनलाइन पिटिशन में लोगों ने फिर से चुनाव कराने की मांग की है। चौंकाने वाली बात यह है कि इस पिटीशन को 17 लाख लोगों ने समर्थन दिया है। इतना ही नहीं, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स के मालिक एलन मस्क ने भी इस पिटीशन की सफलता को लेकर एक संदेश को रिपोस्ट किया है। किसी कानून या नीति में बदलाव की मांग की जाती है तो सरकार इस पर 10 हजार साइन-अप के बाद अधिकारत प्रतिक्रिया देती है।

राष्ट्रपति बनते ही पहले आदेश में एलजीबीटीक्यू समुदाय को झटका दे सकते हैं ट्रंप

सैन्यकर्मियों पर हो सकता है फैसला

वॉशिंगटन, 25 नवंबर (एजेंसियां)। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने देश में रहने वाले एलजीबीटीक्यू आईए+ समुदाय की चिंताएं बढ़ा दी हैं। एक रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि ट्रंप एक ऐसा कार्यकारी आदेश लाने की तैयारी कर रहे हैं, जिससे अमेरिका की सेना में सेवा दे रहे सभी ट्रांसजेंडर्स को हटाया जा सकेगा। अधिकारियों के मुताबिक, अगर यह आदेश आता है तो सभी ट्रांसजेंडर्स को मेडिकली डिस्चार्ज कर दिया जाएगा यानी वे सेना में सेवा देने के लिए अनफिट करार हो जाएंगे।

द संडे टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, 78 वर्षीय ट्रंप ने अपने पिछले कार्यकाल के दौरान भी ऐसा ही आदेश जारी किया था। तब उनके आदेश के तहत सेना में

ट्रांसजेंडर्स की भर्ती को रोक दिया गया था। हालांकि, पहले से ही सेवा दे रहे ट्रांसजेंडर्स को अपना काम जारी रखने की इजाजत थी। हालांकि, इस बार सेना में मौजूदा समय में सेवा दे रहे ट्रांसजेंडर्स को भी हटाने की तैयारी कर रहे हैं।

रिपोर्ट में यह भी दावा किया जा रहा है कि ट्रंप की तरफ से यह कार्यकारी आदेश, उनके 20 जनवरी 2025 को राष्ट्रपति पद संभालने के दिन ही आ सकता है। मौजूदा समय में अमेरिकी सेना में 15,000 ट्रांसजेंडर्स सेवा दे रहे हैं। बताया गया है कि ट्रंप के पिछले कार्यकाल के बाद जब जो बाइडन ने नियम पलटे थे, तब पाया गया था कि 2200 सैन्य कर्मियों को यह लगता है कि उन्हें पैदा होने के दौरान जो लिंग मिला था, वह उससे अलग लैंगिक पहचान रखते हैं।

डोनाल्ड ट्रंप लंबे समय से ट्रांसजेंडर समुदाय के सेना में शामिल किए जाने का विरोध करते रहे हैं। अपने पहले कार्यकाल के दौरान ट्रंप ने कहा था कि वह इस बारे में बच्चों के सामने नस्लीय सिद्धांत या किसी तरह के लैंगिक-राजनीतिक सामग्री को आगे बढ़ाने वाले स्कूलों की आर्थिक मदद रोक देंगे। इतना ही नहीं ट्रंप खेलों से भी ट्रांसजेंडर्स एथलीट्स को बाहर रखने पर मुखर रहे हैं।

रक्षा मंत्री पद के लिए डोनाल्ड ट्रंप की पसंद पीट हेगसेथ को भी ट्रांसजेंडर्स को लेकर कड़े रुख के लिए जाना जाता है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, हेगसेथ एक मौके पर तर्क दे चुके हैं कि अमेरिकी सेना में महिलाओं और ट्रांसजेंडर्स की भर्ती की वजह से अमेरिकी सुरक्षा का स्तर कमजोर हो रहा है।

इसके अलावा अमेरिका के नवनिर्वाचित उपराष्ट्रपति जेडी वैंस भी ट्रांसजेंडर्स को लेकर ऐसा ही रुख रखते हैं। इस महीने की शुरुआत में उन्होंने कहा था कि कुछ श्वेत बच्चों को ट्रांस बनने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है, ताकि वह अच्छे कॉलेज में एडमिशन पा सकें।

अजमेर के विकास के लिए मिले हैं 1500 करोड़

वासुदेव देवनानी बोले - योजनाबद्ध होंगे काम

अजमेर, 25 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि अजमेर का सतत एवं सुनियोजित विकास किया जा रहा है। राज्य बजट में अजमेर को 1500 करोड़ रुपए मिले हैं। अजमेर प्रदेश के अग्रणी शहरों की कतार में होगा। विधानसभा अध्यक्ष देवनानी ने वार्ड संख्या 65 सिविल लाइंस अजमेर हॉस्पिटल वाली गली तथा वार्ड 72 में चिराना हाउस गली में सड़क व नाली निर्माण कार्यों का उद्घाटन किया।

पर्यटन को मिलेगा बढ़ावा

अजयसर में लेपर्ड सफारी विकसित की जाएगी। चामुण्डा माता मन्दिर तक रोपे वे बनाया जाएगा। म्यूजियम बनने से पर्यटन में वृद्धि होगी।

रोडवेज बस स्टेण्ड भी 40 करोड़ की लागत से नया बनाया जाएगा। ड्रेनेज सिस्टम को अपग्रेड करेंगे। फॉयसागर के केचमेण्ट एरीया की सुरक्षा के लिए 5 करोड़ की राशि से दीवार बनाई जानी है। इस मौके पर महेन्द्र जादम, राजेश शर्मा, पार्षद नौरत गुर्जर, रचित कच्छावा सहित कई अन्य मौजूद रहे।

आरआईटी से मिलेगी युवाओं को दिशा

देवनानी ने कहा कि भारतीय तकनीकी संस्थान की तर्ज पर आरआईटी के लिए महिला इंजीनियरिंग कॉलेज का चुनाव किया गया है। आयुर्वेद विश्वविद्यालय के लिए भूमि आवंटन की प्रक्रिया जारी है। वर्तमान टीबी अस्पताल भवन में सुपर स्पेशियलिटी ब्लॉक बनाया जाएगा। कोटड़ा में भी सैटेलाईट चिकित्सालय की आधारशिला रखी जा चुकी है।

संकल्प पत्र के 70 प्रतिशत से अधिक कार्य शुरू

देवनानी ने कहा कि विधानसभा चुनाव के समय जारी संकल्प पत्र के 70 प्रतिशत से अधिक कार्य आरम्भ हो गए है। अजमेर उत्तर को जलापूर्ति के मामले में टेल एण्ड से फ्रंट एण्ड बनाने के प्रयास किए जाएंगे। 270 करोड़ की राशि से तीन रिजर्वायर बनाए जाएंगे। फॉयसागर का पानी पेयजल के लिए उपलब्ध हुआ।

प्रस्तावित इण्टेक वेल से अजमेर को 7 टीएमसी तक पानी उपलब्ध होगा। ईआरसीपी परियोजना से फॉयसागर को जोड़ने से हमेशा पानी भरा रहेगा।

महाराणा प्रताप के वंशजों में टकराव के बीच विश्वराज सिंह का खून से राजतिलक; 21 तोपों की दी सलामी

चित्तौड़गढ़, 25 नवंबर (एजेंसियां)। महाराणा प्रताप के वंशजों में टकराव के बीच उदयपुर के पूर्व राज परिवार के सदस्य विश्वराज सिंह मेवाड़ का सोमवार को चित्तौड़गढ़ में पगड़ी दस्तूर हुआ। चत्तौड़ दुर्ग के फतेह प्रकाश महल में सुबह 10 बजे से विश्वराज सिंह मेवाड़ को गद्दी पर बैठाने की परंपरा निभाई गई। इस मौके पर विश्वराज का खून से राजतिलक किया गया। साथ ही उन्हें 21 तोपों की सलामी दी गई। विश्वराज एकलिंग नाथजी के 77वें दीवान होंगे।

बता दें कि पूर्व राजपरिवार के सदस्य और पूर्व सांसद महेंद्र सिंह मेवाड़ के निधन के बाद अब उनके बेटे विश्वराज सिंह मेवाड़ के उत्तराधिकारी के तौर पर पगड़ी दस्तूर किया गया। विश्वराज वर्तमान में नाथद्वारा से विधायक भी हैं। फतेह प्रकाश महल में राजतिलक कार्यक्रम सुबह 10 बजे शुरू हुआ, जो करीब 3 घंटे तक चला।

विश्वराज सिंह मेवाड़ के स्वागत में पूरे रास्ते में फूल बिछाए गए। विभिन्न राजघरानों से आए लोगों ने उन्हें शुभकामनाएं दी। पगड़ी दस्तूर के बाद उदयपुर लौटकर सिटी पैलेस स्थित धूणी स्थल और इसके बाद कैलाशपुरी स्थित एकलिंगनाथ मंदिर में दर्शन के लिए जाना प्रस्तावित है।

1531 के बाद पहली बार चित्तौडगढ़ दुर्ग में तिलक कार्यक्रम

गौरतब है कि चित्तौडगढ़ दुर्ग पर आखिरी बार 1531 में महाराणा सांगा के बेटे तत्कालीन महाराणा विक्रमादित्य का तिलक हुआ था। उनका तिलक चित्तौडगढ़ में आखिरी तिलक माना जाता है। सन 1559 में उदयपुर की स्थापना और 1668 में मेवाड़ की राजधानी बनाने के बाद रस्म उदयपुर में होने लगी। इसके बाद पहला मौका है, जिसमें कार्यक्रम चित्तौड़गढ़ में हुआ।

10 नवम्बर को हुआ था महेंद्रसिंह का निधन

गौरतलब है कि पूर्व राजपरिवार के सदस्य महेंद्रसिंह मेवाड़ का निधन 10 नवंबर को हुआ था। वे 40 साल तक पूर्व राजपरिवार के वरिष्ठ सदस्य की जिम्मेदारी संभाल रहे थे। पूर्व महाराणा भगवत सिंह मेवाड़ के निधन के बाद ज्येष्ठ पुत्र के रूप में महेंद्र सिंह का 19 नवम्बर 1984 को सिटी पैलेस उदयपुर में तिलक कार्यक्रम हुआ था।

पगड़ी दस्तूर के बाद विश्वराज सिंह मेवाड़ उदयपुर लौटकर सिटी पैलेस स्थित धूणी स्थल और इसके बाद कैलाशपुरी स्थित एकलिंगनाथ मंदिर में दर्शन के लिए जाना प्रस्तावित है।

महाराष्ट्र में हार के बाद राजस्थान में गरमाई सियासत

कांग्रेस नेता ने अपनी ही पार्टी के विधायक पर लगाया गंभीर आरोप

जालोर, 25 नवंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के चुवासी परिणाम महायुति के पक्ष में गए और कांग्रेस को करारी हार का सामना करना पड़ा। मूल रूप से जालोर जिले के भालनी निवासी और इस बार कांग्रेस के कोलाबा सीट पर पराजित प्रत्याशी हीरा देवासी ने एक वीडियो जारी कर कांग्रेस से वर्तमान में रानीवाड़ा विधायक रतन देवासी पर गंभीर आरोप लगाए। ऐसे में साफ है कि राजस्थान में सियासत गरम है।

6.59 मिनट के वीडियो में हीरा देवासी ने हार का जिम्मेदार रतन देवासी को ठहराते हुए समाज के लोगों को डायवर्ट करने का आरोप लगाया। हीरा देवासी ने कहा कि टिकट मिलने के बाद रतन देवासी ने उन्हें फोन कर सहयोग का आश्वासन दिया और जनसमर्थन हासिल करने में सहयोग की बात कही। लेकिन, चुनाव के दौरान ऐसा नहीं किया और 15 दिन तक मुंबई में रहने के बावजूद मुम्बादेवी में आमीन खां के यहां रुके। यही नहीं सहयोग दिलवाने की बजाय सहयोगियों को किनारे करते गए। इस मामले में पत्रिका ने रानीवाड़ा विधायक रतन देवासी से संपर्क किया, लेकिन उन्होंने पक्ष रखने से इनकार किया।

समाज के लोगों को सहयोग से रोकने का आरोप

हीरा देवासी का आरोप है कि सहयोग तो दूर की बात है, जो सहयोग की भावना भी रखते थे, बकायदा रतन देवासी ने उन्हें व्यक्तिगत फोन करके सहयोग नहीं करने की बात कही। उखड़े हीरा देवासी ने रतन देवासी को चुनौती दी कि अब चुनाव लडने पर वे खुलेआम रतन देवासी का विरोध करेंगे।

चुनाव में हार जीत लो लगी रहती है। लेकिन जब अपने ही लोग असहयोग करते हैं तो दुख होता है। टिकट मिला तो रतन देवासी ने फोन करके मुझे टिकट मिलने के लिए सकारात्मक प्रयास करने की पोस्ट डलवाई और चुनाव के दौरान मुंबई पहुंचने के दौरान समाज के लोगों को फोन करके नकारात्मक माहौल बनाया।

खींवसर उपचुनाव में पत्नी की हार पर हनुमान बेनीवाल का छलका दर्द, कांग्रेस पर लगाए बड़े आरोप

नागौर, 25 नवंबर (एजेंसियां)। नागौर जिले की खींवसर विधानसभा बनने के बाद लगातार 16 साल से जीत दर्ज कर रहे आरएलपी सुप्रीमो हनुमान बेनीवाल इस बार भाजपा के चक्रव्यूह में फंस गए। भाजपा ने यहां 13,901 वोट से जीत दर्ज कर आरएलपी का गढ़ कहे जाने वाले खींवसर को फतेह कर लिया। चार विधानसभा चुनाव एवं दो लोकसभा चुनाव जीतने के बाद मिली हार को लेकर हनुमान बेनीवाल ने कहा कि वे जनता के लिए संघर्ष जारी रखेंगे।

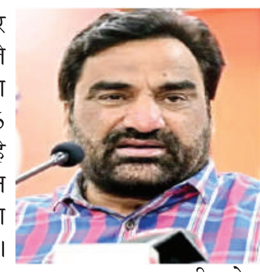

आरएलपी को हराने के लिए सारे विरोधी एक हो गए। भाजपा-कांग्रेस ने मिलकर हमारे खिलाफ चुनाव लड़ा। भाजपा ने धन-बल व सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग किया। जातीय जहर घोला। हम हार के भी जीते हैं। हमारा वोट बैंक बढ़ा है, आरएलपी को पहली बार इतने वोट मिले।

खींवसर में हमेशा त्रिकोणीय या चतुष्कोणीय मुकाबला रहता है, लेकिन इस बार कांग्रेस ने अपने वोट भाजपा को दिलवाए। कांग्रेस खुद ही भाजपा के साथ हो गई। कांग्रेस नेता भाजपा के लिए वोट मांग रहे थे।

लोकतंत्र में जनता का जनादेश सर्वोपरि है, चुनाव में हार-जीत दो पहलू हैं। वर्ष 2008 से खींवसर विधानसभा की जनता का आशीर्वाद लगातार मुझे और राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी को मिलता रहा है।

लॉरेंस बिश्नोई के नाम से धमकी

कहा 50 लाख रुपए तैयार कर, अन्यथा गोली मार देंगे

जयपुर, 25 नवंबर (एजेंसियां)। गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के नाम से 50 लाख रुपए की रंगदारी मांगने का मामला सामने आया है। मामला भरतपुर का है। जहां पर आरोपी ने विवेक शर्मा को फोन कॉल और धमकी भरे मैसेज भेजे थे। जिसमें उन्हें चेतावनी दी गई थी कि अगर पैसे नहीं दिए गए तो जान से मार दिया जाएगा। इस मामले को लेकर विवेक शर्मा ने कोतवाली पुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई, जिसके बाद पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

विवेक शर्मा शहर के कोतवाली थाना क्षेत्र के कुम्हेर गेट के निवासी हैं। उन्होंने बताया कि 15 नवंबर को उन्हें एक अज्ञात नंबर से कॉल आया था। कॉल करने वाले व्यक्ति ने खुद को लॉरेंस बिश्नोई का सदस्य बताते हुए 50 लाख रुपए की रंगदारी मांगी। विवेक शर्मा ने फोन को काट दिया, लेकिन इसके बाद उन्हें एक धमकी भरा मैसेज आया। जिसमें लिखा था कि आगे के मैसेज बिश्नोई ग्रुप से मिलेंगे। फिर 23 नवंबर को शाम के समय एक और धमकी भरा मैसेज आया, जिसमें लिखा था कि 50 लाख रुपए तैयार रखना, अगले दिन फिर कॉल करेंगे और अगर पैसे नहीं दिए तो गोली मार दी जाएगी। इसके साथ ही मैसेज में "लॉरेंस बिश्नोई गिरोह, जय श्री राम" लिखा था।

इस धमकी से परेशान विवेक शर्मा ने तुरंत पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तुरंत कार्रवाई शुरू की और जांच के लिए एक टीम गठित की। पुलिस अधीक्षक मृदुल कच्छावा ने कहा कि मामले में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है और जांच की जा रही है। कॉल और मैसेज भेजने वाले अज्ञात नंबरों की जांच तकनीकी सर्विलांस की मदद से की जा रही है। पुलिस ने उम्मीद जताई है कि जल्द ही आरोपियों का पता चल जाएगा और उन्हें गिरफ्तार किया जाएगा।

हालांकि, पुलिस का कहना है कि यह रंगदारी का तरीका लॉरेंस बिश्नोई के गिरोह से थोड़ा अलग है। लॉरेंस बिश्नोई के गिरोह के मामले में जब भी धमकी भरे कॉल आते हैं तो वे अक्सर विदेशी नंबरों से होते हैं। लेकिन विवेक शर्मा को जिस नंबर से कॉल और मैसेज किए गए, वह सामान्य भारतीय नंबर था। जो इस तरह की वारदात में असामान्य माना जा रहा है।

छात्रा से छेड़छाड़ व अपहरण की कोशिश

गाड़ी से भीम आर्मी के पूर्व जिला अध्यक्ष का आधार कार्ड बरामद

भरतपुर, 25 नवंबर (एजेंसियां)। भरतपुर के अटल बंद थाना क्षेत्र में एक 22 वर्षीय लॉ स्टूडेंट के साथ छेड़छाड़ और अपहरण की कोशिश का सनसनीखेज मामला सामने आया है। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि कॉलेज से घर लौटते समय दो अज्ञात लोगों ने उसे जबरन गाड़ी में बैठाने की कोशिश की। घटना की सूचना पर पुलिस ने नाकाबंदी कर आरोपियों की गाड़ी को जब्त कर लिया, लेकिन आरोपी मौके से फरार हो गए। गाड़ी की तलाशी में भीम आर्मी के पूर्व जिला अध्यक्ष प्रवीण कबीर का आधार कार्ड मिला है।

बिजलीघर चौराहे पर बस से उतरने के बाद वह ऑटो से अपनी कॉलोनी तक पहुंची। ऑटो से उतरकर जब वह घर की ओर बढ़ रही थी, तभी एक गाड़ी उसके पास आकर रुकी। गाड़ी में बैठे लोगों ने पुलिस का हूटर बजाकर उसे सड़क के किनारे रुकने पर मजबूर किया। गाड़ी में मौजूद दो अज्ञात व्यक्तियों ने उसे गालियां दीं और जबरन गाड़ी में बैठाने की कोशिश की। लड़की के शोर मचाने पर दोनों आरोपी गाड़ी लेकर भाग गए। इसके बाद पीड़िता ने तुरंत पुलिस को घटना की जानकारी दी और गाड़ी का नंबर भी बताया।

घटना की सूचना मिलते ही अटल बंद थाने की पुलिस ने इलाके में नाकाबंदी की। अगले ही दिन संदिग्ध गाड़ी दिखाई दी, लेकिन पुलिस को रोकते देख आरोपी गाड़ी छोड़कर भाग निकले। पुलिस ने गाड़ी को जब्त कर लिया और उसकी तलाशी ली।

गाड़ी के अंदर से भीम आर्मी के पूर्व जिला अध्यक्ष प्रवीण कबीर का आधार कार्ड बरामद हुआ। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं है कि प्रवीण कबीर घटना में शामिल थे या नहीं। अटल बंद थाने के एएसआई श्रवण कुमार ने बताया कि पीड़िता ने आरोपियों को पहचानने की बात कही है।

फिलहाल पुलिस फरार आरोपियों की तलाश में जुटी है और मामले की गहराई से जांच कर रही है। पंकज यादव, अंडर-ट्रेनिंग आईपीएस अधिकारी ने कहा कि इस घटना को बेहद गंभीरता से लिया जा रहा है। पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि गाड़ी और आधार कार्ड का इस घटना से क्या संबंध है।

यह घटना महिलाओं की सुरक्षा पर फिर से सवाल खड़े करती है। प्रशासन ने भरोसा दिलाया है कि दोषियों को जल्द ही गिरफ्तार कर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

थार गाड़ी की छत पर दूल्हे ने की फायरिंग

पुलिस ने शुरू की जांच; हथियार की वैधता पर सवाल

भरतपुर, 25 नवंबर (एजेंसियां)। भरतपुर जिले के चिकसाना थाना क्षेत्र से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। शादी के दौरान दूल्हे द्वारा थार गाड़ी की छत पर बैठकर फायरिंग करने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। घटना के बाद पुलिस ने तुरंत मामले का संज्ञान लिया और जांच शुरू कर दी है।

वीडियो से हुआ खुलासा

चिकसाना थाने के सब-इंस्पेक्टर कृष्णवीर ने बताया कि वायरल वीडियो लौधा नगला गांव का है। इसमें दूल्हा गौरव, जो डीग जिले के खेरिया पुरोहित गांव का रहने वाला है, थार गाड़ी की छत पर बैठकर बंदूक से हवाई फायरिंग करता नजर आ रहा है। वीडियो के सामने आते ही पुलिस ने तुरंत कार्रवाई की और लड़की पक्ष को थाने बुलाया गया।

लड़की पक्ष का बयान

पूछताछ में लड़की पक्ष ने दावा किया कि फायरिंग में इस्तेमाल की गई बंदूक लाइसेंसी है। हालांकि, पुलिस ने हथियार की वैधता की जांच के लिए एक टीम गौरव के गांव भेज दी है।

पुलिस की सख्ती

पुलिस ने स्पष्ट किया है कि यदि हथियार अवैध निकला, तो दूल्हे और संबंधित पक्षों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि शादी समारोहों में इस तरह की फायरिंग कानून का उल्लंघन है और इससे गंभीर दुर्घटनाएं हो सकती हैं।

समाज के लिए एक संदेश

यह घटना समाज में शादी समारोहों के दौरान हथियारों के प्रदर्शन और फायरिंग की खतरनाक प्रवृत्ति पर सवाल खड़ा करती है। पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि वे ऐसे कृत्यों से बचें और कानून-व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करें। इस मामले में जांच जारी है, और पुलिस आगे की कार्रवाई के लिए इंतजार कर रही है।

1.12 किलो अफीम के साथ युवक गिरफ्तार

सप्लाई देने की फिराक में पैदल ही घूम रहा था

हनुमानगढ़, 25 नवंबर (एजेंसियां)। हनुमानगढ़ जिले की नोहर थाना पुलिस ने 1 किलो 122 ग्राम अफीम के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया है। नोहर पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामले में आगे की जांच खुइंया थाना प्रभारी राजपाल को सौंपी गई है।

नोहर थानाधिकारी ईश्वरानंद शर्मा ने बताया कि जिला पुलिस अधीक्षक अरशद अली द्वारा अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत एनडीपीएस एक्ट में एक कार्रवाई को अंजाम दिया गया है। उन्होंने बताया कि गश्त के दौरान नोहर बायपास चक राजासर रोही क्षेत्र में पैदल आ रहे युवक की संदिग्ध गतिविधियों को देखते हुए पुलिस ने उसे रोककर उसकी तलाशी ली तो उसके पास से 1 किलो 122 ग्राम अफीम बरामद हुई। इसी के साथ युवक के पास से 730 रुपये नकद भी बरामद हुए हैं। पुलिस ने आरोपी युवक सुरेश बैरवा (29) पुत्र मदनलाल बैरवा को एनडीपीएस एक्ट के तहत गिरफ्तार किया है। अब मामले में आगे की जांच खुईयां थाना प्रभारी राजपाल के द्वारा की जा रही है।

गौरतलब है कि जिले में लगातार फैल रहे नशे के कारोबार को लेकर जिला पुलिस अधीक्षक अरशद अली के नेतृत्व में नशेड़ी लोगों को पकड़ने का अभियान जारी है।

कागज की पुड़िया में स्मैक बेच रही महिला गिरफ्तार

करौली, 25 नवंबर (एजेंसियां)। जिले की लांगरा थाना पुलिस ने स्मैक की पुड़िया बनाकर बेचने के आरोप में एक महिला को गिरफ्तार किया है। आरोपी महिला का पति भी स्मैक की तस्करी करता है और महिला अपने पति से स्मैक लेकर छोटी-छोटी कागज की पुड़िया बनाकर बिक्री करती है। पुलिस अब स्मैक की खरीद-फरोख्त को लेकर उससे पूछताछ कर रही है। थाना अधिकारी वासुदेव प्रसाद ने बताया कि 40 वर्षीय महिला आरोपी सुनीता पत्नी कल्लू उर्फ हरकेश मीणा की तलाश के लिए पुलिस करसई गांव पहुंची थी जहां महिला अपने पति से स्मैक लेकर कागज की छोटी पुड़िया बनाकर बिक्री करती है। महिला का करौली, कैला देवी, सपोटरा क्षेत्र में बिक्री का खासा नेटवर्क है। पुलिस उससे स्मैक की खरीद-बिक्री को लेकर पूछताछ कर रही है।

थाना अधिकारी ने बताया कि नशे के कारोबार पर लगाम कसने और क्षेत्र में अपराधियों की धरपकड़ के लिए एसपी बृजेश ज्योति उपाध्याय के निर्देशन में अभियान चलाया जा रहा है, जिसके तहत यह कार्रवाई की गई है।

शराब के नशे में बुजुर्ग ने पीट-पीटकर पत्नी को मार डाला, बेटे ने पिता के खिलाफ मामला दर्ज कराया

केकड़ी, 25 नवंबर (एजेंसियां)। जिले के सराना थाना क्षेत्र के किटाप गांव में एक बुजुर्ग दंपति के आपसी झगड़े में हुई मारपीट से पत्नी की मौत हो गई। पति के शराब पीकर आने की वजह से उनके बीच आए दिन झगड़े होते थे लेकिन शनिवार को झगड़ा इतना बढ़ गया कि वृद्ध पति शंभू भील ने लकड़ी से अपनी पत्नी शांति भील के साथ मारपीट की, जिससे उसकी मृत्यु हो गई।

टांटोती कस्बे के समीपवर्ती ग्राम किटाप में गत रात्रि हुई इस घटना से गांव में सनसनी फैल गई। ग्रामीणों ने कहा कि शराब के कारण एक बुजुर्ग महिला को जान से हाथ धोना पड़ गया और परिवार तबाह हो गया। घटना को लेकर दंपति के बेटे किशन ने सराना थाने में पिता के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कराया है।

थानाधिकारी विजय सिंह मीणा ने बताया कि मामले में मृतका शांति भील (62) के बेटे किशन ने रिपोर्ट दी है। रिपोर्ट के मुताबिक उसके पिता शंभू भील आए दिन शराब पीकर उसकी मां शांति से झगड़ा करता था। यहां तक कि अधिकांश बार नौबत मारपीट करने तक पहुंच जाती थी। गत रात भी उसके पिता ने शराब पीकर मां के साथ झगड़ा किया। नशे और गुस्से में उसके पिता शंभू ने एक लकड़ी से मां पर कई बार वार किए, जिससे उसकी मां की मौके पर ही मौत हो गई। बताया गया है कि घटना के समय आरोपी बहुत नशे में था।

सूचना पर सराना थाना पुलिस मौके पर पहुंची और पंचनामा कर मृतका के शव को कब्जे में लिया। बाद में पुलिस शव को टांटोती सीएचसी अस्पताल में ले गई जहां गठित मेडिकल बोर्ड द्वारा मृतका का पोस्टमार्टम किया गया। पोस्टमार्टम के बाद पुलिस ने शव को परिजनों को सुपुर्द कर दिया। पुलिस ने मृतका के बेटे किशन की रिपोर्ट पर पिता के खिलाफ का हत्या का मुकदमा दर्ज कर लिया है।

पोन्नम ने राजनीति में बीआरएस के दोहरे मानदंडों पर सवाल उठाए

हैदराबाद, 25 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। परिवहन और बीसी कल्याण मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने पूर्व मंत्री और बीआरएस विधायक हरीश राव पर निशाना साधा है और महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की हार पर उनकी प्रतिक्रिया पर सवाल उठाए हैं। सोमवार को हनमकोंडा जिले में हुजुराबाद कृषि बाजार समिति के नवनिर्वाचित शासी निकाय के शपथ ग्रहण समारोह में बोलते हुए पोन्नम ने भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) पर भाजपा के साथ गुप्त गठबंधन बनाए रखने का आरोप लगाया। टीआरएस ने खुद को बीआरएस के रूप में पुनः ब्रांड किया और महाराष्ट्र में सैकड़ों वाहन भेजे, फिर भी यह ठीक से चुनाव भी नहीं लड़ सका। हमने शुरू से ही कहा है- बीआरएस और भाजपा दिल्ली में सहयोगी हैं, लेकिन स्थानीय क्षेत्र में प्रतिद्वंद्वी की तरह व्यवहार करते हैं। यह महाराष्ट्र में फिर से साबित हुआ। यही कारण है कि बीआरएस संसदीय चुनावों में एक भी सीट नहीं जीत सका। उन्होंने हरीश राव की इस बात के लिए भी आलोचना की कि हाल ही में हुई बंपर फसल केवल कालेश्वरम परियोजना के कारण हुई है। पोन्नम ने कहा, कालेश्वरम परियोजना पर निर्भर न होते हुए भी, येल्लमपल्ली परियोजना से पानी के कुशल उपयोग और अनुकूल प्राकृतिक परिस्थितियों के कारण यह उपज हुई है। इस तरह के क्रेडिट दावे भ्रामक हैं। मंत्री ने किसानों की चिंताओं को दूर करने के लिए सरकार के प्रयासों पर भी प्रकाश डाला, जिसमें चावल मिल मालिकों को 20,000 करोड़ रुपये के बकाया भुगतान का भुगतान करने के निर्देश का उल्लेख किया गया। उन्होंने आश्वासन दिया कि धान खरीद के लिए विलंबित भुगतान का निपटारा किया जाएगा और पतले धान की किस्मों के लिए 500 रुपये का बोनस देने की राज्य की प्रतिबद्धता पर जोर दिया। राज्य सरकार ने किसानों के 2 लाख रुपये के ऋण माफ कर दिए हैं। उन्होंने आश्वासन दिया कि अगर कोई मामला अनसुलझा है तो कृषि अधिकारी उसका सत्यापन कर रहे हैं और हम सुनिश्चित करेंगे कि हर किसान को इसका लाभ मिले। शासन का जिक्र करते हुए पोन्नम ने कहा कि मंत्री और विधायक नागरिकों के लिए सुलभ हैं, जिससे पारदर्शी प्रशासन सुनिश्चित होता है। उन्होंने दावा किया कि खाली खजाना मिलने के बावजूद राज्य सरकार वित्तीय अनुशासन के जरिए अपने वादों को पूरा कर रही है। उन्होंने कहा, सिर्फ 11 महीनों में हमने अपनी कई प्रतिबद्धताओं को लागू किया है। भाजपा और बीआरएस पिछले एक दशक में ऐसे नतीजे हासिल करने में विफल रहे। लोगों को इस अंतर को पहचानना चाहिए।

छात्रा शैलजा ने निम्स अस्पताल में दम तोड़ा

आश्रम पाठशाला में मातम छा गया

कुमरमभीम आसिफाबाद, 25 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। वांकिडी ट्राइबल आश्रम हाई स्कूल की कक्षा 9 की छात्रा चौधरी शैलजा की सोमवार को फूड प्वाइजनिंग के कारण मौत हो गई। पिछले महीने की 30 तारीख को वांकिडी आश्रम में फूड प्वाइजनिंग के कारण एक साथ 30 और दो दिन के अंदर 64 छात्राएं बीमार पड़ गईं थी। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। इसमें शैलजा के साथ महालक्ष्मी भी हैं। जैसे ही ज्योतिका की हालत बिगड़ती गई, मंचेरियाला का इलाज एक निजी अस्पताल में किया गया और उसके स्वास्थ्य को नियंत्रित नहीं किया जा सका, इसलिए उसे हैदराबाद निम्स में स्थानांतरित कर दिया गया। महालक्ष्मी ज्योतिका की तबीयत बिगड़ गई और दोनों को छुट्टी दे दी गई, जबकि शैलजा ने पिछले 25 दिनों से मौत से लड़ने के बाद सोमवार दोपहर को आखिरी सांस ली।

सेब की कीमतों में गिरावट

एक दर्जन सेब की कीमत 180 रुपये

कश्मीर, हिमाचल से रोज आ रहे 20 ट्रक सेब

हैदराबाद, 25 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के लोगों के लिए एक सुखद आश्चर्य! इस मौसम में कश्मीर और हिमाचल प्रदेश से सेब की अच्छी आवक के कारण कीमतों में गिरावट आई है, जिससे यह समय आनंद लेने का सबसे अच्छा समय बन गया है। परिणामस्वरूप, अब बाजार में अच्छी गुणवत्ता वाले सेब की कीमत 18 रुपये है, जबकि एक दर्जन सेब की कीमत 180 रुपये है। सामान्य गुणवत्ता वाला फल लगभग 10 रुपये में बिकता है।

बटासिंगाराम मार्केट के सचिव एम श्रीनिवास ने बताया कि हर रोज कश्मीर और हिमाचल प्रदेश से सेब से लदे करीब 20 ट्रक यहां आते हैं। ये ट्रक मोजामजही मार्केट और बोवेनपल्ली मार्केट में भी आते हैं। अधिकारी ने कहा कि सेब की अच्छी उपलब्धता के कारण कीमतों में गिरावट आई है। जनवरी के अंत तक कीमतें आम आदमी की पहुंच में रहेंगी।

एक ट्रक में सेब की 600 से 1,000 पेटियां होती हैं और शहर में सेब

हिमाचल प्रदेश के शिमला, चंबा, कहौल-स्पीति, मंडी, किन्नौर और कुल्लू जिलों से आते हैं। कश्मीरी किस्म के सेब घाटी के सभी जिलों में उगाए जाते हैं और स्थानीय थोक व्यापारी उन्हें खरीदते हैं।

घाटी में कुल्लू डिलीशियस, किनोर, जॉन्थन, महाराजी, बालगरियाट्रेल, दोधी अम्बरी, चारी अम्बरी, वलयती अम्बरी और माह अम्बरी जैसी किस्में उगाई जाती हैं। हिमाचल प्रदेश में व्यापक रूप से उगाई जाने वाली और गुणवत्ता वाली सेब की किस्में रॉयल डिलीशियस, डार्क बैरन गाला, स्कार्लेट स्पर, रेड वेलॉक्स और गोल्डन डिलीशियस हैं।

व्यापारी बताते हैं कि फलों को बक्सों से छांटने के बाद ही मूल रूप से कीमत तय की जाती है। मोजमजही मार्केट के फल व्यापारी फारूक अहमद कहते हैं कि स्वाद, आकार और अन्य विशेषताओं के आधार पर सेबों की छंटाई की जाती है और उनकी कीमत तय की जाती है।

शहर में सेबों की आवक अगस्त के अंत से शुरू होती है जब हिमाचल प्रदेश से सेब शहर में लाया जाता है।

सिंचाई विभाग के सहायक अभियंता एसीबी के जाल में फंसे

हैदराबाद, 25 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। वोमकरम नरसिंग राव, सहायक अभियंता, उप कार्यकारी अभियंता का कार्यालय, सिंचाई उप-विभाग क्रमांक 2, पेदापल्ली को सोमवार को रंगे हाथों पकड़ा गया, जब उसने शिकायतकर्ता से 20,000 रुपये की रिश्वत मांगी और स्वीकार की, ताकि वह शिकायतकर्ता द्वारा निष्पादित किए गए अनुबंध कार्य से संबंधित एमबी रिकॉर्ड कर सके और भुगतान की मंजूरी के लिए उप ईई, सिंचाई, पेदापल्ली डिवीजन के माध्यम से कार्यकारी अभियंता, सिंचाई, पेदापल्ली को संबंधित फाइल के साथ अग्रेषित कर सके। एओ की निशानदेही पर उसके कब्जे से 20,000 रुपये की रिश्वत की रकम बरामद की गई और आरोपी वोमकरम नरसिंग राव को गिरफ्तार कर लिया गया और उसे करीमनगर के एसपीई एवं एसीबी मामलों के विशेष न्यायाधीश के समक्ष पेश किया गया।

आबादी के हिसाब से राजनीतिक क्षेत्र में प्रतिनिधित्व मिलना चाहिए : कृष्णैया

संसद और विधानसभाओं में पिछड़ा वर्ग ने 50 प्रतिशत आरक्षण की मांग की

हैदराबाद, 25 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। यहां रविंद्र भारती में पिछड़ा वर्ग की एक बैठक बड़े पैमाने पर आयोजित की गई। बैठक में मांग की गई कि संसद में पिछड़ा वर्ग के लिए 50 प्रतिशत आरक्षण दिया जाए, विधानसभाओं में पिछड़ा वर्ग के लिए 50 प्रतिशत आरक्षण दिया जाए, केंद्र में पिछड़ा वर्ग के लिए अलग मंत्रालय बनाया जाए, पिछड़ा वर्ग के कर्मचारियों को पदोन्नति में आरक्षण दिया जाए और निजी क्षेत्र में एससी/एसटी/बीसी के लिए आरक्षण दिया जाए। सम्मेलन की अध्यक्षता पिछड़ा वर्ग के नेता नंद गोपाल और नीला वेंकटेश ने की। बैठक का संचालन गुज्जा कृष्ण और उदय नेता ने किया। बैठक में सभी दलों के नेता शामिल हुए। इस अवसर पर बोलते हुए राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग कल्याण संघ के अध्यक्ष आर कृष्णैया ने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में सभी जातियों और समुदायों को उनकी आबादी के हिसाब से राजनीतिक क्षेत्र में प्रतिनिधित्व मिलना चाहिए।

लेकिन हमारे देश में पिछड़ा वर्ग को विधायिकाओं में आरक्षण न देकर इन जातियों को दबाया गया है, जिनकी आबादी 56 प्रतिशत है। उन्होंने कहा कि दुनिया के सभी वर्ग, जिनके साथ उत्पीड़न और भेदभाव हुआ है, उन्हें सभी क्षेत्रों में हिस्सेदारी दी गई है और अन्य विकसित समुदायों के बराबर विकास किया गया है। लेकिन हमारे देश में अभी भी उत्पीड़ित जातियों का शोषण किया जा रहा है और उनके विकास के लिए कदम नहीं उठाए जा रहे हैं। 76 साल बीत गए हैं और हिस्सेदारी नहीं दी जा रही है। पिछड़ी जातियां उत्पादक जातियां हैं। वे देश की संपत्ति का निर्माण कर रहे हैं। लेकिन संपत्ति, हिस्सा और मौका भोगने का कोई अधिकार नहीं है। कर देने वाले देश का बजट दिया जाता है। लेकिन बजट में कोई न्यूनतम हिस्सेदारी नहीं है। उन्होंने कहा कि यह एक लोकतांत्रिक देश है जिसमें सभी जातियों और समुदायों को उनकी आबादी के हिसाब से हिस्सेदारी मिलनी चाहिए।

सर्दी का कहर जारी

सिरपुर (यू) में तापमान 8.3 डिग्री सेल्सियस

कुमराम भीम आसिफाबाद/आदिलाबाद, 25 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कुमराम भीम आसिफाबाद और आदिलाबाद जिलों में सोमवार को पारा का स्तर और गिर गया। कुमराम भीम आसिफाबाद जिले के सिरपुर (यू) मंडल केंद्र का न्यूनतम तापमान 8.3 डिग्री सेल्सियस रहा, जबकि रविवार को यह 9.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। इसके बाद लिंगापुर मंडल मुख्यालय का स्थान रहा, जहां न्यूनतम तापमान 10.1 डिग्री सेल्सियस रहा।

केरामेरी, वानकिडी, आसिफाबाद, तिरयानी, रेबेना, केरामेरी, जैनूर, कागजनगर, तिरयानी और बेज्जुर मंडल में न्यूनतम तापमान 10.2 डिग्री सेल्सियस और 13.0 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा। इस बीच, आदिलाबाद के बेला मंडल केंद्र में न्यूनतम तापमान 9.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि बाजारहाथनूर और बोथ मंडल में न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। भीमपुर, जैनाद, बोथ, नेराडीगोंडा, आदिलाबाद ग्रामीण, मावला, तामसी, तलमदुगु, इंदरवेल्ली, गाडीगुडा सिरीकोंडा, आदिलाबाद शहरी और गुडीथनूर मंडल का न्यूनतम तापमान 10.1 डिग्री सेल्सियस और 13.0 डिग्री सेल्सियस के बीच था।

सड़क के बीच में जा गिरी मर्सिडीज

हैदराबाद, 25 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार की सुबह बंजारा हिल्स स्थित सिटी सेंटर शॉपिंग मॉल के पास एक कार अनियंत्रित होकर सड़क के बीच में जा घुसी। दुर्घटना में कोई हताहत नहीं हुआ। मर्सिडीज बेंज, जिसे एक महिला चला रही थी, कथित तौर पर उस समय नियंत्रण से बाहर हो गई, जब शराब के नशे में धुत चालक ने सड़क पर मोड़ लेते समय स्टीयरिंग व्हील पर नियंत्रण खो दिया।

ड्राइवर ने कार पर से नियंत्रण खो दिया और कार सड़क के बीच में जा गिरी। सौभाग्य से, वाहन में लगे एयरबैग तुरंत सक्रिय हो गए, जिससे कोई बड़ा नुकसान होने से बच गया। रास्ते से गुजर रहे वाहन चालकों ने रुककर महिला को बचाया, जो कथित तौर पर नशे में थी। कार का अगला हिस्सा दीवार से टकराकर हवा में लटक गया था। सूचना मिलने पर बंजारा पुलिस ने यातायात कर्मियों की मदद से क्रेन की मदद से कार को हटवाया। बंजारा पुलिस मामले की जांच कर रही है।

श्री छत्रपति शिवाजी मराठा मंडल का दशहरा दीपावली मिलन आयोजित

हैदराबाद, 25 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। श्री छत्रपति शिवाजी मराठा सांस्कृतिक ट्रस्ट व तेलंगाना मराठा मंडल के संयुक्त तत्वावधान में दशहरा दीपावली स्नेह सम्मेलन रंगारेड्डी जिला, काटेदान के जलपल्ली स्थित मराठा भवन में आयोजित किया गया।

मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए जीएचएमसी के एल.बी. नगर जोनल आयुक्त आईएएस अधिकारी हेमंत केशव पाटिल ने तेलंगाना में मराठी संस्कृति को बनाए रखने में तेलंगाना मराठा मंडल के प्रयासों की मुक्त कंठ से प्रशंसा की। उन्होंने अपनी ओर से मंडल को हर संभव सहयोग देने का आश्वासन दिया। केशव पाटिल ने महिलाओं के स्वास्थ्य व शिक्षा पर जोर देने का मंडल को सुझाव दिया। मराठा मंडल द्वारा डिवीजन स्तर पर आयोजित की गयीं गायन, लेखन, नृत्य व खेल स्पर्धा के विजेताओं, समाज के प्रतिभाशाली होनहार विद्यार्थियों तथा खिलाड़ियों को सम्मानित किया।

कार्यक्रम के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। मराठा मंडल के अध्यक्ष प्रकाश पाटिल ने मराठा मंडल द्वारा समाज को एकत्रित किए जाने के लिए पिछले दशकों से किए जा रहे प्रयासों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि मराठा समाज काफी जागरूक व एकजुट है। उन्होंने भविष्य में मराठा बंधुओं को दशहरा दीपावली महिलाओं के लिए शिक्षा व स्वास्थ्य के क्षेत्र में कार्ययोजना बनाने की जानकारी देते हुए कहा कि समाज के जरूरतमंद विद्यार्थियों को फ्री ट्यूशन की व्यवस्था करने की योजना है।

अवसर पर मंडल के महासचिव दिलीप जगताप, छत्रपति शिवाजी मराठा मंडल के अध्यक्ष मदन जाधव, राम शेरीकर, शंकर राव जाधव, हरीश कोनाले, दगड़ु यादव, गजानन देशमुख, दयानंद गोवे, जगदीश माने, पवन शिंदे, आनंद माने, रितेश चिचोली, रितेश जाधव, श्रीनिवास भोसले, दत्ता भालके, विश्वनाथ वाडीकर, मुकेश बिरादर, रत्नेश, माधव, प्रेम पवार, सचिन, मारुति राव, जयराम बिरादार, महिला मंडल की अरुणा शिंदे, अरुणा जगताप, प्रभावती शिंदे, चंद्रकला गायकवाड़, रजनी मोहिते, ज्योति शिदे, विद्या शिंदे, भाग्यश्री, सारिका, सुजाता, कल्पना व अन्य उपस्थित थे।

एक शाम गौ माता के नाम

हैदराबाद, 25 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भाग्यनगर शालिवाहन नगर, मुसाराम बाग स्थित नारायणी गौ सेवा सदन के तत्वावधान में, एक शाम ग माता के नाम श्याम के लाडले द्वारा श्रीश्रीश्री 1008 सेवारामजी महाराज बापजी महाराज के पावन सानिध्य में रविवार को सायं 5.00 बजे से आयोजित, गौमाता के दिव्य दर्शन एवं भव्य अन्नकूट एवं भजन संध्या कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें भारी संख्या में भक्तों ने उपस्थित होकर गौमाता दर्शन किए एवं मधुर भजन संध्या सहित पवित्र अन्नकूट का आनंद लिया। कार्यक्रम के आयोजन में अमन सोनी, डी.पी. तिवारी, मोहन बाबू, सज्जन डागा, पवन अग्रवाल, मनोज कोठारी एवं ए.एल. सोनी का अतुलनीय सहयोग रहा।

न्यायमूर्ति पीसी घोष आयोग ने कालेश्वरम परियोजना के रिकॉर्ड जब्त किए

हैदराबाद, 25 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। न्यायमूर्ति पीसी घोष आयोग ने हैदराबाद में मेडिगड्डा बैराज सहित कालेश्वरम परियोजना के कार्यों से संबंधित रिकॉर्ड फील्ड इंजीनियरों से जब्त कर लिए हैं। आयोग ने सोमवार को मेडिगड्डा एईई और डीई से पूछताछ की और बांध के निर्माण कार्यों और अन्य विवरणों के बारे में पूछताछ की। इंजीनियरों से असंतुष्ट न्यायमूर्ति ने कहा कि उन्हें केवल पूछे गए सवालों का जवाब देना चाहिए और पहले से सोचे गए अप्रासंगिक जवाब नहीं देने चाहिए।

आयोग ने फील्ड स्तर पर किए गए कार्यों से संबंधित रजिस्टर बुक जब्त की और किताबों पर इंजीनियरों से हस्ताक्षर प्राप्त किए। इंजीनियरों ने कहा कि उन्होंने 2020 में कलेश्वरम परियोजना और मेडिगड्डा बैराज में नुकसान की पहचान की थी, उन्होंने कहा कि उन्होंने उच्च अधिकारियों और निर्माण कंपनियों को पत्र लिखे थे। आयोग ने पाया कि गुणवत्ता नियंत्रण से संबंधित कुछ रजिस्टर बुक गायब थीं।

हमले के बाद लागाचेरला, रोटीबांडा थांडा के ग्रामीण सदमे में : आयोग

संगारेड्डी, 25 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना एससी और एसटी आयोग के अध्यक्ष बक्की वेंकटैया ने सोमवार को कहा कि 12 नवंबर की घटना और उसके बाद लागाचेरला और रोटीबांडा थांडा के किसान सदमे में हैं। सोमवार को विकाराबाद जिले के लागाचेरला और रोटीबांडा थांडा में किसानों से बात करने के बाद उन्होंने सदस्यों के साथ संगारेड्डी की जिला जेल का दौरा किया।

सोमवार को कंडी स्थित जेल में लागाचेरला के किसानों से बातचीत करने के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए वेंकटैया ने कहा कि कलेक्टर प्रतीक जैन पर हुए हमले का हवाला देते हुए पुलिस ने लागाचेरला के किसानों पर हमला किया। उन्होंने कहा कि पुलिस ने कानून को अपने हाथ में लेते हुए महिलाओं, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति तथा अन्य समुदाय के लोगों पर अंधाधुंध हमला किया। कलेक्टर पर हमले की निंदा करते हुए वेंकटैया ने कहा कि पुलिस निर्दोष लोगों पर भी हमला नहीं कर सकती। एससी, एसटी आयोग ने पाया कि कई निर्दोष लोगों को जेल में डाला गया।

वेंकटैया ने कहा कि उन्होंने विकाराबाद कलेक्टर और एसपी को निर्देश दिया है कि वे निर्दोष लोगों के खिलाफ दर्ज सभी मामलों को हटा दें और उन्हें तुरंत जमानत दे दें। उन्होंने कलेक्टर और एसपी से पूरे प्रकरण पर रिपोर्ट मांगी है। एससी और एसटी आयोग के अध्यक्ष ने कहा कि आयोग कानून के अनुसार आगे बढ़ेगा। वेंकटैया ने कहा कि वे मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी से मिलकर सरकार से वैकल्पिक भूमि अधिग्रहण की मांग करेंगे क्योंकि लागाचेरला और रोटीबांडा थांडा के गरीब किसान खेती करके आजीविका कमाते हैं।

उस्मानिया विश्व विद्यालय में परीक्षा विभाग द्वारा मूल्यांकन के लिए दिशा निर्देश

हैदराबाद, 25 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आज उस्मानिया विश्व विद्यालय के परीक्षा विभाग के तत्वावधान में हिन्दी भाषा के उत्तर पुस्तिकाओं के आनलाइन मूल्यांकन के लिए दिशा निर्देश जारी किए गए।

उस्मानिया विश्व विद्यालय की परीक्षा विभाग की अधिकारी डॉ. शशि रेखा और हिन्दी विभागाध्यक्ष श्रीमती संगीता व्यास ने सभी प्राध्यापकों के लिए नियमावली की जानकारी दी। इस अवसर प्राध्यापकों ने अपनी अपनी शंकाओं को अवगत कराया। हिन्दी विभागाध्यक्ष श्रीमती संगीता व्यास ने सभी शंकाओं का समाधान किया। इस अवसर पर वरिष्ठ हिन्दी प्राध्यापक जगदीश, डॉ. शिवहर, सुचित्रा सिंह, कल्पना, हिना, कार्तिक एवं अन्य सभी प्राध्यापकगण उपस्थित थे।

पीएम भार्गव ऑडिटोरियम का उद्घाटन

सीसीएमबी के परिसर में पहला ऑडिटोरियम

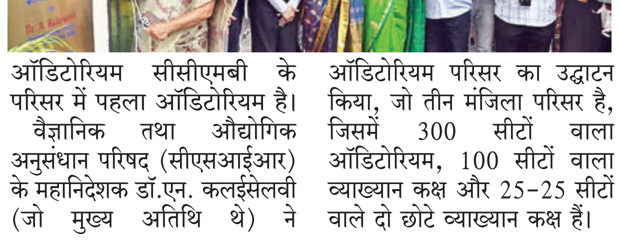

हैदराबाद, 25 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सेंटर फॉर सेल्युलर एंड मॉलिक्यूलर बायोलॉजी (सीसीएमबी) ने अपने 37वें स्थापना दिवस से एक दिन पहले पीएम भार्गव ऑडिटोरियम का उद्घाटन किया। संस्थान के संस्थापक निदेशक डॉ. पुष्प मित्रा भार्गव के नाम पर बना यह ऑडिटोरियम, विज्ञान को समाज के साथ एकीकृत करने के अपने दृष्टिकोण के लिए प्रसिद्ध है। यह ऑडिटोरियम सीसीएमबी के परिसर में पहला ऑडिटोरियम है।

वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) के महानिदेशक डॉ.एन. कलईसेलवी (जो मुख्य अतिथि थे) ने ऑडिटोरियम परिसर का उद्घाटन किया, जो तीन मंजिला परिसर है, जिसमें 300 सीटों वाला ऑडिटोरियम, 100 सीटों वाला व्याख्यान कक्ष और 25-25 सीटों वाले दो छोटे व्याख्यान कक्ष हैं।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शब्बीर अली ने भाजपा की आलोचना की

हैदराबाद, 25 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और तेलंगाना सरकार के सलाहकार मोहम्मद अली शब्बीर ने दिल्ली चुनाव से पहले वक्फ को सांप्रदायिक मुद्दा बनाने के लिए भाजपा की आलोचना की और पार्टी पर समाज को ध्रुवीकृत करने के लिए गलत सूचना और विभाजनकारी राजनीति का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया। सोमवार को मीडिया को दिए गए बयान में शब्बीर अली ने आरोप लगाया कि भाजपा पिछले चुनावों के दौरान हिजाब, एनआरसी, सीएए और समान नागरिक संहिता जैसे मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करते हुए विवाद पैदा करने में सफल रही है।

दिल्ली विधानसभा चुनाव के करीब आते ही शब्बीर अली ने आरोप लगाया कि भाजपा ने अब सांप्रदायिक कलह को भड़काने के लिए वक्फ को निशाना बनाया है। उन्होंने वक्फ पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हालिया बयानों को भ्रामक और विभाजन पैदा करने का जानबूझकर किया गया प्रयास कहा। उन्होंने मोदी के इस दावे का खंडन किया कि वक्फ का संविधान से कोई संबंध नहीं है, उन्होंने अनुच्छेद 25, 26 और 29 को उजागर किया, जो धार्मिक और धर्मार्थ बंदोबस्त की रक्षा करते हैं। शब्बीर अली ने कहा, वक्फ कोई नई अवधारणा या राजनीतिक रचना नहीं है। यह सदियों पुरानी संस्था है जिसे हमारे संविधान के तहत जन कल्याण के लिए धार्मिक बंदोबस्त की रक्षा के लिए संहिताबद्ध किया गया है। मोदी के बयानों से या तो समझ की कमी दिखती है या फिर जानबूझकर गुमराह करने की कोशिश दिखती है।

सरकार ने तीन कृषि बाजार समितियों के लिए नए शासी निकाय नियुक्त किए

हैदराबाद, 25 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार ने सोमवार को तीन कृषि बाजार समितियों के लिए अध्यक्षों और उपाध्यक्षों सहित नए शासी निकायों की नियुक्ति के आदेश जारी किए। इनमें यदाद्री-भुवनगिरी जिले के मोथकुर में कृषि बाजार समिति, सूर्यपेट जिले में थुंगथुर्थी बाजार समिति और कोत्तागुडेम जिले में दम्मापेटा बाजार समिति शामिल हैं। इन नियुक्तियों के साथ, तेलंगाना राज्य भर में कुल 128 कृषि बाजार समितियों का गठन नए शासी निकायों के साथ किया गया है। सोमवार को यहां एक विज्ञप्ति में, कृषि मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव ने नव निर्वाचित सदस्यों को बधाई दी और उनसे बाजार की दक्षता में सुधार करने और किसानों को प्रभावी ढंग से समर्थन देने के लिए लगन से काम करने का आग्रह किया।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

टीम इंडिया ने सूद समेत लिया बदला

पर्थ टेस्ट में 295 रन से हारा ऑस्ट्रेलिया

136 साल का रिकॉर्ड टूटा

पर्थ, 25 नवंबर (एजेंसियां)। पर्थ टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया की हार की कहानी लिख दी गई है. टीम इंडिया ने सबकी उम्मीदों से परे जाते हुए पर्थ में ये कमाल किया है. ऑस्ट्रेलिया पर जीत के साथ ही भारत ने सूद समेत अपना बदला भी ले लिया. पर्थ टेस्ट में भारत ने ऑस्ट्रेलिया को 295 रन से हराया जो कि विदेश में उसकी सबसे बड़ी जीत है . पर्थ में 5 टेस्ट की सीरीज का पहला मैच खेला जा रहा था, जिसे जीतकर टीम इंडिया ने 1-0 की बढ़त बना ली है.

भारत ने पर्थ में लिया बदला!

भारत ने पर्थ टेस्ट जीतने के लिए ऑस्ट्रेलिया के सामने 534 रन का लक्ष्य रखा था. लेकिन जैसा कि उम्मीद थी वो भारत के खड़े किए रनों के पहाड़ को चढ़ने में नाकाम रहे. इसमें भारत की तेज गेंदबाजी की भूमिका निर्णायक रही. कप्तान बुमराह की अगुवाई में भारत के पेस अटैक ने दोनों ही पारियों में ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों की नाक में दम करके रख दिया. जिसका असर ये हुआ कि पर्थ में भारत को बड़ी जीत तो मिली ही. साथ ही उसका बदला भी पूरा हो गया.

2018 में हारे, 2024 में दोगुने अंतर से हराया

अब आप सोच रहे होंगे कि ये बदले वाली बात क्या है? इसके तार पर्थ के ऑप्टस स्टेडियम पर खेले पिछले मैच से जुड़े हैं. भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच ऑप्टस स्टेडियम पर पिछला मैच साल 2018 में खेला गया था, जो कि इस मैदान पर खेला गया पहला टेस्ट था. ऑस्ट्रेलिया ने भारत को उस टेस्ट मैच में 146 रनों के बड़े अंतर से हराया था.

6 साल बाद पर्थ के उसी ऑप्टस स्टेडियम भारत और ऑस्ट्रेलिया फिर से आमने-सामने थे. इस बार भारत ने ऑस्ट्रेलिया को पहली टक्कर में खुद को मिली हार के करीब दोगुने अंतर से हराया और विदेश में अपनी सबसे बड़ी टेस्ट जीत की स्क्रिप्ट भी लिखी. भारत ने ऑस्ट्रेलिया को पर्थ टेस्ट में 295 रन से हराया.

पर्थ टेस्ट में खेल का लेखा-जोखा

पर्थ टेस्ट में पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारत की पहली पारी 150 रन से आगे नहीं बढ़ी. जवाब में बुमराह ने भी 5 विकेट झटके और ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी को 104 रन पर ही लुढ़का दिया. इस तरह पहली पारी में भारत को 46 रन की बढ़त मिली. उसके बाद दूसरी पारी में भारत ने यशस्वी जायसवाल और विराट कोहली के शतकों के दम पर 6 विकेट पर 487 रन बनाए और पारी घोषित की. यशस्वी ने 161 रन बनाए जबकि विराट 100 रन बनाकर नाबाद रहे.

136 साल का रिकॉर्ड टूटा, ऑस्ट्रेलिया हारा

अब ऑस्ट्रेलिया के सामने पर्थ टेस्ट में 534 रन का लक्ष्य था, जिसका पीछा करते हुए उन्होंने टॉप के अपने 4 विकेट सिर्फ 29 रन पर गंवा दिए. नतीजा ये हुआ कि इससे 136 साल पुराना रिकॉर्ड टूट गया. इससे पहले ऑस्ट्रेलियाई टॉप के 4 बल्लेबाज साल 1888 में मैनचेस्टर में खेले टेस्ट में 38 रन पर आउट हुए थे.

भारतीय गेंदबाजों के कहर के आगे ऑस्ट्रेलिया 238 रन पर ढेर

दूसरी पारी में ऑस्ट्रेलिया की ओर से सबसे ज्यादा 89 रन ट्रेविस हेड ने बनाए. उनके अलावा मिचेल मार्श ने 47 रन की पारी खेली. मगर ये उस पहाड़ जैसे स्कोर की चढ़ाई करने के लिए काफी नहीं रहे जो टीम इंडिया ने ऑस्ट्रेलिया के सामने सेट किए थे. भारतीय गेंदबाजों के कहर के आगे ऑस्ट्रेलिया ने दूसरी पारी में सिर्फ 238 रन बनाए. भारत की ओर से बुमराह ने 8 विकेट लिए. सिराज ने 5 विकेट झटके जबकि राणा ने 4 विकेट लिए.

डब्ल्यूटीसी अंक तालिका में भारत को तगड़ा फायदा

ऑस्ट्रेलिया की बढ़ी टेंशन

नई दिल्ली, 25 नवंबर (एजेंसियां)। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पहला टेस्ट मैच पर्थ में खेला गया। इस मैच को टीम इंडिया ने 295 रन से जीत लिया। इस जीत के साथ टीम इंडिया ने सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली है। पर्थ में मिली इस जीत के बाद टीम इंडिया को वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप की फाइनल पॉइंट्स टेबल में तगड़ा फायदा पहुंचा है। वहीं इस मैच में मिली हार के बाद मेजबान ऑस्ट्रेलिया को भारी नुकसान उठाना पड़ा है।

पहले नंबर पर आया भारत

ऑस्ट्रेलिया को हराने के बाद टीम इंडिया एक बार फिर से आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल पॉइंट्स टेबल में पहले नंबर पर आ गई है। इससे पहले टीम इंडिया को घर पर न्यूजीलैंड के हाथों टेस्ट सीरीज में हार का सामना करना पड़ा था। जिसके चलते टीम इंडिया डब्ल्यूटीसी फाइनल पॉइंट्स टेबल में दूसरे नंबर पर खिसक गई थी। इसके अलावा भारत की हार के बाद ऑस्ट्रेलिया पहले नंबर पर आई गई थी, लेकिन अब फिर से कंगारू टीम दूसरे स्थान पर खिसक गई है।

टीम इंडिया का जीत प्रतिशत पर्थ टेस्ट के बाद 61.11 फीसदी हो गया

है। जिसके चलते टीम इंडिया नंबर-1 के पायदान पर पहुंची है। इसके अलावा ऑस्ट्रेलिया का जीत प्रतिशत 57.59 रह गया है।

वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप-2023-25 की पॉइंट्स टेबल

टीम	मैच	जीत	हार	ड्रॉ	पॉइंट्स	%पॉइंट्स
भारत	15	9	5	1	110	61.11
ऑस्ट्रेलिया	13	8	4	1	90	57.69
श्रीलंका	9	5	4	0	60	55.56
न्यूजीलैंड	11	6	5	0	72	54.55
साउथ अफ्रीका	8	4	3	1	52	54.17
इंग्लैंड	19	9	9	1	93	40.79
पाकिस्तान	10	4	6	0	40	33.33
बांग्लादेश	10	3	7	0	33	27.5
वेस्टइंडीज	9	1	6	2	20	18.52

वेंकटेश अय्यर को मिली रिकॉर्डतोड़ कीमत

23.75 करोड़ रुपये में बिके, केकेआर ने खोली तिजोरी

जेद्दा, 25 नवंबर (एजेंसियां)। आईपीएल की डिफेंडिंग चैंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स ने अपने एक खिलाड़ी को खरीदने के लिए अपनी पूरी तिजोरी खोल दी. ये खिलाड़ी है वेंकटेश अय्यर जिन्हें कोलकाता नाइट राइडर्स ने 23.75 करोड़ में खरीदा. वेंकटेश अय्यर को खरीदने के लिए आरसीबी और केकेआर के बीच जमकर भिड़ंत हुई. 2 करोड़ के बेस प्राइस वाले इस खिलाड़ी को खरीदने के लिए आरसीबी ने पूरा दम लगाया लेकिन अंत में केकेआर ने बाजी मारी. अब सवाल ये है कि केकेआर ने आखिरकार वेंकटेश अय्यर को खरीदने के लिए इतना मोटा पैसा क्यों खर्च किया?

वेंकटेश अय्यर हैं मैच विनर

वेंकटेश अय्यर केकेआर के मैच विनर खिलाड़ी हैं. साल 2021 में इस खिलाड़ी ने फ्रेंचाइजी के लिए डेब्यू किया और तब से इस खिलाड़ी ने हर बड़े मैच में प्रदर्शन

किया है. वेंकटेश अय्यर केकेआर के लिए 50 मैचों में 31 से ज्यादा की औसत से 1326 रन बनाने में कामयाब रहे हैं. वेंकटेश अय्यर ने आईपीएल 2024 के फाइनल में सिर्फ 26 गेंदों में नाबाद 52 रन बनाकर कोलकाता को चैंपियन बनाया था.

वेंकटेश अय्यर का आईपीएल में प्रदर्शन

वेंकटेश अय्यर ने आईपीएल में चार में से 3 सीजन में बेहतरीन प्रदर्शन किया. ये खिलाड़ी साल 2024 में केकेआर के लिए 46.25 की औसत से 370 रन बनाने में कामयाब रहा. अय्यर ने पिछले सीजन में 4 अर्धशतक लगाए थे और उनका स्ट्राइक रेट भी लगभग 160 का रहा था. साल 2023 में वेंकटेश अय्यर ने एक शतक और 2 अर्धशतक की मदद से 404 रन बनाए थे. 2022 में अय्यर का बल्ला नहीं चला था लेकिन अपने पहले सीजन में ये खिलाड़ी 10 मैचों में 370 रन बनाने में कामयाब रहा.

वेंकटेश अय्यर फिलहाल जबरदस्त फॉर्म में हैं. इस खिलाड़ी ने रणजी ट्रॉफी में बिहार के खिलाफ 174 रनों की तूफानी पारी खेली थी. अब अय्यर सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में खेल रहे हैं जहां उन्होंने मिजोरम के खिलाफ 36 रन बनाए थे.

वर्ल्ड चेस चैंपियनशिप 11 दिन तक चलेगा मुकाबला

खेल डेस्क, 25 नवंबर (एजेंसियां)। चैंपियनशिप सिंगापुर के वर्ल्ड सेंटोसा के इक्वेरियम होटल में आयोजित की जा रही है। फाइनल मुकाबला मौजूदा विश्व चैंपियन डिंग लिरेन और भारत के गुकेश बीच खेला जाएगा।

सिंगापुर ने यह मुकाबला होस्ट करने के लिए नीलामी में 20.86 करोड़ रुपए (2.5 मिलियन यूएस डॉलर) में जीती। वर्ल्ड चैंपियनशिप मैच की मेजबानी के लिए एफआईडीई को 3 एप्लिकेशन मिली थीं। इनमें से दो भारत से और एक सिंगापुर से थीं। मेजबानी के लिए भारत सरकार ने नई दिल्ली और तमिलनाडु सरकार ने चेन्नई के लिए अप्लाय किया था। इसका फायदा उठाकर सिंगापुर ने बिडिंग जीत ली।

मुकाबले में 14 राउंड होंगे

फाइनल में 14 राउंड होंगे, जरूरत पड़ने पर टाईब्रेकर्स भी होंगे। गुकेश और डिंग को एक गेम जीतने पर 1 पॉइन्ट और एक ड्रॉ पर 0.5 पॉइन्ट मिलेंगे। चैंपियनशिप जीतने के लिए 7.5 पॉइन्ट की जरूरत होगी। अगर स्कोर 14 राउंड बाद टाई रहता है, तो फास्टर टाइम कंट्रोल के साथ टाईब्रेकर्स के जरिए विजेता घोषित किया जाएगा।

वर्ल्ड चेस चैंपियनशिप के इतिहास में पहली बार ऐसा है कि दो एशियाई खिलाड़ी वर्ल्ड विजेता बनने के लिए एक-दूसरे से भिड़ रहे हैं।

गुकेश पर नजरें, जीते तो वर्ल्ड चैंपियन बनेंगे

इस मुकाबले में सभी की नजरें युवा डी गुकेश पर होंगी, यदि वे वर्ल्ड चैंपियन चीन के डिंग लिरेन को मात देने में कामयाब हो जाते हैं, तो वर्ल्ड चैंपियन बन जाएंगे। वे ऐसा करने वाले दूसरे भारतीय बनेंगे। विश्वनाथन आनंद 5 बार के वर्ल्ड चैंपियन बन चुके हैं।

कैंडिडेट्स चेस जीतने वाले सबसे युवा खिलाड़ी

17 साल के गुकेश ने अप्रैल महीने पहले टोरंटो में कैंडिडेट्स शतरंज टूर्नामेंट जीता था। वे ऐसा करने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बने थे। गुकेश से पहले रूसी खिलाड़ी गैरी कास्परोव ने 1984 में सबसे कम उम्र 22 साल में यह टूर्नामेंट जीता था।

गुकेश कैंडिडेट्स टूर्नामेंट जीतने वाले दूसरे भारतीय

गुकेश यह टूर्नामेंट जीतने वाले दूसरे भारतीय हैं। उनसे पहले पांच बार के वर्ल्ड चैंपियन विश्वनाथन आनंद ने 1995 में पहली बार कैंडिडेट्स टूर्नामेंट जीता था। तब उनकी उम्र 26 साल थी।

गुकेश ने जीत के बाद कहा, 'बहुत खुशी हो रही है। मैंने अपने सहयोगी ग्रिगोरी गैजेव्स्की के साथ के साथ मिलकर काफी तैयारी की थी। इससे मदद मिली।

गुकेश ने पिछले साल चीन के हांग्जो एशियन गेम्स में सिल्वर मेडल जीता था। 2015 में गुकेश एशियाई स्कूल शतरंज चैंपियनशिप में अंडर-9 का खिताब जीतने के साथ कैंडिडेट मास्टर बने थे। गुकेश ने अब तक 5 गोल्ड एशियाई यूथ चैंपियनशिप जीती हैं। 2019 में वे भारत के सबसे युवा और वर्ल्ड के दूसरे सबसे युवा ग्रैंडमास्टर बने थे।

गुकेश डी का पूरा नाम डोमाराजू गुकेश है और वे चेन्नई के रहने वाले हैं। गुकेश का जन्म चेन्नई में 7 मई 2006 को हुआ था। उन्होंने 7 साल की उम्र में ही शतरंज खेलना शुरू कर दिया था। उन्हें शुरू में भास्कर नागैया ने कोचिंग दी थी। नागैया इंटरनेशनल स्तर के चेस खिलाड़ी रहे हैं और चेन्नई में चेस के होम ट्यूटर हैं। इसके बाद विश्वनाथन आनंद ने गुकेश को खेल की जानकारी देने के साथ कोचिंग दी। गुकेश के पिता डॉक्टर हैं और मां पेशे से माइक्रोबायोलोजिस्ट हैं।

गूगल ने इस वर्ल्ड चैंपियनशिप के लिए अपने होमपेज पर शानदार डूडल बनाया है। इसमें पीले-लाल-नीले-व्हाइट रंग के पीस हैं और इन पर क्लिक करने पर यूजर, गूगल डूडलकी वेबसाइट पर रीडायरेक्ट हो जाता है। इस वेबसाइट पर लिखा है-Celebrating Chess। वेबसाइट पर आगे लिखा है, 'यह डूडल चेस को सेलिब्रेट करने के लिए, 64 ब्लैक और व्हाइट स्क्यावयर पर खेले जाने वाले दो खिलाड़ियों का स्ट्रैटजी गेम।

जिम्बाब्वे ने उड़ाई पाकिस्तान की धज्जियां, पहले वनडे में बुरी तरह हराया

कप्तान रिजवान ही बने हार की वजह

बुलावायो, 25 नवंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान की टीम पर एक और बड़ी हार का कलंक लग गया है. बुलावायो में खेले गए पहले वनडे मैच में पाकिस्तान को जिम्बाब्वे से बड़ी हार मिली. पहले वनडे में जिम्बाब्वे की टीम सिर्फ 205 रन बना पाई और इसके बावजूद पाकिस्तान की टीम 80 रनों से हार गई. मैच का नतीजा डकवर्थ-लुईस नियम से आया क्योंकि मैच बारिश की वजह से रुक गया था. पाकिस्तान का स्कोर जब 6 विकेट पर 60 रन था तो बारिश आ गई और उसके बाद मैच ही शुरू नहीं हो पाया.

पाकिस्तान की बुरी हार

जिम्बाब्वे ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 205 रन बनाए. पाकिस्तानी गेंदबाजों की 9वें नंबर पर उतरने वाले बल्लेबाज एन्गारावा ने 48 रनों की पारी खेली. सिकंदर रजा ने भी 39 करोड़ बनाए. जवाब में पाकिस्तान की बल्लेबाजी बुरी तरह फ्लॉप

साबित हुई. टीम के ओपनर सैम अय्यूब 11 ही रन बना पाए. अब्दुल्लाह शफीक ने सिर्फ 1 रन बनाया. कामरान गुलाम सिर्फ 17 रन बना सके. सलमान आगा 4 रन बनाकर आउट हुए. हसीबुल्लाह खान खाता नहीं खोल पाए और इरफान खान 7 रन पर बोल्ड हुए. कप्तान रिजवान ने नाबाद 19 रन जरूर बनाए लेकिन ये खिलाड़ी 43 गेंदों तक खेला और उनका स्ट्राइक रेट 44.19 रहा. इसके बाद बारिश आ गई और मैच ही शुरु नहीं हो पाया, नतीजा जिम्बाब्वे को जीत मिल गई.

9 साल बाद जिम्बाब्वे से हार

पाकिस्तान की टीम 9 साल बाद जिम्बाब्वे से वनडे मैच हारी है. आखिरी बार 2015 में जिम्बाब्वे ने पाकिस्तान को हराया था. 2020 में दोनों टीमों के बीच एक वनडे मुकाबला टाई रहा था. पाकिस्तान की टीम जिम्बाब्वे में 4 मैच हार चुकी है. वहीं बुलावायो के मैदान पर पाकिस्तान पहली बार हारा है.

272 का टारगेट, महज 7 रन पर ढेर हो गई टीम

टी20 में पहली बार हुआ ये कारनामा

खेल डेस्क, 25 नवंबर (एजेंसियां)। आईसीसी मेंस टी20 विश्व कप अफ्रीका सब रीजनल क्वालीफायर सी 2024 में नाइजीरिया और आइवरी कोस्ट के बीच एक मुकाबला खेला गया। इस मैच में टी20 इतिहास में ऐसा शायद ही पहली बार देखने को मिला है, जब कोई टीम लक्ष्य का पीछा करते हुए महज 7 रन पर ही ढेर हो गई हो। ये शर्मनाक रिकॉर्ड अब आइवरी कोस्ट टीम के नाम दर्ज हो गया है। इस मैच को जीतने के लिए नाइजीरिया ने आइवरी कोस्ट के सामने 272 रन का टारगेट रखा था। जिसका पीछा करते हुए आइवरी कोस्ट की टीम 7.3 ओवर में महज 7 रन पर ढेर हो गई। आइवरी कोस्ट के सात बल्लेबाज इस मैच में खाता भी नहीं खोल पाए थे। जिसके अलावा तीन बल्लेबाजों ने 1-1-1 रन और एक बल्लेबाज ने 4 रन बनाए थे। नाइजीरिया की तरफ से दो गेंदबाजों ने 3-3 विकेट और एक गेंदबाज ने 2 विकेट चटकाए। इस मैच में टॉस जीतकर नाइजीरिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 4 विकेट खोकर 271 रन बनाए थे। नाइजीरिया की तरफ से बल्लेबाजी करते हुए सेलिम सलाऊ ने शानदार शतक जड़ा। अपनी पारी के दौरान सेलिम सलाऊ ने 13 चौके और 2 शानदार छक्के लगाए। आइवरी की टीम सेलिम को आउट नहीं कर पाई थी, हालांकि सेलिम रिटायर्ड आउट हो गए थे। नाइजीरिया के बल्लेबाजों ने आइवरी कोस्ट के गेंदबाजों की जमकर पिटाई की। दो गेंदबाजों ने 50-50 से ज्यादा रन खर्च किए। इसके अलावा दो बल्लेबाजों ने अर्धशतक लगाए। नाइजीरिया ने इस मैच को 264 रन से जीत लिया था।

आईपीएल 2025 के 10 कप्तान, जिन्हें चुनने में टीमों ने खर्च किए 199.35 करोड़ रुपये!

जेद्दा, 25 नवंबर (एजेंसियां)। आईपीएल 2025 के मेगा ऑक्शन में पहले दिन 467.95 करोड़ रुपये खर्च हुए. 72 खिलाड़ी ऐसे रहे जिन्हें नई टीम मिली और कईयों को अपनी पुरानी टीम के साथ बने रहने में कामयाबी. मगर क्या आप जानते हैं कि IPL 2025 में सभी 10 टीमों की कप्तानी करता कौन दिखेगा? वैसे तो इसे लेकर अभी कई टीमों को आधिकारिक ऐलान करना बाकी है. लेकिन, अनुमान के मुताबिक स्थिति लगभग साफ है कि IPL 2025 में किस टीम की कमान कौन संभालने वाला है? ये कयास इसलिए भी लग रहे हैं क्योंकि आईपीएल 2025 का रिटेंशन हो या मेगा ऑक्शन टीमों ने, उन खिलाड़ियों पर करोड़ों लुटाए हैं.

आइए अब जरा जान लेते हैं कि किस टीम की कप्तानी कौन करता दिख सकता है? सबसे पहले तो ये जान लीजिए कि IPL 2025 की 10 टीमों ने मिलकर 199.35 करोड़ रुपये उन खिलाड़ियों पर खर्च किए हैं. तो कप्तानी करने वाले वो कौन-कौन से चेहरे हो सकते हैं, अब जरा वो भी जान लीजिए.

लखनऊ सुपर जायंट्स - आईपीएल 2025 के मेगा ऑक्शन में इस टीम ने ऋषभ पंत को खरीदने के लिए मानों तिजोरी ही खोल दी. उसने पंत पर 27 करोड़ रुपये लुटाते हुए सिर्फ इस सीजन का ही नहीं बल्कि पूरे आईपीएल इतिहास का ही सबसे महंगा खिलाड़ी बना दिया. लखनऊ ने पंत पर इतने रुपये खर्च किए हैं तो जाहिर है वो कीपिंग और बैटिंग के अलावा उनमें अपना कप्तान भी देख रहा होगा. बड़ी बात ये है कि पंत के पास आईपीएल में पहले कप्तानी का अनुभव रहा है.

दिल्ली कैपिटल्स - केएल राहुल के नजरिए से देखें तो आईपीएल 2025 के मेगा ऑक्शन में उन्हें 3 करोड़ का नुकसान है. पिछले सीजन में उन्हें एलएसजी से 17 करोड़ मिल रहे थे. लेकिन दिल्ली कैपिटल्स के लिए ये सस्ते में अच्छी डील है. क्योंकि उसे 14 करोड़ खर्च करके ही कीपर, बल्लेबाज और कप्तान तीनों का विकल्प मिल गया है. राहुल पिछले सीजन में एलएसजी के कप्तान थे.

चेन्नई सुपर किंग्स - ऋतुराज गायकवाड़ पीली जर्सी वाली चेन्नई

सुपर किंग्स के कप्तान हो सकते हैं. ऐसा इसलिए क्योंकि ऋतुराज पिछले सीजन में भी इस टीम की कमान संभालते दिखे हैं और दूसरा सीएसके ने उन्हें 18 करोड़ रुपये में आईपीएल 2025 के लिए रिटेन भी किया है.

पंजाब किंग्स : आईपीएल 2025 के मेगा ऑक्शन में सबसे बड़ी पर्स के साथ उतरी पंजाब किंग्स ने श्रेयस अय्यर पर खुलकर पैसे लुटाए. उसने 26.75 करोड़ रुपये में उन्हें खुद से जोड़ा है. अय्यर पिछले सीजन अपनी कप्तानी में केकेआर को चैंपियन बना चुके हैं. ऐसे में समझना मुश्किल नहीं कि अब पंजाब किंग्स ने जो उनकी इतनी महंगी बोली लगाई है, वो क्यों है? आईपीएल 2025 में श्रेयस अय्यप पंजाब किंग्स की कप्तानी करते दिख सकते हैं.

कोलकाता नाइट राइडर्स : इस टीम ने तब हैरान कर दिया जब श्रेयस अय्यर को खरीदने के लिए जी-जान से जुटी नहीं दिखी. लेकिन, दूसरे अय्यर यानी वेंकटेश अय्यर पर इसने 23.75 करोड़ रुपये खर्च कर दिए. चौंकाने वाली बात वैसे ये भी रही कि वेंकटेश को इतने पैसे मिले क्यों?

लेकिन, हो सकता है कि केकेआर उन्हें कप्तान बनाने की सोच रही हो. खुद वेंकटेश अय्यर ने भी ऑक्शन में बिकने के बाद ऐसा कहते दिखे कि वो कप्तानी करने के लिए तैयार है.

गुजरात टाइटंस : गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल पिछले सीजन में भी थे और आईपीएल 2025 में भी होंगे. गुजरात फ्रेंचाइजी ने उन्हें 16.50 करोड़ में अगले सीजन में रिटेन किया है.

राजस्थान रॉयल्स : इस टीम के पास भी अपना कप्तान संजू सैमसन के तौर पर पहले से है. आईपीएल 2025 के लिए राजस्थान ने संजू को 18 करोड़ रुपये में रिटेन किया है.

सनराइजर्स हैदराबाद : आईपीएल 2025 के मेगा ऑक्शन में काव्या मारन भले ही नामचीन खिलाड़ियों पर बोली लगाती दिखी हों. लेकिन, उनकी टीम के कप्तान आईपीएल 2025 में भी पैट कमिंस ही होंगे, जिन्हें वो 18 करोड़ में पहले ही रिटेन कर चुकी हैं.

मुंबई इंडियंस : आईपीएल 2025 के रिटेंशन में ही मुंबई इंडियंस भी अपने कप्तान की स्थिति साफ कर चुका है. उसने हार्दिक को 16.35 करोड़ में रिटेन किया है.

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु : आईपीएल 2025 के मेगा ऑक्शन के पहले दिन RCB ने एक भी ऐसा खिलाड़ी नहीं खरीदा जिन्हें देखकर कहा जाए कि वो उस टीम की कप्तानी कर सकता है. ऐसे में सवाल है कि कहीं इस टीम का इरादा विराट कोहली को तो कप्तानी सौंपने का नहीं, जिन्हें इसने 21 करोड़ में रिटेन किया है.

तेलंगाना में प्राथमिकता वाली सिंचाई परियोजनाओं में तेजी लाने के निर्देश

उत्तम ने सिंचाई परियोजनाओं पर शीर्ष अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की

हैदराबाद, 25 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सिंचाई और नागरिक आपूर्ति मंत्री एन उत्तम कुमार रेड्डी ने अधिकारियों को तेलंगाना में प्राथमिकता वाली सिंचाई परियोजनाओं को तेजी से पूरा करने का निर्देश दिया है।

उन्होंने देरी से बचने और इन महत्वपूर्ण परियोजनाओं का समय पर निष्पादन सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर जोर दिया। मंत्री ने विभिन्न सिंचाई परियोजनाओं की देखरेख करने वाले वरिष्ठ अधिकारियों के साथ वीडियो-कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से समीक्षा बैठक की। बैठक के दौरान, उन्होंने अधिकारियों को सीताराम परियोजना के लिए निविदा प्रक्रिया और कार्यों के निष्पादन में तेजी लाने का निर्देश दिया। समय-सारिणी का पालन करने के महत्व पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि नौकरशाही या प्रशासनिक देरी को समाप्त किया जाना चाहिए, खासकर प्राथमिकता वाली परियोजनाओं के लिए। उत्तम कुमार रेड्डी ने मोडीकुंटा वागु परियोजना के लिए लागत अनुमान और चिन्ना कालेश्वरम परियोजना के लिए भूमि अधिग्रहण की स्थिति पर अपडेट मांगा। उन्होंने अधिकारियों को राहत और पुनर्वास आयुक्त विनय कृष्ण रेड्डी के साथ मिलकर काम करने का निर्देश दिया ताकि सभी भूमि अधिग्रहण मुद्दों को हल किया जा सके। उन्होंने आगे उन्हें विभिन्न परियोजनाओं से जुड़े आगामी भूमि अधिग्रहण के लिए विस्तृत प्रस्ताव आयुक्त को उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। उत्तम कुमार रेड्डी ने अधिकारियों से बांधों और जलाशयों की गाद निकालने के लिए निविदा जारी करने का आग्रह किया। इस प्रक्रिया के महत्व पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि भंडारण क्षमता को बहाल करने और पानी की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए गाद निकालना आवश्यक है। 27 नवंबर को सिंगुर परियोजना पर समीक्षा बैठक आयोजित करने का निर्णय लिया गया, जिसमें स्वास्थ्य मंत्री दामोदर राजनरसिम्हा भी शामिल होंगे।

वीडियो कॉन्फ्रेंस के दौरान, मंत्री ने लस्करों की भर्ती और प्रक्रिया में शामिल आउटसोर्सिंग एजेंसियों की भूमिका के बारे में भी जानकारी मांगी। उत्तम कुमार रेड्डी ने अधिकारियों को सूचित किया कि मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी दिसंबर के पहले सप्ताह में नलगोंडा का दौरा करने वाले हैं। उन्होंने उन्हें जिले में सभी सिंचाई परियोजनाओं की स्थिति पर एक व्यापक रिपोर्ट तैयार करने का निर्देश दिया। इसके अलावा, मंत्री ने अधिकारियों से परियोजना-वार प्रगति, वित्त पोषण आवश्यकताओं, भूमि अधिग्रहण बाधाओं और अन्य बाधाओं पर विवरण संकलित करने के लिए कहा।

उन्होंने आश्वासन दिया कि राज्य सरकार सभी चुनौतियों का तुरंत समाधान करेगी ताकि सभी परियोजनाएं समय पर पूरी हो सकें। कांग्रेस सरकार की प्रतिबद्धता दोहराते हुए उत्तम

सड़क हादसे में गई किशोर की जान

कुमराम भीम आसिफाबाद, 25 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार को आसिफाबाद कस्बे के बाहरी इलाके में एक चौराहे पर दोपहिया वाहन, ऑटो रिक्शा और ट्रैक्टर के बीच हुई टक्कर में एक 17 वर्षीय लड़के की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन महिलाएं घायल हो गईं। पुलिस ने बताया कि आसिफाबाद कस्बे के रेहान को उस समय गंभीर चोटें आईं जब एक ऑटो-रिक्शा और ट्रैक्टर ने एक मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी, जिसमें वह अपने माता-पिता के साथ जा रहा था, जिससे उसकी तत्काल मौत हो गई। ऑटो-रिक्शा में यात्रा कर रही महिलाओं को मामूली चोटें आईं। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घटना की जांच की और दुर्घटना के कारणों का पता लगाया। रेहान के शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय अस्पताल भेज दिया गया है।

कमरे में मृत पाई गई कानून की छात्रा

पुलिस को आत्महत्या का संदेह परिवार लगा रहा साजिश का आरोप

हैदराबाद, 25 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। 20 वर्षीय कानून की छात्रा इस्लावथ श्रव्या सोमवार को मलकपेट के मूसारामबाग स्थित एक कार्यालय के कमरे में रहस्यमय परिस्थितियों में मृत पाई गई। पुलिस को आत्महत्या का संदेह है, जबकि उसका परिवार साजिश का आरोप लगा रहा है। श्रव्या, जो एक फर्म के फ्रंट ऑफिस में काम करती थी, ऑफिस हॉल में छत के पंखे से लटकी हुई पाई गई। शव मिलने के बाद, मलकपेट पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। उसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए गांधी अस्पताल भेज दिया गया।

पुलिस स्टेशन में हल्का तनाव व्याप्त हो गया, क्योंकि श्रव्या के परिवार और रिश्तेदार विरोध प्रदर्शन के लिए एकत्र हुए और दावा किया कि वह आत्महत्या नहीं कर सकती थी। पुलिस ने भीड़ को तितर-बितर किया और हत्या सहित सभी संभावनाओं की गहन जांच का आश्वासन दिया। पुलिस ने कहा कि आगे की जांच और साक्ष्य के आधार पर कार्रवाई की दिशा तय की जाएगी।

शिकायतों का तुरंत समाधान किया जाना चाहिए : जीएचएमसी आयुक्त

हैदराबाद, 25 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जीएचएमसी आयुक्त इलाम्बर्ती ने अधिकारियों को प्रजावाणी कार्यक्रम को प्राथमिकता देकर शिकायतों का तुरंत समाधान करने का निर्देश दिया है।

आयुक्त ने सोमवार को जीएचएमसी प्रधान कार्यालय में आयोजित एक सार्वजनिक संबोधन कार्यक्रम में भाग लिया और अपनी समस्याओं का समाधान मांगने आए लोगों से आवेदन प्राप्त किए। इस अवसर पर आयुक्त ने अधिकारियों को समय-समय पर जनता से प्राप्त शिकायतों पर गौर करने और समस्याओं का त्वरित समाधान करने की सलाह दी। लोगों की समस्याओं के समाधान में अधिकारी विशेष पहल करें। प्रजावाणी फोन-इन कार्यक्रम के माध्यम से 3 अनुरोध प्राप्त हुए और उन्हें समाधान के लिए संबंधित विभागों को भेजा गया। जीएचएमसी मुख्यालय में आयोजित सार्वजनिक सुनवाई में, 46 अनुरोध प्राप्त हुए, जिनमें से टाउन प्लानिंग विभाग के लिए 21, एफए और स्वास्थ्य विभाग के लिए 5, विद्युत विभाग के लिए 4, खेल, सीई रखरखाव, एस्टेट, एलडब्ल्यूएस के लिए 2-2 अनुरोध प्राप्त हुए। आवास विभाग एवं सतर्कता विभाग से केवल एक शिकायत प्राप्त हुई। जीएचएमसी के तहत छह क्षेत्रों में कुल 80 आवेदन प्राप्त हुए। उसमें से कुकटपल्ली जोन में 33, सेरिलिंगमपल्ली जोन में 9, एलबीनगर जोन में 14, सिकंदराबाद जोन में 21, चारमीनार जोन में 3 और खैरताबाद जोन में कोई शिकायत प्राप्त नहीं हुई।

इस कार्यक्रम में अतिरिक्त आयुक्त शिव कुमार नायुडू, नलिनी पद्मावती, वेणुगोपाल रेड्डी, गीता राधिका, पंकजा, सरोजा, रघु प्रसाद, सत्यनारायण, सुभद्रा देवी, चंद्रकांत रेड्डी, सीई देवानंद, कोटेश्वर राव, अतिरिक्त सीसीपी गंगाधर, प्रदीप, सीएम और एचओ डॉ. उपस्थित थे पद्मजा, संयुक्त आयुक्त महेश कुलकर्णी, हाउसिंग एसई कृष्णा राव पीवी रमना राजेश्वर राव, जलकार्य जीएन साई रमना, संबंधित विभागों के अधिकारियों ने भाग लिया।

कस्टम अधिकारियों ने जब्त किए विदेशी सांप

हैदराबाद, 25 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे (आरजीआईए), शमशाबाद के सीमा शुल्क अधिकारी रविवार रात दो महिला यात्रियों के सामान में दो विदेशी सांपों को देखकर हैरान रह गए। इस घटना से शमशाबाद स्थित आरजीआईए हवाई अड्डे पर थोड़ी हलचल मच गई, जो वैसे भी सोना, ड्रग्स और यहां तक कि कभी-कभी गोला-बारूद की जब्ती के लिए जाना जाता है।

उपलब्ध जानकारी के अनुसार, दोनों यात्री बैंकॉक से एक उड़ान द्वारा हैदराबाद पहुंचे थे और उनके पास अलग टोकरी में सांप रखे हुए थे। हालांकि, जब विमान आरजीआईए पहुंचा तो सीमा शुल्क अधिकारियों ने टोकरियों का निरीक्षण करने का निर्णय लिया और सांपों को देखकर वे चौंक गए। ये सांप, जिन्हें विदेशी और विषैला माना जाता है। पूछताछ के लिए दो महिलाओं को हिरासत में लिया गया। सांपों को बचा लिया गया। अधिकारी इस बात की जांच कर रहे हैं कि क्या केवल ये महिलाएं ही इसमें शामिल थीं या वे किसी के निर्देश पर काम कर रही थीं?

पॉक्सो मामले में आरोपी को तीन वर्ष सश्रम कारावास की सजा

हैदराबाद, 25 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बालापुर थाना क्षेत्र में प्यार के नाम पर एक नाबालिग लड़की के साथ छेड़छाड़, अभद्रता और यौन उत्पीड़न के प्रयास की घटना में आरोपी मोहम्मद जियान उर्फ मोहम्मद उमर पास्को अधिनियम के तहत तीन साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई गई। बालापुर पुलिस स्टेशन में आईपीसी की धारा 354 (ए) और पॉक्सो अधिनियम की धारा 8 के तहत दर्ज इस मामले में, बालापुर स्टेशन एससी संख्या 724/2020, बलात्कार और पॉक्सो अधिनियम, फास्ट ट्रैक विशेष न्यायाधीश, रंगारेड्डी जिला, एलबी नागर ने सोमवार को आरोपी को दोषी करार दिया है। इस मामले में आरोपी को तीन वर्ष का सश्रम कारावास और 5 हजार रुपये का जुर्माना और पीड़िता को एक लाख रुपये का मुआवजा दिया गया। लोक अभियोजक सुश्री सुनीता ने इस मामले में बहस की।

कांग्रेस सांसद ने ईवीएम पर जताई चिंता

नतीजे वैसे नहीं आए जैसे हमें उम्मीद थी

हैदराबाद, 25 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) पर चिंता जताते हुए भोनगिर से कांग्रेस सांसद सी किरण कुमार रेड्डी ने मांग की कि चुनाव आयोग को ईवीएम के इस्तेमाल पर पुनर्विचार करना चाहिए। भाजपा पर किसी भी कुटिल तरीके से सत्ता में आने का आरोप लगाते हुए सांसद ने कहा कि कांग्रेस को चुनाव प्रक्रियाओं पर संदेह है।

सी किरण कुमार रेड्डी ने एक समाचार एजेंसी को दिए साक्षात्कार में कहा कि चाहे हरियाणा हो या महाराष्ट्र, भाजपा को किसी भी तरह सत्ता में आने की आदत है। हरियाणा में नतीजे वैसे नहीं आए जैसी हमने उम्मीद की थी और महाराष्ट्र में भी। हमारे नेता चुनाव प्रक्रियाओं को लेकर संदेहास्पद हैं। कांग्रेस सांसद ने यह भी कहा कि यह समझना कठिन है कि हमारा लोकतंत्र ईवीएम के साथ क्या कर रहा है?

किरण कुमार रेड्डी ने साक्षात्कार में कहा कि अगर कोई राजनीतिक दल ईवीएम पर भरोसा नहीं करता है, तो हमें इस पर चर्चा करनी चाहिए और भरोसा बढ़ाने के लिए कोई वैकल्पिक तरीका खोजना चाहिए। चुनाव आयोग को इस बारे में फिर से सोचना चाहिए, या तो हमें इस तकनीक को अपनाना चाहिए या फिर दूसरे देशों का अनुसरण करना चाहिए, जिन्होंने ईवीएम से सामान्य मतपत्रों की ओर अपना रास्ता बदल लिया है।

आंध्र प्रदेश पुलिस पहुंचने से आरजीवी डेन में तनाव

फिल्म निर्देशक रामगोपाल वर्मा को हिरासत में लेने पहुंची थी टीम, पूछताछ में सहयोग न करने का आरोप

हैदराबाद, 25 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। निर्देशक राम गोपाल वर्मा के कार्यालय 'आरजीवी डेन' में उस समय तनाव की स्थिति उत्पन्न हो गई, जब आंध्र प्रदेश पुलिस की एक टीम सोमवार को पड़ोसी राज्य में उनके खिलाफ दर्ज एक मामले के संबंध में पूछताछ के लिए उन्हें हिरासत में लेने के लिए वहां पहुंची। राम गोपाल वर्मा, जिन्हें आरजीवी के नाम से जाना जाता है, अपने 'एक्स' अकाउंट पर आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायुडू, उपमुख्यमंत्री के पवन कल्याण और आईटी मंत्री नारा लोकेश पर कथित अपमानजनक टिप्पणियों के लिए उनके खिलाफ दर्ज मामले के संबंध में पूछताछ के लिए ओंगोल ग्रामीण पुलिस के समक्ष पेश नहीं हुए थे।

मद्दीपाडु टीडीपी नेता रामलिंगैया ने ओंगोल ग्रामीण पुलिस स्टेशन में आरजीवी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी, जिसमें कहा गया था कि आरजीवी की नवीनतम फिल्म 'व्यूहम' के प्रचार के दौरान उन्होंने आंध्र प्रदेश के नेताओं के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी की थी।

इसके बाद आरजीवी ने इस शिकायत को खारिज करने के लिए हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। हालांकि, कोर्ट ने कहा कि वह इस मामले में हस्तक्षेप नहीं करेगा और आरजीवी को सलाह दी कि अगर उसे गिरफ्तारी का डर है तो वह अग्रिम जमानत याचिका दायर करे।

19 नवंबर को आरजीवी ने पूछताछ के लिए पुलिस से चार दिन का समय मांगा था। सोमवार को उन्हें फिर से पूछताछ के लिए पुलिस के सामने पेश होना था, लेकिन वे फिर से नहीं आए। हालांकि, अपने वकील के माध्यम से उन्होंने ओंगोल पुलिस को सूचित किया कि वे फिल्म की शूटिंग के पहले के कार्यक्रम के कारण पूछताछ में शामिल नहीं हो सकते।

चूंकि वह पहले ही एक बार पूछताछ से बच चुके हैं, इसलिए ओंगोल पुलिस आरजीवी के कार्यालय सह आवास पर पहुंची और उसे ओंगोल ले जाने के लिए इंतजार कर रही थी। उन्हें बताया गया है कि आरजीवी पूछताछ में सहयोग नहीं कर रहे हैं और इसलिए, यदि आवश्यक हो तो उसे हिरासत में लिया जा सकता है।

राज्य कृषि और किसान कल्याण आयोग के अध्यक्ष कोदंडा रेड्डी, सदस्य रामुलु नाइक, भवानी रेड्डी, सुनील, चेविटी वेंकन्ना ने राज्य जल निकासी और नागरिक आपूर्ति मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी से मुलाकात कर समस्याओं की जानकारी दी।

वेनेला ने तेलंगाना सांस्कृतिक सराधी की अध्यक्ष का पदभार संभाला

हैदराबाद, 25 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। क्रांतिकारी गीतकार और लोक गायक स्वर्गीय गद्दर की बेटी डॉ. वेनेला ने तेलंगाना सांस्कृतिक सराधी की अध्यक्ष का पदभार संभाला। यह समारोह सोमवार को हैदराबाद के माधापुर में सांस्कृतिक सराधी कार्यालय में हुआ। पर्यटन और संस्कृति मंत्री जुपल्ली कृष्ण राव, टीपीसीसी अध्यक्ष महेश कुमार गौड़, एमएलसी पटनम महेंद्र रेड्डी और प्रोफेसर कोडंडारम, पूर्व सांसद वी. हनुमंत राव, अभिनेता आर. नारायण मूर्ति, भाषा और संस्कृति विभाग के निदेशक डॉ. ममीदी हरिकृष्णा भी कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर बोलते हुए, मंत्री जुपल्ली कृष्ण राव ने राज्य के नेतृत्व वाली कल्याण और विकास योजनाओं को बढ़ावा देने में तेलंगाना सांस्कृतिक सराधी की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने उम्मीद जताई कि डॉ. वेनेला के नेतृत्व में संगठन ऐसे कार्यक्रम शुरू करेगा जो सामाजिक जागरूकता को बढ़ावा देते हुए तेलंगाना की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित और संवर्धित करेंगे। टीपीसीसी अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ ने तेलंगाना राज्य आंदोलन में गद्दर की महत्वपूर्ण भूमिका की प्रशंसा की और इस उद्देश्य के प्रति उनके अथक प्रयासों और समर्पण को याद किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व वाली मौजूदा सरकार का लक्ष्य गद्दार के दृष्टिकोण को कायम रखना है। डॉ. वेनेला की नियुक्ति को उनके पिता की विरासत की सही पहचान बताते हुए उन्होंने विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व से तेलंगाना सांस्कृतिक सारधी को और मजबूती मिलेगी।

भारतीय रिज़र्व बैंक
संपदा विभाग, हैदराबाद

भारतीय रिज़र्व बैंक, हैदराबाद के लिए सिविल, इलेक्ट्रिकल और अन्य सामान्य कार्य/खरीद करने के लिए आपूर्तिकर्ताओं और ठेकेदारों का पैनल बनाना/

भारतीय रिज़र्व बैंक, हैदराबाद; अपने विभिन्न स्थानों पर बैंक की संपत्तियों में सिविल, इलेक्ट्रिकल और अन्य सामान्य कार्य/खरीद करने के लिए आपूर्तिकर्ताओं और ठेकेदारों के पैनल में शामिल होने के लिए आवेदन आमंत्रित करता है। यह पैनल 01 अप्रैल, 2025 से 31 मार्च, 2028 तक तीन साल की अवधि के लिए लागू रहेगा। इच्छुक ठेकेदार /आपूर्तिकर्ता दस्तावेज़ में किए गए उल्लेख के अनुसार किसी भी श्रेणी के तहत एकल या एकाधिक व्यापार/रों के लिए पैनल में शामिल करने के लिए आवेदन कर सकते हैं।

आवेदन पत्र सहित दस्तावेज को **27 नवंबर 2024 से 27 दिसंबर 2024** तक https://www.rbi.org.in/Scripts/BS_ViewTenders.aspx से डाउनलोड किया जा सकता है। पात्र ठेकेदारों द्वारा सभी सहायक दस्तावेजों के साथ विधिवत भरे गए फॉर्म जमा करने की अंतिम तारीख **27 दिसंबर 2024 को 14:00** बजे तक है।

क्षेत्रीय निदेशक तेलंगाना

CHANGE OF NAME

I, **RAJSHREE KRISHNATH YADAV** Spouse of **JC-845536K Nb Sub Yadav Krishnath Pandurang** Resident of Village & Post - Vardhangarh, Distt- Satara, Maharashtra - 415501 have Changed my Name from **RAJSHREE** to **RAJSHREE KRISHNATH YADAV** vide Affidavit dated 15 Jun 2024 before Notary K Purushottam, Visakhapatnam (AP).

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.